छात्रोपयोगी अध्ययन सामग्री

कक्षा 12 वीं हिंदी

सत्र 2020-21

केंद्रीय विद्यालय संगठन

क्षेत्रीय कार्यालय,रायपुर

<u>विद्यार्थियों के लिए संदेश</u>

"सफलता तभी मिलती है, जब उसे पाने का प्रयास होता है।
प्रयास का पहला पड़ाव ही, खुद पर विश्वास होता है||"

केन्द्रीय विद्यालय के कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए हिन्दी केन्द्रिक पाठ्यक्रम की यह अध्ययन सामग्री सौंपते हुए हमें हार्दिक प्रसन्नता हो रही है।

किसी भी अध्ययन सामग्री की सफलता इस बात पर निर्भर है कि उसमें विद्यार्थियों की शंकाओं, जिज्ञासाओं का शमन हो सके साथ ही अगर उसमें अध्ययन की लालसा को प्रबल करने की शक्ति अंतर्निहित हो तो सोने पे सुहागा। कोविड-19 की संक्रामक बीमारी से त्रस्त एवं आशंकित मानवता आज विकल्पों की तलाश में जुटी है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों ने इस चुनौती को भी अवसर मानकर अध्ययन- अध्यापन की प्रक्रिया को अनवरत गतिमान बनाये रखा है। इस सामग्री का निर्माण करते हुए वर्तमान सत्र के परीक्षा प्रश्न-पत्र के मानदंड को ध्यान में रखा गया है|

इस सामग्री को परीक्षा प्रश्न-पत्र नए 'प्रारूप' के अनुसार विद्यार्थियों को पाठ्यवस्तु का अभ्यास कराने के साथ—साथ उनके आत्मविश्वास को मजबूत बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। अपठित गद्यांश, पद्यांश, जनसंचार, अभिव्यक्ति एवं माध्यम एवं पाठ्य पुस्तकों (आरोह व वितान) के पाठों का सारांश, केन्द्रीय भाव, महत्त्वपूर्ण प्रश्नों के अतिरिक्त बोध और अधिगम पर आधारित सामग्री को प्रस्तुत किया गया है। उद्देश्य यह है कि इससे विद्यार्थियों को सघन, संक्षिप्त और समेकित रूप में अध्ययन सामग्री उपलब्ध हो सके, जो उनके अधिगम में सहायक हो|

इस सामग्री का निर्माण सी.बी.एस.ई.के सत्र 2020-21 के पाठ्यक्रम में किए गए नवीनतम संशोधन के अनुरूप एवं प्रश्न पत्रों के डिजाइन को ध्यान में रखकर किया गया है| इसमें वे सभी आवश्यक एवं महत्वपूर्ण बिंदु शामिल किए गए हैं, जो संबंधित विषय को भली प्रकार से दोहराने के लिए आवश्यक हैं| इस पाठ्य सामग्री की विषयवस्तु और डिजाइन में मानकता तथा प्रस्तुतीकरण में एकरूपता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इसे केंद्रीय विद्यालय संगठन संभागीय कार्यालय रायपुर के स्तर पर अंतिम रूप दिया गया है| आशा ही नहीं, पूर्ण विश्वास है कि इस सामग्री से विद्यार्थी पाठों को शीघ्रता से हृदयंगम कर सकेंगे| विश्वास है कि यह सहायक सामग्री विद्यार्थियों के लिए सुनियोजित कठिन परिश्रम, बेहतर समय प्रबंधन तथा निष्ठापूर्वक अध्ययन द्वारा सफलता के उच्च शिखर तक पहुँचने में अवश्य सहायक सिद्ध होगी|

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि इस अध्ययन सामग्री का विद्यार्थियों द्वारा भरपूर उपयोग किया जाएगा और बोर्ड परीक्षाओं में यह उनके लिए लाभदायी सिद्ध होगी | हमारे विद्यार्थी प्रगति-पथ के पथिक बन कर अपने माता-पिता गुरुजनों और केंद्रीय विद्यालय संगठन को गौरवन्वित करेंगे |

"इस पथ का उद्देश्य नहीं है, श्रांत भवन में टिक रहना।
किंतु पहुँचना उस सीमा तक, जिसके आगे राह नहीं है।"

मंगलकामनाओं सहित!

सुश्री चंदना मण्डल
उपायुक्त
के. वि. संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर

छात्रोपयोगी-अध्ययन–सामग्री

कक्षा –12 वीं

विषय- हिन्दी

(सत्र 2020-21)

प्रधान संरक्षक

सुश्री चंदना मण्डल

उपायुक्त

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यकाल, रायपुर

संरक्षक

श्री अशोक कुमार मिश्र

सहायक आयुक्त,

के० वि० सं०, रायपुर संभाग

श्रीमती बिरजा मिश्र,

सहायक आयुक्त,

के० वि० सं०, रायपुर संभाग

समन्वयकर्ता

श्री धीरेन्द्र कुमार झा,

प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय बिलासपुर

अध्ययन सामग्री निर्माण समिति

श्रीमती अर्चना मर्सकोले

स्नातकोत्तर शिक्षिका

के.वि. बिलासपुर

डॉ. योगेन्द्र कुमार पाण्डेय,

स्नातकोत्तर शिक्षक हिन्दी

के.वि.राजनांदगाँव

श्री जितेन्द्र प्रताप सिंह, स्नातकोत्तर शिक्षक हिन्दी

के.वि. धमतरी

सुनील कुमार पांडेय

स्नातकोत्तर शिक्षक

के.वि. बिलासपुर

डिजाइनिंग एवं तकनीकी सहायक

सुश्री संगीता मुखर्जी

प्राथमिक शिक्षिका

के.वि. बिलासपुर

अध्ययन सामग्री
अनुक्रमणिका (विषय सूची)

क्रम संख्या	विषयवस्तु /भाग
1	प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक योजना
2	प्रतिदर्श प्रश्न पत्र
3	अपठित गद्यांश
4	अपठित काव्यांश
5	अभिव्यक्ति और माध्यम
6	आरोह भाग 2 काव्य खंड
7	आरोह भाग 2 गद्य खंड
8	वितान भाग -2
9	रचनात्मक लेखन
10	पत्र लेखन
11	प्रतिदर्श एवं अभ्यास प्रश्न पत्र

कक्षा 12वी

हिन्दी 'आधार" परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम विनिर्देशन 2020-2021 (कोड – 20-21/H/B)

प्रश्न –पत्र दो खण्डों– खण्ड "अ" और "ब" का होगा |

खण्ड "अ" में वस्तुपरक प्रश्न पूछे जायेंगे |

खण्ड "अ" में कुल 55 प्रश्न होंगे जिनमे से केवल 40 प्रश्नों के ही उत्तर देने होंगे।

खण्ड "ब" में वर्णात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे | प्रश्नों मे उचित आंतरिक विकल्प दिए जाएंगे|

परीक्षा भार विभाजन				
खण्ड "अ" (वस्तुपरक प्रश्न)				
विषयवस्तु			**उपभार**	**कुल भार**
1	अपठित गद्यांश (चिंतन क्षमता एवं अभिव्यक्ति कौशल पर बहुविकल्पात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे)		15	
	अ	दो अपठित गद्यांशो मे से कोई एक गद्यांश करना होगा | (450-500 शब्दों के)(1 अंक X 10 प्रश्न)	10	10
	ब	दो अपठित पद्यांशो में से कोई एक पद्यान्श करना होगा | (250-250 शब्दों के) (1 अंक x 5 प्रश्न)	5	5
2	कार्यालयी हिन्दी और रचनात्मक लेखन ("अभिव्यक्ति और माध्यम" पुस्तक के आधार पर)		5	
	अ	अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक से बहुविकल्प प्रश्न (1 अंक x 5 प्रश्न)	5	5
3	पाठ्यपुस्तक आरोह भाग-2 से बहुविकल्पात्मक प्रश्न		10	
	अ	पठित काव्यान्श पर पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (1 अंक x 5 प्रश्न)	5	
	ब	पठित गदयांश पर पाँच बहुविकल्पी प्रश्न (1 अंक x 5 प्रश्न)	5	
4	अनुपूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग – 2 से बहुविकल्पात्मक प्रश्न		10	
	अ	पठित पाठों पर दस बहुविकल्पी प्रश्न | (1 अंक x 10 प्रश्न)	10	
परीक्षा भार विभाजन				
खण्ड "ब" (वर्णात्मक प्रश्न)				
विषयवस्तु			उपभार	कुल भार
5	कार्यालयी हिन्दी और रचनात्मक लेखन			20

	1	दिए गए तीन नए और अप्रत्याशित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों मे रचनात्मक लेखन (5 अंक x 1 प्रश्न)	5	
	2	औपचारिक विषय से संबन्धित पत्र लेखन | (5 अंक x 1 प्रश्न) (विकल्प सहित)	5	
	3	कविता/कहानी/नाटक की रचना प्रक्रिया पर आधारित दो लघुउत्तरीय प्रश्न (3 अंक x 1 प्रश्न)+ (2 अंक x 1 प्रश्न) (विकल्प सहित)	5	
	4	समाचार लेखन (उल्टा पिरामिड शैली)/फीचर लेखन/आलेख लेखन पर आधारित दो लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंक x 1 प्रश्न)+ (2 अंक x 1 प्रश्न) (विकल्प सहित)	5	
6	पाठ्यपुस्तक आरोह भाग – 2			20
	1	काव्य खण्ड पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर (लगभग 50-60 शब्दों में) (3 अंक x 2 प्रश्न)	6	
	2	काव्य खण्ड पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर (लगभग 30-40 शब्दों में) (2 अंक x 2 प्रश्न)	4	
	3	गद्य खण्ड पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर (लगभग 50-60 शब्दों में) (3 अंक x 2 प्रश्न)	6	
	4	गद्य खण्ड पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर (लगभग 30-40 शब्दों में) (3अंक x 2 प्रश्न)	4	
कुल अंक				80
7	(अ) श्रवण तथा वाचन		10	20
	(ब) परियोजना कार्य		10	
कुल अंक				100

नोट: निम्नलिखित पाठ हटा दिये गये हैं।

काव्य खंड	
1	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला- बादल राग
2	हरिवंश राय बच्चन -आत्म परिचय
3	आलोक धनवा - पतंग
4	कुंवर नारायण- बात सीधी थी पर
5	**उमाशंकर जोशी -छोटा मेरा खेत, बगुलों के पंख एक**
गद्य खंड	
6	**विष्णु खरे- चार्ली चैप्लिन यानी हम सब**
7	**हजारी प्रसाद द्विवेदी शिरीष के फूल**

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र विषय- हिंदी (आधार)2020- 21 (विषय कोड- 302)
कक्षा- बारहवीं

निर्धारित समय- 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देश: **निम्नलिखित निर्देशों का पालन कीजिए:**

- **इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं- खंड 'अ' और 'ब'। खंड 'अ' में वस्तुपरक तथा खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं।**
- **खंड 'अ' में कुल 6 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।**
- **खंड 'ब' में कुल 8 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।**

	खंड – अ वस्तुपरक-प्रश्न	
	अपठित गद्यांश	**(10)**
प्रश्न 1.	**निम्नलिखित में से किसी *एक* गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए:-** दुनिया शायद अभी तक के सबसे बड़े संकट से जूझ रही है। मौजूदा दौर की महामारी ने हर किसी के जीवन में हलचल मचा दी है। इस पर महामारी ने जीवन की सहजता को पूरी तरह बाधित कर दिया है। भारत में इतनी अधिक आबादी है कि इसमें किसी नियम कायदे को पूरी तरह से अमल में लाना अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। इसमें महामारी के संक्रमण को रोकने के मकसद से पूर्णबंदी लागू की गई और इसे कमोबेश कामयाबी के साथ अमल में भी लाया गया। लेकिन यह सच है कि जिस महामारी से हम जूझ रहे हैं, उससे लड़ने में मुख्य रूप से हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता की ही बड़ी भूमिका है। लेकिन असली चिंता बच्चों और बुजुर्गों की हो आती है। इस मामले में ज़्यादातर नागरिकों ने जागरुकता और सहजबोध की वजह से जरूरी सावधानी बरती है। लेकिन इसके समानान्तर दूसरी कई समस्याएँ खड़ी हुई हैं। मसलन आर्थिक गतिविधियां जिस बुरी तरह प्रभावित हुई हैं, उसने बहुत सारे लोगों के सामने संकट और ऊहापोह की स्थिति पैदा कर दी है। एक तरफ नौकरी और उसकी तनख्वाह पर निर्भर लोगों की लाचारी यह है कि उनके सामने यह आश्वासन था कि नौकरी से नहीं निकाला जाएगा, वेतन नहीं रोका जाएगा, वहीं उनके साथ हुआ उल्टा। नौकरी गई, कई जगहों पर तनख्वाह नहीं मिली या कटौती की गई और किराए के घर तक छोड़ने की नौवत आ गई। इस महामारी का दूसरा असर शिक्षा जगत पर पड़ा है, उसका तार्किक समाधान कैसे होगा, यह लोगों के लिए समझना मुश्किल हो रहा है। खासतौर पर स्कूली शिक्षा पूरी तरह से बाधित होती दिख रही है। यों इसमें किए गए वैकल्पिक इंतज़ामों की वजह से स्कूल भले बंद हों, लेकिन शिक्षा को जारी रखने की कोशिश की गयी है। स्कूल बंद होने पर बहुत सारे शिक्षकों को वेतन की चिंता प्राथमिक नहीं थी, बच्चों के भविष्य की चिंता उन्हें सता रही है। हालांकि एक ख़ासी तादाद उन बच्चों की है, जो लैपटॉप या स्मार्ट फोन के साथ जीते हैं, लेकिन दूसरी ओर बहुत सारे शिक्षक ऐसे भी हैं, जिन्हें कम्प्युटर चलाना नहीं आता। उन सबके सामने चुनौती है ऑनलाइन कक्षाएँ लेने की। सबने हार नहीं मानी और तकनीक को खुले दिल से सीखा। इस तरह फिलहाल जो सीमा है, उसमें पढ़ाई-लिखाई को जारी रखने की पूरी कोशिश की जा रही है। (जनसत्ता से साभार)	**10x1 =10**
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:-	
(i)	उपरोक्त गदयांश किस विषयवस्तु पर आधारित है? I. बेरोजगारी| II. शिक्षा की समस्या|	1

	III. आर्थिक संकट| IV. महामारी का प्रभाव|	
(ii)	पूर्णबन्दी लागू क्यों की गई? I. संक्रमण को रोकने के लिए| II. लोगों की आवा-जाही रोकने के लिए| III. नियम लागू करने के लिए| IV. लोगों द्वारा नियम नहीं मानने के कारण|	1
(iii)	हमें बच्चों और बुजुर्गों की चिंता क्यों है? I. कमजोर और अक्षम होने के कारण| II. प्रतिरोधक क्षमता के अभाव के कारण| III. अधिक बीमार रहने के कारण| IV. बीमारी का अधिक प्रभाव पड़ने के कारण|	1
(iv)	स्कूली शिक्षा को जारी रखने की कोशिश क्यों की जा रहीहै? I. प्राइवेट स्कूल के दवाब के कारण| II. शिक्षा जारी रखने के लिए| III. बच्चों की चिंता के कारण| IV. शिक्षकों के वेतन के लिए|	1
(v)	ऑनलाइन शिक्षा एक चुनौती कैसे है? I. शिक्षक की अकुशलता के कारण| II. तकनीकी रूप से योग्य नहीं होना| III. साधन नहीं होने के कारण| IV. अभिभावकों की रुचि नहीं होना|	1
(vi)	शिक्षकों ने तकनीक को खुले दिल से क्यों सीखा? I. ऑनलाइन पढ़ाने की मजबूरी के कारण| II. अपनी सैलरी के कारण| III. बच्चों की चिंता के कारण| IV. अभिभावकों के भय से|	1
(vii)	महामारी के समय में भी शिक्षकों ने शिक्षक होने का बोध कराया है- कैसे? I. बच्चों की शिक्षा की चिंता द्वारा| II. अपनी नौकरी की चिंता द्वारा| III. अपनी सैलरी की चिंता द्वारा| IV. तकनीक सीखने की हिम्मत द्वारा|	1
(viii)	जीवन की सहजता के बाधित होने से आप क्या समझते हैं? I. जीवन में कठिनाई उत्पन्न हो जाना| II. जीवन में संकट उत्पन्न हो जाना| III. जीवन में संघर्ष का बढ़ जाना| IV. जीवन में आराम नहीं होना|	1
(ix)	भारत में नियम-कानून लागू करना चुनौती क्यों है?	1

	I. लोग अधिक होने से| II. अनपढ़ होने से| III. नियम नहीं मानने से| IV. नियम-कानून की समझ नहीं होने से|	
(x)	लोगों के जीवन में उहापोह की स्थिति कैसे आ गई? I. महामारी आ जाने से| II. आर्थिक गतिविधियां ठप हो जाने से| III. नौकरी चले जाने से| IV. तन्ख्वाह नहीं मिलने से|	1
	अथवा	
	गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए:- एकांत ढूँढने के कई सकारात्मक कारण हैं । एकांत की चाह किसी घायल मन की आह भर नहीं, जो जीवन के काँटों से बिंध कर घायल हो चुका है, एकांत सिर्फ उसके लिए शरण मात्र नहीं। यह उस इंसान की ख्वाइश भर नहीं, जिसे इस संसार में 'फेंक दिया गया' हो और वह फेंक दिये जाने की स्थिति से भयभीत होकर एकांत ढूंढ रहा हो। हम जो एकांत में होते हैं, वही वास्तव में होते हैं। एकांत हमारी चेतना की अंतर्वस्तु को पूरी तरह उघाड़ कर रख देता है। अंग्रेजी का एक शब्द है–'आइसोनोफिलिया'। इसका अर्थ है अकेलेपन, एकांत से गहरा प्रेम। पर इस शब्द को गौर से समझें तो इसमें अलगाव की एक परछाई भी दिखती है। एकांत प्रेमी हमेशा ही अलगाव की अभेद्य दीवारों के पीछे छिपना चाह रहा हो, यह जरूरी नहीं। एकांत की अपनी एक विशेष सुरभि है और जो भीड़ के अशिष्ट प्रपंचों में फंस चुका हो, ऐसा मन कभी इसका सौंदर्य नहीं देख सकता। एकांत और अकेलेपन में थोड़ा फर्क समझना जरूरी है। एकांतजीवी में कोई दोष या मनोमालिन्य नहीं होता। वह किसी व्यक्ति या परिस्थिति से तंग आकर एकांत की शरण में नहीं जाता। न ही आतातायी नियति के विषैले बाणों से घायल होकर वह एकांत की खोज करता है। अंग्रेजी कवि लॉर्ड बायरन ऐसे एकांत की बात करते हैं। वे कहते हैं कि ऐसा नहीं कि वे इंसान से कम प्रेम करते हैं, बस प्रकृति से ज्यादा प्रेम करते हैं। बुद्ध अपने शिष्यों से कहते हैं कि वे जंगल में विचरण करते हुए गैंडे की सींग की तरह अकेले रहें। वे कहते हैं–'प्रत्येक जीव जन्तु के प्रति हिंसा का त्याग करते हुए, किसी की भी हानि की कामना न करते हुए, अकेले चलो-फिरो, वैसे ही जैसे किसी गैंडे का सींग।' हक्सले 'एकांत के धर्म' या 'रिलीजन ऑफ सोलीट्यूड' की बात करते हैं। वे कहते हैं जो मन जितना ही अधिक शक्तिशाली और मौलिक होगा, एकांत के धर्म की तरफ उसका उतना ही अधिक झुकाव होगा; धर्म के क्षेत्र में एकांत, अंधविश्वासों, मतों और धर्मांधता के शोर से दूर ले जाने वाला होता है। इसके अलावा एकांत धर्म और विज्ञान के क्षेत्र में नई अंतर्दृष्टियों को भी जन्म देता है। ज्यां पॉल सार्त्र इस बारे में बड़ी ही खूबसूरत बात कहते हैं। उनका कहना है- 'ईश्वर एक अनुपस्थिति है। ईश्वर है इंसान का एकांत। क्या एकांत लोग इसलिए पसंद करते हैं कि वे किसी को मित्र बनाने में असमर्थ हैं? क्या वे सामाजिक होने की अपनी असमर्थता को छिपाने के लिए एकांत को महिमामंडित करते हैं? वास्तव में एकांत एक दुधारी तलवार की तरह है। लोग क्या कहेंगे इसका डर भी हमें अक्सर एकांत में रहने से रोकता है। यह बड़ी अजीब बात है, क्योंकि जब आप वास्तव में अपने साथ या अकेले होते हैं, तभी इस दुनिया और कुदरत के साथ अपने गहरे संबंध का अहसास होता है। इस संसार को और अधिक गहराई और अधिक समानुभूति के साथ प्रेम करके ही हम अपने दुखदाई अकेलेपन से बाहर हो सकते हैं। (जनसत्ता से साभार)	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:-	

(i)	उपरोक्त गदयांश किस विषयवस्तु पर आधारित है? I. अकेलेपन पर| II. एकांत पर| III. जीवन पर| IV. अध्यात्म पर|	1
(ii)	एकांत हमारे जीवन के लिए क्यों आवश्यक है? I. परेशानी से भागने के लिए| II. आध्यात्मिक चिंतन के लिए| III. स्वयं को जानने के लिए| IV. अशांत मन को शांत करने के लिए|	1
(iii)	बायरन मनुष्य से अधिक प्रकृति से प्रेम क्यों करते थे? I. प्रकृति की सुंदरता के कारण| II. मनुष्य से घृणा के कारण| III. एकांत प्रेम के कारण| IV. अकेलेपन के कारण|	1
(iv)	दुखद अकेलेपन से कैसे बाहर आया जा सकता है? I. संसार से प्रेम करके| II. सच्चे दोस्त बनाकर| III. संसार की वास्तविकता को समझ कर| IV. संसार से मुक्त होकर|	1
(v)	एकांत की खुशबू को कैसे महसूस किया जा सकता है? I. संसार से अलग होकर| II. भीड़ में नहीं रहकर| III. एकांत से प्रेम करके| IV. अकेले रहकर|	1
(vi)	गैंडे के सींग की क्या विशेषता होती है? I. वह किसी को हानि नहीं पहुंचाता| II. वह सींग नहीं वरन सींग का अपररूप होता है | III. गैंडे अकेले रहते हैं इसलिए सींग भी अकेला रहता है | IV. अपनी दुनिया में मस्त रहना|	1
(vii)	धर्म के क्षेत्र में एकांत का क्या योगदान है? I. समर्पण की भावना| II. पूजा और साधना| III. धर्मांधता से मुक्ति| IV. धर्म के वास्तविक स्वरूप की पहचान|	1
(viii)	नई अंतर्दृष्टि से आप क्या समझते है? I. नई खोज| II. नया अनुसंधान| III. नई संकल्पना| IV. नया सिद्धांत |	1
(ix)	ईश्वर एक अनुपस्थिति है– कैसे?	1

	I. ईश्वर कभी दिखाई नहीं देते| II. ईश्वर कभी उपस्थित नहीं होते| III. एकांत में ही ईश्वर महसूस होते हैं| IV. ईश्वर होते ही नहीं हैं|	
(x)	एकांत में रहने का अर्थ है ? I. दोस्त नहीं बना सकना| II. संसार को जानने का अवसर मिलना| III. अपने प्रिय लोगों को जानने का अवसर मिलना| IV. संसार और प्रकृति की सुंदरता को देखना|	1
प्रश्न 2.	**निम्नलिखित में से किसी *एक* पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए:-** दूर-दूर से आते हैं घन लिपट शैल में छा जाते हैं मानव की ध्वनि सुनकर पल में गली-गली में मंडराते हैं जग में मधुर पुरातन परिचय श्याम घरों में घुस आते हैं, है ऐसी ही कथा मनोहर उन्हें देख गिरिवर गाते हैं! ममता का यह भीगा अंचल हम जग में फ़िर कब पाते हैं अश्रु छोड़ मानस को समझा इसीलिए विरही गाते हैं सुख-दुःख के मधु-कटु अनुभव को उठो हृदय, फुहियों से धो लो, तुम्हें बुलाने आया सावन, चलो-चलो अब बंधन खोलो पवन चला, पथ में हैं नदियाँ, उछल साथ में तुम भी हो लो प्रेम-पर्व में जगा पपीहा, तुम कल्याणी वाणी बोलो! आज दिवस कलरव बन आया, केलि बनी यह खड़ी निशा है; हेर-हेर अनुपम बूँदों को जगी झड़ी में दिशा-दिशा है! बूँद-बूँद बन उतर रही है यह मेरी कल्पना मनोहर, घटा नहीं प्रेमी मानस में प्रेम बस रहा उमड़-घुमड़ कर भ्रान्ति-भांति यह नहीं दामिनी, याद हुई बातें अवसर पर, तर्जन नहीं आज गूंजा है जड़-जग का गूंजा अभ्यंतर! इतने ऊँचे शैल-शिखर पर	**5x1= 5**

	कब से मूसलाधार झड़ी है; सूखे वसन, हिया भीगा है इसकी चिंता हमें पड़ी है! बोल सरोवर इस पावस में, आज तुम्हारा कवि क्या गाए, कह दे श्रृंग सरस रूचि अपनी, निर्झर यह क्या तान सुनाए; बाँह उठाकर मिलो शाल, ये दूर देश से झोंके आए रही झड़ी की बात कठिन यह, कौन हठीली को समझाए! अजब शोख यह बूँदा-बाँदी, पत्तों में घनश्याम बसा है झाँके इन बूँदों से तारे, इस रिमझिम में चाँद हँसा है! जिय कहता है मचल-मचलकर अपना बेड़ा पार करेंगे हिय कहता है, जागो लोचन, पत्थर को भी प्यार करेंगे॥ (केदारनाथ मिश्र 'प्रभात')	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:-	
(i)	उपरोक्त काव्यांश का वर्ण्य-विषय क्या है? I. प्रकृति | II. बादल | III. पावस ऋतु | IV. जन-जीवन |	1
(ii)	कवि बार-बार किससे प्रश्न कर रहा है? I. बादल से| II. प्रकृति से| III. पहाड़ से| IV. नदी से|	1
(iii)	मानव की ध्वनि सुनकर पल में गली-गली में मँडराते हैं– पंक्ति में निहित अलंकार है? I. उपमा| II. उत्प्रेक्षा| III. मानवीकरण| IV. अनुप्रास|	1
(iv)	'सूखे वसन, हिया भीगा है' का अर्थ है ? I. पैर भीगे है किन्तु हाथ सूखे हैं। II. अभ्यन्तर हृदय भीग गया है किन्तु कपड़े सूखे हैं। III. तन ऊपर से भीग गया है किन्तु मन सूखा ही रह गया है। IV. मैदान भीगे हैं परन्तु पहाड़ों पर मूसलाधार वृष्टि हो रही है।	1
(v)	'केलि बनी यह खड़ी निशा है' का अर्थ है ?	1

	I. रजनी उपहास व क्रीड़ा कर रही है। II. राका केले के वृक्ष की भांति रास्ता रोके खड़ी है। III. रात्रि अपनी छटा के चरम पर पहुंच कर खड़ी है। IV. विभावरी फूलों के हार की भांति खड़े हो स्वागत कर रही है।	
	अथवा	
	पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:- मैं तो सांसों का पंथी हूं साथ आयु के चलता मेरे साथ सभी चलते हैं बादल भी, तूफान भी कलियां देखीं बहुत, फूल भी लतिकाएं भी तरु भी उपवन भी, वन भी, कानन भी घनी घाटियां, मरु भी टीले भी, गिरि-श्रृंग-तुंग भी नदियां भी, निर्झर भी कल्लोलिनियां, कुल्याएं भी देखे सरि-सागर भी इनके भीतर इनकी-सी ही प्रतिमाएं मुस्कातीं हर प्रतिमा की धड़कन में अनगिनत कलाएं गातीं अनदेखी इन आत्माओं से परिचय जनम-जनम का मेरे साथ सभी चलते हैं जाने भी, अनजान भी सूर्योदय के भीतर मेरे मन का सूर्योदय है किरणों की लय के भीतर मेरा आश्वस्त हृदय है मैं न सोचता कभी कौन आराध्य, किसे आराधूं किसे छोड़ दूं और किसे अपने जीवन में बांधूं दृग की खिड़की खुली हुई प्रिय मेरा झांकेगा ही मानस-पट तैयार, चित्र अपना वह आंकेगा ही अपनो को मैं देख रहा हूं अपने लघु दर्पण में मेरे साथ सभी चलते हैं प्रतिबिंबन, प्रतिमान भी दूर्वा की छाती पर जितने	

	चरण-चिह्न अंकित हैं उतने ही आंसू मेरे सादर उसको अर्पित हैं जितनी बार गगन को छूते उन्नत शिखर अचल के उतनी बार हृदय मेरा पथ में एकाकीपन मिलता वही गीत है हिय का पथ में सूनापन मिलता है वही पत्र है प्रिय का दोनों को पढ़ता हूं मैं दोनों को हृदय लगाता दोनों का सौरभ-कण लेकर फिर आगे बढ़ जाता मेरा रक्त, त्वचा यह मेरी और अस्थियां बोलें मेरे साथ सभी चलते हैं आदि और अवसान भी। (केदारनाथ मिश्र 'प्रभात')	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:-	
(i)	साँसों का मुसाफिर किसे कहा गया है? I. कवि| II. मनुष्य| III. प्रकृति| IV. जीवन|	1
(ii)	देखे सरि-सागर भी– पंक्ति में 'सरि-सागर' का अर्थ है? I. समस्त सागर । II. सरिता-गागर। III. नदी-नीरनिधि। IV. सुर-सागर|	1
(iii)	'मन का सूर्योदय' से आप क्या समझते है? I. खिन्नता। II. प्रसन्नता। III. आसन्नता | IV. भिन्नता।|	1
(iv)	अपनों को मैं देख रहा हूँ अपने लघु दर्पण में– पंक्ति में लघु दर्पण किसे कहा गया है? I. हृदय| II. आँखें| III. मस्तिष्क| IV. जीवन|	1
(v)	जीवन में एकांत को कवि किस रूप में देखता है?	1

	I. हृदय का रूप| II. आँखों के सपने| III. लघुता के रूप में| IV. महानता के रूप में|	
प्रश्न संख्या	**कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन**	**अंक (5)**
प्रश्न 3.	**निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:-**	**5x1= 5**
(i)	किसी भी माध्यमों के लेखन के लिए किसे ध्यान में रखना होता है? I. माध्यमों को| II. लेखक को| III. जनता को| IV. बाजार को|	1
(ii)	आधुनिक माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम है? I. अखबार| II. रेडियो| III. टेलीविजन| IV. सिनेमा|	1
(iii)	नेट साउंड किस माध्यम से संबन्धित है? I. इंटरनेट| II. टेलीविजन| III. रेडियो| IV. सिनेमा|	1
(iv)	हिन्दी में नेट पत्रकारिता का आरंभ हुआ..... से? I. भास्कर| II. जागरण| III. वेब दुनिया| IV. प्रभा साक्षी|	1
(v)	समाचार लेखन के कितने ककार होते हैं? I. चार| II. पाँच| III. छह| IV. तीन|	1
प्रश्न स	**पाठ्य-पुस्तक**	**(10)**
प्रश्न 4.	**निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए:-** अर्ध राति गइ कपि नहिं आयउ| राम उठाइ अनुज उर लायऊ|| सकहु न दुखित देखि मोहि काऊ| बंधु सदा तव मृदुल सुभाऊ|| मम हित लागि तजेहु पितु माता| सहेहु बिपिन हिम आतप बाता|| सो अनुराग कहाँ अब भाई| उठहु न सुनी मम बच बिकलाई||	**5x1= 5**

	जौं जनतेउँ बन बंधु बिछोहू| पितु बचन मनतेउँ नहिं ओहू|| सुत बित नारि भवन परिवारा| होहिं जाहिं जग बारहिं बारा|| अस बिचारि जियँ जागहु ताता| मिलइ न जगत सहोदर भ्राता|| जथा पंख बिनु खग अति दीना| मनि बिनु फनि करिबर कर हीना|| अस मम जिवन बंधु बिनु तोहि| जौं जड़ दैव जिआवै मोही||	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:-	
(i)	राम लक्ष्मण के किस स्वभाव का स्मरण करते हैं? **सही** विकल्प छाँटिए:- I. भाईचारा| II. कोमल| III. प्रेममयी| IV. सेवा-भाव|	1
(ii)	राम के अनुसार लक्ष्मण ने उनके हित के लिए क्या-क्या सहन किया? **सटीक** विकल्प छाँटिए:- I. जंगल में भूख, प्यास, कमज़ोरी| II. जंगल में सीता-हरण, युद्ध, शक्ति| III. जंगल में जाड़ा, ताप, आंधी-तूफ़ान| IV. जंगल में काँटे, जंगली-जानवर, कीट-पतंगे|	1
(iii)	इस संदर्भ में किस क्षति को राम ने बड़ी क्षति माना है? I. भार्या को खो देना| II. तात का ना आना| III. भ्राता को खो देना| IV. कपि का ना आना|	1
(iv)	लक्ष्मण की अनुपस्थिति में राम को अपना जीवन कैसा प्रतीत होता है? **सटीक** विकल्प का चयन कीजिए:- I. निरर्थक| II. अपमानित| III. लाचार| IV. कठोर|	1
(v)	राम यदि जानते कि वनागमन के क्या परिणाम होंगे, तब वे क्या नहीं करते? **सही** विकल्प का चयन कीजिए:- I. रावण से युद्ध न करते| II. लक्ष्मण को वन में साथ न लाते| III. माँ के वचन का पालन न करते| IV. पिता के वचन का पालन न करते|	1
प्रश्न 5.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए:-** इसी प्रकार स्वतंत्रता पर भी क्या कोई आपत्ति हो सकती है? गमनागमन की स्वाधीनता, जीवन तथा शारीरिक सुरक्षा की स्वाधीनता के अर्थों में शायद ही कोई 'स्वतंत्रता' का विरोध करे| इसी प्रकार संपत्ति के अधिकार, जीविकोपार्जन के लिए आवश्यक औज़ार व सामग्री रखने के अधिकार जिससे शरीर को स्वस्थ रखा जा सके, के अर्थ में भी 'स्वतंत्रता' पर कोई आपत्ति नहीं हो सकती| तो फिर मनुष्य की शक्ति के सक्षम एवं प्रभावशाली प्रयोग की भी स्वतंत्रता क्यों न प्रदान की जाए?	**5**

	जाति-प्रथा के पोषक, जीवन, शारीरिक-सुरक्षा तथा संपत्ति के अधिकार की स्वतंत्रता को तो स्वीकार कर लेंगे, परंतु मनुष्य के लक्षण एवं प्रभावशाली प्रयोग की स्वतंत्रता देने के लिए जल्दी तैयार नहीं होंगे, क्योंकि इस प्रकार की स्वतंत्रता का अर्थ होगा अपना व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता किसी को नहीं है, तो उसका अर्थ उसे 'दासता' में जकड़कर रखना होगा, क्योंकि 'दासता' केवल कानूनी पराधीनता को ही नहीं कहा जा सकता| 'दासता' में वह स्थिति भी समिल्लित है जिससे कुछ व्यक्तियों को दूसरे लोगों के द्वारा निर्धारित व्यवहार एवं कर्तव्यों का पालन करने के लिए विवश होना पड़ता है| यह स्थिति कानूनी पराधीनता न होने पर भी पाई जा सकती है| उदाहरणार्थ, जाति प्रथा की तरह ऐसे वर्ग होना संभव है, जहाँ कुछ लोगों को अपनी इच्छा के विरुद्ध पेशे अपनाने पड़ते हैं|	
	निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:-	
(i)	दासता में कौन-सी अवधारणा समिल्लित नहीं है? **सही** विकल्प का चयन कीजिए:- I. स्वाधीनता के साथ जीना| II. कानूनी पराधीनता का होना| III. इच्छा के विरुद्ध कार्य करना| IV. दूसरों द्वारा निश्चित कार्य करना|	1
(ii)	मनुष्य के प्रभावशाली प्रयोग से लेखक का तात्पर्य है: **सही** विकल्प छाँटिए:- I. उसे शारीरिक स्वतंत्रता प्रदान की जाए| II. उसे अपनी इच्छा से कार्य करने की स्वतंत्रता दी जाए| III. उसे अपनी मर्ज़ी से जाति के चयन का अधिकार मिले| IV. उसे शारीरिक-सुरक्षा तथा संपत्ति का अधिकार दिया जाए|	1
(iii)	जाति-प्रथा के पोषक यदि मनुष्य के लक्षण एवं प्रभावशाली प्रयोग की स्वतंत्रता दें, तब इसका क्या परिणाम होगा? **सही** विकल्प छाँटिए:- I. दासता को बढ़ावा मिलेगा| II. स्वतंत्रता को बढ़ावा मिलेगा| III. कानूनी-पराधीनता बढ़ जाएगी| IV. लोकतांत्रिक मूल्य सुदृढ़ होंगे|	1
(iv)	'स्वतंत्रता' पर किसी को कोई आपत्ति क्यों नहीं है? **सही** विकल्प छाँटिए:- I. इससे समाज में दासता समाप्त हो जाएगी| II. क्योंकि स्वतंत्रता सभी को जाति विरोधी लगती है| III. क्योंकि सभी को स्वतंत्र और सुरक्षित रहना प्रिय है| IV. इसके साथ भी जातिवाद और शोषण की प्रक्रिया बनी रहती है|	1
(v)	जाति-प्रथा के पोषक से लेखक का क्या तात्पर्य है? **सही** विकल्प का चयन कीजिए:- I. जाति के चयन को बढ़ावा देने वाले| II. जातिगत भेदभाव को प्राथमिकता देने वाले| III. जातिगत भेदभाव के व्यवहार को समाप्ति देने वाले| IV. जाति को कानूनी मान्यता दिलाने की कोशिश करने वाले|	1
प्रश्न	**पूरक पाठ्य-पुस्तक**	**(10)**
प्रश्न 6.	**निम्नलिखित प्रश्नों में निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:-**	**10**
(i)	कहानी 'सिल्वर वैडिंग' में किशनदा की मृत्यु के संदर्भ में 'जो हुआ होगा' से कहानीकार का क्या तात्पर्य रहा है? **सटीक** विकल्प का चयन कीजिए:-	1

	I. लेखक मृत्यु से बहुत दुखी है। II. लेखक को मृत्यु का कारण पता है। III. लेखक मृत्यु के कारण से अपरिचित है। IV. लेखक को मृत्यु से कोई अंतर नहीं पड़ता है।	
(ii)	"सिंधु-सभ्यता साधन-संपन्न थी, पर उसमें भव्यता का आडंबर नहीं था।" प्रस्तुत पंक्ति से तात्पर्य है: 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर **सटीक** विकल्प का चयन कीजिए:- I. इस सभ्यता में राजा प्रजा की तरह सादगी से रहता था। II. इस सभ्यता में साधन बहुत थे जो देखने में आकर्षक थे। III. इस सभ्यता में सभी प्रकार के साधन थे किंतु दिखावा नहीं था। IV. इस सभ्यता में सभी लोग संपन्न थे और वे दिखावा नहीं करते थे।	1
(iii)	किशनदा के रिटायर होने पर यशोधर बाबू उनकी सहायता नहीं कर पाए थे। क्योंकि: कहानी 'सिल्वर वैडिंग' से **सही** विकल्प छाँटिए:- I. यशोधर बाबू की पत्नी किशनदा से नाराज़ थीं। II. क्योंकि यशोधर बाबू के घर में किशनदा के लिए स्थान का अभाव था। III. यशोधर बाबू का अपना परिवार था जिसे वे नाराज़ नहीं करना चाहते थे। IV. किशनदा को यशोधर बाबू ने अपने घर में स्थान देना चाहा था जिसे किशनदा ने स्वीकार नहीं किया।	1
(iv)	'अतीत में दबे पाँव' पाठ के अनुसार- "सिंधु-सभ्यता की खूबी उसका सौंदर्य-बोध है जो राज-पोषित या धर्म-पोषित न होकर समाज-पोषित था।" ऐसा इसलिए कहा गया है क्योंकि: **सही** विकल्प छाँटिए:- I. सिंधु घाटी सभ्यता में सौंदर्य के प्रति चेतना अधिक थी। II. सिंधु घाटी सभ्यता में राजा से बड़ा स्थान लोगों के कार्यों को था। III. सिंधु घाटी सभ्यता में धर्म का महत्त्व न था, अतः समाज सर्वोपरि था। IV. सिंधु घाटी सभ्यता में अमीर-गरीब न थे, अतः समाज में समानता थी।	1
(v)	"टूटे-फूटे खंडहर, सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ-साथ धड़कती ज़िंदगियों के अनछुए समयों के भी दस्तावेज़ होते हैं।" – 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के अनुसार इस कथन का भाव हो सकता है: **सटीक** विकल्प का चयन कीजिए:- I. ऐतिहासिक इमारतों में बीते हुए जीवन के चिन्ह महसूस होते हैं। II. ऐतिहासिक इमारतों, कला, खान-पान इत्यादि में सदा जीवंतता होती है। III. पुरातन इमारतों के अध्ययन मात्र से इतिहास की व्याख्या संभव हो पाती है। IV. इतिहास की समझ हेतु केवल सभ्यता और संस्कृति को जानना आवश्यक होता है।	1
(vi)	'जूझ' पाठ के अनुसार कविता के प्रति लगाव से पहले और उसके बाद अकेलेपन के प्रति लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया? **सही** विकल्प छाँटिए:- I. अकेलापन डरावना है। II. अकेलापन उपयोगी है। III. अकेलापन अनावश्यक है। IV. अकेलापन सामान्य प्रक्रिया है।	1
(vii)	'डायरी के पन्ने' पाठ की पंक्ति- "प्रकृति-प्रदत्त प्रजनन-शक्ति के उपयोग का अधिकार बच्चे पैदा करें या न करें अथवा कितने बच्चे पैदा करें- इस की स्वतंत्रता स्त्री से छीन कर हमारी विश्व-	1

	व्यवस्था ने न सिर्फ़ स्त्री को व्यक्तित्व-विकास के अनेक अवसरों से वंचित किया है बल्कि जनाधिक्य की समस्या भी पैदा की है|" इस कथन के **सटीक** औचित्य का चयन कीजिए:- I. नारियों की स्वतंत्रता के हनन से जनसंख्या वृद्धि की समस्या बढ़ी है| II. नारी की प्रजनन शक्ति ही उसके जीवन का सार है| III. शिक्षित और कामकाजी नारी को व्यक्तिगत निर्णय स्वतः लेने चाहिएँ| IV. प्रजनन जैसे संघर्षपूर्ण कार्य का निर्णय नारी स्वतः करे|	
(viii)	कहानी 'सिल्वर वैडिंग' के अनुसार- "यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती हैं लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं|" यशोधर बाबू की असफलता का क्या कारण था? **सही** विकल्प का चयन कीजिए:- I. किशनदा उन्हें भड़काते थे| II. पत्नी बच्चों से अधिक प्रेम करती थी| III. पीढ़ी के अंतराल के कारण| IV. वे परिवर्तन को सहजता से स्वीकार नहीं कर पाते थे|	1
(ix)	"काश, कोई तो होता जो मेरी भावनाओं को गंभीरता से समझ पाता। अफ़सोस, ऐसा व्यक्ति मुझे अब तक नहीं मिला...।" 'डायरी के पन्ने' पाठ की पंक्ति में इस कथन का भाव है: **सही** विकल्प छाँटिए:- I. एन.फ्रेंक किसी संवेदनशील व्यक्ति की खोज में थी| II. एन.फ्रेंक अकेलेपन से त्रस्त थी और उसे कोई समझ नहीं पा रहा था| III. एन.फ्रेंक एक तहखाने में कैद थी और उसे कोई समझ नहीं पा रहा था| IV. एन.फ्रेंक सबके मज़ाक की पात्र थी और उसे कोई समझ नहीं पा रहा था|	1
(x)	'जूझ' पाठ के अनुसार- "पढ़ाई-लिखाई के संबंध में लेखक और दत्ता जी राव का रवैया सही था|" क्योंकि: **सही** विकल्प छाँटिए:- I. लेखक खेती-बाड़ी नहीं करना चाहता था| II. दत्ता जी राव जानते थे कि खेती-बाड़ी में लाभ नहीं है| III. लेखक का पढ़-लिख कर सफल होना बहुत आवश्यक था| IV. लेखक का पिता नहीं चाहता था कि वह आगे की पढ़ाई करे|	1
	खंड 'ब' वर्णनात्मक प्रश्न	
	कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन	**(20)**
प्रश्न 7.	**निम्नलिखित में से किसी *एक* विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए:-** I. अचानक जब हमारी मेट्रो रूक गई II. मसूरी के रास्ते बस का खराब होना III. नदी किनारे बरसात में घिर जाना	**5**
प्रश्न 8.	कोरोना के बढ़ते मामले को ध्यान मे रखते हुए अपने कॉलोनी की सुरक्षा के लिए नियमित सेनीटाइज़ की मांग करते हुए अपने नगर निगम के अधिकारियों को पत्र लिखिए| ***अथवा*** आपद स्थिति में खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमत की समस्या के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।	**5**
प्रश्न 9.	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:-**	**5**
(i)	कविता की रचना के लिए शब्द कितना आवश्यक है? ***अथवा*** कहानी में कथानक क्या है? उदाहरण देकर समझाइए।	3

(ii)	नाटक साहित्य की अन्य विधाओं से अलग कैसे है? ***अथवा*** कहानी की रचना में पात्रों की भूमिका स्पष्ट कीजिये|	2
प्रश्न 10.	**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:-**	**5**
(i)	विशेष लेखन को उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिये? ***अथवा*** फीचर को आत्मनिष्ठ लेखन कहने के कारणों को स्पष्ट कीजिये|	3
(ii)	संपादकीय लेखन क्या है? ***अथवा*** समाचार कैसे लिखा जाता है?	2
प्रश्न संख्या	**पाठ्य-पुस्तक**	**अंक (20)**
प्रश्न 11.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए:-**	**6**
(i)	'कवितावली'- के कवितों के आधार पर सिद्ध कीजिए कि तुलसीदास को अपने युग की आर्थिक विषमताओं की अच्छी समझ थी|	3
(ii)	'कैमरे में बंद अपाहिज'- कविता का केंद्रीय भाव अपने शब्दों में प्रकट करें|	3
(iii)	'कविता के बहाने'- कविता के प्रतिपाद्य के बारे में अपनी प्रतिक्रिया प्रस्तुत कीजिए|	3
प्रश्न 12.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए:-**	**4**
(i)	'उषा'- कविता गाँव की सुबह का गतिशील चित्रण है| कैसे?	2
(ii)	भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए:- जो मुझको बदनाम करें हैं काश वे इतना सोच सकें| मेरा परदा खोले हैं या अपना परदा खोले हैं||	2
(iii)	बच्चे किस बात की आशा में नीड़ों से झाँक रहे होंगे? 'एक गीत'- कविता के आधार पर लिखिए|	2
प्रश्न 13.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए:-**	**6**
(i)	डॉक्टर भीमराव आंबेडकर के भाषण के अंश 'श्रम विभाजन और जातिप्रथा' तथा 'मेरी कल्पना का आदर्श समाज' आपने पढ़े हैं| जातिप्रथा की समस्या के उन्मूलन का उपाय लोकतांत्रिक मूल्य हैं| सिद्ध कीजिए|	3
(ii)	पाठ 'काले मेघा पानी दे' तथा कहानी 'पहलवान की ढोलक' ग्रामीण जीवन को उकेरती हैं| दोनों पाठों की आँचलिक जीवन शैली पर विचार प्रस्तुत कीजिए|	3
(iii)	निबंध 'बाज़ार दर्शन' के मुख्य पात्र भगत जी और कहानी 'नमक' की नायिका सफ़िया बेगम के चरित्र के मानवीय गुणों में समानताएँ हैं| किन्हीं दो समानताओं को रेखांकित कीजिए|	3
प्रश्न 14.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए:-**	**4**
(i)	लुट्टन पहलवान ढोलक क्यों बजाता था?	2
(ii)	बाज़ार के जादू के चढ़ने-उतरने का मनुष्य पर क्या प्रभाव पड़ता है? 'बाज़ार दर्शन'- पाठ के आधार पर उत्तर लिखिए|	2
(iii)	भक्तिन अपना वास्तविक नाम लोगों से क्यों छुपाती थी? भक्तिन को यह नाम किसने और क्यों दिया?	2

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 2020- 21 विषय- हिंदी (आधार)
कक्षा- 12
अंक योजना

निर्धारित समय- 3 घंटे | अधिकतम अंक – 80

सामान्य निर्देश:-

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है|
- खंड-अ में दिए गए वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तरों का मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाए|
- खंड-ब में वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं हैं| ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं|
- यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएँ|
- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक-योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए|

		खंड – अ वस्तुपरक- प्रश्नों के उत्तर	
प्रश्न क्रम संख्या		उत्तर	अंक विभाजन
प्रश्न1.	(i)	IV. महामारी का प्रभाव|	1
	(ii)	I. संक्रमण को रोकने के लिए|	1
	(iii)	II. प्रतिरोधक क्षमता के अभाव के कारण|	1
	(iv)	III. बच्चों की चिंता के कारण|	1
	(v)	I. शिक्षक की अकुशलता के कारण|	1
	(vi)	III. बच्चों की चिंता के कारण|	1
	(vii)	I. बच्चों की शिक्षा की चिंता द्वारा|	1
	(viii)	III. जीवन में संघर्ष का बढ़ जाना|	1
	(ix)	I. लोग अधिक होने से|	1
	(x)	II. आर्थिक गतिविधियां ठप हो जाने से|	1
		अथवा	
	(i)	II. एकांत पर|	1

	(ii)	III.	स्वयं को जानने के लिए।	1
	(iii)	III.	एकांत प्रेम के कारण।	1
	(iv)	I.	संसार से प्रेम करके।	1
	(v)	III.	एकांत से प्रेम करके।	1
	(vi)	I.	वह किसी को हानि नहीं पहुंचाता।	1
	(vii)	IV.	धर्म के वास्तविक स्वरूप की पहचान।	1
	(viii)	III.	नई संकल्पना।	1
	(ix)	I.	ईश्वर कभी दिखाई नहीं देते।	1
	(x)	IV.	संसार और प्रकृति की सुंदरता को देखना।	1
प्रश्न2.	(i)	III.	पावस ऋतु की सुंदरता।	1
	(ii)	II.	प्रकृति से।	1
	(iii)	III.	मानवीकरण।	1
	(iv)	I.	बादल।	1
	(v)	III.	आपसी प्रेम के लिए।	1
			अथवा	
	(i)	IV.	जीवन।	1
	(ii)	II.	सरिता-सागर।	1
	(iii)	I.	प्रसन्नता।	1
	(iv)	IV.	जीवन।	1
	(v)	IV.	महानता के रूप में।	1
प्रश्न3.	(i)	I.	माध्यमों को।	1
	(ii)	I.	अखबार।	1
	(iii)	II.	टेलीविजन।	1
	(iv)	III.	वेब दुनिया।	1

	(v)	III.	छह।	1
प्रश्न4.	(i)	II.	कोमल।	1
	(ii)	III.	जंगल में जाड़ा, ताप, आंधी-तूफ़ान।	1
	(iii)	III.	भ्राता को खो देना।	1
	(iv)	I.	निरर्थक।	1
	(v)	IV.	पिता के वचन का पालन न करते।	1
प्रश्न5.	(i)	I.	स्वाधीनता के साथ जीना।	1
	(ii)	II.	उसे अपनी इच्छा से कार्य करने की स्वतंत्रता दी जाए।	1
	(iii)	IV.	लोकतांत्रिक मूल्य सुदृढ़ होंगे।	1
	(iv)	IV.	इसके साथ भी जातिवाद और शोषण की प्रक्रिया बनी रहती है।	1
	(v)	II.	जातिगत भेदभाव को प्राथमिकता देने वाले।	1
प्रश्न6.	(i)	III.	लेखक मृत्यु के कारण से अपरिचित है।	1
	(ii)	III.	इस सभ्यता में सभी प्रकार के साधन थे किंतु दिखावा नहीं था।	1
	(iii)	III.	यशोधर बाबू का अपना परिवार था जिसे वे नाराज़ नहीं करना चाहते थे।	1
	(iv)	II.	सिंधु घाटी सभ्यता में राजा से बड़ा स्थान लोगों के कार्यों को था।	1
	(v)	I.	ऐतिहासिक इमारतों में बीते हुए जीवन के चिन्ह महसूस होते हैं।	1
	(vi)	II.	अकेलापन उपयोगी है।	1
	(vii)	I.	नारियों की स्वतंत्रता के हनन से जनसंख्या वृद्धि की समस्या बढ़ी है।	1
	(vii)	IV.	वे परिवर्तन को सहजता से स्वीकार नहीं कर पाते थे।	1
	(ix)	I.	एन.फ्रेंक किसी संवेदनशील व्यक्ति की खोज में थी।	1
	(x)	II.	दत्ता जी राव जानते थे कि खेती-बाड़ी में लाभ नहीं है।	1

	खंड 'ब' वर्णनात्मक प्रश्नों के संभावित उत्तर संकेत	

प्रश्न क्रम संख्या		उत्तर	निर्धारित अंक विभाजन
प्रश्न7.		किसी <u>एक</u> विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए:- भूमिका - 1 अंक विषयवस्तु - 3 अंक भाषा - 1 अंक	5x1=5
प्रश्न8.		2 में से किसी 1 विषय पर पत्र (लगभग 80-100 शब्द-सीमा) आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ - 1 अंक विषयवस्तु - 3 अंक भाषा - 1 अंक	5x1=5
प्रश्न9.		प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:-	3+2-=5
	(i)	• शब्द कविता का मेरुदंड है। • विभिन्न शब्दों के उचित मेल से ही कविता बनती है। • एक शब्द में ही अनेक अर्थ छिपे रहते हैं। शब्दावली होने पर ही कविता लिखना सरल हो पाता है। • भावनाओं और संवेदनाओं को शब्दों के द्वारा ही आकार मिलता है। कविता भाषा में होती है, इसलिए भाषा का सम्यक ज्ञान ज़रूरी है।भाषा शब्दों से बनती है। शब्दों का एक विन्यास होता है जिसे वाक्य कहा जाता है। भाषा प्रचलित एवं सहज हो पर संरचना ऐसी कि पाठक को नयी लगे। कविता में संकेतों का बड़ा महत्त्व होता है। इसलिए चिन्हों (,') यहाँ तक कि दो पंक्तियों के बीच का खाली स्थान भी कुछ कह रहा होता है। वाक्यगठन की जो विशिष्ट प्रणालियाँ होती हैं, उन्हें शैली कहा जाता है। इसलिए विभिन्न काव्य शैलियों का ज्ञान भी ज़रूरी है। --- <u>अथवा</u> --- • कहानी की सभी घटनाओं को कथानक कहते हैं। • कहानी का नक्शा कथानक होता है। • कहानी लिखने से पहले कथानक लिखा जाता है। • कथानक किसी घटना, जानकारी, अनुभव, कल्पना पर आधारित होता है। • संपूर्ण कहानी के केंद्र में कथानक ही होता है।	3
	(ii)	• नाटक को दृश्य-काव्य भी कहा जाता है। • अन्य विधाएँ केवल लिखित रूप में ही अपनी पूर्णता को प्राप्त करती हैं। • नाटक अपने लिखित रूप से अगले चरण (मंचन) तक अधूरा रहता है। नाटक कृत्यों और दृश्यों के माध्यम से मंचित किया जाता है। इसमें कथानक, परिस्थितियाँ, स्पष्टीकरण आदि स्वतः स्पष्ट होते हैं। प्रत्येक पात्र के संवाद अलग-अलग	2

		लिखे होते हैं। नाटक अभिव्यक्ति केंद्रित तथा भावप्रधान होते हैं तथा कलाकारों की अभिव्यक्ति कला,संवाद-सम्प्रेषण, आवाज आदि इसमें प्रमुख भूमिका अदा करती हैं। अभिनय द्वारा किसी भाव, घटना, सामाजिक राय आदि प्रस्तुत की जाती हैं| नाटक में सभी प्रकार के चरित्रों का समावेश होता है, जैसे- नायक-नायिका, खलनायक, लघुचरित्र इत्यादि। --- अथवा --- • चरित्र किसी भी कहानी के मूल होते हैं| • प्रत्येक पात्र का अपना एक स्वभाव होता है, और वह किसी न किसी उद्देश्य से जुड़ा होता है| • चरित्र के विकास के साथ कहानी का विकास होता है|	
प्रश्न10.		निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:-	3+2=5
	(i)	• विशेष लेखन अर्थात किसी विशेष विषय पर सामान्य लेखन से हटकर लिखा गया लेख| • विशेष लेखन करने वाले पत्रकारों की महारथ अपने क्षेत्र विशेष में होती है| • खेल, राजनीति, आर्थिक, अपराध, फ़िल्म-जगत, कृषि, कानून, विज्ञान इत्यादि के क्षेत्र में विशेष लेखन किया जाता है| --- अथवा --- • फ़ीचर का लेखक अपने विचार, भावनाएँ, दृष्टिकोण को फ़ीचर में व्यक्त कर पाता है इसलिए इसे आत्मनिष्ठ लेखन की श्रेणी में रखा जाता है| • कथात्मक शैली का प्रयोग, सरल-सहज भाषा, आकर्षक भाषा इत्यादि के कारण| • विषय हल्का अथवा गंभीर कुछ भी हो सकता है|	3
	(ii)	• संपादकीय लेखन समाचार-पत्र की अपनी आवाज़ होती है| • संपादकीय के द्वारा किसी घटना, समस्या या मुद्दे के प्रति अपने विचार प्रकट करते हैं| • बिना किसी के नाम के भी छापा जाता है| • संपादकीय समाचार-पत्र के संपादक और उनके सहयोगियों के द्वारा लिखा जाता है --- अथवा --- • समाचार संवाददाता अथवा रिपोर्टरों द्वारा लिखा जाता है| • उल्टा पिरामिड शैली में लिखा जाता है| • छः ककारों का ध्यान रखा जाता है|	2
प्रश्न11.		प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए:-	3+3=6

	(i)	• पहले छंद में उन्होने दिखलाया है कि संसार के अच्छे-बुरे समस्त लीला प्रपंचों का आधार पेट की आग का दारुण व गहन यथार्थ है। श्रम के अलग अलग रूप हैं पर सबका लक्ष्य एक मात्र पेट की भूख है। • दूसरे छंद में प्रकृति और शासन की विषमता से उपजी बेकारी व गरीबी की पीड़ा का यथार्थपरक चित्रण करते हुए उसे दशानन (रावण) से उपमित करते हैं। गरीबी रूपी रावण ने सबको दुखी कर रखा है|	3
	(ii)	• दूरदर्शन पर एक अपाहिज का साक्षात्कार, व्यावसायिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए दिखाया जाता है। • दूरदर्शन पर एक अपाहिज व्यक्ति को प्रदर्शन की वस्तु मान कर उसके मन की पीड़ा को कुरेदा जाता है, उसे खुलेआम भुनाया जाता है। • साक्षात्कारकर्ता को उसके निजी सुख-दुख से कुछ लेना-देना नहीं होता। • दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले इस प्रकार के अधिकांश कार्यक्रम केवल संवेदनशीलता का दिखावा करते हैं| • बिना किसी लोक-मर्यादा के उसका फायदा उठाने से नहीं चूकते| • उनकी कथनी और करनी में पूर्णत: अन्तर होता है।	3
	(iii)	• कविता में कवित्व शक्ति का वर्णन है। • कविता चिड़िया की उड़ान की तरह कल्पना की उड़ान है लेकिन चिड़िया के उड़ने की अपनी सीमा है जबकि कवि अपनी कल्पना के पंख पसारकर देश और काल की सीमाओं से परे उड़ जाता है। • फूल कविता लिखने की प्रेरणा तो बनता है लेकिन कविता तो बिना मुरझाए हर युग में अपनी खुशबू बिखेरती रहती है। • कविता बच्चों के खेल के समान है और समय और काल की सीमाओं की परवाह किए बिना अपनी कल्पना के पंख पसारकर उड़ने की कला बचे भी जानते है।	3
प्रश्न12.		प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए:-	2+2=4
	(i)	• कविता में नीले नभ को राख से लिपे गीले चौके के समान बताया गया है। • दूसरे बिंब में उसकी तुलना काली सिल से की गई है। • तीसरे में स्लेट पर लाल खड़िया चाक का उपमान है। • लीपा हुआ आँगन काली सिल या स्लेट गाँव के परिवेश से ही लिए गए हैं। • प्रातः कालीन सौंदर्य क्रमशः विकसित होता है। • धीरे-धीरे लालिमा भी समास हो जाती है और सुबह का नीला आकाश नील जल का आभास देता है| • सूर्य की स्वर्णिम आभा गौरवर्णी देह के नील जल में नहा कर निकलने की उपमा|	2
	(ii)	यहाँ निंदा करने वाले कवि का परदा खोलना चाहते हैं अर्थात् बुराई करना चाहते हैं पर इससे उनकी कमियाँ खुद ही उजागर होती जा रही हैं|	2
	(iii)	पक्षियों के बच्चे दिनभर अपनी माँ की प्रतीक्षा में इस आशा से नीड़ो से झाँकते रहते हैं कि शाम को लौटते समय वे उनके लिए भोजन लेकर आएगी और उन्हें ममता का मधुर स्पर्श प्रदान करेगी।	2
प्रश्न13.		प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए:-	3+3=6

	(i)	डॉ. आंबेडकर की कल्पना के आदर्श समाज के मुख्यतः तीन बिंदुओं- स्वतंत्रता, समता एवं भ्रातृता यानी भाईचारा पर आधारित है। ये तीनों मूल्य लोकतांत्रिक मूल्य ही हैं|	3
	(ii)	'काले मेघा पानी दे' पाठ में गांव की गर्मी और पानी से उपजी समस्या तथा 'पहलवान की ढोलक' कहानी में महामारी के दौरान ग्रामीण पृष्ठभूमि को उकेरा गया है|	3
	(iii)	भगत जी सफ़िया की चारित्रिक विशेषताएँ:- • पंसारी की दुकान से केवल अपनी जरूरत का सामान (जीरा और नमक) खरीदना। • निश्चित समय पर चूरन बेचने के लिए निकलना। • छह आने की कमाई होते ही चूरन बेचना बंद कर देना। • बचे हुए चूरन को बच्चों को मुफ्त बाँट देना। • सभी का जय-जय-राम कहकर स्वागत करना। • बाजार की चमक-दमक से आकर्षित न होना। • समाज को संतोषी जीवन की शिक्षा देना। सफ़िया की चारित्रिक विशेषताएँ:- • ईमानदार-सफ़िया ईमानदार भी है जब सफ़िया को यह पता चलता है कि पाकिस्तान से भारत नमक ले जाना गैरकानूनी है उसने तय किया कि प्रेम की इस भेंट को वह चोरी से नहीं ले जाएगी। • दृढ़निश्चयी-सफ़िया का स्वभाव दृढ निश्चयी है। वह किसी भी कीमत पर लाहौरी नमक को भारत ले जाना चाहती है इसलिए वह सही गलत सभी तरीकों पर विचार करती है। • निडर-सफ़िया निडर भी है। यह जानते हुए भी कि नमक ले जाना गैरकानूनी है वह बिना झिझके कस्टम वालों के सामने नमक की पुड़िया रख देती है। • वायदे को निभाने वाली-सफ़िया सैयद है। सैयद होने के नाते वह अपने किये वायदे को किसी भी कीमत पर पूरा करना चाहती है।	3
प्रश्न14.		प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए:-	2+2=4
	(i)	लुट्टन सिंह जब जवानी के जोश में आकर चाँद सिंह नामक मँजे हुए पहलवान को ललकार बैठा, तो सारा जनसमूह, राजा और पहलवानों की समूह आदि की यह धारणा थी कि यह कच्चा किशोर जिसने कुश्ती कभी सीखी नहीं है, पहले दाँव में ही ढेर हो जाएगा। हालाँकि लुट्टन सिंह की नसों में बिजली और मन में जीत का जज़्बा उबाल खा रहा था। उसे किसी की परवाह ने थी। हाँ ढोल की थाप में उसे एक-एक दाँव-पेंच का मार्गदर्शन जरूर मिल रहा था। उसी थाप का अनुसरण करते हुए उसने 'शेर के बच्चे' को खूब धोया, उठा-उठा कर पटका और हरा दिया। इस जीत में एक मात्र ढोल ही उसके साथ था। अतः जीतकर वह सबसे पहले ढोल के पास दौड़ा और उसे प्रणाम किया।	2
	(ii)	बाज़ार का जादू चढ़ने पर मनुष्य बाज़ार की आकर्षक वस्तुओं के मोह जाल में फँस जाता है। बाजार के इसी आकर्षण के कारण ग्राहक सजी-धजी चीजों को आवश्यकता न होने पर भी खरीदने के लिए लालायित हो जाता है। इसी मोहजाल में फँसकर वह ऐसी गैरजरूरी वस्तुएँ खरीद लेता है जो कुछ समय बाद घर के किसी कोने की शोभा बढ़ाती	2

		है, परन्तु जब यह जादू उतरता है तो उसे एहसास होता है कि जो वस्तुएँ उसने आराम के लिए खरीदी थीं, उल्टा वे तो उसके आराम में खलल डाल रही है।	
	(iii)	भक्तिन का वास्तविक नाम लक्ष्मी था, हिन्दुओं के अनुसार लक्ष्मी धन की देवी है। प्राय: नाम व्यक्तित्व का परिचायक होता है किन्तु भक्तिन गरीब थी, उसका पूरा जीवन ससुराल वालों की सेवा करने और पति की मृत्यु के बाद संघर्ष करते हुए व्यतीत हुआ। इस प्रकार उसके नाम का वास्तविक अर्थ और उसके जीवन का यथार्थ दोनों परस्पर भिन्न थे। इसलिए निर्धन भक्तिन सबको अपना असली नाम लक्ष्मी बताकर उपहास का पात्र नहीं बनना चाहती थी|	2

अपठित गद्यांश

निर्धारित अंक:10

दो अपठित गद्यांश में से कोई एक गद्यांश करना होगा। (400-500 शब्दों के) 1अंक × 10 प्रश्न

सामान्य निर्देश-

- **अपठित गद्य के बहुविकल्पीय प्रश्न 1-1 अंक के कुल 10 होंगे, जिन्हें कम से कम दो बार पढ़ना चाहिए।**
- **प्रश्नों के उत्तर देते समय सरलतम प्रश्नों का चुनाव पहले करें ।**
- **प्रश्नों को सावधानी से पढ़कर समझना अति अनिवार्य है |दिए गए चार विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर का चयन करें|कभी-कभी एक से अधिक उत्तर सही प्रतीत होते हैं,लेकिन प्रश्न के भाव के सर्वाधिक निकट उत्तर को ही सही उत्तर के रूप में मान्य करें|**
- **कथ्य में जिस विषय को बार बार उठाया गया हो उसी से संबंधित शीर्षक होना चाहिए ।**

<u>निम्नलिखित उदाहरण देखिए :-</u>

<u>उदाहरण 1</u>

प्रश्न:-निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1अंक × 10 प्रश्न= 10 अंक

सुव्यवस्थित समाज का अनुसरण करना अनुशासन कहलाता है। व्यक्ति के जीवन में अनुशासन का बहुत महत्त्व है। अनुशासन के बिना मनुष्य अपने चरित्र का निर्माण नहीं कर सकता तथा चरित्रहीन व्यक्ति सभ्य-समाज का निर्माण नहीं कर सकता। अपने व्यक्तित्व के विकास के लिए भी मनुष्य को अनुशासनबद्ध होना अति अनिवार्य है। विद्यार्थी जीवन मनुष्य के भावी जीवन की आधारशिला होता है, अतः विद्यार्थियों के लिए अनुशासन में रह कर जीवन यापन करना अत्यंत आवश्यक है।

वर्तमान समाज में सर्वत्र अव्यवस्था का साम्राज्य फैला हुआ है। विद्यार्थी, राजनेता, सरकारी कर्मचारी, श्रमिक आदि सभी स्वयं को स्वतंत्र भारत का नागरिक मानकर मनमानी कर रहे हैं। शासन में व्याप्त अस्थिरता समाज के अनुशासन को भी प्रभावित कर रही है। यदि किसी को अनुशासन में रहने के लिए कहा जाए तो वह 'शासन का अनुसरण' करने की बात कहकर अपनी अनुशासनहीनता पर पर्दा डालने का प्रयास करता है। वास्तव में अनुशासन शब्द का अर्थ अपने पर नियंत्रण ही है। विद्यार्थी जीवन में अबोधता के कारण उन्हे भले बुरे की पहचान नहीं होती। ऐसी स्थिति में थोड़ी सी असावधानी उन्हें अनुशासनहीन बना देती है। आजकल विद्यार्थियों की पढाई में रूचि नहीं है। वे आधुनिक शिक्षा पद्धति को बेकारों की सेना तैयार करने वाली नीति मान कर इसके प्रति उदासीन हो गए हैं तथा फैशन, सुख-सुविधापूर्ण जीवन जीने के लिए गलत रास्तों पर चलने लगे हैं। वर्तमान जीवन में व्याप्त राजनीतिक दलबंदी भी विद्यार्थियों में अनुशासनहीनता को प्रोत्साहित करती है। राजनीतिक नेता अपने स्वार्थ के लिए विद्यार्थियों को भड़का देते हैं तथा विद्यार्थी वर्ग भले–बुरे की चिंता किए बिना तोड़-फोड़ में लग जाता है।

आधुनिक युग में अति व्यस्त जीवन पद्धति के कारण माता पिता अपनी संतान का पूरा ध्यान नहीं रख पाते। चार-पांच घंटे कॉलेज में रहने वाला विद्यार्थी उन्नीस-बीस घंटे तो अपने परिवारजनों के साथ ही रहता है। पारिवारिक परिवेश का उस पर बहुत प्रभाव पडता है। यदि उसके माता-पिता अनुशासित जीवन नहीं जीते तो उसे भी उच्श्रृंखल जीवन जीना पड़ता है। वे माता पिता जो अपने बच्चों पर ध्यान नहीं दे पाते, उनके बच्चों में भी समय पाबंदी और मूल्यों को लेकर संदेह बना रहता है तथा बच्चे भी शिक्षा की तरफ ध्यान नहीं दे पाते। विद्यार्थियों में अनुशासन बनाए रखने के लिए विशेष योजना चलानी चाहिए; ताकि उनमें नैतिक व चारित्रिक उत्थान को बढ़ाया जा सके। इस प्रकार के प्रोत्साहनों से उन्हे अपने कर्त्तव्य का बोध कराया जा सकता है। अतः हम कह सकते है कि अनुशासन से ही विद्यार्थियों के साथ-साथ राष्ट्र को ऊंचा उठाया जा सकता है। इससे उसके स्वभाव व सद्वृत्तियों को ऊंचा उठाया जा सकता है। ऐसा विद्यार्थी समाज और राष्ट्र का नाम करता है। उसमें सद्गुण और कर्मठता के गुण आते है। परिश्रम और कर्त्तव्य के द्वारा वह देश सेवा करता है।

1.गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(क)परिश्रम और कर्तव्य (ख) जीवन में अनुशासन का महत्त्व

(ग)युवा-शक्ति (घ) जीवन की सीख

2. अनुशासन से क्या अभिप्राय है ?

(क)दूसरों पर शासन (ख) कड़ी कानून व्यवस्था

(ग)नैतिक व चारित्रिक शिक्षा (घ) स्वयं पर नियंत्रण

3.माता पिता का बच्चों के प्रति क्या कर्त्तव्य होना चाहिए ?

(क)उनको सही दिशा और मार्गदर्शन देना चाहिए (ख) उनको दंड देना चाहिए

(ग)उन्हें हर निर्णय हेतु प्रोत्साहित करना चाहिए (घ) उन्हें हमेशा संरक्षण देना चाहिए

4.मानव जीवन के विकास हेतु क्या आवश्यक है?

(क)जो मन में आए वह करना (ख) आज्ञा का पालन करने वाला

(ग)अनुशासन का पालन (घ) जीवन का प्रतिबंधों के अधीन होना

5.वर्तमान समाज में किस प्रकार की स्थिति होनी चाहिए ?

(क)नैतिक शिक्षा अनिवार्य हो (ख) अनुशासन,सद्गुणों का पालन करता कर्मरत समाज

(ग)बच्चों में समय की पाबंदी व मूल्यों का विकास (घ) विरोध के लिए संभावना हो

6.आजकल विद्यार्थी पढ़ाई के प्रति उदासीन क्यों हैं?

(क)सामाजिक, घरेलू और आस पास की परिस्थितियां राह नहीं दिखा रही (ख) जीवन आत्मकेंद्रित है

(ग)माता-पिता अति व्यस्त हैं (घ) शिक्षा व्यवस्था पूर्णतः दोषपूर्ण है

7.परिश्रमी और कर्मण्य शब्दों के विलोम शब्द लिखिए |

(क)अपरिश्रमी,अकर्मण्य (ख)मेहनती,अकर्मण्य

(ग)अपरिश्रमी, भाग्यवादी (घ) इनमें कोई नहीं

8.विद्यार्थियों का दृष्टिकोण आजकल क्या होने लगा है

(क)आधुनिक शिक्षा पद्धति के प्रति उदासीनता (ख) मूल्यों को लेकर संदेह

(ग)राजनैतिक दलबंदी की ओर आकर्षण (घ) उपरोक्त सभी

9.संतान को लेकर आजकल माता-पिता की क्या स्थिति है?

(क)वे बच्चों की पूरी देखरेख करते हैं (ख) बच्चों पर पर्याप्त ध्यान नहीं देते

(ग)बच्चों के काम में हस्तक्षेप नहीं करते (घ) बच्चों से कठोरता करते हैं

10. कर्मठता शब्द में कौन सा प्रत्यय है?

(क)कर्मठ (ख) कर्म

(ग)ठता (घ) ता

सही उत्तर :-

(1) (ख) जीवन में अनुशासन का महत्त्व

(2) (घ) स्वयं पर नियंत्रण

(3) (क)उनको सही दिशा और मार्गदर्शन देना चाहिए

(4) (ग)अनुशासन का पालन

(5) (ख) अनुशासन,सद्गुणों का पालन करता कर्मरत समाज

(6) (क)सामाजिक, घरेलू और आस पास की परिस्थितियां राह नहीं दिखा रही

(7) (क)अपरिश्रमी, अकर्मण्य

(8) (घ) उपरोक्त सभी

(9) (ख) बच्चों पर पर्याप्त ध्यान नहीं देते

(10) (घ) ता

उदाहरण 2

प्रश्न:-निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1अंक × 10 प्रश्न= 10 अंक

संस्कृति और सभ्यता-ये दो शब्द हैं और उनके अर्थ भी अलग-अलग हैं। सभ्यता मनुष्य का वह गुण है, जिससे वह अपनी बाहरी तरक्की करता है। संस्कृति वह गुण है, जिससे वह अपनी भीतरी उन्नति करता है, करुणा, प्रेम और परोपकार सीखता है। आज रेलगाडी , मोटर और हवाई जहाज, लंबी-चौड़ी सड़कें और बड़े-बड़े मकान, अच्छा भोजन और अच्छी पोशाक, ये सभ्यता की पहचान है और जिस देश में इनकी जितनी ही अधिकता है, उस देश को हम उतना ही सभ्य मानते हैं। मगर संस्कृति इन सबसे कहीं बारीक चीज है।

वह मोटर नहीं, मोटर बनाने की कला है, मकान नहीं, मकान बनाने की रुचि है। संस्कृति धन नहीं, गुण है। संस्कृति ठाठ-बाट नहीँ, विनय और विनम्रता है। एक कहावत है कि सभ्यता वह चीज है, जो हमारे पास है, लेकिन संस्कृति वह गुण है, जो हममें छिपा हुआ है। हमारे पास घर होता है कपडे-लत्ते होते हैं, मगर ये सारी चीजे हमारी

सभ्यता के सबूत हैं, जबकि संस्कृति इतने मोटे तौर पर दिखाई नहीं देती, वह बहुत ही सूक्ष्म और महीन चीज है और वह हमारी हर पसंद, हर आदत में छिपी रहती है।

मकान बनाना सभ्यता का काम है, लेकिन हम मकान का कौन-सा नक्शा पसंद करते है-यह हमारी संस्कृति बताती है। आदमी के भीतर काम, क्रोध, लोभ, मद, मोह और मत्सर-ये छह विकार प्रकृति के दिए हुए हैं। परंतु अगर ये विकार बेरोके छोड़ दिए जाएँ, तो आदमी इतना गिर जाए कि उसमें और जानवर में कोई भेद नहीं रह जाएगा। इसलिए आदमी इन विकारों पर रोक लगाता है। इन दुर्गुणों पर जो आदमी जितना ज्यादा काबू कर पाता है, उसकी संस्कृति भी उतनी ही ऊँची समझी जाती है।

संस्कृति का स्वभाव है कि वह आदान-प्रदान करके बढ़ती है। जब दो देशों या जातियों के लोग आपस में मिलते हैं, तब उन दोनों की संस्कृतियाँ एक-दूसरे को प्रभावित करती हैं। इसलिए संस्कृति की दृष्टि से वह जाति या वह देश बहुत ही धनी समझा जाता है, जिसने ज्यादा-से-ज्यादा देशों या जातियों की संस्कृतियों से लाभ उठाकर अपनी संस्कृति का विकास किया हो।

प्रश्न –

(1) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

(क) संस्कृति का विस्तार (ख) सभ्यता और सुरुचि

(ग)संस्कृति व सभ्यता की होड़ (घ) संस्कृति और सभ्यता

(2) सभ्यता की पहचान कैसे की जा सकती है?

(क) किसी के बाहरी तरक्की करने का गुण,उपयोग की चीजें (ख) उसकी सुरुचि और आंतरिक गुण

(ग)उसका सार्वजानिक व्यवहार और अभिव्यक्ति (घ) इनमें कोई नहीं

(3) सभ्यता से संस्कृति किस प्रकार भिन्न है?

(क) सभ्यता अर्थात आदत,संस्कृति अर्थात वस्तुएँ (ख) दोनों एक ही हैं

(ग)सभ्यता बाहरी दिखावे की वस्तु,संस्कृति व्यक्ति का आंतरिक गुण है(घ) इनमें कोई नहीं

(4) 'संस्कृति व्यक्ति की किस तरह की उन्नति करती है।'-स्पष्ट कीजिए।

(क) संस्कृति से उन्नति अछूती (ख) बाहरी उन्नति

(ग) यश प्रदान करती है (घ) भीतरी उन्नति

(5) मनुष्य में विकार कितने हैं? इन पर रोक न लगाने का क्या दुष्परिणाम होगा?

(क) छह हैं;परिणाम मनुष्य का पशुवत आचरण (ख) छह हैं;मनुष्य संयमी हो जाएगा

(ग)पाँच हैं;मनुष्य साहसी हो जाएगा (घ) पाँच हैं;परिणाम मनुष्य का पशुवत आचरण

(6) किसी देश की सभ्यता के मापदंड क्या-क्या हैं?

(क) प्रेम,दया,संतोष,सेवा आदि गुण (ख) लोगों की सार्वजनिक प्रतिक्रिया
(ग)रेलगाड़ियाँ, मोटर, वायुयान, लंबी-चौड़ी सड़कें, अच्छा भोजन आदि (घ) इनमें कोई नहीं

(7) संस्कृति का स्वभाव बताइए ?

(क) वह सुविधाओं के रूप में विकास का बाह्य कारक है (ख) वह आदान-प्रदान से बढ़ती है
(ग)वह अनिश्चित प्रकृति की है (घ) इनमें कोई नहीं

(8)किस देश या जाति की संस्कृति सर्वाधिक समृद्ध समझी जाती है?

(क) जिसमें महानता के तत्व हों (ख) जिसने अन्य संस्कृतियों से भी सीखकर विकास किया हो
(ग)जो स्वयं में सम्पूर्ण हो (घ) जिसकी अपनी विशेष परंपरा हो

(9) निर्देशानुसार उत्तर दीजिए—'संस्कृति का स्वभाव है कि वह आदान-प्रदान से बढ़ती है।'-वाक्य का नाम तथा उपवाक्य का भेद बताइए|

(क) मिश्र वाक्य,क्रिया विशेषण उपवाक्य (ख) संयुक्त वाक्य,संज्ञा उपवाक्य,

(ग)सरल वाक्य,विशेषण उपवाक्य (घ) मिश्र वाक्य,संज्ञा उपवाक्य।

(10)उपसर्ग पृथक कर मूल शब्द बताइए—उन्नति

(क) उत् ,नति (ख) उन,नति
(ग)उन्न,ति (घ) इनमें कोई नहीं

उत्तर:- (1) (घ) संस्कृति और सभ्यता

(2) (क) किसी के बाहरी तरक्की करने का गुण,उपयोग की चीजें

(3) (ग)सभ्यता बाहरी दिखावे की वस्तु ,संस्कृति व्यक्ति का आंतरिक गुण है

(4) (घ) भीतरी उन्नति

(5) (क) छह हैं;परिणाम मनुष्य का पशुवत आचरण

(6) (ग)रेलगाड़ियाँ, मोटर, वायुयान, लंबी-चौड़ी सड़कें, अच्छा भोजन आदि

(7) (ख) वह आदान-प्रदान से बढ़ती है

(8) (ख) जिसने अन्य संस्कृतियों से भी सीखकर विकास किया हो

(9) (घ) मिश्र वाक्य,संज्ञा उपवाक्य

(10) (क) उत् ,नति

अपठित काव्यांश

निर्देश- अपठित काव्यांश को हल करते समय निम्नलिखित बिन्दुओं पर ध्यान दें-

1. काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें |
2. काव्यांश में दिए गए प्रश्नों को विकल्प सहित ध्यानपूर्वक दो बार पढ़ें |
3. कथ्य में जिस विषय को बार बार उठाया गया हो उसी से संबंधित शीर्षक होना चाहिए |
4. जिस-जिस प्रश्न का उत्तर आपको मिलता जाए, उसे रेखांकित करते जाइए |
5. विकल्पों को ध्यानपूर्वक पढ़कर पुनः काव्यांश की संबंधित पंक्तियों को पढ़ें और सही विकल्प का चयन करें |

उदाहरण 1.

थका-हारा सोचता मन -सोचता मन |
उलझती ही जा रही है एक उलझन |
अँधेरे में, अँधेरे से कब तलक लड़ते रहें
सामने जो दिख रहा है , वह सच्चाई भी कहें |
भीड़ अंधों की खड़ी खुश रेवड़ी खाती
अंधेरों के इशारों पर नाचती - गाती |
थका - हारा सोचता मन -सोचता मन |
भूखी -प्यासी कानाफूसी दे उठी दस्तक
अंधा बन जा चुका दे तम -द्वार पर मस्तक |
रेवड़ी की बाँट में तू रेवड़ी बन जा
तिमिर के दरबार में दरबान - सा तन जा |
थका -हारा ,उठा गर्दन -जूझता मन
दूर उलझन ! दूर उलझन ! दूर उलझन !
चल खड़ा हो पैर में यदि लग गई ठोकर
खड़ा हो संघर्ष में फिर रोशनी होकर
मृत्यु भी वरदान है संघर्ष में प्यारे
सत्य के संघर्ष में क्यों रोशनी हारे |
देखते ही देखते तम तोड़ता है दम
और सूरज की तरह हम ठोंकते हैं ख़म |

प्रश्न 1. कवि का मन कैसा है ?

क. उलझा हुआ ख. थका-हारा ग. सच्चा घ. भूखा-प्यासा

प्रश्न 2. भीड़ की प्रवृत्ति कैसी है ?

क.बुरे लोगों के इशारे पर चलने वाली ख. बुरे लोगों का विरोध करने वाली

ग. सच्चाई का साथ देने वाली घ. अच्छाई का साथ देने वाली

प्रश्न 3. कवि की भूख-प्यास की मजबूरी उससे क्या करने के लिए कहती है ?

क. बुरे लोगों का विरोध करो ख. बुरे लोगों का साथ दो

ग. सच्चाई का साथ दो घ. संघर्ष करो

प्रश्न 4. कवि के मन की उलझन दूर हो जाती है, क्योंकि -

क. हार जाता है ख. संघर्ष के लिए तत्पर हो जाता है ग. जीत जाता है घ. समर्पित हो जाता है

प्रश्न 5. काव्यांश का उचित शीर्षक होगा-

क. उलझा हुआ मन ख. अंधेरा ग. सच्चाई की जीत घ. जीवन संघर्ष

अपठित काव्यांश-1, उत्तर-1.ख, 2.क, 3.ख, 4.ख, 5.घ

उदाहरण 2.

मोहिनी प्रकृति की जो गोद में बसा है
सुख स्वर्ग-सा जहाँ है, वह देश कौन-सा है ॥
जिसके चरण निरंतर रत्नेश धो रहा है ।
जिसका मुकुट हिमालय,वह देश कौन-सा है ॥
नदियाँ जहाँ सुधा की धारा बहा रही हैं।
सींचा हुआ सलोना,वह देश कौन सा है ॥
जिसके बड़े रसीले फल,कंद,नाज मेवे ।
सब अंग में सजे हैं वह देश कौन-सा है ॥
जिसके सुगंध वाले,सुंदर प्रसून प्यारे ।
दिन-रात हँस रहे हैं,वह देश कौन-सा है ॥
मैदान,गिरि,वनों में हरियाली महकतीं
आनंदमय जहाँ है,वह देश कौन-सा है ॥
जिसकी अनंत वन से धरती भरी पड़ी है ।
संसार का शिरोमणि,वह देश कौन-सा है ॥
सबसे प्रथम जगत में सभ्य था यशस्वी ।
जगदीश का दुलारा,वह देश कौन-सा है ॥

प्रश्न 1. काव्यांश में भारत की क्या विशेषता बताई गई है ?

क. स्वर्ग सा सुख ख .सोने की चिड़िया ग .गरीब दुखी- घ प्यासा-भूखा .

प्रश्न 2. 'रत्नेश' का अर्थ है ?

क. पर्वत ख .नदी ग. समुद्र घ. प्रकृति

प्रश्न 3. देश में नदियाँ कैसी धारा बहा रही हैं ?

क. मीठे जल की ख .दूध की ग. रस की घ. सुगंध की

प्रश्न 4. भारत के लिए कौन-सा विशेषण प्रयुक्त हुआ है -

क. ईश्वर का प्यारा ख. संसार का शिरोमणि ग. संसार की प्रथम सभ्यता घ. सभी

प्रश्न 5. काव्यांश का उचित शीर्षक होगा-

क. वह देश ख .जन्मभूमि ग .संसार का शिरोमणि घ .भारतवर्ष

अपठित काव्यांश-2, उत्तर-1.क, 2.ग, 3.क, 4.घ, 5.घ

उदाहरण 3.

नए युग में विचारों की नई गंगा बहाओ तुम
कि सब कुछ जो बदल दे, ऐसे तूफाँ में नहाओ तुम
अगर तुम ठान लो तो आंधियों को मोड़ सकते हो
अगर तुम ठान लो तारे गगन के तोड़ सकते हो
अगर तुम ठान लो तो विश्व के इतिहास में अपने-
सुयश का एक नव अध्याय भी तुम जोड़ सकते हो
तुम्हारे बाहुबल पर विश्व को भारी भरोसा है-
उसी विश्वास को फिर आज जन-जन में जगाओ तुम
पसीना तुम अगर इस भूमि में अपना मिला दोगे
करोड़ो दीन-हीनों को नया जीवन दिला दोगे ।
तुम्हारी देह के श्रम-सीकरों में शक्ति है इतनी-
कहीं भी धूल में तुम फूल सोने के लिखा दोगे ।
नया जीवन तुम्हारे हाथ का हल्का इशारा है ।
इशारा कर वही इस देश को फिर लहलहाओ तुम ।

प्रश्न 1. कवि नवयुवकों से क्या आह्वान करता है ?

क. युद्ध का ख .पलायन का ग .नए विचारों का घ .गंगा स्नान का-

प्रश्न 2. नवयुवक यदि ठान ले तो क्या कुछ कर सकता है ?

क. आंधियों को मोड़ सकता है ख .आकाश के तारे तोड़ सकता है
ग. नई गंगा बहा सकता है घ. असंभव को भी संभव बना सकता है

प्रश्न 3. 'पसीना तुम अगर इस भूमि में अपना मिला दोगे' का आशय है-

क. व्यायाम करना ख .युद्ध करना ग परिश्रम करना घ. संघर्ष करना .

प्रश्न 4. 'देश को फिर लहलहाओ तुम' का क्या अभिप्राय है ?

क. देश को स्वतंत्र कराना ख .देश को खुशहाल बनाना ग .देश को विकसित बनाना घ.देश को हरा-भरा बनाना

ख. प्रश्न 5. काव्यांश का उचित शीर्षक होगा-

क. देश का विकास ख .बाहुबल ग .नई गंगा घ .आह्वान

अपठित काव्यांश-4, उत्तर-1.घ, 2.ग, 3.घ, 4.क, 5.घ

उदाहरण 4.

आज सारे दिन बाहर घूमता रहा
और कोई दुर्घटना नहीं हुई
आज सारे दिन लोगोँ से मिलता रहा
और कहीँ अपमानित नहीं हुआ
आज सारे दिन सच बोलता रहा
और किसी ने बुरा न माना
आज सबका यकीन किया
और कहीँ धोखा नहीं खाया
और सबसे बड़ा चमत्कार तो यह
कि घर लौटकर मैँने किसी और को नहीं
अपने को ही घर लौटा हुआ पाया |

प्रश्न 1. कवि ने चर्चित दिन को विशेष कहा है, क्योंकि ?

क. दुर्घटना हुई ख. अपमान मिला ग. धोखा मिला घ. कवि ने स्वयं को पाया

प्रश्न 2. लोग बुरा क्यों मान जाते हैं ?

क.बुराई करने से ख. झूठ बोलने से ग. सच बोलने से घ. धोखा देने से

प्रश्न 3. आज दिन भर कवि ने क्या-क्या किया ?

क.लोगों से मिला ख. बाहर घूमा ग. सच बोला घ. सभी

प्रश्न 4. कविता का संदेश है -

क. अच्छाई अभी बची है ख. लोग बदल गए हैं ग. चमत्कारी दिन घ. सभी

प्रश्न 5. काव्यांश का उचित शीर्षक होगा-

क.चमत्कार ख. अंधेरा ग. यकीन घ. उम्मीद

अपठित काव्यांश-3, उत्तर-1.ग, 2.घ, 3.ग, 4.ख, 5.घ

अभिव्यक्ति और माध्यम

लघुत्तरीय प्रश्न (3 अंक)
अति लघुत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

प्रश्न. जनसंचार के प्रमुख कार्य लिखिए।
उत्तर- जनसंचार के प्रमुख कार्य हैं-
1. सूचना देना
2. शिक्षित करना
3. मनोरंजन करना
4. जागरूक करना
5. एजेंडा तय करना
6. विचार- विमर्श के लिए मंच प्रदान करना।

प्रश्न.जनसंचार के प्रमुख माध्यम कौन- कौन से हैं?
उत्तर- जनसंचार के प्रमुख माध्यम हैं-
1. प्रिंट माध्यम- इसे मुद्रित माध्यम या छपाई वाले माध्यम भी कहा जाता है। इनमें सम्मिलित हैं- समाचार पत्र, पत्रिकाएं और पुस्तकें।
2. इलेक्ट्रॉनिक जनसंचार माध्यम– टी.वी., रेडियो, सिनेमा और इंटरनेट।

प्रश्न. जनसंचार के प्रिंट माध्यम (मुद्रित माध्यम) की जानकारी दीजिए।
उत्तर- प्रिंट माध्यम (मुद्रित माध्यम)-
जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम है ।
आधुनिक छापाखाने का आविष्कार जर्मनी के गुटेनबर्ग ने किया।
भारत में पहला छापाखाना सन 1556 में गोवा में खुला, इसे ईसाई मिशनरियों ने धर्म-प्रचार की पुस्तकें छापने के लिए खोला था। मुद्रित माध्यमों के अन्तर्गत अखबार, पत्रिकाएँ, पुस्तकें आदि आती हैं ।

प्रश्न- मुद्रित माध्यमो की विशेषताएँ लिखिए।
उत्तर- मुद्रित माध्यमो की विशेषताएँ- छपे हुए शब्दों में स्थायित्व होता है, इन्हें सुविधा अनुसार किसी भी प्रकार से पढ़ा जा सकता है।
यह माध्यम लिखित भाषा का विस्तार है।
यह चिंतन, विचार- विश्लेषण का माध्यम है।
इन्हें प्रमाण के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है।

प्रश्न- मुद्रित माध्यमो की क्या सीमाएँ या कमियाँ हैं? लिखिए।
उत्तर- मुद्रित माध्यम की सीमाएँ/ दोष :

निरक्षरों के लिए मुद्रित माध्यम किसी काम के नहीं होते।
ये तुरंत घटी घटनाओं को संचालित नहीं कर सकते।
इसमें स्पेस तथा शब्द सीमा का ध्यान रखना पड़ता है।
इसमें एक बार समाचार छप जाने के बाद अशुद्धि-सुधार नहीं किया जा सकता।

प्रश्न- मुद्रित माध्यमों में लेखन के लिए किन बातों को ध्यान रखना चाहिए?
उत्तर- मुद्रित माध्यमों में लेखन के लिए ध्यान रखने योग्य बातें :
भाषागत शुद्धता का ध्यान रखा जाना चाहिए।
प्रचलित भाषा का प्रयोग किया जाना चाहिए।
समय, शब्द व स्थान की सीमा का ध्यान रखा जाना चाहिए।
लेखन में तारतम्यता एवं सहज प्रवाह होना चाहिए।

प्रश्न- जनसंचार माध्यम के रूप में रेडियो(आकाशवाणी) की विशेषताएं लिखिए।
उत्तर- जनसंचार माध्यम के रूप में रेडियो (आकाशवाणी) की विशेषताएं -
रेडियो एक श्रव्य माध्यम है । इसमें शब्द एवं आवाज का महत्त्व होता है। रेडियो एक रेखीय माध्यम है। रेडियो समाचार की संरचना उल्टा पिरामिड शैली पर आधारित होती है। उल्टा पिरामिड शैली में समाचार को तीन भागों में बाँटा जाता है- इंट्रो, बॉडी और समापन। इसमें तथ्यों को महत्त्व के क्रम से प्रस्तुत किया जाता है, सर्वप्रथम सबसे ज्यादा महत्त्वपूर्ण तथ्य को तथा उसके उपरांत महत्त्व की दृष्टि से घटते क्रम में तथ्यों को रखा जाता है।

प्रश्न- रेडियो समाचार-लेखन के लिए किन बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए?
रेडियो समाचार-लेखन के लिए ध्यान रखने वाली बातें :
समाचार वाचन के लिए तैयार की गई कापी साफ-सुथरी और टाइप्ड कॉपी हो ।
कॉपी को ट्रिपल स्पेस में टाइप किया जाना चाहिए।
पर्याप्त हाशिया छोड़ा जाना चाहिए।
अंकों को लिखने में सावधानी रखनी चाहिए।
संक्षिप्ताक्षरों के प्रयोग से बचा जाना चाहिए।

प्रश्न- जनसंचार माध्यम के रूप में टेलीविजन की विशेषताएं लिखिए।
टेलीविजन (दूरदर्शन) : भारत में टेलीविजन का प्रारंभ 15 सितंबर 1959 को हुआ । यूनेस्को की एक शैक्षिक परियोजना के अन्तर्गत दिल्ली के आसपास के एक गाँव में दो टी.वी. सैट लगाए गए, जिन्हें 200 लोगों ने देखा । सन 1965 के बाद विधिवत् टीवी सेवा आरंभ हुई । सन 1976 में दूरदर्शन नामक निकाय की स्थापना हुई।जनसंचार का सबसे लोकप्रिय व सशक्त माध्यम है। इसमें ध्वनियों के साथ-साथ दृश्यों का भी समावेश होता है। इसके लिए समाचार लिखते समय इस बात का ध्यान रखा जाता है कि शब्द व पर्दे पर दिखने वाले दृश्य में समानता हो।

प्रश्न- टी.वी. खबरों के विभिन्न चरणों का वर्णन कीजिए।

उत्तर- टी.वी. खबरों के विभिन्न चरण :

दूरदर्शन मे कोई भी सूचना निम्न चरणों या सोपानों को पार कर दर्शकों तक पहुँचती है –

1. फ़्लैश या ब्रेकिंग न्यूज- इसमें समाचार को कम-से-कम शब्दों में दर्शकों तक तत्काल पहुँचाया जाता है।
2. ड्राई एंकर- इसमें एंकर द्वारा शब्दों में खबर के विषय में बताया जाता है, कोई दृश्य नहीं दिखाए जाते।
3. फोन इन - इसमें एंकर रिपोर्टर से फ़ोन पर बात कर दर्शकों तक सूचनाएँ पहुँचाता है।
4. एंकर-विजुअल - इसमें समाचार के साथ-साथ संबंधित दृश्यों को दिखाया जाता है।
5. एंकर-बाइट- इसमें एंकर का प्रत्यक्षदर्शी या संबंधित व्यक्ति के कथन या बातचीत द्वारा प्रामाणिक खबर प्रस्तुत करना शामिल होता है।
6. लाइव - इसमें घटनास्थल से खबर का सीधा प्रसारण किया जाता है।
7. एंकर-पैकेज - इसमें एंकर द्वारा प्रस्तुत सूचनाएँ; संबंधित घटना के दृश्य, बाइट,ग्राफ़िक्स आदि व्यवस्थित ढंग से दिखाई जाती है।

प्रश्न- जनसंचार माध्यम के रूप में इंटरनेट की विशेषताएं लिखिए।

उत्तर- इंटरनेट विश्वव्यापी अंतर्जाल है, यह जनसंचार का सबसे नवीन व लोकप्रिय माध्यम है। इसमें जनसंचार के सभी माध्यमों के गुण समाहित हैं। यह सूचना, मनोरंजन, ज्ञान और व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक संवादों के आदान-प्रदान के लिए श्रेष्ठ माध्यम है।

प्रश्न- इंटरनेट पत्रकारिता क्या है?

उत्तर- इंटरनेट पत्रकारिता को ऑनलाइन पत्रकारिता, साइबर पत्रकारिता या वेब पत्रकारिता भी कहा जाता है। इंटरनेट पर समाचारों का प्रकाशन या आदान-प्रदान इंटरनेट पत्रकारिता कहलाता है। इंटरनेट पत्रकारिता दो रूपों में होती है।

प्रथम- समाचार संप्रेषण के लिए नेट का प्रयोग करना। दूसरा- रिपोर्टर अपने समाचार को ई-मेल द्वारा अन्यत्र भेजने व समाचार को संकलित करने तथा उसकी सत्यता, विश्वसनीयता सिद्ध करने के लिए करता है। रीडिफ डॉट कॉम, इंडिया इंफ़ोलाइन व सीफी भारत में सच्चे अर्थों में वेब पत्रकारिता करने वाली साइटे है। टाइम्स आफ इंडिया , हिंदुस्तान टाइम्स, इंडियन एक्सप्रैस , हिंदू, ट्रिब्यून आदि समाचार-पत्र इंटरनेट पर उपलब्ध हैं। प्रभा साक्षी नाम का अखबार प्रिंट रूप में न होकर सिर्फ नेट पर उपलब्ध है।

प्रश्न- हिंदी नेट संसार (वेब जगत) की प्रमुख साहित्यिक पत्रिकाएं कौन कौन सी हैं?

उत्तर- हिंदी वेब जगत में अनुभूति, अभिव्यक्ति, हिंदी नेस्ट, सराय आदि साहित्यिक पत्रिकाएँ चल रही हैं।

प्रश्न- इंटरनेट पत्रकारिता के इतिहास का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

उत्तर- इंटरनेट पत्रकारिता का इतिहास:

विश्व-स्तर पर इंटरनेट पत्रकारिता का विकास निम्नलिखित चरणों में हुआ-

(१) प्रथम चरण-1982 से 1992

(२) द्वितीय चरण-1993 से 2001

(३) तृतीय चरण- 2002 से अब तक

प्रश्न- भारत में इंटरनेट पत्रकारिता कब आरंभ हुई?
उत्तर- भारत में इंटरनेट पत्रकारिता का पहला चरण 1983 से तथा दूसरा चरण 2003 से शुरू माना जाता है। भारत में सच्चे अर्थों में वेब पत्रकारिता करने वाली साइटें रीडिफ डॉट कॉम, इंडिया इफोलाइन व सीफी हैं। रीडिफ को भारत की पहली साइट कहा जाता है। वेब साइट पर विशुद्ध पत्रकारिता शुरू करने का श्रेय तहलका डॉट कॉम को जाता है।

प्रश्न- हिंदी में नेट पत्रकारिता का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
उत्तर- हिंदी में नेट पत्रकारिता 'वेब दुनिया' के साथ शुरू हुई। यह हिन्दी का संपूर्ण पोर्टल है। प्रभा साक्षी नाम का अखबार प्रिंट रूप में न होकर सिर्फ नेट पर ही उपलब्ध है। आज पत्रकारिता के लिहाज से हिन्दी की सर्व श्रेष्ठ साइट बीबीसी की है, जो इंटरनेट के मानदंडों के अनुसार चल रही है। हिन्दी वेब जगत में अनुभूति, अभिव्यक्ति, हिन्दी नेस्ट, सराय आदि साहित्यिक पत्रिकाएँ भी अच्छा काम कर रही हैं। अभी हिन्दी वेब जगत की सबसे बड़ी समस्या मानक की बोर्ड तथा फोंट की है। डायनमिक फोंट के अभाव के कारण हिन्दी की ज्यादातर साइटें खुलती ही नहीं हैं।

प्रश्न- पत्रकारीय लेखन क्या है?
उत्तर- पत्रकारीय लेखन–
समाचार माध्यमों मे काम करने वाले पत्रकार अपने पाठकों तथा श्रोताओं तक सूचनाएँ पहुँचाने के लिए लेखन के विभिन्न रूपों का इस्तेमाल करते हैं, इसे ही पत्रकारीय लेखन कहते हैं। पत्रकारिता या पत्रकारीय लेखन के अन्तर्गत सम्पादकीय, समाचार, आलेख, रिपोर्ट, फीचर , स्तम्भ तथा कार्टून आदि आते हैं।

प्रश्न- पत्रकारीय लेखन का उद्देश्य क्या है?
उत्तर- पत्रकारीय लेखन का प्रमुख उद्देश्य है- सूचना देना, शिक्षित करना तथा मनोरंजन आदि करना। इसके कई प्रकार हैं यथा- खोज परक पत्रकारिता, वॉचडॉग पत्रकारिता और एड्वोकैसी पत्रकारिता आदि। पत्रकारीय लेखन का संबंध समसामयिक विषयों, विचारों व घटनाओं से है। पत्रकार को लिखते समय यह ध्यान रखना चाहिए वह सामान्य जनता के लिए लिख रहा है, इसलिए उसकी भाषा सरल व रोचक होनी चाहिए। वाक्य छोटे व सहज हों। कठिन भाषा का प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। भाषा को प्रभावी बनाने के लिए अनावश्यक विशेषणों,जार्गन्स (अरचलित शब्दावली) और क्लीशे (पिष्टोक्ति, दोहराव) का प्रयोग नहीं होना चहिए।

प्रश्न- संपादन किसे कहते हैं?
उत्तर- प्रकाशन के लिए प्राप्त समाचार सामग्री से उसकी अशुद्धियों को दूर करके पठनीय तथा प्रकाशन योग्य बनाना संपादन कहलाता है।

प्रश्न- संपादकीय किसे कहते हैं?

उत्तर- संपादक द्वारा किसी प्रमुख घटना या समस्या पर लिखे गए विचारात्मक लेख को, जिसे संबंधित समाचारपत्र की राय भी कहा जाता है, संपादकीय कहते हैं। इसे अग्रलेख भी कहते हैं।
संपादकीय किसी एक व्यक्ति का विचार या राय न होकर समग्र पत्र-समूह की राय होता है, इसलिए संपादकीय में संपादक अथवा लेखक का नाम नहीं लिखा जाता ।
प्रश्न- पत्रकारिता के प्रमुख प्रकार कौन कौन से हैं?

उत्तर- पत्रकारिता के प्रमुख प्रकार-

1. **खोजी पत्रकारिता**– जिसमें आम तौर पर सार्वजनिक महत्त्व के मामलों जैसे, भ्रष्टाचार, अनियमितताओं और गड़बड़ियों की गहराई से छानबीन कर सामने लाने की कोशिश की जाती है। स्टिंग ऑपरेशन खोजी पत्रकारिता का ही एक नया रूप है।
2. **वॉचडॉग पत्रकारिता**– लोकतंत्र में पत्रकारिता और समाचार मीडिया का मुख्य उत्तरदायित्व सरकार के कामकाज पर निगाह रखना है और कोई गड़बड़ी होने पर उसका पर्दाफाश करना होता है, परंपरागत रूप से इसे वॉचडॉग पत्रकारिता कहते हैं।
3. **एडवोकेसी पत्रकारिता**– इसे पक्षधर पत्रकारिता भी कहते हैं। किसी खास मुद्दे या विचारधारा के पक्ष में जनमत बनाने के लिए लगातार अभियान चलाने वाली पत्रकारिता को एडवोकेसी पत्रकारिता कहते हैं।
4. **पीत पत्रकारिता**– पाठकों को लुभाने के लिये झूठी अफवाहों, आरोपों-प्रत्यारोपों, प्रेम संबंधों आदि से संबंधित सनसनी खेज समाचारों से संबंधित पत्रकारिता को पीत पत्रकारिता कहते हैं।
5. **पेज थ्री पत्रकारिता**– ऐसी पत्रकारिता जिसमें फैशन, अमीरों की पार्टियों , महफ़िलों और जानेमाने लोगों के निजी जीवन के बारे में बताया जाता है।
6. **वैकल्पिक पत्रकारिता**- मुख्य धारा के मीडिया के विपरीत जो मीडिया स्थापित व्यवस्था के विकल्प को सामने लाकर उसके अनुकूल सोच को अभिव्यक्त करता है उसे वैकल्पिक पत्रकारिता कहा जाता है ।आम तौर पर इस तरह के मीडिया को सरकार और बड़ी पूँजी का समर्थन प्राप्त नहीं होता और न ही उसे बड़ी कंपनियों के विज्ञापन मिलते हैं।
7. **विशेषीकृत पत्रकारिता**– किसी विशेष क्षेत्र की विशेष जानकारी देते हुए उसका विश्लेषण करना विशेषीकृत पत्रकारिता है।

विशेषीकृत पत्रकारिता के प्रमुख क्षेत्र– संसदीय पत्रकारिता, न्यायालय पत्रकारिता, आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, विज्ञान और विकास पत्रकारिता, अपराध पत्रकारिता, फैशन और फिल्म पत्रकारिता।

प्रश्न- पत्रकारों की कितनी श्रेणियां या प्रकार हैं?
उत्तर- पत्रकार तीन प्रकार के होते हैं ।
1. **पूर्ण कालिक पत्रकार**- ये पत्रकार किसी समाचार संगठन में स्थायी रूप से निश्चित वेतन पर कार्य करते हैं।
2. **अंशकालिक पत्रकार** (स्ट्रिंगर)-
ये पत्रकार किसी समाचार संगठन में अस्थायी रूप से निश्चित मानदेय पर कार्य करते हैं।
3. **फ्रीलांसर या स्वतंत्र पत्रकार**- ये स्वतंत्र पत्रकार होते हैं, जो भुगतान के बदले समाचार उपलब्ध कराते हैं।

प्रश्न- समाचार की परिभाषा लिखिए।

उत्तर- समाचार किसी भी ऐसी ताजा घटना, विचार या समस्या की रिपोर्ट है,जिसमें अधिक से अधिक लोगों की रुचि हो।

प्रश्न- समाचार के प्रमुख तत्त्व कौन- कौन से हैं?
उत्तर- समाचार के तत्त्व : नवीनता, निकटता, प्रभाव, जनरुचि, उपयोगी जानकारियाँ,आदि ।
प्रश्न- डेडलाइन किसे कहते हैं?
उत्तर- समाचार माध्यमों के लिए समाचारों को कवर करने के लिये निर्धारित समय-सीमा को डेडलाइन कहते हैं।

प्रश्न- डेटलाइन किसे कहते हैं?
उत्तर- समाचार पत्र के दिनांक को डेटलाइन कहते हैं। आमतौर पर समाचार पत्रों की डेटलाइन 24 घण्टों की होती है।

प्रश्न- समाचार लेखन की लोकप्रिय शैली क्या है?
अथवा
समाचार किस शैली में लिखे जाते है?
उत्तर- समाचार उलटा पिरामिड शैली में लिखे जाते हैं, यह समाचार लेखन की सबसे उपयोगी और लोकप्रिय शैली है। इस शैली का विकास अमेरिका में गृह-यद्ध के दौरान हुआ। इसमें महत्त्वपूर्ण घटना का वर्णन पहले प्रस्तुत किया जाता है, उसके बाद महत्त्व की दृष्टि से घटते क्रम में घटनाओं को प्रस्तुत कर समाचार का अंत होता है। समाचार में इंट्रो, बॉडी और समापन के क्रम में घटनाएँ प्रस्तुत की जाती हैं ।

प्रश्न- समाचार के छः ककार कौन कौन से हैं?
उत्तर- समाचार के छः ककार–
समाचार लिखते समय मुख्य रूप से छः प्रश्नों- क्या, कौन, कहाँ, कब , क्यों और कैसे का उत्तर देने की कोशिश की जाती है। इन्हें समाचार के छः ककार कहा जाता है। प्रथम चार प्रश्नों के उत्तर इंट्रो में तथा अन्य दो के उत्तर समापन से पूर्व बॉडी वाले भाग में दिए जाते हैं ।

प्रश्न- फीचर किसे कहते हैं?
उत्तर- फीचर एक सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन है ।
प्रश्न- फीचर लेखन के उद्देश्य लिखिए।
उत्तर- फीचर लेखन का उद्देश्य: फीचर का उद्देश्य मुख्य रूप से पाठकों को सूचना देना, शिक्षित करना तथा उनका मनोरंजन करना होता है।

प्रश्न- फीचर और समचार में क्या अंतर है?
उत्तर- फीचर और समचार में अंतर: समाचार में रिपोर्टर को अपने विचरों को डालने की स्वतंत्रता नहीं होती, जबकि फीचर में लेखक को अपनी राय , दृष्टिकोण और भावनाओं को जाहिर करने का अवसर होता

है । समाचार उल्टा पिरामिड शैली में लिखे जाते हैं, जबकि फीचर लेखन की कोई सुनिश्चित शैली नहीं होती । फीचर में समाचारों की तरह शब्दों की सीमा नहीं होती। आमतौर पर फीचर , समाचार रिपोर्ट से बडे होते हैं । पत्र-पत्रिकाओं में प्राय: 250 से 2000 शब्दों तक के फीचर छपते हैं ।

प्रश्न- विशेष रिपोर्ट किसे कहते हैं?
उत्तर- सामान्य समाचारों से अलग वे विशेष समाचार जो गहरी छान-बीन, विश्लेषण और व्याख्या के आधार पर प्रकाशित किये जाते हैं, विशेष रिपोर्ट कहलाते हैं ।

प्रश्न- विशेष रिपोर्ट के प्रकार लिखिए।
उत्तर- विशेष रिपोर्ट के प्रकार-
1.**खोजी रिपोर्ट** : इसमें अनुपल्ब्ध तथ्यों को गहरी छान-बीन कर सार्वजनिक किया जाता है।
2**. इन्डेप्थ रिपोर्ट**: सार्वजनिक रूप से प्राप्त तथ्यों की गहरी छान-बीन कर उसके महत्त्वपूर्ण पक्षों को पाठकों के सामने लाया जाता है ।
3. **विश्लेषणात्मक रिपोर्ट** : इसमें किसी घटना या समस्या का विवरण सूक्ष्मता के साथ विस्तार से दिया जाता है। रिपोर्ट अधिक विस्तृत होने पर कई दिनों तक किश्तों में प्रकाशित की जाती है।
4. **विवरणात्मक रिपोर्ट** : इसमें किसी घटना या समस्या को विस्तार एवं बारीकी के साथ प्रस्तुत किया जाता है।

प्रश्न- विचारपरक लेखन के अंतर्गत क्या क्या सम्मिलित हैं?
उत्तर- समाचार-पत्रों में समाचार एवं फीचर के अतिरिक्त संपादकीय, लेख, पत्र, टिप्पणी, वरिष्ठ पत्रकारों व विशेषज्ञों के स्तम्भ छपते हैं । ये सभी विचारपरक लेखन के अन्तर्गत आते हैं ।

प्रश्न- संपादकीय किसे कहते हैं?
उत्तर- संपादक द्वारा किसी प्रमुख घटना या समस्या पर लिखे गए विचारात्मक लेख को, जिसे संबंधित समाचारपत्र की राय भी कहा जाता है, संपादकीय कहते हैं। इसे अग्रलेख व समाचार पत्र की आत्मा भी कहा जाता है।
प्रश्न- संपादकीय में संपादक अथवा लेखक का नाम क्यों नहीं लिखा जाता?
उत्तर- संपादकीय किसी एक व्यक्ति का विचार या राय न होकर समग्र पत्र-समूह की राय होता है, इसलिए संपादकीय में संपादक अथवा लेखक का नाम नहीं लिखा जाता ।

प्रश्न- स्तम्भ लेखन किसे कहते हैं?
उत्तर- एक प्रकार का विचारात्मक लेखन है। कुछ महत्त्वपूर्ण लेखक अपने खास वैचारिक रुझान एवं लेखन शैली के लिए जाने जाते हैं। ऐसे लेखकों की लोकप्रियता को देखकर समाचरपत्र उन्हें अपने पत्र में नियमित स्तम्भ- लेखन की जिम्मेदारी प्रदान करते हैं। इस प्रकार किसी समाचार-पत्र में किसी ऐसे लेखक द्वारा किया गया विशिष्ट व नियमित लेखन जो अपनी विशिष्ट शैली व वैचारिक रुझान के कारण समाज में ख्याति प्राप्त हो, स्तम्भ लेखन कहा जाता है ।

प्रश्न- संपादक के नाम पत्र के बारे में बताइए।

उत्तर- समाचार पत्रों में संपादकीय पृष्ठ पर तथा पत्रिकाओं की शुरुआत में संपादक के नाम आए पत्र प्रकाशित किए जाते हैं । यह प्रत्येक समाचारपत्र का नियमित स्तम्भ होता है। इसके माध्यम से समाचार-पत्र अपने पाठकों को जनसमस्याओं तथा मुद्दों पर अपने विचार एवम राय व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है।

प्रश्न- साक्षात्कार/इंटरव्यू किसे कहते हैं?

उत्तर- किसी पत्रकार के द्वारा अपने समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए, किसी व्यक्ति विशेष से उसके विषय में अथवा किसी विषय या मुद्दे पर किया गया प्रश्नोत्तरात्मक संवाद साक्षात्कार कहलाता है ।

प्रश्न- विशेष लेखन किसे कहते हैं?

उत्तर- किसी खास विषय पर सामान्य लेखन से हट कर किया गया लेखन है। जिसमें राजनीतिक, आर्थिक, अपराध, खेल, फिल्म,कृषि, कानून विज्ञान और अन्य किसी भी मत्त्वपूर्ण विषय से संबंधित विस्तृत सूचनाएँ प्रदान की जाती हैं।

प्रश्न- डेस्क किसे कहते हैं?

उत्तर- समाचारपत्र, पत्रिकाओं, टीवी और रेडियो चैनलों में अलग-अलग विषयों पर विशेष लेखन के लिए निर्धारित स्थल को डेस्क कहते हैं। और उस विशेष डेस्क पर काम करने वाले पत्रकारों का भी अलग समूह होता है। यथा, व्यापार तथा कारोबार के लिए अलग तथा खेल की खबरों के लिए अलग डेस्क निर्धारित होता है।

प्रश्न- बीट किसे कहते हैं?

उत्तर- विभिन्न विषयों से जुडे समाचारों के लिए संवाददाताओं के बीच काम का विभाजन आम तौर पर उनकी दिलचस्पी और ज्ञान को ध्यान में रख कर किया जाता है। मीडिया की भाषा में इसे बीट कहते हैं।

प्रश्न- बीट रिपोर्टिंग तथा विशेषीकृत रिपोर्टिंग में क्या अन्तर है?

उत्तर- बीट रिपोर्टिंग के लिए संवाददाता में उस क्षेत्र के बारे में जानकारी व दिलचस्पी का होना पर्याप्त है, साथ ही उसे आम तौर पर अपनी बीट से जुड़ी सामान्य खबरें ही लिखनी होती हैं। किन्तु विशेषीकृत रिपोर्टिंग में सामान्य समाचारों से आगे बढ़कर संबंधित विशेष क्षेत्र या विषय से जुड़ी घटनाओं, समस्याओं और मुद्दों का बारीकी से विश्लेषण कर प्रस्तुतीकरण किया जाता है। बीट कवर करने वाले रिपोर्टर को संवाददाता तथा विशेषीकृत रिपोर्टिंग करने वाले रिपोर्टर को विशेष संवाददाता कहा जाता है।

प्रश्न- विशेष लेखन की भाषा-शैली कैसी होनी चाहिए?

उत्तर- विशेष लेखन की भाषा-शैली सामान्य लेखन से अलग होती है। इसमें संवाददाता को संबंधित विषय की तकनीकी शब्दावली का ज्ञान होना आवश्यक होता है, साथ ही यह भी आवश्यक होता है कि वह

पाठकों को उस शब्दावली से परिचित कराए जिससे पाठक रिपोर्ट को समझ सकें। विशेष लेखन की कोई निश्चित शैली नहीं होती।

प्रश्न- विशेष लेखन के प्रमुख क्षेत्र कौन कौन से हैं?
उत्तर- विशेष लेखन के अनेक क्षेत्र होते हैं, यथा- अर्थ-व्यापार, खेल, विज्ञान-प्रौद्योगिकी, कृषि, विदेश, रक्षा, पर्यावरण शिक्षा, स्वास्थ्य, फ़िल्म-मनोरंजन, अपराध, कानून व सामाजिक मुद्दे आदि।

जनसंचार- अभिव्यक्ति और माध्यम

बहुविकल्पीय प्रश्न-

1- निम्न में से जनसंचार माध्यम का श्रव्य माध्यम है ?
क- टेलीविजन
ख- रेडियो
ग- समाचार पत्र
घ- इंटरनेट
2- भारत में पत्रकारिता की शुरूआत कब हुई ?
क- 1826 में
ख- 1780 में
ग- 1556 में
घ- उपर्युक्त में से कोई नहीं
3- हिन्दी के पहले साप्ताहिक पत्र का सम्पादन किया -
क- आगस्ट हिक्की द्वारा
ख- पं॰ जुगल किशोर गुप्त द्वारा
ग- पं॰ जुगल किशोर शुक्ल द्वारा
घ- बालमुकुंद गुप्त द्वारा
4 हिन्दी का पहला साप्ताहिक पत्र कब प्रकाशित हुआ ?
क- 1780 में
ख- 1556 में
ग- 1755 में
घ- 1826 में
5- भारत का पहला समाचार पत्र कौनसा है ?
क- बंगाल गज़ट
ख- उदत्त मार्तंड
ग- पंजाब केसरी
घ- जनसत्ता
6 - हिन्दी का पहला साप्ताहिक पत्र कौनसा है ?

क- बंगाल गज़ट

ख- उदत्त मार्तंड

ग- पंजाब केसरी

घ- जनसत्ता

7- आल इंडिया रेडियो की विधिवत स्थापना कब हुई ?

क- 1895 में

ख- 1936 में

ग- 1921 में

घ- 1997 में

8- आकाशवाणी तथा दूरदर्शन किस संस्था के अधीन है ?

क- प्रसार भारती

ख- दूरदर्शन

ग- आकाशवाणी

घ- भारत सरकार

9- निम्न में से टेलीविजन खबरों का चरण नहीं है -

क- ड्राई एंकर

ख- लाइव

ग- एंकर विजुअल

घ- आज तक

10- बिना दृश्य के रिपोर्टर से मिली जानकारी के अनुसार एंकर द्वारा सूचनाएँ पहुंचाना क्या कहलाता है ?

क- ड्राई एंकर

ख- लाइव

ग- एंकर विजुअल

घ- एंकर बाइट

11- घटना के बारे में प्रत्यक्षदर्शियों या संबंधित व्यक्तियों का कथन दिखा और सुनाकर खबर की पुष्टि करना कहलाता है -

क- ड्राई एंकर

ख- लाइव

ग- एंकर विजुअल

घ- एंकर बाइट

12- किसी खबर का घटना स्थल से सीधा प्रसारण कहलाता है -

क- ड्राई एंकर

ख- लाइव

ग- एंकर विजुअल

घ- एंकर बाइट

13- डेडलाइन से क्या आशय है-

क- समाचारों का सम्पादन

ख- समाचारों को कवर करने की निर्धारित समय-सीमा

ग- समाचारों का प्रकाशन

घ- समाचारों का घटना स्थल से सीधा प्रसारण

14- फ्रीलान्सर पत्रकार से आशय है -

क- अंशकालिक पत्रकार

ख- स्वतंत्र पत्रकार

ग- पूर्णकालिक पत्रकार

घ- समाचार पत्र विशेष से जुड़े पत्रकार

15- फैशन , सेलीब्रिटी के निजी जीवन से जुड़ी पत्रकारिता है?

क- खोजी पत्रकारिता

ख- पेज थ्री पत्रकारिता

ग- वॉचडॉग पत्रकारिता

घ- उपर्युक्त में से कोई नहीं

16- भारत में पहला छापाखाना कहाँ व कब खुला ?

क- गोवा में , 1956 में

ख- दिल्ली में , 1556 में

ग- मुंबई में, 1956 में

घ- गोवा में , 1556 में

17- निम्न में से असंगत है -

क- हिन्दी का पहला साप्ताहिक समाचार पत्र उदत्त मार्तण्ड है |

ख- 1997 तक आकाशवाणी व दूरदर्शन सरकारी नियंत्रण में थे |

ग- प्रिंट माध्यम चिंतन, विचार और विश्लेषण का माध्यम है |

घ- आधुनिक छापेखाने के आविष्कर्ता होने का श्रेय चीन के गुस्तेन बेयर्ड को है|

18- जनता के विशाल वर्ग से तकनीकी या यांत्रिक माध्यम से होने वाली संचार प्रक्रिया कहलाती है-

क-मौखिक संचार

ख-अमौखिक संचार

ग-जनसंचार

घ-सांकेतिक संचार

19-सूचना,शिक्षा,मनोरंजन प्रदान करना,निगरानी रखना,एजेंडा तय करना आदि क्या हैं?

क-संचार के तत्व

ख-संचार के कार्य

ग-संचार के माध्यम

घ-संचार के विषय

20- छापाखाना का आविष्कार किसने और कहाँ किया ?
क-एडिसन-अमेरिका
ख-गुटेनबर्ग-जर्मनी
ग-ग्राहमबेल-इटली
घ-जेम्स हिकी-भारत
21- भारत में पहला छापाखाना कहाँ और कब खोला गया ?
क-1556-गोवा
ख-1656-कोलकाता
ग-1756-कानपुर
घ-1856-मुंबई
22- भारत के पहले समाचारपत्र का क्या नाम था ?
क-हिंदुस्तान
ख-बंगाल गज़ट
ग-टाइम्स ऑफ इंडिया
घ-उदन्त मार्तंड
23- भारत में पहला समाचारपत्र किसने निकाला?
क-महात्मा गांधी
ख-जेम्स ऑगस्ट हिकी
ग-पं॰जुगुलकिशोर शुक्ल
घ-गणेश शंकर विद्यार्थी
24- भारत में पहला समाचारपत्र किसने,कहाँ और कब निकाला?
क-महात्मा गांधी-कोलकाता-1920
ख-जेम्स ऑगस्ट हिकी –कोलकाता-1780
ग-पं॰जुगुलकिशोर शुक्ल-कानपुर-1780
घ-ईसाई मिशनरीज़-गोवा-1780
25- हिन्दी के पहले साप्ताहिक समाचारपत्र का क्या नाम था ,यह कब निकाला गया ?
क-बंगाल गज़ट -1780
ख-उदन्त मार्तंड -1826
ग-सरस्वती -1900
घ-प्रताप – 1860
26- हिन्दी का पहला साप्ताहिक समाचारपत्र किसने और कहाँ से निकाला?
क-महात्मा गांधी-वर्धा
ख-जेम्स ऑगस्ट हिकी –कोलकाता
ग-पं॰जुगुलकिशोर शुक्ल- कोलकाता
घ-ईसाई मिशनरीज़-मद्रास

27- समाचार पत्र-पत्रिकाएँ संचार के किस प्रकार के माध्यम हैं ?
क-इलेक्ट्रानिक माध्यम
ख-दृश्य माध्यम
ग-दृश्य-श्रव्य माध्यम
घ-मुद्रित माध्यम
28- रेडियो का आविष्कार किसने और कहाँ किया ?
क-जी मार्कोनी-इटली
ख-एडीसन-अमेरिका
ग-चार्ल्स बेवेज-इंग्लैंड
घ-न्यूटन-अमेरिका
29-रेडियो संचार का कैसा माध्यम है?
क-मुद्रित माध्यम
ख-ध्वनि(श्रव्य माध्यम)
ग-दृश्य माध्यम
घ-दृश्य-श्रव्य माध्यम
30-भारत में पहली बार टेलीविज़न की शुरुआत कब हुई ?
क-15 सितंबर 1959
ख-15 अगस्त 1959
ग-26जनवरी 1959
घ-14 नवंबर 1959
31-सभी संचार माध्यमों के मिले –जुले रूप का समागम है –
क-टेलीविज़न
ख-रेडियो
ग-अखबार
घ-इन्टरनेट
32- पेज थ्री पत्रकारिता से क्या आशय है?
क- तीसरे पेज पर छपने वाली सामग्री
ख- तीन पेजों वाली पत्रिका
ग- फैशन, अमीरों की पार्टियां व जाने-माने लोगों के निजी जीवन से संबंधित सामग्री का प्रकाशन
घ- तीन पेजों वाला समाचार पत्र।
33- किसी घटना के 'समाचार' बनने के लिए उसमें कौन सा तत्त्व आवश्यक नहीं हैं?
क- घटना के बारे में जन रुचि
ख- घटना की नवीनता
ग- प्रतिदिन दोहराई जाने वाली घटनाएं
घ- नीतिगत ढांचा

34- 'पत्रकारिता' क्या है?

क- एक दूसरे को पत्राचार करना।

ख- सूचनाओं को संकलित और संपादित करके आम पाठकों तक पहुँचाने का कार्य।

ग- सूचनाओं का संकलन

घ- मित्र को पत्र लिखना

35- समाचारों के संपादन में किन प्रमुख सिद्धान्तों का पालन जरूरी नहीं है?

क- निष्पक्षता

ख- संतुलन व स्रोत की जानकारी

ग- संवाददाता का जीवन परिचय

घ- तथ्यपरकता

36- पीत पत्रकारिता क्या है?

क- पीले रंग में छपने वाली पत्रिका।

ख- सरकार के कामकाज पर नजर रखने वाली पत्रकारिता।

ग- पाठकों को लुभाने के लिए झूठी अफवाहों व्यक्तिगत आरोप प्रत्यारोप व प्रेम संबंधों और सनसनीखेज सामग्री का प्रकाशन।

घ- पीले रंग से छपने वाला समाचार पत्र।

37- पत्रकारिता का प्रकार नहीं है

क- खोजपरक

ख- वाचडॉग

ग- एडवोकेसी

घ- योजनाबद्ध

38- पत्रकारिता में 'डैडलाइन' क्या है?

क- किसी व्यक्ति के मरने की जानकारी।

ख- किसी समाचार माध्यम में समाचार को प्रकाशित होने के लिए प्राप्त होने की आखिरी समय-सीमा।

ग- संपादक द्वारा अपने समाचार एजेंसी के कर्मचारियों को निर्धारित समय पर उपस्थित होने के लिए तय किया गया समय।

घ- पत्रकार को मारने की धमकी देना।

39- समाचार लेखन की उल्टा पिरामिड शैली के छः ककारों में सबसे पहले क्या आता है?

क- क्या

ख- क्यों

ग- कब

घ- कहाँ

40-किसी भी ताजा घटना,विचार या समस्या की ऐसी रिपोर्ट, जिसका अधिक से अधिक लोगों पर प्रभाव पड़ रहा हो,क्या कहलाएगी?

क-समस्या

ख-विचार

ग-समाचार

घ-घटना

41-नवीनता,निकटता,प्रभाव और जनरुचि क्या हैं?

क-समाचार के उद्देश्य

ख-समाचार के तत्व

ग-समाचार के प्रकार

घ-समाचार की प्राथमिकता

42-किसी समाचार के छपने की अंतिम समयसीमा क्या कहलाती है?

क-आवश्यक कार्य

ख-डेडलाइन

ग-अनोखापन

घ-सम्पादन

43-किसी समाचार संगठन मे संपादक, उप संपादक, सहायक संपादक, समाचार संपादक,और मुख्य संपादक आदि किसकी भूमिका निभाते हैं?

क-लोकपाल

ख-क्षेत्रपाल

ग-द्वारपाल

घ-लेखपाल

44-छपने के लिए आई सामग्री की अशुद्धियों को दूर करके उसे पठनीय बनाने की प्रक्रिया क्या कहलाती है?

क-संकलन

ख-सुधार

ग-सम्पादन

घ-प्रकाशन

45-निम्न लिखित में से सम्पादन का सिद्धान्त कौन सा है?

क-तथ्यों की शुद्धता

ख-वस्तुपरकता और निष्पक्षता

ग-संतुलन और स्रोत

घ-उपर्युक्त सभी

46-लोकतन्त्र का चौथा स्तम्भ किसे कहा जाता है?

क-सरकार को

ख-न्यायालय को
ग-पत्रकारिता को
घ-समाज को
47-किसी पत्रकार के कार्य के लिए सच्चाई ,संतुलन,निष्पक्षता एवं स्पष्टता क्या हैं ?
क-साधन
ख-बैसाखियाँ
ग-कार्यशैली
घ-कार्यकुशलता
48-पी.टी.आई और यू.एन.आई क्या है?
क-पत्रकार
ख-संवाददाता
ग-समाचार एजेंसी
घ-औद्योगिक संस्थान
49-विभिन्न घटनाओं पर अखबार की राय क्या कहलाती है?
क-संपादकीय
ख-संपादक
ग-समाचार
घ-संपादन
50-संपादकीय कौन लिखता है?
क-संपादक मंडल
ख-पत्रकार
ग-विशेष संपादक
घ-संवाददाता
51-संपादकीय में किसकी राय होती है?
क-अखबार की
ख-संपादक की
ग-पत्रकार की
घ-किसी की नहीं
52- निम्न लिखित में से पत्रकारिता के विभिन्न आयाम कौन से हैं ?
क-संपादकीय,फोटो पत्रकारिता
ख-कार्टूनकोना, रेखांकन ,कार्टोग्राफ
ग-इनमें से कोई नहीं
घ-उपर्युक्त (क,ख) दोनों
53-किस पत्रकारिता में गहराई से छानबीन करके तथ्यों और सूचनाओं को सामने लाया जाता है?
क-वॉचडॉग पत्रकारिता

ख-खोजपरक पत्रकारिता
ग-वैकल्पिक पत्रकारिता
घ-विशेषीकृत पत्रकारिता
54-आजकल प्रचलित स्टिंग आपरेशन किस पत्रकारिता से संबन्धित है?
क-वॉचडॉग पत्रकारिता
ख-खोजपरक पत्रकारिता
ग-फोटो पत्रकारिता
घ-विशेषीकृत पत्रकारिता
55-खेल और संसदीय पत्रकारिता, किस पत्रकारिता से संबन्धित है?
क-विशेषीकृत पत्रकारिता
ख-खोजपरक पत्रकारिता
ग-पेज थ्री पत्रकारिता
घ-एडवोकेसी पत्रकारिता
56-वॉचडॉग पत्रकारिता का क्या कार्य है?
क-सरकार के कार्यों का प्रचार करना
ख-विपक्षी दल के कार्यों पर निगरानी रखना
ग-सामान्य जनता की कमियाँ बताना
घ-सरकारी कामकाज की गड़बड़ी का पर्दाफाश करना
57-एडवोकेसी पत्रकारिता को और किस नाम से जाना जाता है?
क-निष्पक्ष पत्रकारिता
ख-पक्षधर पत्रकारिता
ग-खोजी पत्रकारिता
घ-विशेष पत्रकारिता
58-मुख्य धारा की मीडिया के विपरीत जो पत्रकारिता की जाती है उसे क्या कहते हैं?
क-विशेष पत्रकारिता
ख-वैकल्पिक पत्रकारिता
ग-मुख्य पत्रकारिता
घ-व्यापार पत्रकारिता
59-फिल्म जगत और फैशन से संबन्धित पत्रकारिता क्या कहलाती है?
क-पीत पत्रकारिता
ख-फैशन पत्रकारिता
ग-पेज थ्री पत्रकारिता
घ-सांस्कृतिक पत्रकारिता
60-पीत पत्रकारिता का संबंध कैसी खबरों से होता है ?
क-व्यापारिक खबरों से

ख-सामाजिक खबरों से
ग-सनसनीखेज खबरों से
घ-फिल्मी खबरों से

61-आधुनिक जनसंचार माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम कौन सा है?
क-टेलीविज़न
ख-रेडियो
ग-इन्टरनेट
घ-अखबार
62-भारत के गोवा में 1556 मे पहला छापाखाना खोलने का मुख्य कारण क्या था?
क-समाचार पत्र छापने के लिए
ख-पत्रिकाएँ छापने के लिए
ग-धर्म प्रचार की पुस्तकें छापने के लिए
घ-उपर्युक्त सभी
63-मुद्रित माध्यम के लिए लेखन करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?
क-भाषा अलंकारिक होना चाहिए
ख-भाषा,व्याकरण,वर्तनी की शुद्धता का
ग-शुद्ध,साहित्यिक भाषा होनी चाहिए
घ-किसी भी प्रकार की भाषा का प्रयोग
64-रेडियो कैसा माध्यम है?
क-श्रव्य
ख-दृश्य
ग-मुद्रित
घ-दृश्य-श्रव्य
65-निम्नलिखित में से कौन सी रेडियो समाचार की विशेषता है?
क-इसमें ध्वनि की तुलना में दृश्य का अधिक महत्व होता है
ख-इसमें शब्द और आवाज ही सबकुछ है
ग-यह अंतःक्रियात्मक होता है
घ-इसे हम कभी भी अपनी रुचि के अनुसार सुन सकते हैं
66-किसी भी माध्यम के लिए समाचार लेखन की प्रचलित शैली कौन सी है?
क-कथा शैली
ख-उल्टा पिरामिड शैली
ग-सीधा पिरामिड शैली
घ-समापन शैली
67-उल्टा पिरामिड शैली में समाचार संरचना किस प्रकार की होती है?

क-मुखड़ा,बॉडी,समापन
ख-बॉडी,समापन,मुखड़ा,
ग-समापन मुखड़ा,बॉडी
घ-इनमें से कोई नहीं
68-किसी बड़ी एवं महत्वपूर्ण खबर को, कम से कम शब्दों में तत्काल दर्शकों तक पहुँचाने को क्या कहते हैं?
क-विशेष समाचार
ख-ड्राई एंकर
ग-एंकर बाइट
घ-फ्लैश या ब्रेकिंग न्यूज़
69-फोन इन क्या है?
क-एंकर घटनास्थल पर मौजूद रिपोर्टर से फोन पर बात करके सूचना दर्शकों तक पहुंचाता है
ख-एंकर फोन पर किसी का साक्षात्कार लेता है
ग-पर्दे पर सिर्फ आवाज सुनाई देती है
घ-पर्दे पर सिर्फ दृश्य दिखाई देता है
70- एंकर विजुअल क्या है?
क-रिपोर्टर और एंकर एक साथ दिखाई देते हैं
ख-घटना के सिर्फ दृश्य दिखाए जाते हैं
ग- सिर्फ आवाज सुनाई देती है
घ-घटना के दृश्य और उस पर आधारित खबर एक साथ चलते हैं
71-घटना स्थल से खबर का सीधा प्रसारण क्या कहलाता है?
क-ब्रेकिंग
ख-लाइव
ग-फोनइन
ग-एंकर बाइट
72-एंकर पैकेज क्या है?
क-खबर को एंकर द्वारा संपूर्णता से प्रस्तुत करना
ख-एंकर द्वारा खबर को पढ़ना
ग- रिपोर्टर द्वारा रिपोर्ट देना
घ- घटना के दृश्य दिखाना
73-एंकर बाइट क्या है ?
क-घटना के प्रत्यक्षदर्शियों का कथन
ख-वॉयस ओवर
ग-नेट साउंड
घ-रिपोर्टर और एंकर का कथन

74-वॉयस ओवर क्या है ?
क-रिपोर्टर की आवाज
ख-तेज आवाज
ग- एंकर की आवाज
घ- गतिशील दृश्यों के पीछे से आ रही आवाज
75-घटना के दृश्यों को शूट करते समय जो आवाजें खुद ब खुद चली आती हैं, वे क्या कहलाती हैं?
क- कथन या बाइट
ख-नेट साउंड
ग- इंटरनेट साउंड
घ- वॉयस ओवर
76-रेडियो और टेलीविज़न के लिए समाचार की भाषा कैसी होनी चाहिए ?
क-बोलचाल की सरल,संप्रेषणीय,प्रभावी भाषा
ख-वाक्य छोटे,सरल और स्पष्ट हों
ग-उपर्युक्त क,ख दोनों
घ-इनमें से कोई नहीं
77-एक ही स्थान पर,शीघ्रता से सूचना और ज्ञान का अथाह भंडार कहाँ मिल सकता है?
क-टेलीविज़न
ख-इंटरनेट (अंतर्जाल)
ग-रेडियो
घ-मुद्रित माध्यम
78-एच टी एम एल क्या है?
क-वेबसीरीज़
ख-वेबसाइट
ग-वेबभाषा
घ-वेबफिल्म
79-भारत इंटरनेट पत्रकारिता की शुरुआत का श्रेय किसे जाता है?
क-रीडिफ़ डॉटकॉम
ख-तहलका डॉटकॉम
ग-सीफ़ी
घ-इंडिया इंफो लाइन
80-हिंदी नेट पत्रकारिता की शुरुआत का श्रेय किसे जाता है?
क-दैनिक जागरण
ख-भास्कर
ग-सहारा इंडिया
घ-वेब दुनिया

81-अनुभूति,अभिव्यक्ति,हिंदी नेस्ट,सराय क्या हैं?
क-ब्लॉग
ख-वेबसीरीज़
ग-साहित्यिक वेब पत्रिकाएँ
घ-वेब समाचार पत्र
82-हिंदी का कौन सा समाचार पत्र प्रिंट न होकर केवल इंटरनेट पर उपलब्ध है?
क-प्रभासाक्षी
ख-बीबीसी
ग-नेट सहारा
घ-इनमें से कोई नहीं
83- हिंदी नेट पत्रकारिता के लिहाज से सर्वश्रेष्ठ साइट कौन सी है?
क-हिंदुस्तान
ख- बीबीसी
ग-प्रभात खबर
घ-राजस्थान पत्रिका
84- नेट पत्रकारिता की लोकप्रियता का क्या मुख्य कारण है?
क- खबरों का अपडेट प्राप्त होना।
ख-शीघ्रता से खबरों की प्राप्ति
ग-दृश्य और प्रिंट दोनों का लाभ
घ- उपर्युक्त सभी
85- इंटरनेट पत्रकारिता को और किन-किन नामों से जाना जाता है?
क- ऑनलाइन पत्रकारिता
ख- साइबर पत्रकारिता
ग- वेब पत्रकारिता
घ- उपर्युक्त सभी

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर-

1) ख	17) घ	33) ग	49) क	65) ख	81) ग
2) ख	18) ग	34) ख	50) क	66) ख	82) क
3)ख	19) ख	35) ग	51) क	67) क	83) ख
4) घ	20) ख	36) ग	52) घ	68) घ	84) घ
5) क	21) क	37) घ	53) ख	69) क	85) घ
6) ख	22) ख	38) ख	54) ख	70) घ	
7) ख	23) ख	39) क	55) क	71) ख	
8) क	24) ख	40) ग	56) घ	72) क	
9) घ	25) ख	41) ख	57) ख	73) क	
10) क	26) ग	42) ख	58) ख	74) घ	
11) घ	27) घ	43) ग	59) ग	75) घ	
12) ख	28) क	44) ग	60) ग	76) ग	
13) ख	29) ख	45) घ	61) घ	77) ख	
14) ख	30) क	46) ग	62) ग	78) ग	
15) ख	31) घ	47) ख	63) ख	79) क	
16) घ	32) ग	48) ग	64) क	80) घ	

पाठ्य पुस्तक आरोह-भाग दो (काव्य खंड)

दिन जल्दी जल्दी ढलता है (हरिवंश राय बच्चन)

कविता का सार- प्रस्तुत कविता में कवि हरिवंश राय बच्चन कहते हैं कि समय बीतते जाने का एहसास हमें लक्ष्य-प्राप्ति के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करता है। मार्ग पर चलने वाला राही यह सोचकर अपनी मंजिल की ओर कदम बढ़ाता है कि कहीं रास्ते में ही रात न हो जाए। पक्षियों को भी दिन बीतने के साथ यह एहसास होता है कि उनके बच्चे कुछ पाने की आशा में घोंसले से झांक रहे होंगे। यह सोचकर उनके पंखो में गति आ जाती है कि वे जल्दी से अपने बच्चों से मिल सकें।

कविता में आशावादी स्वर है। गंतव्य का स्मरण पथिक के कदमों में स्फूर्ति भर देता है। आशा की किरण जीवन की जड़ता को समाप्त कर देती है। वैयक्तिक अनुभूति का कवि होने पर भी बच्चन जी की रचनाएं किसी सकारात्मक सोच तक ले जाने का प्रयास हैं।

परीक्षोपयोगी प्रश्न-

1. दिन जल्दी-जल्दी ढलता है का अर्थ स्पष्ट करें।

उत्तर-संकेत- समय तेजी से बीत जाता है |

2. कविता में चिड़िया, पथिक का उदाहरण क्यों दिया गया है ।

उत्तर-संकेत- कविता में चिड़िया, पथिक का उदाहरण दिया गया है; क्योंकि चिड़िया को उसके बच्चे याद आने से, उसकी गति तेज हो जाती है और पथिक को बीतते हुए समय और मंजिल का ध्यान आने पर उसकी चाल बढ़ जाती है |

3. घर लौटते हुए कवि के कदम शिथिल क्यों हो जाते हैं ?

उत्तर-संकेत- घर लौटते हुए कवि के कदम शिथिल हो जाते हैं; क्योंकि घर में उसकी प्रतीक्षा करनेवाला कोई नहीं है |

काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न-

दिन जल्दी जल्दी ढलता है|
हो जाए न पथ में रात कहीं
मंजिल भी तो है दूर नहीं
यह सोच थका दिन का पंथी भी जल्दी चलता है जल्दी-|
दिन दिन जल्दी ढलता है |
बच्चे प्रत्याशा में होंगे
नीड़ों से झांक रहे होंगे है
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है |
दिन जल्दी जल्दी ढलता है |
मुझको मिलनो को कौन विकल ?
मैं होऊँ किसके हित चंचल
यह प्रश्न शिथिल करता है पद को भरता उर में विह्वलता है |
दिन जल्दी जल्दी ढलता है |

प्रश्न 1. दिन का थका पंथी क्या सोचकर जल्दी जल्दी चलता है ?

क. घर जल्दी पहुँचना है ख .मंजिल दूर है
ग. रास्ते में ही रात न हो जाए घ. पंथी भूखा-प्यासा है

प्रश्न 2. पक्षी-शावक क्या करते हैं ?

क. माँ की प्रतीक्षा ख. आकाश में उड़ान ग. घोंसले में विश्राम घ. आपस में लड़ाई

प्रश्न 3. चिड़िया के परों में चंचलता कब और क्यों आती है?

क. रात होने पर ख .थक जाने पर
ग. घोंसले के पास पहुँचकर घ. बच्चों की याद आने पर

प्रश्न 4. कवि के पाँवों में शिथिलता क्यों आती है ?

क. असफल हो जाता है ख .मंजिल नहीं मिलती

ग .कवि की प्रतीक्षा करने वाला कोई नहीं है घ .थक जाता है

प्रश्न 5. 'दिन जल्दी जल्दी ढलता है' का मुख्य प्रतिपाद्य है-

क. असफलता ख .जीवन-यात्रा ग .आगे बढ़ना घ .समय बीतते जाना

(**<u>उत्तर संकेत-</u>** 1. ग, 2. क, 3. घ, 4. ग, 5. घ)

कविता के बहाने (कुँवर नारायण)

<u>कविता का सार</u>- कुँवर नारायण की रचनाओं में संयम, परिष्कार एवं साफ सुथरापन है। यथार्थ का कलात्मक संवेदनापूर्ण चित्रण उनकी रचनाओं की विशेषता है। प्रस्तुत कविता में कवित्व शक्ति का वर्णन है । कविता चिड़िया की उड़ान की तरह कल्पना की उड़ान है, लेकिन चिड़िया के उड़ने की अपनी सीमा है; जबकि कवि अपनी कल्पना के पंख पसार कर देश और काल की सीमाओं से परे उड़ जाता है। फूल कविता लिखने की प्रेरणा तो बनता है लेकिन कविता तो बिना मुरझाए हर युग में अपनी खुशबू बिखेरती रहती है । कविता बच्चों के खेल के समान है और समय और काल की परवाह किए बिना अपनी कल्पना के पंख पसार कर उड़ने की कला बच्चे ही जानते हैं ।

<u>परीक्षोपयोगी प्रश्न-</u>

1. कविता और चिड़िया के उड़ने में क्या अंतर है ?

<u>उत्तर-संकेत-</u> कविता और चिड़िया के उड़ने में मुख्य अंतर यह है कि चिड़िया के उड़ने की सीमा है, जबकि कविता की उड़ान असीमित है |

2. काव्य-रचना और फूलों के खिलने का क्या संबंध बताया गया है ?

<u>उत्तर-संकेत-</u> काव्य-रचना और फूलों के खिलने का यह संबंध बताया गया है कि जिसप्रकार फूल खिलकर अपनी सुगंध बिखेरते हैं, उसी प्रकार काव्य-रचना भी दूर-दूर तक पढ़ी और सराही जाती है |

3. का 'सब घर एक कर देने के माने'क्या अर्थ है ?

<u>उत्तर-संकेत-</u> 'सब घर एक कर देने के माने' का अर्थ है बिना भेद-भाव के सभी लोगों तक पहुँचना | जिस प्रकार बच्चे बिना भेदभाव के हर घर में खेलते-दौड़ते रहते हैं, वैसे ही कविता भी सभी लोगों तक पहुँचती है |

4 कविता की कौन-कौन सी विशेषता बताई गई है ?

<u>उत्तर-संकेत-</u> कविता फूलों की तरह सुगंध बिखेरती है, चिड़िया की तरह दूर-दूर तक पहुँचती है, किन्तु यह कविता की सुगंध और उड़ान फूल या चिड़िया की तरह सीमित नहीं, बल्कि असीमित है | कविता की पहुँच बच्चों की भांति सभी घरों तक है |

<u>काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न-</u>

कविता एक खिलना है फूलों के बहाने
कविता का खिलना भला फूल क्या जाने
बाहर भीतर, इस घर उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने फूल क्या जाने ?
कविता एक खेल है बच्चों के बहाने
बाहर भीतर, यह घर वह घर
सब घर एक कर देने के माने बच्चा ही जाने |

प्रश्न 1. कवि और कविता का नाम बताइए |

क. दिन जल्दी जल्दी ढलता है (हरिवंश राय बच्चन) ख .कविता के बहाने)कुँवर नारायण(

ग. कैमरे में बंद अपाहिज (रघुबीर सहाय) घ. सहर्ष स्वीकारा है(गजानन माधव मुक्तिबोध)

प्रश्न 2. कविता और फूल के खिलने में क्या अंतर है ?

क .कविता फूल की तरह नहीं खिलती ख कविता फूल की तरह खिलती है .

ग फूल लंबे समय तक महकता है .कविता बिना मुरझाए महकती है घ .

प्रश्न 3. कविता की तुलना बच्चों के खेल से क्यों की गई है ?

क. कविता भी शब्दों का खेल है ख .बच्चे कविता खेलते हैं

ग. कविता खेली जाती है घ. कविता पढ़ी जाती है

प्रश्न 4. कविता और बच्चे के खेल में क्या समानता है ?

क. कविता भी खेल का नाम है ख .दोनों सभी घरों तक पहुँचते हैं

ग. बच्चे कविता खेलते हैं घ. समानता नहीं है

प्रश्न 5. 'सब घर एक कर देने के माने' का क्या अर्थ है ?

क. भेदभाव न करना ख .खेल खेलना ग .कविता पढ़ना घ .दौड़-भाग करना) **<u>उत्तर संकेत</u>**1 **-**. ख ,2 ,ग .3 ,क .4 ,ख .5 (क .

कैमरे में बंद अपाहिज (रघुबीर सहाय)

<u>कविता का सार</u>- इस कविता में कवि ने एक शारीरिक चुनौती झेल रहे व्यक्ति की पीड़ा के साथ- साथ आज की मीडिया के दोगले चरित्र को भी उजागर किया है । हमें किसी की पीड़ा को मन से महसूस करते हुए संवेदनशीलता के साथ पेश आना चाहिए, लेकिन कारोबार और स्वार्थ के दबाव तले आज मीडिया अति संवेदनहीन होकर अपनी भूमिका तलाश रही है । जिन लोगों पर समाज को संवेदनशील बनाने का उत्तरदायित्व है, आज वही संवेदनहीनता की भाषा और कलेवर लिए है।

<u>परीक्षोपयोगी प्रश्न-</u>

1. 'हम दूरदर्शन पर बोलेंगे' में आए 'हम' शब्द का अर्थ बताएँ ।

उत्तर-संकेत- 'हम दूरदर्शन पर बोलेंगे' में आए 'हम' शब्द मीडिया के लिए प्रयुक्त हुआ है | मीडिया अपने को सर्वाधिक शक्तिसंपन्न समझता है और इसीकारण लोगों की भावनाओं से भी खिलवाड़ करता है | इसलिए यहाँ हम शब्द में मीडिया का अहंकार भी दिखाई देता है |

2. प्रश्न पूछने वाला अपने उद्देश्य में कितना सफल हो पाता है ?

उत्तर-संकेत- प्रश्न पूछनेवाले का मुख्य उद्देश्य विकलांग व्यक्ति से भावनात्मक प्रश्न पूछकर उसे रुलाना है, जिससे दर्शक भी रो पड़ें और मीडिया की टीआरपी बढ़े | क्योंकि विकलांग व्यक्ति नहीं रोता, इसलिए प्रश्न पूछनेवाला अपने उद्देश्य में पूरी तरह सफल नहीं हो पाता |

3. 'कैमरे में बंद अपाहिज करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है', सिद्ध कीजिए |

उत्तर-संकेत- 'कैमरे में बंद अपाहिज करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है', क्योंकि दिखाने के लिए तो कैमरे के सामने विकलांग व्यक्ति को लाया जाता है, किन्तु उससे तरह-तरह के भावनात्मक प्रश्न पूछकर उसे रुलाने का प्रयास किया जाता है और दर्शकों को यह पीड़ा दिखाकर अपना व्यवसाय बढाया जाता है |

4. दर्शकों की मानसिकता क्या है ?

उत्तर-संकेत- दर्शक दिव्यांग व्यक्ति को रोते हुए देखना चाहते हैं और उसके रोने का इंतज़ार करते हैं |

5. कविता में आए शब्द 'सामाजिक उद्देश्य' क्या अभिप्राय है ?

उत्तर-संकेत- मीडियाकर्मी किसी निर्बल की भावनाओं के साथ खेलने वाले इस क्रूर कार्यक्रम को 'सामाजिक उद्देश्य' का नाम देते हैं | लोगों को दिखने के लिए यह सामाजिक उद्देश्य से युक्त कार्यक्रम है, जबकि वास्तव में इसमें मिडिया की स्वार्थलोलुपता छिपी हुई है|

काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न-

"हमें दोनों एक संग रुलाने हैं
आप और वह दोनों
(कैमरा)
बस करो
नहीं हुआ
रहने दो
(परदे पर वक्त की कीमत है)
अब मुस्कराएँगे हम
आप देख रहे थे सामाजिक उद्देश्य से युक्त कार्यक्रम
(बस थोड़ी ही कसर रह गयी)
धन्यवाद |"

प्रश्न 1. यहाँ 'आप और वह' का क्या अर्थ है ?

क. मीडियाकर्मी और कैमरामैन ख .दर्शक और संवाददाता

ग. दर्शक और विकलांग व्यक्ति घ. विकलांग व्यक्ति और संवाददाता

प्रश्न 2. कोष्ठक में लिखे हुए शब्द क्या संकेत कर रहे हैं ?

क. परदे के पीछे की वास्तविकता ख .मीडिया का बुरा बर्ताव

ग. साक्षात्कार के प्रश्न घ. विकलांग व्यक्ति की मानसिकता

प्रश्न 3. प्रश्नकर्ता कैमरे वाले को क्या निर्देश देता है ?

क. कैमरा चालू करने का ख. कैमरा बंद करने का

ग. कैमरा दिखाने का घ. कैमरा छिपाने का

प्रश्न 4. 'परदे पर वक्त की कीमत है', में व्यंग्य है -

क. मिडिया समर्पित है ख .मिडिया स्वार्थी है

ग. मिडिया समय-पाबन्द है घ. मिडिया समाजसेवी है

प्रश्न 5. काव्यांश में मुख्य रूप से क्या दिखाया गया है-

ख. मीडिया की संवेदनहीनता ख. मीडिया की कर्तव्यपरायणता

ग. मीडिया की ताकत घ. मीडिया की समाजसेवा

)**<u>उत्तर संकेत</u>**1 **-**. घ ,2 .क ,3 .ग ,4 .ख ,5(क .

सहर्ष स्वीकारा है (गजानन माधव मुक्तिबोध)

<u>कविता का सार</u>- कविता में जीवन के सुख-दुख, संघर्ष-अवसाद, उठा-पटक को समान रूप से स्वीकार करने की बात कही गई है। स्नेह की प्रगाढ़ता अपनी चरम सीमा पर पहुंचकर वियोग की कल्पना मात्र से त्रस्त हो उठती है। प्रेमालंबन अर्थात प्रियजन पर यह भावपूर्ण निर्भरता, कवि के मन में विस्मृति की चाह उत्पन्न करती है। वह अपने प्रिय को पूर्णतया भूल जाना चाहता है। वस्तुत: विस्मृति की चाह भी स्मृति का ही रूप है। यह विस्मृति भी स्मृतियों के धुंधलके से अछूती नहीं है। प्रिय की याद किसी-न-किसी रूप में बनी रहती है। स्नेह में थोडी निस्संगता भी जरूरी है। अति किसी चीज की अच्छी नहीं। 'वह' यहां कोई भी हो सकता है दिवंगत मां, प्रिय, ईश्वर या अन्य ।

<u>परीक्षोपयोगी प्रश्न-</u>

1. कवि जीवन की प्रत्येक स्थिति को क्यों स्वीकारता है ?

<u>उत्तर-संकेत-</u> कवि जीवन की प्रत्येक स्थिति को स्वीकारता है; क्योंकि कवि के प्रिय को उसके जीवन की सारी स्थितियाँ स्वीकार हैं |

2. गरीबी के लिए प्रयुक्त विशेषण का औचित्य बताएँ ।

<u>उत्तर-संकेत-</u> यहाँ गरीबी के लिए गरबीली विशेषण का प्रयोग किया गया है | आमतौर पर लोगों को गरीबी पर गर्व नहीं होता, किंतु कवि के प्रिय को कवि की गरीबी भी प्रिय है, इसलिए गरीबी कवि के लिए गर्व करने योग्य है |

3. कवि अपने दिल की तुलना किससे करता है और क्यों ?

उत्तर-संकेत- कवि अपने दिल की तुलना किसी मीठे पानी के स्रोत या झरने से करता है; क्योंकि जिस प्रकार मीठे पानी के स्रोत या झरने से पानी निकाल लेने पर फिर से पानी भर जाता है, उसी प्रकार कवि के प्रिय की याद उसके हृदय में सदैव बनी रहती है

4. कवि ने अपने प्रिय की तुलना किससे की है और क्यों ?

उत्तर-संकेत- कवि ने अपने प्रिय की तुलना धरती के ऊपर उगे हुए चन्द्रमा से की है, क्योंकि कवि के पूरे जीवन पर उसके प्रिय का ही प्रकाश आलोकित हो रहा है |

5. कवि दंड क्यों पाना चाहता है और कहाँ जाना चाहता है ?

उत्तर-संकेत- कवि के प्रिय का अत्यधिक स्नेह कवि को दुर्बल बना रहा है | इस अतिशय स्नेह के कर्ण कवि का स्वयं का अस्तित्व समाप्त होता जा रहा है | इसलिए कवि अपने प्रिय को भूलने का दंड पाना चाहता है | अपने प्रिय को भूलकर कवि अंधेरी गुफाओं में या दक्षिणी ध्रुवों पर जाकर बिलकुल लापता हो जाना चाहता है |

काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न-

"ज़िंदगी में जो कुछ भी है
सहर्ष स्वीकारा है ;
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
वह तुम्हें प्यारा है|
गरबीली गरीबी यह, ये गंभीर अनुभव सब, यह विचार वैभव सब
दृढ़ता यह, भीतर की सरिता यह अभिनव सब
मौलिक है, मौलिक है
इसलिए कि पल-पल में
जो कुछ भी जाग्रत है अपलक है-
संवेदन तुम्हारा है!"

प्रश्न 1. कवि को क्या सहर्ष स्वीकार है ?

क. गरीबी ख .अनुभव ग .विचार घ .जीवन का सब कुछ

प्रश्न 2. कवि गरीबी को गरबीली मानता है, क्योंकि-

क. उसे सहर्ष स्वीकार है ख .उसे गरीबी प्यारी है

ग. उसके प्रिय को स्वीकार है घ. कवि अनुभवी है

प्रश्न 3. 'भीतर की सरिता' का अर्थ है-

क. गरीबी ख .अनुभव ग. प्रेम घ. भावनाएँ

प्रश्न 4. 'अभिनव' शब्द का अर्थ है-

ख. वास्तविक ख. नया ग. पुराना घ. ज्ञान

प्रश्न 5. 'विचार वैभव' में अलंकार होगा-

क. अनुप्रास ख .उपमा ग .पुनरुक्ति घ .रूपक

)**उत्तर संकेत**1 -. घ ,2 .ग ,3 .घ ,4 .ख ,5 .घ(

उषा (शमशेर बहादुर सिंह)

कविता का सार- उषा कविता में कवि सूर्योदय के समय आकाश में बदलते रंगों के जादू के बिम्बों को अत्यंत आकर्षक रूप में उठाता है । सूर्योदय के ठीक पूर्व आसमान नीले शंख की तरह बहुत नीला नजर आता है । प्रातःकालीन नभ की तुलना काली सिल से की गई है, जिसे अभी- अभी केसर पीस कर धो दिया गया है । आकाश कवि को राख से लीपे हुए चौके के समान लगता है, जो अभी गीला पड़ा है। नीले गगन में सूर्य की पहली किरण ऐसी दिखाई देती है मानो कोई सुंदरी नीले जल में नहा रही हो और उसका गोरा शरीर जल की लहरों के साथ झिलमिला रहा हो। प्रातःकालीन परिवर्तनशील सौंदर्य का दृश्य बिम्ब, प्राकृतिक परिवर्तनों को मानवीय क्रियाकलापों के माध्यम से व्यक्त किया गया है । यथार्थ जीवन से चुने गए उपमानों जैसे :- राख से लीपा हुआ चौका, काली सिल, नीला शंख, स्लेट, लाल खड़िया, चाक आदि का प्रयोग ।

परीक्षोपयोगी प्रश्न-

1. आपने कभी अपने गाँव की सुबह देखी हो तो वर्णन कीजिए ।

उत्तर-संकेत- गाँव की सुबह बहुत सुहावनी होती है | वहाँ लोग भोर में ही जग जाते हैं और अपनी खेती-गृहस्ती के काम में लग जाते हैं | गाँवों में खेतों की हरियाली, चिड़िया, गाय-बैल, तालाब, वृक्ष आदि सुबह को अत्यधिक सुन्दरता प्रदान करते हैं |

2. 'अभी गीला पड़ा है' से क्या अभिप्राय है?

उत्तर-संकेत- 'अभी गीला पड़ा है' से अभिप्राय है कि रात में ओस की बूँदें पड़ी हैं, जिससे भोर में भी धरती गीली है |

3. कवि काली सिल और लाल केसर के माध्यम से क्या कहना चाहता है ?

उत्तर-संकेत- कवि काली सिल और लाल केसर के माध्यम से भोर में आकाश में होने वाले प्रति क्षण के परिवर्तन को रेखांकित करना चाहता है | साथ ही इन उपमानों से वह ग्राम्य-जीवन को भी दर्शाता है|

4. उषा का जादू कैसा है और कैसे टूटता है ?

उत्तर-संकेत- उषा का जादू बहुत ही आकर्षक है | इस जादू के कारण आकाश में प्रतिपल परिवर्तन हो रहा है | सूर्योदय होने पर उषा का यह जादू टूट जाता है |

काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न-

“प्रात नभ था बहुत नीला शंख जैसे
भोर का नभ
राख से लीपा हुआ चौका
(अभी गीला पड़ा है)
बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर
से कि जैसे धुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने
नील जल में या किसी की
गौर झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो |
और .....
जादू टूटता है इस उषा का अब
सूर्योदय हो रहा है|”

प्रश्न 1. कवि ने कविता में किन उपमानों का प्रयोग किया है ?
क. ग्रामीण ख .शहरी ग .प्राकृतिक घ .पारंपरिक
प्रश्न 2. ‘चौका अभी गीला पड़ा है’ का क्या अभिप्राय है ?
क. बारिश हुई है ख .ओस पड़ी है ग. कुहरा पड़ा है घ. बर्फ पड़ी है
प्रश्न 3. उषा का जादू क्या है ?
क. शंख की ध्वनि ख .प्रकृति का जादू
ग. गाँव की सुन्दरता घ. आकाश में पल-पल परिवर्तन
प्रश्न 4. उषा का जादू कैसे टूटता है ?
क. रात होने पर ख .भोर होने पर ग .सूर्योदय होने पर घ .सूर्यास्त होने पर
प्रश्न 5. नीले जल में किसी के गौर देह का हिलना कहा गया है-
क. भोर को ख .सूर्योदय को ग .आकाश को घ .मनुष्य को
)**<u>उत्तर संकेत</u>**1 **-**. क ,2 .ख ,3 .घ ,4 .ग ,5 .ख(

कवित्त और सवैया (तुलसीदास)

<u>कविता का सार</u>- इस शीर्षक के अंतर्गत दो कवित्त और एक सवैया संकलित हैं। ‘कवितावली’ से अवतरित इन कवित्तों में विविध विषमताओं से ग्रस्त कलिकाल का तुलसी-युगीन यथार्थ है, जिसमें वे कृपालु प्रभु राम व रामराज्य का स्वप्न रचते हैं। युग और उसमें अपने जीवन का न सिर्फ उन्हे गहरा बोध है, बल्कि उसकी अभिव्यक्ति में भी वे अपने समकालीन कवियों से आगे हैं। पहले छंद में उन्होने

दिखलाया है कि संसार के अच्छे बुरे समस्त लीला प्रपंचों का आधार 'पेट की आग' है; जिसका समाधान वे राम की भक्ति में देखते हैं । पेट की आग बुझाने के लिए राम रूपी वर्षा का जल अनिवार्य है । दूसरे छंद में कवि कहते हैं कि गरीबी की पीड़ा रावण के समान दुखदायी हो गई है,जिसे दूर करने के लिए वे राम का आह्वान करते हैं | तीसरे छंद में भक्ति की गहनता और सघनता में उपजे भक्त के आत्मविश्वास का सजीव चित्रण है । जिससे समाज में व्याप्त जाति-तिरस्कार का साहस पैदा होता है । इस प्रकार भक्ति की रचनात्मक भूमिका का संकेत यहाँ है, जो आज के भेदभाव मूलक युग में अधिक प्रासंगिक है ।

परीक्षोपयोगी प्रश्न-

1. पेट भरने के लिए लोग कौन-कौन से अनैतिक कार्य कर रहे हैं -वर्तमान संदर्भ में बताएं ।

उत्तर-संकेत- वर्तमान समय में लोग पेट भरने के लिए कई अनैतिक कार्य कर रहे हैं, जैसे- अपने बच्चों से बालमजदूरी कराना, बेटियों की कम उम्र में शादी करा देना, चोरी, छिनैती आदि | किन्तु इस समय अधिकांश लोगों को पेट भरने के लिए भोजन उपलब्ध है, फिर भी लोग स्वार्थ, लोभ और अपराधी मनोवृत्ति के कारण विभिन्न अनैतिक कार्य कर रहे हैं |

2. तुलसी के समय की समाज की समस्याओं को आप आज भी देखते हैं? वर्णन कीजिए ।

उत्तर-संकेत- तुलसी के समय की समाज की समस्याएँ कई रूपों में आज भी विद्यमान हैं | आज भी लोग पेट भरने के लिए कई अनैतिक कार्य कर रहे हैं | बेरोजगारी आज के समय में एक बहुत ही गंभीर और प्रमुख समस्या बनकर उभरी है |

3. मानव की सभी जरूरतों की पूर्ति का साधन किसे बताया गया है ?

उत्तर-संकेत- मानव की सभी जरूरतों की पूर्ति का साधन राम अर्थात ईश्वर को बताया गया है | ईश्वर की प्रेरणा से जब हमें सद्बुद्धि मिलती है तो हम समस्याओं का निदान खोज लेते हैं |

4.'तुलसी सरनामु, गुलामु है राम को' का आशय स्पष्ट कीजिए |

उत्तर-संकेत- 'तुलसी सरनामु, गुलामु है राम को' का आशय है कि गोस्वामी तुलसीदासजी स्वयं को राम का गुलाम बताते हैं और कहते हैं कि उनकी प्रसिद्धि इसी रूप में है | इसमें एक भक्त का अपने ईश्वर के प्रति दृढ़ विश्वास प्रकट हुआ है |

काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न-

"किसबी, किसान-कुल, बनिक, भिखारी, भाट,
चाकर, चपल नट, चोर, चार, चेटकी |
पेटको पढ़त, गुन गढ़त, चढ़त गिरि,
अटत गहन-गन, अहन अखेटकी|
ऊंचे-नीचे करम, धरम-अधरम करि,
पेट ही को पचत, बचत बेटा-बेटकी |

'तुलसी' बुझाई एक राम-घनस्याम ही तें,
आगि बड़वागितें बड़ी है आगि पेटकी |"

प्रश्न 1. कवि ने सभी अच्छे-बुरे कार्यों का मुख्य कारण किसे माना है ?
ख. अशिक्षा को ख. बेरोजगारी को ग. अधर्म को घ. पेट की आग को
प्रश्न 2. पेट की आग कौन बुझा सकता है ?
क. ज्ञान ख .जल ग. राम घ. अच्छे कर्म
प्रश्न 3. 'राम-घनस्याम' में कौन-सा अलंकार है ?
क. अनुप्रास ख .उपमा ग. रूपक घ. अतिशयोक्ति
प्रश्न 4. काव्यांश की भाषा है-
क. खड़ी हिन्दी ख .अवधी ग .ब्रज घ .भोजपुरी
प्रश्न 5. 'बड़वागि' का अर्थ होगा-
क. सामान्य आग ख .जंगल की आग ग .पेट की आग घ .समुद्र की आग
)**<u>उत्तर संकेत</u>**1 **-**. घ ,2 .ग ,3 .ग ,4 .ग ,5 .घ(

लक्ष्मण मूर्च्छा और राम का विलाप (तुलसीदास)

<u>कविता का सार</u>- श्रीरामजी को समर्पित ग्रंथ 'श्रीरामचरितमानस' पूरे भारत में बडे भक्ति भाव से पढ़ा जाता है | उसी महान ग्रंथ से यह अंश उधृत है । रावण-पुत्र मेघनाद द्वारा शक्तिबाण से मूर्च्छित लक्ष्मण को देखकर राम व्याकुल हो जाते हैं । सुषेन वैद्य ने संजीवनी बूटी लाने के लिए हनुमान को हिमालय पर्वत पर भेजा। आधी रात व्यतीत होने पर जब हनुमान नहीं आए, तब राम ने अपने छोटे भाई लक्ष्मण को उठाकर हृदय से लगा लिया और साधारण मनुष्य की भांति विलाप करने लगे। 'हे भाई! तुम मुझे दुखी नहीं देख सकते थे। तुम्हारा स्वभाव सदा से ही कोमल था। मेरे साथ वन में सर्दी, गर्मी और विभिन्न प्रकार की विपरीत परिस्थितियों को भी सहा। जैसे पंख बिना पक्षी, मणि बिना सर्प और सूंड बिना श्रेष्ठ हाथी दीन हीन हो जाते हैं, हे भाई! यदि मैं जीवित रहता हूँ तो मेरी दशा भी वैसी ही हो जायेगी। मैं अपनी पत्नी के लिए अपने प्रिय भाई को खोकर कौन सा मुँह लेकर अयोध्या जाउंगा। इस बदनामी को भले ही सह लेता कि राम कायर है और अपनी पत्नी को खो बैठा । स्त्री की हानि विशेष क्षति नहीं है, परंतु भाई को खोना अपूरणीय क्षति है ।' भाई के शोक में विगलित राम का विलाप धीरे-धीरे प्रलाप में बदल जाता है जिसमें लक्ष्मण के प्रति राम के अंतर में छिपे कई कोण सहसा अनावृत हो जाते हैं । यह प्रसंग ईश्वर राम में मानव सुलभ गुणों का समन्वय कर देता है। हनुमान का संजीवनी लेकर आ जाना करुण रस में वीर रस का उदय हो जाने के समान है।

<u>परीक्षोपयोगी प्रश्न -</u>
1. हनुमान भरत की किस बात से प्रभावित हुए ?

उत्तर-संकेत- हनुमान भरत के बल, शील, बुद्धि और प्रभुराम के प्रति उनकी भक्ति देखकर अत्यधिक प्रभावित हुए |

2. हनुमान के चरित्र की विशेषताएं बताइये ।

उत्तर-संकेत- हनुमान बहुत ही पराक्रमी, वीर, विवेकवान और प्रभुराम के अनन्य भक्त हैं |

3. राम ने लक्ष्मण की किन-किन विशेषताओं का उल्लेख किया ?

उत्तर-संकेत- राम ने लक्ष्मण की अपने प्रति प्रीति, लगाव गर्मी, सर्दी, बारिश सहते हुए भी राम को सदैव सुखी रखने की विशेषताओं का मार्मिक वर्णन किया है |

4. वे कौन कौन सी वस्तुएं हैं जो संसार में मानव पुनः प्राप्त कर सकता है ?

उत्तर-संकेत- मानव संसार में घर,पत्नी, पुत्र, परिवार और धन बार-बार प्राप्त कर सकता है |

5. करूण रस में वीर रस की अनुभुति से क्या अर्थ है ?

उत्तर-संकेत- करुण रस का स्थायीभाव शोक होता है, जबकि वीर रस का उत्साह | इस प्रकार जब शोक या दुःख में डूबे हुए व्यक्ति के साथ कुछ ऐसी घटना हो कि उसमें उत्साह का संचार हो जाए, तो इसे करूण रस में वीर रस की अनुभुति कहते हैं | जिसप्रकार संजीवनी लेकर आते हनुमान को देखकर शोक से व्याकुल समस्त बन्दर-भालुओं में उत्साह का संचार हो जाता है |

6. कुम्भकरण क्यों बिलखने लगता है ?

उत्तर-संकेत- रावण ने जब कुंभकर्ण को जगाकर सीता-हरण और लंका में हो रहे युद्ध के बारे में बताया तो कुंभकर्ण संपूर्ण लंका के विनाश के विषय में सोचकर बिलखने लगा |

काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न-

अर्ध राति गइ कपि नहिं आयउ। राम उठाइ अनुज उर लायउ॥
सकहु न दुखित देखि मोहि काऊ। बंधु सदा तव मृदुल सुभाऊ॥
मम हित लागि तजेहु पितु माता। सहेहु बिपिन हिम आतप बाता॥
सो अनुराग कहाँ अब भाई। उठहु न सुनि मम बच बिकलाई॥
जौं जनतेउँ बन बंधु बिछोहू। पिता बचन मनतेउँ नहिं ओहू॥
सुत बित नारि भवन परिवारा। होहिं जाहिं जग बारहिं बारा॥
अस बिचारि जियँ जागहु ताता। मिलइ न जगत सहोदर भ्राता॥
जथा पंख बिनु खग अति दीना। मनि बिनु फनि करिबर कर हीना॥
अस मम जिवन बंधु बिनु तोही। जौं जड़ दैव जिआवै मोही॥

प्रश्न 1. काव्यांश की भाषा है-

क. अवधी ख .ब्रज ग .छत्तीसगढ़ी घ .खड़ी हिन्दी

प्रश्न 2. 'अनुराग' का अर्थ है-

क. करुणा ख. दुःख ग. प्रेम घ. अच्छाई

प्रश्न 3. विलाप करते हुए राम लग रहे हैं-

ख. परमब्रह्म ख. परमज्ञानी

ग. ईश्वर के अवतार घ. साधारण मनुष्य

प्रश्न 4. काव्यांश के अनुसार राम कहते हैं- 'यदि भाई से बिछड़ना जानता तो'.....

क. लंका पर आक्रमण नहीं करता ख. रावण से मित्रता कर लेता

ग. वन से लौट जाता जाता है घ. पिता के वचनों को नहीं मानता

प्रश्न 5. लक्ष्मण के वियोग में राम की दशा कैसी है ?

क. बिना पंख के पक्षी जैसी ख .बिना सूंड़ के हाथी जैसी

ग. बिना मणि के साँप जैसी घ. उक्त सभी

)**<u>उत्तर संकेत</u>**1 <u>-</u>. क ,2 .ग ,3 .घ ,4 .घ ,5 .घ(

रूबाइयाँ (फ़िराक गोरखपुरी)

<u>कविता का सार</u>- उर्दू शायरी की रिवायत के विपरीत फ़िराक गोरखपुरी के साहित्य में लोक-जीवन एवं प्रकृति की झलक मिलती है । सामाजिक संवेदना वैयक्तिक अनुभूति बनकर उनकी रचनाओं में व्यक्त हुई है । जीवन का कठोर यथार्थ उनकी रचनाओं में स्थान पाता है । उन्होने लोकभाषा के प्रतीकों का प्रयोग किया है । लाक्षणिक प्रयोग उनकी भाषा की विशेषता है । फिराक की रूबाइयों में घरेलू हिंदी का रूप दिखता है । इन रुबाइयों में लोक-जीवन के विभिन्न पर्व और माँ-बेटे के प्रेम, ममता और वात्सल्य की अद्भुत छटा है |

'रूबाई' उर्दू और फारसी का एक छंद या लेखन शैली है, जिसमें चार पंक्तियाँ होती हैं । इसकी पहली, दूसरी और चौथी पंक्ति में तुक (काफिया) मिलाया जाता है तथा तीसरी पंक्ति स्वच्छंद होती है ।

<u>परीक्षोपयोगी प्रश्न -</u>

1. कवि ने चाँद का टुकड़ा किसे कहा है और क्यों ?

<u>उत्तर-संकेत-</u> कवि ने चाँद का टुकड़ा बच्चे कहा है, क्योंकि अपनी माँ की गोद में खेलता और खिलखिलाता हुआ बच्चा चाँद के टुकड़े की तरह अमूल्य, सुंदर और आकर्षक होता है |

2. बच्चे की हँसी का क्या कारण है ? आप पर बच्चे की हँसी का क्या असर होता है ?

<u>उत्तर-संकेत-</u> जब माँ बच्चे को गोद में लेकर हवा में झुलाती हौर उछालती है, तब वह खिलखिलाकर हँसने लगता है | बच्चे की हँसी देखकर हमारे हृदय में अत्यंत आनन्द की अनुभूति होती है|

3. बच्चा कब अपनी माँ को प्यार से देखता है ?

<u>उत्तर-संकेत-</u> नहलाने और बालों में कंघी करने के बाद माँ जब बच्चे को घुटनों में लेकर कपड़े पहनाती है, तब बच्चा अपनी माँ को बहुत ही प्यार से देखता है |

4. दीवाली जैसे त्योहारों का जीवन में क्या महत्व है ?

<u>उत्तर-संकेत-</u> दिवाली जैसे त्योहारों का हमारे जीवन में अत्यधिक महत्व है | इस त्यौहार पर घर और आस-पास की साफ़-सफाई होती है | दीवारों की रंगाई-पुताई होती है | घरों में दिए जलाए जाते हैं | ढेरों मिठाइयाँ और पकवान बनते हैं | हम बहुत ही उत्साहित और प्रसन्न होते हैं |

5. रक्षाबन्धन के त्यौहार की विशेषताएँ बताइए |

<u>उत्तर-संकेत-</u> रक्षाबन्धन बहन-भाई के प्रेम का त्यौहार है | इसदिन बहनें अपने भाइयों को रंगबिरंगी राखी बाँधती हैं और भाई आजीवन बहन की रक्षा का वचन देता है | बच्चों में इस त्यौहार का अत्यधिक उल्लास होता है |

<u>काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न-</u>

नहला के छलके-छलके निर्मल जल से
उलझे हुए गेसुओं में कंघी करके
किस प्यार से देखता है बच्चा मुंह को
जब घुटनियों में ले के पिन्हाती है कपड़े ।

प्रश्न 1. माँ बच्चे को कैसे जल से स्नान कराती है ?

क. उलझे ख .छलके ग .अच्छे घ .निर्मल

प्रश्न 2. 'गेसुओं' का अर्थ है-

क. जल ख .प्यार ग. बाल घ. शरारत

प्रश्न 3. माँ, बच्चे को कपड़ा पहनाती है-

क. गोद में लेकर ख .घुटनों पर लेकर
ग. कंधे पर लेकर घ. हाथ में लेकर

प्रश्न 4. कविता की भाषा है-

क. संस्कृतनिष्ठ खड़ी हिन्दी ख .शुद्ध खड़ी बोली
ग. देशज शब्दावली युक्त खड़ी हिन्दी घ. उर्दू-फ़ारसी युक्त ब्रजभाषा

प्रश्न 5. काव्यांश में रस होगा-

क. भक्ति रस ख .हास्य रस ग .करुण रस घ .वात्सल्य रस

)**<u>उत्तर संकेत</u>**1 **<u>-</u>**. घ ,2 .ग ,3 .ख ,4 .ग ,5 .घ(

<u>कविता का सार</u>- रूबाइयों की तरह ही फ़िराक की गजलों में भी हिंदी समाज और उर्दू शायरी की परंपरा भरपूर है । इसका अद्भुत नमूना है यह गजल । यह गजल कुछ इस तरह बोलती है कि जिसमें दर्द भी है, एक शायर की हसरत भी है और साथ ही इसमें काव्य-शिल्प की वह ऊंचाई है जो गजल की विशेषता मानी जाती है ।

<u>परीक्षोपयोगी प्रश्न-</u>

6. 'नौरस' विशेषण का अर्थ बताएँ ।

उत्तर-संकेत- नौरस का अर्थ नया रस या वसंत का आगमन है | वसंत के आने पर कलियों में नए रस का संचार होता है, कलियाँ खिल जाती हैं और फूल बनकर अपनी खुशबू और रंग बिखेरने लगती हैं |

7. 'जर्राजर्रा सोए है'–का अर्थ स्पष्ट करें ।

उत्तर-संकेत- 'जर्राजर्रा सोए है'–का अर्थ है कण-कण में सन्नाटा या शांति छा जाना | देर रात में मनुष्य सोने लगता है, सारी गतिविधियाँ बंद हो जाती हैं | इसी को शायर ने 'जर्राजर्रा सोए है' कहा है |

8. शब में कौन बोलता है ? क्या आपने कभी सुना है ?

उत्तर-संकेत- शब में सन्नाटा बोलता है | कभी जब देर रात में हमारी नींद खुल जाती है तब हमें चारों ओर अजीब सा सन्नाटा सुनाई देता है |

9. निंदा करने वालों के बारे में क्या कहा गया है ?

उत्तर-संकेत- निंदा करने वालों के बारे में कहा गया है कि ऐसे लोग दूसरों की कमियाँ या रहस्य बड़े चटखारे लेकर बताते हैं और दूसरों को बदनाम करते हैं | जबकि ऐसा करते हुए वे भूल जाते हैं कि उनकी इस कृत्य में उनकी अपनी दुर्बलता और बदनामी भी लोगों के सामने आ जाती है |

काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न-

हम हों या किस्मत हो हमारी दोनों को इक ही काम मिला
किस्मत हम को रो लेवे है हम किस्मत को रो ले हैं |
जो मुझको बदनाम करे हैं काश वे इतना सोच सकें
मेरा पर्दा खोले हैं या अपना पर्दा खोले हैं |

प्रश्न 1. शायर और उसकी किस्मत को क्या काम मिला है ?

क. एक-दूसरे पर रोना ख. थक-हारकर सोना
ग. एक-दूसरे का साथ देना घ. एक-दूसरे की बुराई करना

प्रश्न 2. गज़ल के अनुसार लोग अपनी असफलताओं का दोष किसे देते हैं ?

क. स्वयं को ख .अपने मित्रों को ग. अपने माता-पिता को घ. भाग्य को

प्रश्न 3. निंदा करने वालों के बारे में शायर क्या व्यंग्य करता है ?

क. दूसरों को बदनाम करते हैं ख .दूसरों की कमियाँ उजागर करते हैं
ग. अपनी अच्छाई बताते हैं घ. अपनी कमियाँ उजागर करते हैं

प्रश्न 4. कविता की भाषा है-

क. संस्कृतनिष्ठ खड़ी हिन्दी ख .शुद्ध खड़ी बोली
ग. देशज शब्दावली युक्त ब्रजभाषा घ. उर्दू-फ़ारसी युक्त खड़ी हिन्दी

प्रश्न 5. पर्दा खोलने का क्या आशय है ?

क. बदनाम करना ख .कमियाँ छिपाना ग .रहस्य उजागर करना घ .अँधेरा करना) **उत्तर संकेत**1 -. क ,2 .घ ,3 .घ ,4 .घ ,5 .ग(

गद्य -आरोह,भाग -2

पाठ 11.भक्तिन (महादेवी वर्मा)

पाठ का सार-भक्तिन जिसका वास्तविक नाम लक्ष्मी था,लेखिका 'महादेवी वर्मा' की सेविका है | बचपन में ही भक्तिन की माँ की मृत्यु हो गयी| सौतेली माँ ने पाँच वर्ष की आयु में विवाह तथा नौ वर्ष की आयु में गौना कर भक्तिन को ससुराल भेज दिया| ससुराल में भक्तिन ने तीन बेटियों को जन्म दिया, जिस कारण उसे सास और जिठानियों की उपेक्षा सहनी पड़ती थी| सास और जिठानियाँ आराम फरमाती थी और भक्तिन तथा उसकी नन्हीं बेटियों को घर और खेतों का सारा काम करना पडता था| भक्तिन का पति उसे बहुत चाहता था| अपने पति के स्नेह के बल पर भक्तिन ने ससुराल वालों से अलगौझा कर अपना अलग घर बसा लिया और सुख से रहने लगी, पर भक्तिन का दुर्भाग्य, अल्पायु में ही उसके पति की मृत्यु हो गई | ससुराल वाले भक्तिन की दूसरी शादी कर उसे घर से निकालकर उसकी संपत्ति हड़पने की साजिश करने लगे| ऐसी परिस्थिति में भक्तिन ने अपने केश मुंडा लिए और संन्यासिन बन गई | भक्तिन स्वाभिमानी, संघर्षशील, कर्मठ और दृढ संकल्प वाली स्त्री है जो पितृसत्तात्मक मान्यताओं और छल-कपट से भरे समाज में अपने और अपनी बेटियों के हक की लड़ाई लड़ती है।घर गृहस्थी सँभालने के लिए अपनी बड़ी बेटी दामाद को बुला लिया पर दुर्भाग्य ने यहाँ भी भक्तिन का पीछा नहीं छोड़ा, अचानक उसके दामाद की भी मृत्यु हो गयी| भक्तिन के जेठ-जिठौत ने साजिश रचकर भक्तिन की विधवा बेटी का विवाह जबरदस्ती अपने तीतरबाज साले से कर दिया| पंचायत द्वारा कराया गया यह संबंध दुखदायी रहा | दोनों माँ-बेटी का मन घर-गृहस्थी से उचट गया, निर्धनता आ गयी, लगान न चुका पाने के कारण जमींदार ने भक्तिन को दिन भर धूप में खड़ा रखा| अपमानित भक्तिन पैसा कमाने के लिए गाँव छोड़कर शहर आ जाती है और महादेवी की सेविका बन जाती है| भक्तिन के मन में महादेवी के प्रति बहुत आदर, समर्पण और अभिभावक के समान अधिकार भाव है| वह छाया के समान महादेवी के साथ रहती है| वह रात-रात भर जागकर चित्रकारी या लेखन जैसे कार्य में व्यस्त अपनी मालकिन की सेवा का अवसर ढूँढ लेती है| महादेवी, भक्तिन को नहीं बदल पायी पर भक्तिन ने महादेवी को बदल दिया| भक्तिन के हाथ का मोटा-देहाती खाना खाते-खाते महादेवी का स्वाद बदल गया, भक्तिन ने महादेवी को देहात के किस्से-कहानियाँ, किंवदंतियाँ कंठस्थ करा दी| स्वभाव से महाकंजूस होने पर भी भक्तिन, पाई-पाई कर जोडी हुई १०५ रुपयों की राशि को सहर्ष महादेवी को समर्पित कर देती है| जेल के नाम से थर-थर काँपने वाली भक्तिन अपनी मालकिन के साथ जेल जाने के लिए बड़े लाट साहब तक से लड़ने को भी तैयार हो जाती है| भक्तिन, महादेवी के जीवन पर छा जाने वाली एक ऐसी सेविका है जिसे लेखिका नहीं खोना चाहती।

पठित गद्यांश। (प्रत्येक1अंक)

1. गद्यांश को पढ़कर सही विकल्प चुनकर लिखिए।

सेवक-धर्म में हनुमान जी से स्पद्र्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री न होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है-नाम है लछमिन अर्थात लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्ध भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी। वैसे तो जीवन में प्राय: सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है; पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धसूचक नाम किसी को बताती नहीं।

1. भक्तिन का वास्तविक नाम क्या था।
   क).लक्ष्मी
   ख)सरस्वती
   ग).दुर्गा
   घ).पदमा
2. भक्तिन की तुलना किससे की गई है।
   क).हनुमान
   ख(.अंजना
   ग).महादेवी
   घ)समृद्धि
3. भक्तिन समझदार क्यों है।
   क) वह बहुत अच्छा खाना बनाती है।
   ख) अपना वास्तविक नाम किसी को नहीं बताती।
   ग). वह तर्क वितपिता का उस पर पिता का पिता का पिता का र्क में पारंगत हैं।
   घ)ग्रामीण जीवन में ढली स्त्री है।
4. भक्ति महादेवी से क्या प्रार्थना करती है।
   क) उससे ज्यादा काम ना करवाए ।
   ख) उसके काम में हस्तक्षेप ना करें।
   ग). उसको पढ़ने के लिए कभी ना बोले।
   घ) उसके समृद्धि सूचक नाम का उपयोग ना करें।
5. जीवन में प्राय सभी को क्या लेकर जीना पड़ता है।
   क) जिम्मेदारी
   ख) विरोधाभास
   ग).संघर्ष
   घ).लक्ष्य

उत्तर-1-क) 2-क) 3-ख) 4-घ) 5-ख)

2. पिता का उस पर अगाध प्रेम होने के कारण स्वभावतः ईर्ष्यालु और संपत्ति की रक्षा में सतर्क विमाता ने उनके मरणांतक रोग का समाचार तब भेजा, जब वह मृत्यु की सूचना भी बन चुका था। रोने पीटने के अपशकुन से बचने के लिए सांस ने भी उसे कुछ न बताया। बहुत दिनों से नैहर नहीं गई, सो जा कर देख आवे, यही कहकर और पहना उड़ाकर सास में उसे विदा कर दिया। इस अप्रत्याशित अनुग्रह ने उसके पैरों में जो पंख लगा दिए थे ।वे गांव की सीमा में पहुंचते ही झड़ गए ।"हाय लक्ष्मी अब आयी" की अस्पष्ट पुनरावृति या और स्पष्ट सहानुभूति पूर्ण दृष्टियां उसे घर तक ठेल ले गई। पर वहां ना पिता का चिह्न शेष था, ना ही विमाता के व्यवहार में शिष्टाचार का लेश था। दुख से शीतल और अपमान से जलती हुई वह उस घर में पानी भी बिना पिए उल्टे पैरों ससुराल लौट पड़ी।सास को खरी-खोटी सुनाकर उसने विमाता पर आया हुआ क्रोध शांत किया और पति के ऊपर गहने फेंक फेंक कर उसने पिता के चिर बिछोह की मर्मव्यथा व्यक्त की।

1.विमाता ने कौन सा समाचार देर से भेजा।

क)संपत्ति लेने का समाचार

ख)पिता की नाराजगी का समाचार।

ग).पिता की बीमारी का समाचार

घ).पिता की मृत्यु का समाचार

2.सास ने लक्ष्मी से क्या कह कर मायके भेजा और क्यों ?

क).बहुत दिनों से मायके नहीं गई।

ख). माता ने बुलाया है।

ग). पिता ने बुलाया है।

घ) पिता की पिता की मृत्यु हो गई है।

3.लड़की का मायके आने का उत्साह कब ठंडा पड़ा।

क). पिता की मृत्यु का समाचार सुनकर

ख).हाय लक्ष्मी अब आई सुनकर।

ग) सहानुभूति पूर्ण दृष्टियां देखकर

घ) संपत्ति ना मिलने के कारण

4. पिता की मृत्यु का समाचार भक्तिन को उसकी सौतेली मां ने देर से क्यों भेजा।

क) संपत्ति बेटी के नाम हो जाने के डर के कारण।

ख).सौतेली मां से लड़ाई होने के कारण।

ग)भक्तिन से लगाव न होने के कारण ।

घ). विवाह होने के कारण।

5. भक्तिन में अपना क्रोध किस पर और किस प्रकार उतारा।

क) सास को खरी-खोटी सुनाकर।

ख). जेठानी से लड़कर।

ग) पति से नाराज होकर।

घ)चुपचाप रोककर

उत्तर 1-घ) 2-क) 3-क) 4-क) 5-क)

1. भक्तिन अच्छी है यह कहना कठिन होगा ,क्योंकि उसमें दुर्गुणों का अभाव नहीं। वह सत्यवादी हरिश्चंद्र नहीं बन सकती ।पर' नरो वा कुंजारो वा' कहने में भी विश्वास नहीं करती। मेरे इधर उधर पड़े रूपए पैसे भंडार घर की किसी मटकी में कैसे अंतरहीत हो जाते हैं। यह रहस्य भी भक्तिन जानती है। पर उस संबंध में किसी के संकेत करते ही वह उसे शास्त्रार्थ के लिए चुनौती दे डालती है, जिसको स्वीकार कर लेना किसी तर्क शिरोमणि के लिए संभव नहीं। यह उसका अपना घर ठहरा, रुपया पैसा जो इधर उधर पड़ा देखा, संभाल कर रख लिया ।यह क्या चोरी है। उसके जीवन का परम कर्तव्य मुझे प्रसन्न रखना है। जिस बात से मुझे क्रोध आ सकता है, उसे बदल कर इधर-उधर करके बताना क्या झूठ है ।इतनी चोरी और इतना झूठ तो धर्मराज महाराज में भी होगा, नहीं तो वे भगवान जी को कैसे प्रसन्न रख सकते और संसार को कैसे चला सकते।

1.नरो वा कुंजारो वा किसके द्वारा कहा गया है ।

क)लेखिका द्वारा कहा गया

ख) भक्तिन द्वारा कहा गया।

ग) पिता द्वारा कहा गया ।

घ)माता द्वारा कहा गया।

2. भक्तिन का मूल लक्ष्य क्या था ।

क)घर का काम करना ।

ख)लेखिका को प्रसन्न रखना।

ग)पशु पक्षियों का ख्याल रखना ।

घ)सत्यवादी हरिश्चंद्र बनना।

3. भक्तिन में क्या-क्या दुर्गुण थे।

क). सत्य बोलना ।

ख)भंडार गृह के मटकी में पैसे उठाकर रखना।

ग). कपड़ों को तह करके रखना।

घ). मेहमानों को उप नाम से बुलाना।

4. लेखिका के क्रोध से बचने के लिए भक्तिन क्या करती है।

क)लप्सी बनाकर खिलाती है ।

ख).उसकी सेवा करती है ।

ग).तर्क वितर्क करती है ।

घ).बात को बदल कर इधर-उधर करके बता देती है।

5. नरो वा कुंजारो वा किसके लिए कहा गया।

क) भक्तिन के संदर्भ में कहा गया ।

ख).लेखिका के संदर्भ में कहा गया।

ग) उपर्युक्त दोनों।

घ) राजा हरिश्चंद्र को कहा गया।

उत्तर-1--क) 2-ख) 3-ख) 4 -घ) 5-क)

4.भक्तिन और मेरे बीच में सेवक-स्वामी का संबंध है, यह कहना कठिन है; क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया, जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे। भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है, जितना अपने घर में बारी-बारी से आने-जाने वाले अँधेरे-उजाले और आँगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना। वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते हैं, जिसे सार्थकता देने के लिए ही हमें सुख-दुख देते हैं, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए है।

1. भक्ति और लेखिका के बीच के संबंध को स्वामी और सेवक का संबंध कहना कठिन क्यों है ।

   क)इच्छा होने पर भी सेवक से ना हटा सके ।

   ख).चले जाने का आदेश सुनकर अवज्ञा से हंस पढ़ना।

   ग)उपर्युक्त दोनों ।

   घ).एक दूसरे से प्रेम करना।

2 प्रकाश और अंधकार का उदाहरण क्यों दिया गया है ।

क).सुख-दुख के लिए ।

ख).भक्तिन और महादेवी के संबंधों की तुलना करने के लिए ।

ग)गुलाब और आम के लिए।

घ).उपर्युक्त कोई नहीं।

3. भक्तिन को नौकर कहना क्यों सही नहीं है।

क) दोनों के बीचआत्मीय संबंध है।

ख) दोनों के बीच नफरत का संबंध है।

ग) उसका पूरा रसोई घर में हक था।

घ(पूरे घर में हक था ।

4.सुख दुख में कौन सा समास है ।

क)अव्वयी भाव

ख)कर्मधारय

ग)तत्पुरुष

घ).द्वंद्व

5.भक्तिन का व्यक्तित्व कैसा था।

क) प्रतिभाशाली

ख)प्रतिभावान

ग). प्रतिभा हीन

घ). स्वतंत्र

उत्तर 1-ग) 2-ख) 3-क) 4-घ) 5-घ)

5. मेरे परिचितों और साहित्यिक बंधुओं से भी भक्तिन विशेष परिचित है, पर उनके प्रति भक्तिन के सम्मान की मात्रा मेरे प्रति उनके सम्मान की मात्रा पर निर्भर है और सद्भाव उनके प्रति मेरे सद्भाव से निश्चित होता है। इस संबंध में भक्तिन की सहज बुद्धि विस्मित कर देने वाली है ।वह किसी को आकार -प्रकार और वेशभूषा से स्मरण करती हैं और किसी को नाम के द्वारा कवि और कविता के संबंध में उसका ज्ञान बड़ा है, पर आदर भाव नहीं। किसी के लंबे बाल और अस्त-व्यस्त वेशभूषा देखकर वह कह उठतीहै -का वह कविता लिखें जानत है और और और तुरंत ही उसकी अवज्ञा प्रकट हो जाती है - तब ऊ कुछ ओ करी है धरी है ना बस गली- गली गाउट बजाउत फहिरी है।

1- लेखिका ने भक्तिन की बुद्धि को विस्मित कर देने वाली क्यों कहा है।

क)भक्तिन के देहाती होने के कारण

ख) भक्तिन का भक्त होने के कारण

ग) भक्तिन का नौकर होने के कारण

घ). लेखिका का दूसरों के प्रति सम्मान की मात्रा के अनुसार भक्ति भी दूसरों का सम्मान करती थी ।

2-कवियों के संबंध में भक्तिन की क्या मान्यता है।

क). उदार

ख) दयालु

ग).संकुचित

घ).आदर भाव

3- भक्तिन लेखिका के साहित्यिक मित्रों को कैसे याद करती है ।

क)वेशभूषा द्वारा

ख).नाम के अपभ्रंश द्वारा

ग) उपर्युक्त दोनों

घ) कोई नहीं

4.अवज्ञा का अर्थ क्या है।

क). आदेश का पालन न करना

ख).आदेश मानना

ग).आदेश को सुनना

घ). पलट कर जवाब देना।

5. साहित्यिक बंधुओं का आगमन क्यों होता था ।

क).महादेवी साहित्यकार थी।

ख) महादेवी कलाकार थी ।

ग).महादेवी गायक थी ।

घ).महादेवी खिलाड़ी थी।

उत्तर-1-घ) 2-ग) 3-ग) 4-क) 5-क)

महत्वपूर्ण प्रश्न (प्रत्येक 2 अंक)

प्रश्न 1.भक्तिन की शारीरिक बनावट कैसी थी?

उत्तर:भक्तिन का कद छोटा था। उसका शरीर दुबला-पतला था। वह गरीब लगती थी। उसके होंठ पतले थे एवं आँखें छोटी थीं। इन सारी बातों से पता चलता है कि उसकी शारीरिक बनावट कुल मिलाकर 50 वर्षीया स्त्री की थी लेकिन वह बूढ़ी नहीं लगती थी।

प्रश्न 2.महादेवी जी ने भक्तिन के बारे में क्या लिखा है?

उत्तर:महादेवी वर्मा भक्तिन के बारे में लिखती हैं-सेवक धर्म में हनुमान जी से स्पर्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री न होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है। नाम है लछमिन अर्थात् लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृधि भक्ति के कपाल की कैंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी।

प्रश्न 3.भक्तिन की कितनी संतानें थीं? उनका जीवन कैसा था?

उत्तर:भक्तिन ने तीन बेटियों को जन्म दिया। इन तीनों बेटियों के कारण भक्तिने को जीवन भर दुख उठाने पड़े। सास और जेठानियाँ सभी उसे तंग करती रहती। उनकी बेटी को हर वक्त काम में लगाएं रखती। कोई भी नहीं चाहता था कि भक्तिन की बेटियाँ सुखी रहें।

प्रश्न 4.भक्तिन दुर्भाग्यशाली क्यों थी?

उत्तर:भक्तिन का पति उस समय मरा जब वह केवल 36 वर्ष की थी। वह तीन बेटियों को जन्म देकर चला गया। इस कारण भक्तिन को बहु कष्ट उठाने पड़े। भक्तिन की बेटी विवाह के कुछ वर्ष बाद विधवा हो गई। उसके जेठ जेठानियाँ सभी उसकी संपत्ति हड़पने की योजना बनाने लगे।

प्रश्न 5.भक्तिन का स्वभाव कैसा था?

उत्तर:यद्यपि भक्तिन मेहनती स्त्री थी लेकिन उसमें चोरी करने की आदत थी। जब वह महादेवी वर्मा के घर का कार्य करने आई तो वह घर में रखे खुले पैसे रुपये उठा लेती। उसने कभी सच नहीं बोला। वास्तव में उसमें कई दुर्गुण थे।

प्रश्न6.भक्तिन अपना वास्तविक नाम क्यों छुपाती थी इसका वास्तविक अर्थ बताएं?

उत्तर -भक्तिन का वास्तविक नाम लक्ष्मी था। हिंदुओं के अनुसार लक्ष्मी धन की देवी है ।लक्ष्मी जगत पालक भगवान विष्णु की पत्नी है । भक्तिन को अपने नाम के अर्थ और यथार्थ में विरोधाभास लगता है ।निर्धन भक्तिन स्वयं को लक्ष्मी नहीं कहलवाना चाहती थी। इसलिए वह अपना वास्तविक नाम से छुपाती थी।

प्रश्न 7.लेखिका ने लक्ष्मी का नाम भक्तिन क्यों रखा?

उत्तर- लेखिका ने लक्ष्मी की निम्नलिखित विशेषताओं के आधार पर उसे भक्ति नाम दिया।

पहला गले में कंठी माला

दूसरा घुटा हुआ सर

तीसरा सादगी पूर्ण वेशभूषा

प्रश्न 8.भक्तिन के जीवन को कितने परिच्छेद में विभाजित किया गया है?

उत्तर-भक्तिन के जीवन को चार भागों में बांटा गया है ।

पहला भक्तिन का बचपन, दूसरा वैवाहिक जीवन ,तीसरा संघर्षमय जीवन ,चौथा महादेवी वर्मा की सेविका।

महत्वपूर्ण प्रश्न प्रत्येक (3अंक)

प्रश्न1भक्तिन अच्छी है, यह कहना कठिन होगा, क्योंकि उसमें दुर्गुणों का अभाव नहीं। लेखिका ने ऐसा क्यों कहा होगा?

उत्तर:जब भक्तिन लेखिका के घर काम करने आई तो वह सीधी-सादी, भोली-भाली लगती थी लेकिन ज्यों-ज्यों लेखिका के साथ उसका संबंध और संपर्क बढ़ता गया त्यों-त्यों वह उसके बारे में जानती गई। लेखिका को उसकी बुराइयों के बारे में पता चलता गया। इसी कारण लेखिका को यह लगा कि भक्तिन अच्छी नहीं है। उसमें कई दुर्गुण हैं अतः उसे अच्छी कहना और समझना लेखिका के लिए कठिन है।

प्रश्न 2.भक्तिन द्वारा शास्त्र के प्रश्न को सुविधा से सुलझा लेने का क्या उदाहरण लेखिका ने दिया है?

उत्तर:भक्तिन की यह विशेषता है कि वह हर बात को, चाहे वह शास्त्र की ही क्यों न हो, अपनी सुविधा के अनुसार ढाल लेती है। वह सिर घुटाए रखती थी, लेखिका को यह अच्छा नहीं लगता था। जब उसने भक्तिन को ऐसा करने से रोका तो उसने अपनी बात को ऊपर रखा तथा कहा कि शास्त्र में यही लिखा है। जब लेखिका ने पूछा कि क्या लिखा है? उसने तुरंत उत्तर दिया-तीरथ गए मुँड़ाए सिद्ध। यह बात किस शास्त्र में लिखी गई है, इसका ज्ञान भक्तिन को नहीं था। जबकि लेखिका जानती थी कि यह कथन किसी व्यक्ति का है, न कि शास्त्र का। अत: वह भक्तिन को सिर घुटाने से नहीं रोक सकी तथा हर बृहस्पतिवार को उसका मुंडन होता रहा।

प्रश्न 3.भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती कैसे हो गई?

उत्तर:भक्तिन के आ जाने से महादेवी ने लगभग उन सभी संस्कारों को, क्रियाकलापों को अपना लिया जो देहातों में अपनाए जाते हैं। देहाती की हर वस्तु, घटना और वातावरण का प्रभाव महादेवी पर पड़ने लगा। वह भक्तिन से सब कुछ जान लेती थी ताकि किसी बात की जानकारी अधूरी न रह जाए। धोती साफ़ करना, सामान बांधना आदि बातें भक्तिन ने ही सिखाई थी। वैसे देहाती भाषा भी भक्तिन के आने के बाद ही महादेवी बोलने लगी। इन्हीं कारणों से महादेवी देहाती हो गई।

प्रश्न 4पाठ के आधार पर भक्तिन की तीन विशेषताएँ बताइए।

उत्तर:भक्तिन की तीन विशेषताएँ निम्नलिखित हैं

(क) जुझारू – भक्तिन जुझारू महिला थी। उसने कठिन परिस्थितियों का डटकर सामना किया। शादी के बाद ससुराल में मेहनत से खेतीबाड़ी की। पति की मृत्यु के बाद बेटियों की शादी की। समाज के भेदभावपूर्ण व्यवहार का कड़ा विरोध किया।

(ख) भाग्य से पीड़ित – भक्तिन मेहनती थी, परंतु भाग्य उसके सदैव विपरीत रहा। बचपन में माँ की मृत्यु हो गई थी। विमाता का देश उसे हमेशा झालता रहा। ससुराल में तीन पुत्रियों का जन्म देने के कारण उपेक्षा मिली। पति की अकाल मृत्यु हुई। फिर दामाद की मृत्यु व परिवार के षड्यंत्र ने उसे तोड़कर रख दिया।

(ग) सेवाभाव – भक्तिन महादेवी की सेविका थी। वह छाया के समान हर समय महादेवी के साथ रहती थी। महादेवी के कार्य को खुशी से करती थी।

प्रश्न 5भक्तिन व लेखिका के बीच कैसा संबंध था।

अथवा

'महादेवी वर्मा और भक्तिन के संबंधों की तीन विशिष्टताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर:भक्तिन व लेखिका के बीच नौकरानी या स्वामिनी का संबंध नहीं था। वे आत्मीय जन की तरह थे। स्वामी अपनी इच्छा होने पर भी उसे हटा नहीं सकती थी(स्वामी अपनी इच्छा होने पर भी उसे हटा नहीं सकती। सेवक भी स्वामी के चले जाने के आश पाकर अवज्ञा से हँस दे। भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है, जितना अपने घर में बारी-बारी से आने-जाने वाले अँधेरे-उजाले और आँगन में फूलो वाले गुलाब और आम को सेवक मानना। जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते है जिसे सार्थकता देने के लिए ही हमें सुख-दुख देते हैं, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के लिए लेखिका के जीवन को घेरे है।

प्रश्न 6'भक्तिन' और 'महादेवी' के नामों में क्या विरोधाभास था?

उत्तर:'भक्तिन' का असली नाम लक्ष्मी था। वह अपना नाम छिपाती थी क्योंकि उसे कभी समृद्ध नहीं मिली। उसके भक्ति भाव को देखकर लेखिका ने उसे 'भक्तिन' कहना शुरू कर दिया। लेखिका को अपना नाम महादेवी था। वह किसी भी दृष्टि से । देवी के समकक्ष नहीं थी। दोनों के नामों वे उसके गुणों में कोई तारतम्य नहीं था।

प्रश्न 7'भक्तिन वाक्पटुता में बहुत आगे थी', पाठ के आधार पर उदाहरण देकर पुष्टि कीजिए।

उत्तर:यह कथन सही है कि भक्तिन वाक्पटुता में बहुत आगे थी। उसके पास हर बात का सटीक उत्तर तैयार रहता था। लेखिका ने जब उसको सिर घुटाने से रोका तो उसका उत्तर था – तीरथ गए मुंडाए सिद्ध' इसी तरह उसके बनाएँ खाने पर कटाक्ष करने पर उसने उत्तर दिया – वह कुछ अनाड़िन या फूछड़ नहीं। ससुर, पितिया ससुर, अजिया सास आदि ने उसकी पाक कुशलता के लिए न जाने कितने मौखिक प्रमाणपत्र दे डाले थे।

बाज़ार दर्शन

(जैनेंद्र कुमार)

पाठ का सार

बाजार-दर्शन पाठ में बाजारवाद और उपभोक्तावाद के साथ-साथ अर्थनीति एवं दर्शन से संबंधित प्रश्नों को सुलझाने का प्रयास किया गया है। बाजार का जादू तभी असर करता है जब मन खाली हो| बाजार के जादू को रोकने का उपाय यह है कि बाजार जाते समय मन खाली ना हो, मन में लक्ष्य भरा हो| बाजार की असली कृतार्थता है जरूरत के वक्त काम आना| बाजार को वही मनुष्य लाभ दे सकता है जो वास्तव में अपनी आवश्यकता के अनुसार खरीदना चाहता है| जो लोग अपने पैसों के घमंड में अपनी पर्चेजिंग पावर को दिखाने के लिए चीजें खरीदते हैं वे बाजार को शैतानी

व्यंग्य शक्ति देते हैं| ऐसे लोग बाजारूपन और कपट बढाते हैं | पैसे की यह व्यंग्य शक्ति व्यक्ति को अपने सगे लोगों के प्रति भी कृतघ्न बना सकती है | साधारण जन का हृदय लालसा, ईर्ष्या और तृष्णा से जलने लगता है | दूसरी ओर ऐसा व्यक्ति जिसके मन में लेश मात्र भी लोभ और तृष्णा नहीं है, संचय की इच्छा नहीं है वह इस व्यंग्य-शक्ति से बचा रहता है | भगतजी ऐसे ही आत्मबल के धनी आदर्श ग्राहक और बेचक हैं जिन पर पैसे की व्यंग्य-शक्ति का कोई असर नहीं होता | अनेक उदाहरणों के द्वारा लेखक ने यह स्पष्ट किया है कि एक ओर बाजार, लालची, असंतोषी और खोखले मन वाले व्यक्तियों को लूटने के लिए है वहीं दूसरी ओर संतोषी मन वालों के लिए बाजार की चमक-दमक, उसका आकर्षण कोई महत्त्व नहीं रखता।

महत्वपूर्ण गद्यांश(प्रत्येक 1अंक)

1.उनका आशय था कि यह पत्नी की महिमा है। उस महिमा का मैं कायल हूँ। आदिकाल से इस विषय में पति से पत्नी की ही प्रमुखता प्रमाणित है। और यह व्यक्तित्व का प्रश्न नहीं, स्त्रीत्व का प्रश्न है। स्त्री माया न जोड़े, तो क्या मैं जोड़ें? फिर भी सच सच है और वह यह कि इस बात में पत्नी की ओट ली जाती है। मूल में एक और तत्व की महिमा सविशेष है। वह तत्व है मनीबैग, अर्थात पैसे की गरमी या एनर्जी। पैसा पावर है। पर उसके सबूत में आस-पास माल-टाल न जमा हो तो क्या वह खाक पावर है! पैसे को देखने के लिए बैंक-हिसाब देखिए, माल-असबाब मकान-कोठी तो अनदेखे भी देखते हैं। पैसे की उस 'पचेंजिग पावर' के प्रयोग में ही पावर का रस है। लेकिन नहीं। लोग संयमी भी होते हैं। वे फ़िजूल सामान को फ़िजूल समझते हैं। वे पैसा बहाते नहीं हैं और बुद्धमान होते हैं। बुद्ध और संयमपूर्वक वे पैसे को जोड़ते जाते हैं, जोड़ते जाते हैं। वे पैसे की पावर को इतना निश्चय समझते हैं कि उसके प्रयोग की परीक्षा उन्हें दरकार नहीं है। बस खुद पैसे के जुड़ा होने पर उनका मन गर्व से भरा फूला रहता है।

1 लोगों के मन में धन जोड़ने के प्रति कैसी धारणा होती है।

क). स्त्री ही जिम्मेदार होती है ।

ख).स्त्री जिम्मेदार नहीं होती।

ग). पुरुष जिम्मेदार होते हैं

घ). पुरुषजिम्मेदार नहीं होते।

2. बाजारवाद का प्रमुख कारण क्या है।

क). मनीबैग

ख). मनी का ना होना

ग) इच्छाओं का होना

घ).इच्छाओं का ना होना

3. पैसे की पावर का रस किस में है ।

क).संयमी लोगों में

ख).पर्चेजिंग पावर में

ग). माल और असबाब में

घ). बुद्धिमान लोगों में

4.पैसों के प्रति कुछ लोगों का स्वभाव कैसा होता ह

क) संयमी स्वभाव

ख).असंयमी प्रभाव

ग).खर्चीला स्वभाव

घ). फिजूलखर्ची स्वभाव

5 वास्तविक रूप में पावर किसे बताया गया है।

क). माल और असबाब

ख).बैंक हिसाब

ग)मकान कोठी

घ)पैसे को

उत्तर 1-क) 2-ख 3-ख) 4-क) 5-घ)

2 बाजार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह काम करता है। वह रूप का जादू है जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है। जेब भरी हो, और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है। जेब खाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा। मन खाली है तो बाजार की अनेकानेक चीज़ों का निमन्त्रण उस तक पहुँच जाएगा। कहीं उस वक्त जेब भरी हो तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है। मालूम होता है यह भी लें. वह भी लें। सभी सामान जरूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है। यह भी लूं वह भी लूं सभी समान जरूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है ।पर यह सब जादू का असर है। जादू की सवारी उतरी कि पता चलता है कि फैंसी चीजों की बहुतायत आराम में मदद नहीं देती, बल्कि खलल ही डालती है। थोड़ी देर को स्वाभिमान को जरूर से मिल जाता है पर इससे अभिमान की गिल्टी को और खुराक ही मिलती है जकड़ रेशमी डोरी की हो तो मुलायम रेशम के स्पर्श के कारण क्या वह जकड़ कम होगी?

1 बाजार का जादू का क्या अर्थ है ।

क)रूप का जादू

ख)जादूगर का जादू

ग) आंख का जादू

घ)चुंबक का जादू

2. जादू उतरने पर क्या पता चलता है।

क) सुकून देती है

ख)दुविधा पैदा करती है

ग)आराम देती है

घ).स्वाभाविक असर होता है

3. बाजार के जादू की तुलना लेखक ने किस से की है ।

क).चुंबक से

ख). लोहा से

ग).सजे धजे बाजार से

घ). ग्राहक से

4. रेशम की डोरी की जकड़ कैसी होगी।

क) मुलायम अहसास

ख) कठोर जकड़

ग) खुरदुरा अहसास

घ). पकड़ नही होगी

5. मन खाली है तो क्या होगा।

क) बाजार का निमंत्रण पहुंच पाएगा

ख) बाजार का नियंत्रण नहीं पहुंचेगा

ग). बाजार निमंत्रण देगा

घ).बाजार बे असर होगा

उत्तर 1-क) 2-ख) 3-क) 4-ख) 5-क)

3. पर उस जादू की जकड़ से बचने का एक सीधा-सा उपाय है। वह यह कि बाजार जाओ तो मन खाली न हो। मन खाली हो, तब बाजार न जाओ। कहते हैं लू में जाना हो तो पानी पीकर जाना चाहिए। पानी भीतर हो, लूका लूपन व्यर्थ हो जाता है। मन लक्ष्य में भरा हो तो बाजार भी फैला-का-फैला ही रह जाएगा। तब वह घाव बिलकुल नहीं दे सकेगा, बल्कि कुछ आनंद ही देगा। तब बाजार तुमसे कृतार्थ होगा, क्योंकि तुम कुछ-न-कुछ सच्चा लाभ उसे दोगे। बाजार की असली कृतार्थता है आवश्यकता के समय काम आना।

1- बाजार की चकाचौंध से बचने के लिए लेखक ने क्या-क्या उपाय बताया।

क) मन खाली ना हो

ख) मन खाली हो

ग)जेब भरी हो

घ). जेब भरी ना हो

2-ग्रीष्म ऋतु में लू से बचने का उपाय क्या है।

क) भरपेट पानी पीकर बाहर जाओ

ख) पानी पीकर बाहर ना जाओ

ग)-कुछ खा कर जाओ

घ)कुछ खा कर ना जाओ

3- बाजार की असली कृतार्थता किसमें हैं।

क). लाभ देना

ख) आवश्यकता के समय काम आना।

ग) मुनाफा देना

घ) हानि देना

4.मन लक्ष से भरा हो तो तो बाजार पर क्या असर पड़ेगा।

क) बाज़ार हमारे लिए सुखदाई होगा।

ख) बाजार हमारे लिए नुकसानदायक होगा ।

ग)-बाजार हमारे लिए दुश्मन होगा

घ) बाजार हमारे लिए मित्र होगा

5-पाठ का और लेखक का नाम बताओ

क) बाजार दर्शन और जैनेंद्र कुमार

ख) जैनेंद्र कुमार और भक्तिन

ग) बाजार दर्शन और हरिवंश राय बच्चन

घ)जैनेंद्र कुमार और आत्म परिचय

उत्तर 1-क) 2-क) 3-ख) 4-क) 5-क)

4 इस सद्भाव के ह्रास पर आदमी आपस में भाई-भाई और सुहृद और पड़ोसी फिर रह ही नहीं जाते हैं और आपस में कोरे गाहक और बेचक की तरह व्यवहार करते हैं। मानो दोनों एक-दूसरे को ठगने की घात में हों। एक की हानि में दूसरे को अपना लाभ दिखता है और यह बाजार का, बल्कि इतिहास का, सत्य माना जाता है। ऐसे बाजार को बीच में लेकर लोगों में आवश्यकताओं का आदान-प्रदान नहीं होता, बल्कि शोषण होने लगता है; तब कपट सफल होता है, निष्कपट शिकार होता है। ऐसे बाजार मानवता के लिए विडंबना हैं और जो ऐसे बाजार का पोषण करता है, जो उसका शास्त्र बना हुआ है, वह अर्थशास्त्र सरासर औंधा है वह मायावी शास्त्र है वह अर्थशास्त्र अनीति शास्त्र है।

1 सद्भाव का ह्रास कब होता है ।

क)व्यक्ति आपस में ग्राहक और बेचक की तरह व्यवहार करते हैं ।

ख)व्यक्ति आपस में भाई भाई की तरह व्यवहार करते हैं ।

ग)व्यक्ति आपस में दुश्मनों की तरह व्यवहार करते हैं।

घ) कोई नहीं

2- व्यक्ति का स्वभाव में ग्राहक विक्रेता व्यवहार कब आ जाता है।

क)अधिक नुकसान होने पर

ख)अधिक ठगने के कारण ।

ग).अधिक कंजूस होने के कारण

घ).अधिक लाभ कमाने के कारण

3- कैसे बाजार मानवता के लिए विडंबना है ।

क)जिसमें एक की हानि में दूसरे का लाभ दिखता है ।

ख)जिसमें एक के हानि में दूसरे को हानि दिखता है।

ग) जिसमें एक के लाभ में दूसरे को लाभ दिखता है।

घ). जिसमें लाभ और हानि नही होता है ।

4-किस बाजार में शोषण होता है ।

क).हाट बाजार में

ख). मॉल संस्कृति में

ग) ग्राहक विक्रेता वाले बाजार में

घ) ग्रामीण बाजार में

5-उपभोक्तावादी प्रवृत्ति की क्या विशेषताएं हैं।

क). दूसरों की हानि में स्वयं का लाभ दिखाई देना ।

ख) आत्मीयजन और पड़ोसी ग्राहक के समान दिखाई देते हैं ।

ग)-आवश्यकताओं का आदान-प्रदान नहीं होता

घ).उपर्युक्त सभी

उत्तर 1-क) 2-घ) 3-क) 4-ग) 5-घ)

5 -हाँ मुझे ज्ञात होता है कि बाजार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है। और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी 'पर्चेजिंग पावर' के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति-शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति-ही बाजार को देते हैं। न तो वे बाजार से लाभ उठा सकते हैं न उस बाजार को सच्चा लाभ दे सकते हैं। वे लोग बाजार का बाजारूपन बढ़ाते हैं। जिसका मतलब है कि कपट बढ़ाते हैं। कपट की बढ़ती का अर्थ परस्पर में सद्भाव की घटी।

1-बाजार को सार्थकता कौन देता है।

क) जो आवश्यकता के अनुसार वस्तुएं खरीदता है ।

ख).जो आवश्यकता के अनुसार वस्तुएं नहीं खरीदता

ग)जो मनमानी वस्तुएं खरीदता है ।

घ).जो कुछ भी नहीं खरीदता है।

2- परचेसिंग पावर क्या है ।

क)मनुष्य का अहंकार

ख)- मनुष्य का गर्व

ग)मनुष्य की हीन भावना

घ) मनुष्य की गरीबी

3- परचेसिंग पावर से क्या हानि है।

क) विनाशक शक्ति बाजार को देते हैं।

ख). शैतानी शक्ति बाजार को देते हैं।

ग) व्यंग्य शक्ति बाजार को देते है।

घ).उपर्युक्त सभी

4 बाजारूपन से लेखक का क्या तात्पर्य है?

क)कपट बढ़ता है

ख). सद्भाव बढ़ता है

ग) लाभ बढ़ता है

घ) हानि बढ़ती है

5- भगत जी बाजार को क्या देते हैं।

क). सार्थकता

ख)कपट

ग) व्यंग शक्ति

घ,)असार्थकता

उत्तर1-क) 2-ख) 3-घ) 4-क) 5-क)

महत्वपूर्ण प्रश्न -प्रत्येक (2अंक)

प्रश्न 1 परचेसिंग पावर किसे कहा गया है ?बाजार पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर -परचेसिंग पावर का अर्थ खरीदने की शक्ति परचेसिंग पावर के घमंड में व्यक्ति दिखावे के लिए आवश्यकता से अधिक खरीदारी करते हैं। और बाजार को शैतानी व्यंग शक्ति देता है। ऐसे लोग बाजार का बाजारूपन बढ़ाते हैं ।

प्रश्न 2लेखक ने बाजार का जादू किसे कहा है इसका क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर-बाजार की चमक दमक के चुंबकीय आकर्षण को बाजार का जादू कहा गया है। यह जादू आंखों की राह कार्य करता है। बाजार के इसी आकर्षण के कारण ग्राहक सजी-धजी चीजों को आवश्यकता ना होने पर भी खरीदने को विवश हो जाते हैं।

प्रश्न3आशय स्पष्ट करें -मन खाली होना, मन भरा होना, मन बंद होना।

उत्तर -मन खाली होना- मन में कोई निश्चित वस्तु खरीदने का लक्ष्य न होना। निरुद्देश्य बाजार जाना और व्यर्थ की चीजों को खरीद कर लाना।

मन भरा होना- मन् लक्ष्य से भरा होना जिसका मन भरा हो वह भलीभांति जानता है कि उसे बाजार से कौन सी वस्तु खरीदनी है। वह अपनी आवश्यकता की चीज खरीद कर बाजार को सार्थकता प्रदान करता है।

मन बंद होना- मन में किसी भी प्रकार की इच्छा को ना आने देना ।बलपूर्वक अपनी इच्छाओं को दबा देना।

प्रश्न 4 जहां तृष्णा है बटोर रखने की स्पृहा है, वहां उस बल का बीज नहीं है।यहां किस बल की चर्चा की गई है?

उत्तर -लेखक ने संतोषी स्वभाव के व्यक्ति के आत्मबल की चर्चा की है। दूसरे शब्दों में यदि मन में संतोष हो तो व्यक्ति दिखावे और ईर्ष्या से दूर रहता है। उसमें संचय करने की प्रवृत्ति नहीं होती।

प्रश्न 5-अर्थशास्त्र नीतिशास्त्र कब बन जाता है?

उत्तर-जब बाजार में कपट और शोषण बढ़ने लगे। खरीददार और दुकानदार एक दूसरे को ठगने की घात में लगे रहे ।एक की हानि में दूसरे को अपना लाभ दिखाई दे तो बाजार का अर्थशास्त्र, नीतिशास्त्र बन जाता है ।ऐसे बाजार मानवता के लिए विडंबना है।

महत्वपूर्ण प्रश्न-प्रत्येक (3अंक)

प्रश्न 1.बाजार का जादू चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर क्या-क्या असर पड़ता है?

उत्तर:बाजार का जादू चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर निम्नलिखित प्रभाव पड़ते हैं –

बाजार में आकर्षक वस्तुएँ देखकर मनुष्य उनके जादू में बँध जाता है।

उसे उन वस्तुओं की कमी खलने लगती है।

वह उन वस्तुओं को जरूरत न होने पर भी खरीदने के लिए विवश होता है।

वस्तुएँ खरीदने पर उसका अह संतुष्ट हो जाता है।

खरीदने के बाद उसे पता चलता है कि जो चीजें आराम के लिए खरीदी थीं वे खलल डालती हैं।

उसे खरीदी हुई वस्तुएँ अनावश्यक लगती हैं।

प्रश्न 2.बाजार में भगत जी के व्यक्तित्व का कौन-सा सशक्त पहलू उभरकर आता है? क्या आपकी नज़र में उनको आचरण समाज में शांति स्थापित करने में मददगार हो सकता है?

उत्तर:भगत जी समर्पण भी भावना से ओतप्रोत हैं। धन संचय में उनकी बिलकुल रुचि नहीं है। वे संतोषी स्वभाव के आदमी हैं। ऐसे व्यक्ति ही समाज में प्रेम और सौहार्द का संदेश फैलाते हैं। इसलिए ऐसे व्यक्ति समाज में शांति स्थापित करने में मददगार साबित होते हैं।

प्रश्न 3.'बाज़ारूपन' से क्या तात्पर्य है? किस प्रकार के व्यक्ति बाजार को सार्थकता प्रदान करते हैं अथवा बाज़ार की सार्थकता किसमें हैं?

उत्तर:'बाजारूपन' से तात्पर्य है-दिखावे के लिए बाजार का उपयोग। बाजार छल व कपट से निरर्थक वस्तुओं की खरीदफ़रोख्त, दिखावे व ताकत के आधार पर होने लगती है तो बाजार का बाजारूपन बढ़ जाता है। क्रय-शक्ति से संपन्न की पुलेि व्यिक्त बाल्पिनक बताते हैं। इसप्रतिसे बारक सवा लधनाह मिलता। शणक प्रति बढ़ जाती है। वे व्यक्ति जो अपनी आवश्यकता के बारे में निश्चित होते हैं, बाजार को सार्थकता प्रदान करते हैं। बाजार का कार्य मनुष्य कल कपू करता है जहातक सामान मल्नेप बार सार्थकह जाता है। यह पॉड" पावरक प्रर्शना नहीं होता।

प्रश्न 4खाली मन तथा भरी जेब से लेखक का क्या आशय है? ये बातें बाजार को कैसे प्रभावित करती हैं?

उत्तर:खाली मन तथा जेब भरी होने से लेखक का आशय है कि मन में किसी निश्चित वस्तु को खरीदने की निर्णय शक्ति का न होना तथा मनुष्य के पास धन होना। ऐसे व्यक्तियों पर बाज़ार अपने चमकदमक से कब्जा कर लेता है। वे गैर ज़रूरी चीजें खरीदते हैं।

प्रश्न 5'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर 'पैसे की व्यंग्य शक्ति' कथन को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर:लेखक बताता है कि पैसे में व्यंग्य शक्ति होती है। यदि कोई समर्थ व्यक्ति दूसरे के सामने किसी महंगी वस्तु को खरीदे तो दूसरा व्यक्ति स्वयं को हीन महसूस करता है। पैदल या दोपहिया वाहन चालक के पास से धूल उड़ाती कार चली जाए तो वह परेशान हो उठता है। वह स्वयं को कोसता रहता है। वह भी कार खरीदने के पीछे लग जाता है। इसी कारण बाज़ार में माँग बढ़ती है।

प्रश्न 6बाज़ार जाते समय आपको किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? 'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

उत्तर:बाज़ार जाते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए

क).हमें ज़रूरत के सामान की सूची बनानी चाहिए।

ख)हमें बाजार के आकर्षण से बचना चाहिए।

ग).हमारा मन निश्चित खरीददारी के लिए होना चाहिए।

घ).बाज़ार में क्रयक्षमता का प्रदर्शन ने करके जरूरत का सामान लेना चाहिए।

ड.).बाजार में असंतोष व हीन भावना से दूर रहना चाहिए।

काले मेघा पानी दे

(धर्मवीर भारती)

पाठ का सारांश -'काले मेघा पानी दे' निबंध, लोकजीवन के विश्वास और विज्ञान के तर्क पर आधारित है। जब भीषण गर्मी के कारण व्याकुल लोग वर्षा कराने के लिए पूजा-पाठ और कथा-विधान कर थक–हार जाते हैं तब वर्षा कराने के लिए अंतिम उपाय के रूप में इन्दर सेना निकलती है| इन्दर सेना, नंग-धड़ंग बच्चों की टोली है जो कीचड़ में लथपथ होकर गली-मोहल्ले में पानी माँगने निकलती है| लोग अपने Yघर की छतों-खिड़कियों से इन्दर सेना पर पानी डालते हैं | लोगों की मान्यता है कि इन्द्र, बादलों के स्वामी और वर्षा के देवता हैं| इन्द्र की सेना पर पानी डालने से इन्द्र भगवान प्रसन्न होकर पानी बरसाएंगे | लेखक का तर्क है कि जब पानी की इतनी कमी है तो लोग मुश्किल से जमा किए पानी को बाल्टी भर-भरकर इन्दर सेना पर डालकर पानी को क्यों बर्बाद करते है? आर्यसमाजी विचारधारा वाला लेखक इसे अंधविश्वास मानता है | इसके विपरीत लेखक की जीजी उसे समझाती है कि यह पानी की बर्बादी नहीं बल्कि पानी की बुवाई है | कुछ पाने के लिए कुछ देना पड़ता है | त्याग के बिना दान नहीं होता| प्रस्तुत निबंध में लेखक ने भ्रष्टाचार की समस्या को उठाते हुए कहा है कि जीवन में कुछ पाने के लिए त्याग आवश्यक है। जो लोग त्याग और दान की महत्ता को नहीं मानते, वे ही भ्रष्टाचार में लिप्त रहकर देश और समाज को लूटते हैं| जीजी की आस्था, भावनात्मक सच्चाई को पुष्ट करती है और तर्क केवल वैज्ञानिक तथ्य को सत्य मानता है। जहाँ तर्क, यथार्थ के कठोर धरातल पर सच्चाई को परखता है तो वहीं आस्था, अनहोनी बात को भी स्वीकार कर मन को संस्कारित करती है। भारत की स्वतंत्रता के ५० साल बाद भी देश में व्याप्त भष्टाचार और स्वार्थ की भावना को देखकर लेखक दुखी है | सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएँ गरीबों तक क्यों नहीं पहुँच पा रहीं हैं? काले मेघा के दल उमड़ रहे हैं पर आज भी गरीब की गगरी फूटी हुई क्यों है ?

महत्वपूर्ण पठित गद्यांश (प्रत्येक 1 अंक)

1. पर एक बात देखी है । कि अगर तीस-चालीस मन गेहूँ उगाना है तो किसान पाँच-छह सेर अच्छा गेहूँ अपने पास से लेकर जमीन में क्यारियाँ बनाकर फेंक देता है। उसे बुवाई कहते हैं। यह जो सूखे के समय हम अपने घर का पानी इन पर फेंकते हैं वह भी बुवाई है। यह पानी गली में बोएँगे तो सारे शहर, कस्बा, गाँव पर पानी वाले बादलों की फसल आ जाएगी। हम बीज बनाकर पानी देते हैं, फिर काले मेघा से पानी माँगते हैं। सब ऋषि-मुनि कह गए हैं कि पहले खुद दो तब देवता तुम्हें चौगुना-अठगुना करके लौटाएँगे। भइया, यह तो हर आदमी का आचरण है, जिससे सबका आचरण बनता है। 'यथा राजा तथा प्रजा' सिर्फ यही सच नहीं है। सच यह भी है कि 'यथा प्रजा तथा राजा'। यह तो गाँधी जी महाराज कहते हैं।" जीजी का एक लड़का राष्ट्रीय आंदोलन में पुलिस की लाठी खा चुका था, तब से जीजी गाँधी महाराज की बात अकसर करने लगी थीं।

1.अगर 30- 40 मन गेंहूँ उगाना है तो किसान को क्या करना होता है।

क) दो- चार सेर अच्छा गेहूं की बुवाई करते हैं।

ख) पांच -सात सेर अच्छे गेहूं की बुवाई करते हैं।

ग)सात-आठ सेर अच्छे गेहूं की बुवाई करते हैं ।

घ)पांच- छः सेर अच्छे गेहूं की बुवाई करते हैं ।

2.यथा प्रजा तथा राजा किसने कहा था।

क) महात्मा गांधी

ख)जवाहर लाल नेहरू

ग). लेखिका जीजी

घ). लेखक ने

3. लेखक ने किसान के उदाहरण द्वारा क्या सिद्ध करना चाहा है ।

क).बिना किसान के खेत बेकार है।

ख) बिना किसान के प्रगति नहीं हो सकती ।

ग).बिना किसान के जीवन नहीं चलता।

घ). बिना बीज बोए खेती नहीं होती।

4. ऋषि मुनि क्या कह गए हैं।

,क)दान करोगे तो देवता तुम्हें दुगना देंगे ।

ख)दान करना व्यर्थ है।

ग). दान सबसे बड़ा धर्म है।

घ) दान आम लोगों के बस की बात नहीं।

5.यथा प्रजा तथा राजा कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

क) जैसे राजा होगी वैसे प्रजा होगी।

ख) जैसे प्रजा होगी वैसे राजा होगी ।

ग). राजा प्रजा दोनों मित्र होंगे।

घ) प्रजा और राजा दोनों नहीं होंगे।

उत्तर 1-घ) 2-क) 3-घ) 4-क) 5-ख)

2. कभी-कभी कैसे-कैसे संदर्भों में ये बातें मन को कचोट जाती हैं, हम आज देश के लिए करते क्या हैं? माँगें हर क्षेत्र में बड़ी-बड़ी हैं पर त्याग का कहीं नाम-निशान नहीं है। अपना स्वार्थ आज एकमात्र लक्ष्य रह गया है। हम चटखारे लेकर इसके या उसके भ्रष्टाचार की बातें करते हैं पर क्या कभी हमने जाँचा है कि अपने स्तर पर अपने दायरे में हम उसी भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे हैं? काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं, पानी झमाझम बरसता है, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल पियासे के पियासे रह जाते हैं? आखिर कब बदलेगी यह स्थिति ?

1.लेखक को क्यों लगता है कि आज हम देश के लिए कुछ नहीं करते।

क). क्योंकि हमारी मांगे बड़ी-बड़ी है।

ख)क्योंकि हमारे त्याग महान हैं।

ग)क्योंकि हमारे कर्म श्रेष्ठ हैं।

घ)क्योंकि हमारा देश बड़ा है।

2. भ्रष्टाचार को लेकर व्यवहार में क्या विसंगति है ।

क).भ्रष्टाचार के मामले में स्वयं को नहीं देखते ।

ख).भ्रष्टाचार के मामले में दूसरों को देखते हैं।

ग)भ्रष्टाचार का दोष दूसरों पर मढ़ते हैं ।

घ)उपर्युक्त सभी ।

3. सुविधाओं के बरसात से भी गरीब को कोई लाभ नहीं मिलता। आशय स्पष्ट कीजिए।

क)योजना ही नहीं बनाई जाती।

ख) योजनाओं का लाभ किसानों को मिलता है।

ग) योजनाओं का लाभ भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है।

घ).योजनाओं का लाभ गरीबों को मिलता है ।।

4.हमारा एकमात्र लक्ष्य स्वार्थ ही क्यों रह गया है ।

क).क्योंकि आज देशवासीसमष्टिगत हित को सर्वोपरि मानते हैं ।

ख)क्योंकि आज देशवासी विश्व बंधुत्व को सर्वोपरि मानते हैं।

ग). क्योंकि आज देशवासी देश हित को सर्वोपरि मानते हैं ।

घ) क्योंकि आज देशवासी स्वहित को सर्वोपरि मानते हैं ।

5. गगरी फूटी की फूटी रह जाती है बैल प्यासे के प्यासे रह जाते हैं। आशय स्पष्ट कीजिए.

क)आम आदमी बहुत अमीर हो जाता है।

ख). आम आदमी सामान्य रहता है।

ग)आम आदमी गरीब हो जाता है।

घ)आम आदमी की स्थिति पूर्ववत ही रहती है।

उत्तर 1-क) 2-घ) 3-ग 4-घ) 5-घ)

महत्वपूर्ण प्रश्न -प्रत्येक (2 अंक)

प्रश्न 1-इंद्रसेना घर-घर जाकर पानी क्यों मांगती थी?

उत्तर- गांव के लोग बारिश के लिए भगवान इंद्र से प्रार्थना किया करते थे। जब पूजा-पाठ व्रत आदि उपाय असफल हो जाते थे तो भगवान इंद्र को प्रसन्न करने के लिए गांव के किशोर बच्चे कीचड़ में लथपथ होकर गली-गली घूमकर लोगों से पानी मांगते थे।

प्रश्न2-इंद्रसेना के संबंध में लेखक का क्या दृष्टिकोण है?

उत्तर -इंद्रसेना का कार्य लेखक को अंधविश्वास लगता है उसका मानना है कि यदि इंद्रसेना देवता से पानी दिलवा सकती है तो वह अपने लिए पानी क्यों नहीं मांग लेती? पानी की कमी होने पर भी लोग घर में एकत्रित किए हुए पानी को इंद्रसेना पर फेंकते हैं। लेखक इसे पानी की निर्मम बर्बादी मानता है।

प्रश्न3-जीजी ने लेखक को किस प्रकार समझाया?

उत्तर-जीजी ने लेखक को निम्न तर्क देकर समझाया

पहला त्याग का महत्व कुछ पाने के लिए कुछ खोना पड़ता है ।

दूसरा दान की महत्ता ऋषि-मुनियों ने दान को सबसे ऊंचा स्थान दिया है।

तीसरा इंद्र देव को जल का अर्घ्य चढ़ाना इंद्रसेना पर पानी फेंकना पानी की बर्बादी नहीं बल्कि इंद्र देव को जल का अर्घ्य चढ़ाना है।

चौथा पानी की बुवाई करना जिस प्रकार किसान फसल उगाने के लिए जमीन पर बीज डालकर बुवाई करता है वैसे ही पानी वाले बादलों की फसल पाने के के लिए पहले पानी की बुवाई की जाती है।

महत्वपूर्ण प्रश्न-प्रत्येक (3अंक)

प्रश्न 1:लोगों ने लड़कों की टोली को मेढक – मंडली नाम किस आधार पर दिया ? यह टोली अपने आपको इंदर सेना कहकर क्यों बुलाटी थी ?

उत्तर –लोग जब इन लड़कों की टोली को कीचड़ में धंसा देखते, उनके नंगे शरीर को, उनके शोर शराबे को तथा उनके कारण गली में होने वाली कीचड़ या गंदगी को देखते हैं तो वे इन्हें मेढक-मंडली कहते हैं। लेकिन बच्चों की यह टोली अपने आपको इंदर सेना कहती थी क्योंकि ये इंदर देवता को बुलाने के लिए लोगों के घर से पानी माँगते थे और नहाते थे। प्रत्येक बच्चा अपने आपको इंद्र कहता था इसलिए यह इंदर सेना थी।

प्रश्न 2:जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया?

उत्तर –जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने के समर्थन में कई तर्क दिए जो निम्नलिखित हैं –

किसी से कुछ पाने के लिए पहले कुछ चढ़ावा देना पड़ता है। इंद्र को पानी का अर्घ्य चढ़ाने से ही वे वर्षा के जरिये पानी देंगे।

त्याग भावना से दिया गया दान ही फलीभूत होता है। जिस वस्तु की अधिक जरूरत है, उसके दान से ही फल मिलता है। पानी की भी यही स्थिति है।

जिस तरह किसान अपनी तरफ से पाँच-छह सेर अच्छे गेहूँ खेतों में बोता है ताकि उसे तीस-चालीस मन गेहूँ मिल सके, उसी तरह पानी की बुवाई से बादलों की अच्छी फसल होती है और खूब वर्षा होती है।

प्रश्न 3:'पानी दे ,गुड़धनी दे' मेघों से पानी के साथ – साथ गुड़धनी की माँग क्यों की जा रहा है ?

उत्तर –'गुड़धानी' शब्द का वैसे तो अर्थ होता है गुड़ और चने से बना लड्डू लेकिन यहाँ गुड़धानी से आशय 'अनाज' से है। बच्चे पानी की माँग तो करते ही हैं लेकिन वे इंदर से यह भी प्रार्थना करते हैं कि हमें खुब अनाज भी देना ताकि हम चैन । से खा पी सकें। केवल पानी देने से हमारा कल्याण नहीं होगा। खाने के लिए अन्न भी चाहिए। इसलिए हमें गुड़धानी भी दो।।

प्रश्न4-इंदर सेना सबसे पहले गा मैया की जय क्यों बोलती हैं? नदियों का भारतीय सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश में क्या महत्व हैं?

उत्तर –गंगा माता के समान पवित्र और कल्याण करने वाली है। इसलिए बच्चे सबसे पहले गंगा मैया की जय बोलते हैं। भारतीय संस्कृति में नदी को माँ' की तरह पूजने वाली बताया गया है। सभी नदियाँ हमारी माताएँ हैं। भारतीय सांस्कृतिक परिवेश में सभी नदियाँ पवित्रता और कल्याण की मूर्तियाँ हैं। ये हमारी जीवन की आधार हैं। इनके बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। भारतीय समाज गंगा और अन्य नदियों को धारित्री बताकर उनकी पूजा करता है ताकि इनकी कृपा बनी रहे।

पहलवान की ढोलक

फणीश्वरनाथ रेणु

पाठ का सारांश –आंचलिक कथाकार फ़णीश्वरनाथ रेणु की कहानी पहलवान की ढोलक में कहानी के मुख्य पात्र लुट्टन के माता-पिता का देहांत उसके बचपन में ही हो गया था | अनाथ लुट्टन को उसकी विधवा सास ने पाल-पोसकर बड़ा किया | उसकी सास को गाँव वाले सताते थे | लोगों से बदला लेने के लिए कुश्ती के दाँवपेंच सीखकर कसरत करके लुट्टन पहलवान बन गया |

एक बार लुट्टन श्यामनगर मेला देखने गया जहाँ ढोल की आवाज और कुश्ती के दाँवपेंच देखकर उसने जोश में आकर नामी पहलवान चाँदसिंह को चुनौती दे दी | ढोल की आवाज से प्रेरणा पाकर लुट्टन ने दाँव लगाकर चाँद सिंह को पटककर हरा दिया और राज पहलवान बन गया | उसकी ख्याति दूर-दूर तक फ़ैल गयी| १५ वर्षों तक पहलवान अजेय बना रहा| उसके दो पुत्र थे| लुट्टन ने दोनों बेटों को भी पहलवानी के गुर सिखाए| राजा की मृत्यु के बाद नए राजकुमार ने गद्दी संभाली। राजकुमार को घोड़ों की रेस का शौक था । मैनेजर ने नये राजा को भड़काया, पहलवान और उसके दोनों बेटों के भोजनखर्च को भयानक और फ़िजूलखर्च बताया, फ़लस्वरूप नए राजा ने कुश्ती को बंद करवा दिया और पहलवान लुट्टनसिंह को उसके दोनों बेटों के साथ महल से निकाल दिया।

राजदरबार से निकाल दिए जाने के बाद लुट्टन सिंह अपने दोनों बेटों के साथ गाँव में झोपड़ी बनाकर रहने लगा और गाँव के लड़कों को कुश्ती सिखाने लगा| लुट्टन का स्कूल ज्यादा दिन नहीं चला और जीविकोपार्जन के लिए उसके दोनों बेटों को मजदूरी करनी पड़ी| इसी दौरान गाँव में अकाल और महामारी के कारण प्रतिदिन लाशें उठने लगी| पहलवान महामारी से डरे हुए लोगों को ढोलक बजाकर बीमारी से लड़ने की संजीवनी ताकत देता था| एक दिन पहलवान के दोनों बेटे भी महामारी की चपेट में आकर मर गए पर उस रात भी पहलवान ढोलक बजाकर लोगों को हिम्मत बंधा रहा था | इस घटना के चार-पाँच दिन बाद पहलवान की भी मौत हो जाती है|

पहलवान की ढोलक, व्यवस्था के बदलने के साथ लोक कलाकार के अप्रासंगिक हो जाने की कहानी है। इस कहानी में लुट्टन नाम के पहलवान की हिम्मत और जिजीविषा का वर्णन किया गया है। भूख और महामारी, अजेय लुट्टन की पहलवानी को फ़टे ढोल में बदल देते हैं। इस करुण त्रासदी में पहलवान लुट्टन कई सवाल छोड़ जाता है कि कला का कोई स्वतंत्र अस्तित्व है या कला केवल व्यवस्था की मोहताज है?

महत्वपूर्ण गद्यांश -प्रत्येक (1अंक)

1.दोनों ही लड़के राज-दरबार के भावी पहलवान घोषित हो चुके थे। अत: दोनों का भरण-पोषण दरबार से ही हो रहा था। प्रतिदिन प्रात:काल पहलवान स्वयं ढोलक बजा-बजाकर दोनों से कसरत करवाता। दोपहर में, लेटे-लेटे दोनों को सांसारिक ज्ञान की भी शिक्षा देता-"समझे! ढोलक की आवाज पर पूरा ध्यान देना। हाँ, मेरा गुरु कोई पहलवान नहीं, यही ढोल है, समझे! ढोल की आवाज के प्रताप से ही मैं पहलवान हुआ। दंगल में उतरकर सबसे पहले ढोलों को प्रणाम करना, समझे!" ऐसी ही बहुत-सी बातें वह कहा करता। फिर मालिक को कैसे खुश रखा जाता है, कब कैसा व्यवहार करना चाहिए, आदि की शिक्षा वह नित्य दिया करता था।

1 पहलवान के बच्चे का भरण पोषण राज दरबार से क्यों होता था?

क). क्योंकि दोनों बेटे कसरत करते थे ।

ख)क्योंकि दोनों बेटे ढोलक बजाते थे ।

ग)क्योंकि दोनों बेटे की मां नहीं थी।

घ)क्योंकि दोनों बेटे भावी पहलवान घोषित हो चुके थे ।

2.पहलवान अपने पुत्रों को क्या शिक्षा दिया करता था ?

क).मैदान को प्रणाम करना

ख)गांव को प्रणाम करना

ग).ढोलक गुरु है उसे प्रणाम करना

घ).राजा को प्रणाम करना

3.आज गांव के अखाड़े समाप्त हो रहे हैं इसके क्या कारण हो सकते हैं ?

क)युवकों की रुचि क्रिकेट में बढ़ती जा रही है।

ख). कुश्ती के प्रति अभिरुचि घटती जा रही है।

ग) उपर्युक्त दोनों

घ). कोई नहीं

4.पहलवान की ढोलक के रचनाकार कौन हैं?

क). धर्मवीर भारती

ख)विष्णु खरे

ग)फणीश्वर नाथ रेनू

घ). रामवृक्ष बेनीपुरी

5. गांव में किस बीमारी का प्रकोप था?

क) टाइफाइड

ख)कोरोना

ग). प्लेग

घ) मलेरिया

उत्तर 1-घ) 2-ग) 3-ग) 4-ग) 5-घ)

2.जाड़े का दिन। अमावस्या की रात-ठंडी और काली। मलेरिया और हैजे से पीड़ित गाँव भयार्थ शिशु की तरह थर-थर काँप रहा था। पुरानी और उजड़ी बाँस-फूस की झोपड़ियों में अंधकार और सन्नाटे का सम्मिलित साम्राज्य! आँधेरा और निस्तब्धता !अँधेरी रात चुपचाप आँसू बहा रही थी। निस्तब्धता करुण सिसकियों और आहों को बलपूर्वक अपने हृदय में ही दबाने की चेष्टा कर रही थी। आकाश में तारे चमक रहे थे। पृथ्वी पर कहीं प्रकाश का नाम नहीं। आकाश से टूटकर यदि कोई भावुक तारा पृथ्वी पर जाना भी चाहता तो उसकी ज्योति और शक्ति रास्ते में ही शेष हो जाती थी। अन्य तारे उसकी भावुकता अथवा असफलता पर खिलखिलाकर हँस पड़ते थे।

1.उक्त गद्यांश के पाठ का नाम बताइए।

क)पहलवान की ढोलक

ख). काले मेघा पानी दे

ग)भक्तिन

घ) नमक

2. गांव में किस विभीषिका का भयंकर वर्णन किया है ?

क)मलेरिया और हैजे

ख)टाइफाइड

ग).बाढ़

घ).कोरोना

3.अंधेरी रात चुपचाप आंसू बहा रही थी।

पंक्तियों में निहित सौंदर्य बताइए ।

क)मुहावरा

ख)लोकोक्ति

ग)कहावत

घ)मानवीकरण

4. किसकी ज्योति और शक्ति का क्षीण हो जाती है ।

क)भावुक तारा

ख). पहलवान

ग).दोनों बेटे

घ)राजा

5.रात्रि के समय क्या सुनाई दे रहा था।

क) कुत्तों की रोने की आवाज

ख)सियार की आवाज

ग)सिसकियों की आवाज

घ)हंसने की आवाज

उत्तर 1-क) 2-क) 3-घ) 4-क) 5-ग)

3 रात्रि की विभीषिका को सिर्फ पहलवान की ढोलक ही ललकारकर चुनौती देती रहती थी। पहलवान संध्या से सुबह तक, चाहे जिस खयाल से ढोलक बजाता हो, किंतु गाँव के अद्र्धमृत, औषधि-उपचार-पथ्य-विहीन प्राणियों में वह संजीवनी शक्ति ही भरती थी। बूढ़े-बच्चे-जवानों की शक्तिहीन आँखों के आगे दंगल का दृश्य नाचने लगता था। स्पंदन-शक्तिशून्य स्नायुओं में भी बिजली दौड़ जाती थी। अवश्य ही ढोलक की आवाज में न तो बुखार हटाने का कोई गुण था और न महामारी की सर्वनाश शक्ति को रोकने की शक्ति ही, पर इसमें संदेह नहीं कि मरते हुए प्राणियों को आँख मूंदते समय कोई तकलीफ़ नहीं होती थी, मृत्यु से वे डरते नहीं थे।

1.रात्रि की विभीषिका को कौन चुनौती देता था ?

क)पहलवान

ख)पहलवान के बेटे

ग). राजा

घ)ढोलक

2. संजीवनी शक्ति भरने का कार्य कौन करती थी ?

क)औषधि

ख)जड़ी बूटी

ग)सांत्वना

घ).पहलवान की ढोलक

3. ढोलक का गांव के निवासियों पर क्या प्रभाव पड़ता था ?

क)वे बिना तकलीफ के प्राण त्याग देते थे।

ख)वे नाचते थे ।

ग)कुश्ती लड़ते थे ।

घ)वह मृत्यु को दूर भगाते थे।

4. पहलवान कब ढोलक बजाता था ।

क).संध्या से सुबह तक

ख)सुबह से संध्या तक

ग) संध्या से रात्रि तक

घ). सुबह से अपराहन तक

5. लूटन पहलवान ने किसे चित किया था?

क). चांद सिंह को

ख)सूरज सिंह

ग). गामा पहलवान

घ) कोई नही

उत्तर 1 - घ) 2- घ) 3-क) 4-क) 5-क)

महत्वपूर्ण प्रश्न-प्रत्येक (2अंक)

प्रश्न1.महामारी से ग्रस्त गांव की रात्रि की विभीषिका का वर्णन कीजिए ?

उत्तर-गांव में गरीबी थी मलेरिया और हैजे से लोग मौत के मुंह में जा रहे थे। रोज़ दो तीन लाशें उठती थी ।रात को सन्नाटा रहता था। जिसे सियारों और उल्लुओं की आवाजें और भी भयानक बना देती थी। बीमार लोगों के कराह ने

,उल्टी करने और बच्चों के कमजोर कंठ से निकली मां मां की करुण पुकार भी रात्रि की विभीषिका को कम नहीं करती थी।

प्रश्न-2. ढोलक की आवाज का पूरे गांव पर क्या असर होता था?

उत्तर- ढोलक की आवाज से रात की विभीषिका और सन्नाटा कम होता था ।महामारी से पीड़ित लोगों को नसों में बिजली सी दौड़ जाती थी। उनकी आंखों के सामने दंगल का दृश्य साकार हो जाता था और वे अपनी पीड़ा भूल खुशी-खुशी मौत को गले लगा दे लेते थे ।इस प्रकार ढोल की आवाज मृतप्राय गांव वालों की नसों में संजीवनी शक्ति को बीमारी भर से लड़ने की प्रेरणा देती थी।

प्रश्न3- लुट्टन ने अपना गुरु किसे माना और क्यों?

उत्तर-लुट्टन ने कुश्ती के दांव पेच किसी गुरु से नहीं बल्कि ढोल की आवाज से सीखे थे। ढोल से निकले हुए ध्वनियाँ उसे दावं पेंच सीखती हुई और आदेश देती हुई प्रतीत होती थी। जब ढोल पर थाप पढ़ती थी तो पहलवान की नसें उत्तेजित हो जाती थी। वह लड़ने के लिए मचलने लगता था।

प्रश्न 4-लुट्टन सिंह राज पहलवान कैसे बना?

उत्तर- श्याम नगर के राजा कुश्ती के शौकीन थे ।उन्होंने दंगल का आयोजन किया। पहलवान लूटन सिंह जी दंगल देखने पहुंचा ।चांद सिंह नामक पहलवान जो शेर के बच्चे के नाम से प्रसिद्ध था। कोई भी पहलवान उस से भिड़ने की हिम्मत नहीं करता था। चांद सिंह अखाड़े में अकेला गरज रहा था। लुट्टन सिंह ने चांद सिंह को चुनौती दे दी और चांद सिंह से भीड़ गया। ढोल की आवाज सुनकर लुट्टन के नस नस में जोश भर गया। उसने चांद सिंह को चारों खाने चित कर दिया।राजा साहब ने उनकी वीरता से प्रभावित होकर उसे राज पहलवान बना दिया।

प्रश्न5-लुट्टन को दरबार क्यों छोड़ना पड़ा?

उत्तर-राजा की मृत्यु के बाद उसके बेटे ने गद्दी संभाली। उसे घोड़ों की रेस का शौक था। मैनेजर ने नए राजा को भड़काया ।पहलवान और उसके दोनों बेटों के भोजन खर्च को भयानक और फिजूल खर्च बताया ।फल स्वरुप नए राजा ने कुश्ती को बंद करवा दिया और पहलवान लूटन सिंह को उसके दोनों बेटों के साथ महल से निकाल दिया।

महत्वपूर्ण प्रश्न -प्रत्येक (3अंक)

प्रश्न1-कहानी के किस-किस मोड़ पर लुट्टन के जीवन में क्या-क्या परिवतन आए?

उत्तर –कहानी में अनेक मोड़ ऐसे हैं जहाँ पर लुट्टन के जीवन में परिवर्तन आते हैं। वे निम्नलिखित हैं-

बचपन में नौ वर्ष की आयु में उसके माता-पिता की मृत्यु हो गई और उसका पालन-पोषण उसकी विधवा सास ने किया। सास पर हुए अत्याचारों को देखकर बदला लेने के लिए वह पहलवानी करने लगा।

किशोरावस्था में उसने श्यामनगर दंगल में चाँद सिंह नामक पहलवान को हराया तथा 'राज-पहलवान' का दर्जा हासिल किया। उसने 'काला खाँ' जैसे प्रसिद्ध पहलवानों को जमीन सुंघा दी तथा अजेय पहलवान बन गया।

वह पंद्रह वर्ष तक राज-दरबार में रहा। उसने अपने दोनों बेटों को भी पहलवानी सिखाई। राजा साहब के अचानक स्वर्गवास के बाद नए राजा ने उसे दरबार से हटा दिया। वह गाँव लौट आया।

गाँव आकर उसने गाँव के बाहर अपना अखाड़ा बनाया तथा ग्रामीण युवकों को कुश्ती सिखाने लगा।

अकस्मात सूखा व महामारी से गाँव में हाहाकार मच गया। उसके दोनों बेटे भी इस महामारी की चपेट में आ गए। वह उन्हें कंधे पर लादकर नदी में बहा आया।

पुत्रों की मृत्यु के बाद वह कुछ दिन अकेला रहा और अंत में चल बसा।

प्रश्न 2-गाँव में महामारी फैलने और अपने बेटों के देहांत के बावजूद लुट्टन पहलवान ढोल क्यों बजाता रहा?

उत्तर –गाँव में महामारी फैलने और अपने बेटों के देहांत के बावजूद लुट्टन पहलवान ढोल बजाता रहा। इसका कारण था-गाँव में निराशा का माहौल। महामारी व सूखे के कारण चारों तरफ मृत्यु का सन्नाटा था। घर-के-घर खाली हो गए थे। रात्रि की विभीषिका में चारों तरफ सन्नाटा होता था। ऐसे में उस विभीषिका को पहलवान की ढोलक ही चुनौती देती रहती थी। ढोल की आवाज से निराश लोगों के मन में उमंग जगती थी। उनमें जीवंतता भरती थी। वह लोगों को बताना चाहता था कि अंत तक जोश व उत्साह से लड़ते रहो।

प्रश्न3-महामारी फैलने के बाद गाँव में सूर्योदय और सूर्यास्त के दृश्य में क्या अंतर होता था?

उत्तर –सूर्योदय का दृश्य-महामारी फैलने की वजह गाँव में सूर्योदय होते ही लोग काँखते-कूंखते, कराहते अपने घरों से निकलकर अपने पड़ोसियों व आत्मीयों को ढाँडस देते थे। इस प्रकार उनके चेहरे पर चमक बनी रहती थी। वे बचे हुए लोगों को शोक न करने की बात कहते थे। सूर्यास्त का दृश्य-सूर्यास्त होते ही सभी लोग अपनी-अपनी झोपड़ियों में घुस जाते थे। उस समय वे चूँ तक नहीं करते थे। उनके बोलने की शक्ति भी जाती रहती थी। यहाँ तक कि माताओं में दम तोड़ते पुत्र को अंतिम बार 'बेटा!" कहकर पुकारने की हिम्मत भी नहीं होती थी। ऐसे समय में पहलवान की ढोलक की आवाज रात्रि की विभीषिका को चुनौती देती रहती थी।

नमक

(रज़िया सज्जाद ज़हीर)

पाठ का सारांश-सफिया एक दिन कीर्तन में गयी तो वहां पर उसने एक सिख बीबी को देखा। उन सिख बीबी को देखकर साफिया हैरान रह गई थी, किस कदर वह उसकी माँ से मिलती थी। जब साफिया ने कई बार उनकी तरफ मुहब्बत से देखा तो उन्होंने भी उसके बारे में घर की बहू से पूछा। उन्हें बताया गया कि ये मुसलमान हैं। कल ही सुबह लाहौर जा रही हैं।

लाहौर का नाम सुनकर वे उठकर साफिया के पास आ बैठीं और उसे बताने लगीं कि उनका लाहौर कितना प्यारा शहर है। बाद में कहा कि वहां से ''अगर ला सको तो थोड़ा सा लाहौरी नमक लाना।''

इस तरह हम देखते हैं कि यह भारत और पाकिस्तान के विभाजन की अत्यंत मार्मिक कहानी है। इसमें सरहद के इस पार और उस पार के लोगों के दर्द और भावनाओं का इज़हार हुआ है। पाकिस्तान से विस्थापित होकर आने वाली सिक्ख बीबी आज भी लाहौर को ही अपना वतन मानती है। वह उपहार के रूप में वहां के नमक की फ़रमाईश करती है।

पाकिस्तानी कस्टम अधिकारी, गैरकानूनी होते हुए भी, नमक ले जाने की इज़ाजत देते समय देहली को अपना वतन बताता है।

इसी प्रकार भारतीय कस्टम अधिकारी सुनील दासगुप्त कहता है कि ‘‘मेरा वतन ढाका है। राष्ट्र-राज्यों की नयी सीमा रेखाएं खींची जा चुकी हैं और मजहबी आधार पर लोग इन रेखाओं के इधर-उधर अपनी अपनी जगहें मुकर्रर कर चुके हैं, इसके बावजूद ज़मीन पर खींची गयी रेखाएं अंतर्मन तक नहीं पहुंच पायीं हैं।’’

लाहौर के कस्टम अधिकारी का यह कथन भी गौरतलब है कि ‘‘उनको यह नमक देते वक़्त मेरी तरफ से कहियेगा कि लाहौर अभी तक उनका वतन है और देहली मेरा, तो बाकी सब रफ़्ता-रफ़्ता ठीक हो जायेगा।’’

इस तरह यह कहानी भौगोलिक रूप से दो भागों में बंट गये देश के लागों की भावनात्मक एकता की मार्मिक कहानी है।

महत्वपूर्ण गद्यांश (प्रत्येक1अंक)

1.उन्होंने पुड़िया को धीरे से अपनी तरफ सरकाना शुरू किया। जब सफ़िया की बात खत्म हो गई तब उन्होंने पुड़िया को दोनों हाथों में उठाया, अच्छी तरह लपेटा और खुद सफ़िया के बैग में रख दिया। बैग सफ़िया को देते हुए बोले,’’मुहब्बत तो कस्टम से इस तरह गुजर जाती है कि कानून हैरान रह जाता है।’’

वह चलने लगी तो वे भी खड़े हो गए और कहने लगे, ‘जामा मस्जिद की सीढ़ियों को मेरा सलाम कहिएगा और उन खातून को यह नमक देते वक्त मेरी तरफ से कहिएगा कि लाहौर अभी तक उनका वतन है और देहली मेरा, तो बाकी सब रफ़्ता-रफ़्ता ठीक हो जाएगा।’

1.सफिया द्वारा नमक के विषय में सब कुछ बताने के बाद कस्टमअधिकारी ने क्या किया?

क)उसे जेल में डाल दिया

ख) .नमक की पुड़िया को फेंक दिया

ग).नमक की पुड़िया को सफिया के हाथों मे दिया

घ)नमक की पुड़िया को अपने हाथों से सफिया के बैग में डाल दिया ।

2.मोहब्बत तो कसम से इस तरह गुजर जाती है कि कानून हैरान रह जाता है ?किसने कहा ।

क)सफिया ने कहा

ख).कस्टम अधिकारी ने कहा

ग).भाइयों ने कहा

घ) रिश्तेदारों ने कहा

3.लाहौर अभी तक उनका वतन है और देहली मेरा ,तो बाकी सब रफ्ता रफ्ता ठीक हो जाएगा। पंक्ति द्वारा कस्टम अधिकारी किस भावना को प्रदर्शित करना चाहता है।

क). प्रेम भावना

ख)व्यक्तिगत भावना

ग) जातीय प्रेम

घ)स्वार्थ भावना

4. पुड़िया में ऐसा क्या था जो कहानी बन गई।

क) लाहोरी नमक

ख).आयोडिन नमक

ग)सेंधा नमक

घ)कोई नहीं

5.सफिया कहां और किस के पास आई थी।

क). ढाका अपनों के पास

ख)दिल्ली रिश्तेदारों के पास

ग). अमृतसर भाभियों के पास

घ) लाहौर भाइयों के पास

उत्तर 1-घ) 2-ख) 3-क) 4-क) 5-घ)

2.प्लेटफ़ार्म पर उसके बहुत-से दोस्त, भाई, रिश्तेदार थे, हसरत भरी नजरों, बहते हुए आँसुओं, ठंडी साँसों और भिचे हुए होठों को बीच में से काटती हुई रेल सरहद की तरफ बढ़ी। अटारी में पाकिस्तानी पुलिस उतरी, हिंदुस्तानी पुलिस सवार हुई। कुछ समझ में नहीं आता था कि कहाँ से लाहौर खत्म हुआ और किस जगह से अमृतसर शुरू हो गया। एक जमीन थी, एक जबान थी, एक-सी सूरतें और लिबास, एक-सा लबी-लहजा, और अंदाज थे, गालियाँ भी एक ही सी थीं जिनसे दोनों बड़े प्यार से एक-दूसरे को नवाज रहे थे। बस मुश्किल सिर्फ़ इतनी थी कि भरी हुई बन्दूकें दोनों के हाथों में थीं।

1 .क्यों पता नहीं लगा कि कहां लाहौर खत्म हुआ है और कहां अमृत से शुरू हुआ है?

क) भाषा चेहरे पहनावे बातचीत गालियां एक जैसी थी।

ख) भाषा पहनावे एक जैसे थे।

ग) भाषा चेहरे पहनावे एक जैसे थे ।

घ)लिबास और लबोलहजा एक जैसा था ।

2 .प्लेटफार्म पर खड़े लोगों की दशा कैसी थी? और क्यों थी?

क)ईर्ष्या भरी आंखें थी।

ख) गर्व से युक्त आंखें थी।

ग).हसरत भरी नजर थी।

घ) हसरत भरी और वेदना भरी आंखों थी।

3.किन कारणों से भरी हुई बंदूक दोनों के हाथों में थी?

क) धार्मिक कारण

ख)आर्थिक कारण

ग)सामाजिक कारण

घ). राजनीतिक कारण

4.नमक कहानी के पात्र क्या दर्शाते हैं ?

क)विभाजन से खुश नहीं थे ।

ख).विभाजन से खुश थे।

ग) अपने वतन में खुश थे ।

घ)परदेश में खुश थे।

5. नमक कहानी की लेखिका का नाम बताइए।

क).रज़िया सज्जाद जहीर

ख) रजिया सुल्तान

ग). रजिया खान

घ) रजिया खान बेगम

उत्तर 1-क) , 2-घ) 3-घ), 4-क) 5-क)

3. उन सिख बीवी को देखकर सफ़िया हैरान रह गई थी, किस कदर वह उसकी माँ से मिलती थी। वही भारी भरकम जिस्म, छोटी-छोटी चमकदार आँखें, जिनमें नेकी, मुहब्बत और रहमदिली की रोशनी जगमगाया करती थी। चेहरा जैसे कोई खुली हुई किताब। वैसा ही सफेद बारीक मलमल का दुपट्टा जैसा उसकी अम्मा मुहर्रम में ओढ़ा करती थी। जब सफ़िया ने कई बार उनकी तरफ मुहब्बत से देखा तो उन्होंने भी उसके बारे में घर की बहू से पूछा। उन्हें बताया गया कि ये मुसलमान हैं। कल ही सुबह लाहौर जा रही हैं अपने भाइयों से मिलने, जिन्हें इन्होंने कई साल से नहीं देखा। लाहौर का नाम सुनकर वे उठकर सफ़िया के पास आ बैठीं और उसे बताने लगीं कि उनका लाहौर कितना प्यारा शहर है। वहाँ के लोग कैसे खूबसूरत होते हैं, उम्दा खाने और नफीस कपड़ों के शौकीन, सैर-सपाटे के रसिया, जिंदादिली की तसवीर।

1.सफिया सिख बीवी को देखकर हैरान क्यों हो जाती है?

क)बहन की हमशक्ल थी ।

ख)मां की हमशक्ल थी ।

ग) भाभी की हमशक्ल थी।

घ) सफिया की हमशक्ल थी।

2. घर की बहू ने सफिया के बारे में क्या बताया ?

क).मुसलमान हैं

ख) हिंदू है

ग)सिख है

घ). सिंधी है

3. उम्दा का अर्थ क्या है ?

क).श्रेष्ठ

ख)अच्छा

ग) सामान्य

घ)असामान्य

4.सिख बेबी ने सफिया के पास आकर क्या-क्या कहा?

क)लाहौर की विशेषताएं बताई

ख)अमृतसर की विशेषता बताई

ग). दिल्ली के विशेषता बताई

घ)ढाका के विशेषता बताई

5.सफिया किससे मिलने लाहौर जा रही थी?

क) मां जी

ख). पिताजी

ग)भाइयों

घ)बहनों

उत्तर-1-ख) 2-क) 3-क) ,4-क) 5-ग)

महत्वपूर्ण प्रश्न (प्रत्येक 2 अंक)

प्रश्न 1.सफ़िया को अटारी में समझ ही नहीं आया कि कहाँ लाहौर खत्म हुआ और किस जगह अमृतसर शुरू हो गया, एसा क्यों?

उत्तर-अमृतसर व लाहौर दोनों की सीमाएँ साथ लगती हैं। दोनों की भौगोलिक संरचना एक जैसी है। दोनों तरफ के लोगों की भाषा एक है। एक जैसी शक्लें हैं तथा उनका पहनावा भी एक जैसा है। वे एक ही लहजे से बोलते हैं तथा उनकी गालियाँ भी एक जैसी ही हैं। इस कारण सफ़िया को अटारी में समझ ही नहीं आया कि कहाँ लाहौर खत्म हुआ और किस जगह अमृतसर शुरू हो गया।

प्रश्न 2.नमक' कहानी में क्या सन्देश छिपा हुआ है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर-'नमक' कहानी में छिपा संदेश यह है कि मानचित्र पर एक लकीर मात्र खींच देने से वहाँ रहने वाले लोगों के दिल नहीं बँट जाते। जमीन बँटने से लोगों के आवागमन पर प्रतिबंध और पाबंदियाँ लग जाती हैं परंतु लोगों का

लगाव अपने मूल स्थान से बना रहता है। पाकिस्तानी कस्टम अधिकारी द्वारा दिल्ली को तथा भारतीय कस्टम अधिकारी द्वारा ढाका को अपना वतन मानना इसका प्रमाण है।

प्रश्न3.नमक' कहानी में 'नमक' किस बात का प्रतीक है? इस कहानी में 'वतन' शब्द का भाव किस प्रकार दोनों तरफ के लोगों को भावुक करता है?

उत्तर-'नमक' कहानी में 'नमक' भारत और पाकिस्तान के विभाजन के बाद इन अलग-अलग देशों में रह रहे लोगों के परस्पर प्यार का प्रतीक है जो विस्थापित और पुनर्वासित होकर भी एक-दूसरे के दिलों से जुड़े हैं। इस कहानी में 'वतन' शब्द का भाव एक-दूसरे को याद करके अतीत की मधुर यादों में खो देने का भाव उत्पन्न करके दोनों तरफ के लोगों को भावुक कर देता है। दोनों देशों के राजनीतिक संबंध अच्छे-बुरे जैसे भी हों, इससे उनका कुछ लेना-देना नहीं होता।

प्रश्न 4. सफिया के मन में क्या द्वंद था?

उत्तर-सफिया सिख महिला के लिए पाकिस्तान से नमक ले जाना चाहती थी परंतु कस्टम के नियमों के अनुसार यह वर्जित था । सफिया का द्वंद यह था कि वह छिपकर नमक ले जाए या कस्टम अधिकारियों को बता कर।

महत्वपूर्ण प्रश्न (प्रत्येक 3 अंक)

प्रश्न 1.सफ़िया के भाई ने नमक की पुड़िया ले जाने से क्यों मना कर दिया?

उत्तर-सफ़िया का भाई एक बहुत बड़ा पुलिस अफ़सर था। वह कानून-कायदों से भली-भाँति परिचित था। वह जानता था कि लाहौरी नमक ले जाना सर्वथा गैरकानूनी है। यदि कोई व्यक्ति दूसरे देश में इसे ले जाए तो यह कानून के खिलाफ किया हुआ कार्य बन जाता है। इसलिए उसने अपनी सफ़िया को नमक की पुड़िया ले जाने से मना कर दिया। वह नहीं चाहता था कि उसकी बहन कस्टम कार्यों की जाँच में पकड़ी जाए।

प्रश्न2.लाहाँर अभी तक उनका वतन है और देहली सिर या येस वतन ढाका हे जैसे उदगार किम सामाजिक यथार्थ का संकेत करते हैं?

उत्तर-ये कथन उस सामाजिक यथार्थ का संकेत करते हैं कि राजनीतिक तौर पर लोग भले ही विस्थापित हो जाते हों, परंतु भावनात्मक लगाव मातृभूमि से ही रहता है। राजनीतिक बँटवारे लोगों के दिलों को बाँट नहीं पाते। वे लोगों को अलग रहने पर मजबूर कर सकते हैं, परंतु उनका प्रेम अंतिम समय तक मातृभूमि से रहता ही है।

प्रश्न3.मानचित्र पर एक लकीर खींच देने भर से ज़मीन और जानता बँट नहीं जाती हैं। " -उक्ति तर्कों व उदाहरणों के जरिये इसकी पुष्टि करें।

उत्तर-मानचित्र पर एक लकीर खींच देने भर से जमीन और जनता बँट नहीं जाती है।-लेखिका का यह कथन पूर्णतया सत्य है। राजनीतिक कारणों से मानचित्र पर लकीर खींचकर देश को दो भागों में बँट दिया जाता है। इससे जमीन व जनता को अलग-अलग देश का लेवल मिल जाता है, परंतु यह कार्य जनता की भावनाओं को नहीं बाँट पाता। उनका मन अंत तक अपनी जन्मभूमि से जुड़ा रहता है। पुरानी यादें उन्हें हर समय घेरे रहती हैं। जैसे ही उन्हें मौका मिलता है, वे प्रत्यक्ष तौर पर उभरकर सामने आ जाती हैं। 'नमक' कहानी में भी सिख बीवी लाहौर को भुला

नहीं पातीं और 'नमक' जैसी साधारण चीज वहाँ से लाने की बात कहती हैं। कस्टम अधिकारी नौकरी अलग देश में कर रहे हैं, परंतु अपना वतन जन्म-प्रदेश को ही मानते हैं। सभी का अपनी जन्म-स्थली के प्रति लगाव है।

प्रश्न4.नमक '' कहानी में भारत व पाक की जनता के आरोपित भेदभावों के बीच मुहब्बत का नमकीन स्वाद घुला हुआ हैं, कैसे?

उत्तर-दोनों देशों को यद्यपि भूगोल ने विभाजित कर दिया है लेकिन लोगों में वही मुहब्बत अब भी समाई हुई है। यद्यपि यह आरोप लगाया जाता है कि इन देशों के बीच नफ़रत है लेकिन ऐसा नहीं है। इन दोनों के बीच रिश्ते मधुर और पवित्र हैं। इनमें मुहब्बत ही वह डोर है जो एक-दूसरे को बाँधे हुए है। मुहब्बत का नमकीन स्वाद इनके रिश्तों में घुला हुआ है। सिख बीबी, बंगाली अधिकारी और सफ़िया के माध्यम से कहानीकार ने इसी बात को सिद्ध किया है।

श्रम विभाजन और जातिप्रथा

(बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर)

सारांश – इस पाठ में लेखक ने जातिवाद के आधार पर किए जाने वाले भेदभाव को सभ्य समाज के लिए हानिकारक बताया है | जाति आधारित श्रम विभाजन को अस्वाभाविक और मानवता विरोधी बताया गया है। यह सामाजिक भेदभाव को बढ़ाता है। जातिप्रथा आधारित श्रम विभाजन में व्यक्ति की रुचि को महत्त्व नहीं दिया जाता फलस्वरूप विवशता के साथ अपनाए गए पेशे में कार्य-कुशलता नहीं आ पाती | लापरवाही से किए गए कार्य में गुणवत्ता नहीं आ पाती और आर्थिक विकास बुरी तरह प्रभावित होता है| आदर्श समाज की नींव समता, स्वतंत्रता और बंधुत्व पर टिकी होती है। समाज के सभी सदस्यों से अधिकतम उपयोगिता प्राप्त करने के लिए सबको अपनी क्षमता को विकसित करने तथा रुचि के अनुरूप व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता होनी चाहिए| राजनीतिज्ञ को अपने व्यवहार में एक व्यवहार्य सिद्धांत की आवश्यकता रहती है और यह व्यवहार्य सिद्धांत यही होता है कि सब मनुष्यों के साथ सामान्य व्यवहार किया जाए।

महत्वपूर्ण गद्यांश -(प्रत्येक 1 अंक)

1.मेरा आदर्श समाज स्वतंत्रता, समता, भ्रातृता पर आधारित होगा? क्या यह ठीक नहीं है, भ्रातृता अर्थात भाईचारे में किसी को क्या आपत्ति हो सकती है? किसी भी आदर्श समाज में इतनी गतिशीलता होनी चाहिए जिससे कोई भी वांछित परिवर्तन समाज के एक छोर से दूसरे तक संचारित हो सके। ऐसे समाज के बहुविधि हितों में सबका भाग होना चाहिए तथा सबको उनकी रक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए। सामाजिक जीवन में अबाध संपर्क के अनेक साधन व अवसर उपलब्ध रहने चाहिए। तात्पर्य यह कि दूध-पानी के मिश्रण की तरह भाईचारे का यही वास्तविक रूप है, और इसी का दूसरा नाम लोकतंत्र है। क्योंकि लोकतंत्र केवल शासन की एक पद्धति ही नहीं है। लोकतंत्र मूलतः सामूहिक जीवन चर्या की एक रीति तथा समाज के सम्मिलित अनुभवों के आदान-प्रदान का नाम है। इनमें यह आवश्यक है कि अपने साथियों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव।

1.एक आदर्श समाज के लिए क्या अपेक्षित है?

क).गतिशीलता

ख).स्थिरता

ग) परिवर्तनशील

घ).मंथरता

2 लेखक का लोकतंत्र से क्या आशय है?

क) दूध और पानी के मिश्रण की तरह भाईचारा ।

ख).दूर और दूध के मिश्रण की तरह भाईचारा ।

ग)पानी और पानी के मिश्रण की तरह भाईचारा

घ).कोई नहीं

3. दूध और पानी का मिश्रण का अर्थ बताइए ?

क)जाति प्रथा में निम्न जातियों का अपमान ।

ख).जाति प्रथा में उच्च जातियों का सम्मान।

ग).जाति प्रथा में उच्च नीच का होना।

घ). जाति प्रथा में ऊंच-नीच का भेद ना रहना ।

4.आदर्श समाज की क्या विशेषता है?

क) स्वतंत्रता

ख) समता

ग) भ्रातृता

घ). उपर्युक्त सभी

5.पाठ के लेखक का नाम बताइए।

क) भीमराव अंबेडकर

ख).रामवृक्ष बेनीपुरी

ग).महात्मा गांधी

घ).हरिवंशराय बच्चन

उत्तर 1-क) 2-क) 3-घ) 4-घ) 5-क)

2.समता का औचित्य यहीं पर समाप्त नहीं होता। इसका और भी आधार उपलब्ध है। एक राजनीतिक पुरुष का बहुत बड़ी जनसंख्या से पाला पड़ता है। अपनी जनता से व्यवहार करते समय राजनीतिक की के पास ना तो इतना समय होता है ना प्रत्येक के विषय में इतनी जानकारी ही होती है ।जिससे वह सबकी अलग-अलग आवश्यकताओं तथा क्षमताओं के आधार पर वांछित व्यवहार अलग-अलग कर सके वैसे भी आवश्यकता और क्षमता के आधार पर भिन्न व्यवहार कितना भी आवश्यक तथा औचित्य पूर्ण क्यों ना हो ,मानवता के दृष्टिकोण से समाज दो वर्गो व श्रेणियों में नहीं बांटा जा सकता। ऐसी स्थिति में राजनीतिज्ञ को अपने व्यवहार में एक व्यावहारिक सिद्धांत की

आवश्यकता रहती है और यह व्यवहार्य सिद्धांत यही होता है कि सब मनुष्यों के साथ समान व्यवहार किया जाए। राजनीतिज्ञ व्यवहार इसलिए नहीं करता कि सब लोग समान होते बल्कि इसलिए कि वर्गीकरण एवं श्रेणी करन संभव होता। इस प्रकार समता यद्यपि काल्पनिक जगत की वस्तु है फिर भी राजनीतिज्ञ को सभी परिस्थितियों को दृष्टि में रखते हुए ,उसके लिए यही मार्ग सही भी रहता है, क्योंकि यही व्यवहारिक भी है और यही उसके व्यवहार की एकमात्र कसौटी है।

1 समता का औचित्य क्या है ?

क)मानव मात्र के प्रति समान व्यवहार

ख) पशु पक्षियों के प्रति समान व्यवहार

ग). स्वर्ण जाति के प्रति समान व्यवहार

घ) ऊंची जाति के प्रति समान व्यवहार

2.किस वर्ग के लिए समता श्रेष्ठ है।

क). राजनीतिज्ञों के लिए

ख) व्यवसायी के लिए

ग)कृषक के लिए

घ) कोई नहीं

3.समाज को दो वर्गों में किस दृष्टिकोण से नहीं बांटा जा सकता है?

क) मानवता

ख) शालीनता

ग) संपन्नता

घ)सजगता

4. राजनीतिक सभी मनुष्यों के साथ समान व्यवहार क्यों करता है ?

क)वर्गीकरण संभव नहीं

ख) श्रेणी कारण संभव नहीं

ग).उपर्युक्त दोनों

घ).कोई नहीं

5. समता किस जगह की वस्तु है ?

क).काल्पनिक

ख). आधुनिक

ग). सामाजिक

घ)धार्मिक

उत्तर. 1-क) 2-क) 3-क) 4-ग) 5-क)

3 .यह विडंबना की ही बात है कि इस युग में भी 'जातिवाद' के पोषकों की कमी नहीं है। इसके पोषक कई आधारों पर इसका समर्थन करते हैं। समर्थन का एक आधार यह कहा जाता है कि आधुनिक सभ्य समाज 'कार्य-कुशलता' के लिए श्रम-विभाजन को आवश्यक मानता है, और चूँकि जाति-प्रथा भी श्रम-विभाजन का ही दूसरा रूप है इसलिए इसमें कोई बुराई नहीं है। इस तर्क के संबंध में पहली बात तो यही आपत्तिजनक है कि जाति-प्रथा श्रम-विभाजन के साथ-साथ श्रमिक-विभाजन का भी रूप लिए हुए है।

श्रम-विभाजन निश्चय ही सभ्य समाज की आवश्यकता है, परंतु किसी भी सभ्य समाज में श्रम-विभाजन की व्यवस्था श्रमिकों का विभिन्न वर्गों में अस्वाभाविक विभाजन नहीं करती। भारत की जाति-प्रथा की एक और विशेषता यह है कि यह श्रमिकों का अस्वाभाविक विभाजन ही नहीं करती बल्कि विभाजित विभिन्न वर्गों को एक-दूसरे की अपेक्षा ऊँच-नीच भी करार देती है, जो कि विश्व के किसी भी समाज में नहीं पाया जाता।

1.लेखक ने किस विडंबना की चर्चा की है?

क). जातिवाद के पोषक हैं

ख) जातिवाद के विरोधी हैं

ग) जातिवाद के खिलाफ हैं

घ) कोई नहीं

2.भारत के जाति प्रथा की क्या विशेषता है ?

क)उच्च नीच की भावना पैदा करती है।

ख) श्रमिकों का स्वभाविक विभाजन करती है।

ग) उपर्युक्त दोनों

घ) कोई नहीं

3.जातिवाद के समर्थन के तर्क में क्या आपत्तिजनक है?

क)जातिवाद बढ़ता है

ख). श्रम विभाजन के साथ श्रमिक विभाजन भी होता है

ग).श्रम विभाजन होता है

घ)सिर्फ श्रमिक विभाजन होता है

4.विश्व के किसी भी समाज में क्या नहीं पाया जाता ।

क).जाति प्रथा

ख) जाति प्रथा के आधार पर.श्रम विभाजन

ग).श्रमिक विभाजन

घ).उपर्युक्त सभी

5.सभ्य समाज की क्या विशेषता है ?

क).श्रमिकों का विभिन्न वर्गों में अस्वाभाविक विभाजन नहीं करती ।

ख)श्रमिकों का विभाजन नही करती है

ग).श्रम का विभाजन नही करती है

घ)जातिवाद के आधार पर विभाजन नहीं होता है

उत्तर 1-क) 2-ग) 3-ख) 4-घ) 5-क)

महत्वपूर्ण प्रश्न- (प्रत्येक 2अंक)

प्रश्न 1:आबेडकर की कल्पना का समाज कैसा होगा?

उत्तर –अंबेडकर का आदर्श समाज स्वतंत्रता, समता व भाईचारे पर आधारित होगा। सभी को विकास के समान अवसर मिलेंगे तथा जातिगत भेदभाव का नामोनिशान नहीं होगा। समाज में कार्य करने वाले को सम्मान मिलेगा।

प्रश्न 2:मनुष्य की क्षमता किन बातों पर निर्भर होती है ?

उत्तर –मनुष्य की क्षमता निम्नलिखित बातों पर निर्भर होती है –

*जाति-प्रथा का श्रम-विभाजन अस्वाभाविक है।

*शारीरिक वंश-परंपरा के आधार पर।

*सामाजिक उत्तराधिकार अर्थात सामाजिक परंपरा के *रूप में माता-पिता की प्रतिष्ठा, शिक्षा, ज्ञानार्जन आदि उपलब्धियों के लाभ पर।

*मनुष्य के अपने प्रयत्न पर।

प्रश्न 3:लेखक ने जाति-प्रथा की किन-किन बुराइयों का वर्णन किया हैं?

उत्तर –लेखक ने जाति-प्रथा की निम्नलिखित बुराइयों का वर्णन किया है –

*यह श्रमिक-विभाजन भी करती है।

*यह श्रमिकों में ऊँच-नीच का स्तर तय करती है।

*यह जन्म के आधार पर पेशा तय करती है।

*यह मनुष्य को सदैव एक व्यवसाय में बाँध देती है भले ही वह पेशा अनुपयुक्त व अपर्याप्त हो।

*यह संकट के समय पेशा बदलने की अनुमति नहीं देती, चाहे व्यक्ति भूखा मर जाए।

*जाति-प्रथा के कारण थोपे गए व्यवसाय में व्यक्ति रुचि नहीं लेता।

प्रश्न 4:लेखक की दृष्टि में लोकतंत्र क्या है ?

उत्तर –लेखक की दृष्टि में लोकतंत्र केवल शासन की एक पद्धति नहीं है। वस्तुत: यह सामूहिक जीवनचर्या की एक रीति और समाज के सम्मिलित अनुभवों के आदान-प्रदान का नाम है। इसमें यह आवश्यक है कि अपने साथियों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव हो।

प्रश्न 5:आर्थिक विकास के लिए जाति-प्रथा कैसे बाधक है?

उत्तर –भारत में जाति-प्रथा के कारण व्यक्ति को जन्म के आधार पर मिला पेशा ही अपनाना पड़ता है। उसे विकास के समान अवसर नहीं मिलते। जबरदस्ती थोपे गए पेशे में उनकी अरुचि हो जाती है और वे काम को टालने या कामचोरी करने लगते हैं। वे एकाग्रता से कार्य नहीं करते। इस प्रवृत्ति से आर्थिक हानि होती है और उद्योगों का विकास नहीं होता।

प्रश्न 6:डॉ० अबेडकर 'समता' को कैसी वस्तु मानते हैं तथा क्यों?

उत्तर –डॉ० आंबेडकर 'समता' को कल्पना की वस्तु मानते हैं। उनका मानना है कि हर व्यक्ति समान नहीं होता। वह जन्म से ही । सामाजिक स्तर के हिसाब से तथा अपने प्रयत्नों के कारण भिन्न और असमान होता है। पूर्ण समता एक काल्पनिक स्थिति है, परंतु हर व्यक्ति को अपनी क्षमता को विकसित करने के लिए समान अवसर मिलने चाहिए।

महत्वपूर्ण प्रश्न(प्रत्येक 3अंक)

प्रश्न1जाति – प्रथा को श्रम – विभाजन का ही एक रूप न मानने के पीछे आंबेडकर के क्या तर्क हैं ?

अथवा

जाति-प्रथा को श्रम-विभाजन का आधार क्यों नहीं माना जा सकता? पाठ से उदाहरण देकर समझाइए।

उत्तर –जातिप्रथा को श्रम विभाजन का ही एक रूप न मानने के पीछे आंबेडकर के निम्नलिखित तर्क हैं –

*जाति प्रथा श्रम विभाजन के साथ-साथ श्रमिक विभाजन भी कराती है। सभ्य समाज में श्रमिकों का विभिन्न वर्गों में विभाजन अस्वाभाविक है।

*जाति प्रथा में श्रम विभाजन मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं है। इसमें मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा निजी क्षमता का विचार किए बिना किसी दूसरे के द्वारा उसके लिए पेशा निर्धारित कर दिया जाता है। यह जन्म पर आधारित होता है।

*भारत में जाति प्रथा मनुष्य को जीवन भर के लिए एक पेशे में बाँध देती है, भले ही वह पेशा उसके लिए अनुपयुक्त या अपर्याप्त क्यों न हो। इससे उसके भूखों मरने की नौबत आ जाती है।

प्रश्न 2लेखक के मत से 'दासता' की व्यापक परिभाषा क्या हैं? समझाइए।

उत्तर –लेखक के अनुसार, दासता केवल कानूनी पराधीनता को ही नहीं कहा जा सकता। 'दासता' में वह स्थिति भी सम्मिलित है। जिससे कुछ व्यक्तियों को दूसरे लोगों के द्वारा निर्धारित व्यवहार एवं कर्तव्यों का पालन करने के लिए विवश होना पड़ता है। यह स्थिति कानूनी पराधीनता न होने पर भी पाई जा सकती है।

वितान भाग -2

सिल्वर वैडिंग (मनोहर श्याम जोशी)

सारांश- इस कहानी की मूल संवेदना है 'पीढ़ी का अंतराल'।

पुरानी पीढ़ी को अपनी जीवन शैली का मोह है। उन्हें पारिवारिकता, सामाजिकता, होली, रामलीला, रिश्तेदारी निभाना सब अच्छा लगता है। उन्हें सादगी पसंद है।नई पीढ़ी अकेले उन्नति करना चाहती है।उसे पुरानी

बातें दकियानूसी प्रतीत होती हैं।पीढ़ी के अंतराल की समस्या पर आधारित इस पाठ में कथानायक यशोधर बाबू व उनके आदर्श किशनदा जहाँ पुरानी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं, वहीं यशोधर बाबू के बच्चे आधुनिक पीढ़ी का। बालसुलभ आकांक्षा व बच्चों के प्रति सहज मातृत्व भाव के कारण यशोधर बाबू की पत्नी भी बच्चों का साथ देती है।

इस पाठ में आधुनिकता की ओर बढ़ते हमारे समाज की एक ओर कई नई उपलब्धियों को समेटा गया है तो दूसरी ओर मनुष्य को मनुष्य बनाए रखने वाले मूल्यों के अवमूल्यन की बात भी उभरकर सामने आयी है। 'जो हुआ होगा' और 'समहाउ इमप्रॉपर' के दो जुमले इस कहानी के बीज वाक्य हैं| 'जो हुआ होगा' में यथास्थितिवाद यानी ज्यों का त्यों स्वीकार लेने का भाव है तो समहाउ इमप्रॉपर में अनिर्णय की स्थिति को व्यक्त किया गया है। यह दोनों ही भाव इस कहानी के मुख्य चरित्र यशोधर बाबू के अंतर्मन के द्वंद्व हैं। यह दोनों ही स्थितियां हालात को ज्यों का त्यों स्वीकार कर बदलाव को असंभव बना देने की ओर ले जाती हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि यशोधर बाबू इन स्थितियों का जिम्मेदार किसी व्यक्ति को नहीं ठहराते। वह अनिर्णय की स्थिति में हैं। यशोधर बाबू जहाँ बच्चों की तरक्की से खुश होते हैं |वही 'समहाउ इमप्रॉपर' यह भी अनुभव करते हैं कि वह खुशहाली भी कैसी जो अपनों में परायापन पैदा कर दे। यशोधर बाबू के आदर्श किशन दा (कृष्णानंद पाण्डेय) के आदर्श व व्यक्तित्व उनमें समाया हुआ है।

बहुविकल्पीय प्रश्न -

1 : यशोधर पन्त काम के प्रति कैसे व्यक्ति थे ?

क). ईमानदार

ख). मिलनसार

ग). झगड़ालू

घ).(क) और (ख) दोनों

2 : दफ्तर की घड़ी में कितने समय होने पर यशोधर जी कर्मचारियों की सुस्ती पर कटाक्ष करते हैं ?

क). पाँच बजकर पच्चीस मिनट पर

ख). चार बजने पर

ग). पाँच बजने पर

घ). चार बजकर तीस मिनट पर

3 : 'आप लोगों की देखादेखी सेक्शन की घड़ी भी सुस्त हो गई।' ये शब्द किसके द्वारा कहा गया ?

क). भूषण द्वारा

ख). किशनदा द्वारा

ग). यशोधर बाबू द्वारा

घ). उपरोक्त में से कोई नहीं

4 : यशोधर पन्त की शादी को कितने साल हो गए हैं?

क). दस साल

ख). पंद्रह साल

ग). बीस साल

घ). पच्चीस साल

5 : यशोधर पन्त मूलतः कहाँ के रहने वाले हैं?

क). अल्मोड़ा

ख). झारखंड

ग). हिसार

घ). दिल्ली

6 : मैट्रिक करने के बाद यशोधर पन्त कहाँ चले गए थे ?

क). आगरा

ख). दिल्ली

ग). पंजाब

घ). लखनऊ

7 : दिल्ली में यशोधर ने किसके घर पर शरण ली थी ?

क). किशनदा के

ख). कृष्ण कुमार के

ग). श्यामलाल के

घ). राम कुमार के

8 : यशोधर किशनदा के यहाँ क्या बनकर रहे ?

क). चौकीदार

ख). माली

ग). रसोइया

घ). धोबी

9 : किशनदा ने अपने दफ्तर में किसको नौकरी दिलवाई ?

क). यशोधर को

ख). भूषण को

ग). यशपाल को

घ). उपरोक्त में से कोई नहीं

10 : दफ्तर से आते समय यशोधर बाबू प्रतिदिन कहाँ जाते थे ?

क). पार्क

ख). श्याम मंदिर

ग). बिरला मंदिर

घ). विद्यालय

11 : यशोधर बाबू कैसे व्यक्ति थे ?

क). मर्यादित

ख). संस्कार प्रिय

ग). बुरे

घ). क और ख दोनों

12 : यशोधर बाबू के बड़े लड़के का क्या नाम था ?

क). जतिन

ख). मोहन

ग). भूषण

घ). योगेश

13 : भूषण कहाँ नौकरी करने लगा था ?

क). विद्यालय में

ख). सरकारी दफ्तर में

ग). विज्ञापन संस्था में

घ). अस्पताल में

14 : भूषण को प्रतिमाह कितना वेतन मिलता था ?

क). डेढ़ हजार रुपए

ख). एक हजार रुपए

ग). दो हजार रुपए

घ). पाँच हजार रुपए

15 : "मूर्ख लोग घर बनाते हैं सयाने उसमें रहते हैं|" यह कथन किसका है ?

क). यशोधर बाबू का

ख). भूषण का

ग). किशनदा का

घ). उपर्युक्त में से कोई नहीं

16 : यशोधर बाबू के अनुसार कैसी विचारधारा संस्कारों और मर्यादाओं को समाप्त कर देती है

क).परम्परागत विचारधारा

ख). पाश्चात्य विचारधारा

ग). आधुनिक विचारधारा

घ). उपरोक्त में से कोई नहीं

17 : "हम लोगों के यहाँ सिल्वर वैडिंग कब से होने लगी है। " यह कथन किसके द्वारा कहा गया है ?

क). किशनदा के द्वारा

ख). भूषण के द्वारा

ग). मोहन के द्वारा

घ). यशोधर बाबू के द्वारा

18 : पाठ में 'जो हुआ होगा' वाक्य का संबंध किसकी मृत्यु से है ?

क). किशनदा की

ख). भूषण की

ग). यशोधर बाबू की

घ). उपरोक्त में से कोई नहीं

19 : यशोधर बाबू के जीवन में कौन-सी तीन बातें महत्वपूर्ण हैं ?

क). माता-पिता के संस्कार

ख). गुरुजनों की शिक्षा

ग). साहित्य के साथ जुड़ाव

घ). उपर्युक्त सभी

20 : "तुम्हारी ये बाबा आदम के ज़माने की बातें मेरे बच्चे नहीं मानते तो इसमें उनका कोई कसूर नहीं।" ये कथन किसका है?

क). यशोधर बाबू का

ख). भूषण का

ग). किशनदा का

घ). यशोधर बाबू की पत्नी का

21 : यशोधर बाबू अपने जीजा जी का हाल-चाल पूछने के लिए कहाँ जाना चाहते थे ?

क). अहमदाबाद

ख). हैदराबाद

ग). बनारस

घ). इलाहाबाद

22 : यशोधर बाबू ने अपने विवाह में लड्डू बनवाने के लिए बैंक से कितने रुपए का कर्जा लिया था ?

क). दो हजार रुपए का

ख). पाँच हजार रुपए का

ग). सात हजार रुपए का

घ). दस हजार रुपए का

23 : यशोधर बाबू को उनके बच्चे 'सिल्वर वैडिंग' पर क्या उपहार देते हैं ?

क). जूते

ख). चश्मा

ग). ऊनी ड्रैसिंग गाउन

घ). पैंट कोट

24 : यशोधर बाबू का कौन-सा व्यवहार उनकी पत्नी तथा बच्चों को बुरा लगता था ?

क). प्रभु का ध्यान लगाना

ख). व्रत रखना

ग). प्रतिदिन मंदिर जाना

घ). उपरोक्त सभी

25 : यशोधर बाबू अपने बच्चों की तरक्की होने पर ज्यादा खुश क्यों नहीं थे?

क). बच्चे आधुनिक रहन-सहन में रहते थे

ख). वे सभी जीवन मूल्य भूला चुके थे।

ग). वे गरीब रिश्तेदारों की उपेक्षा करते थे

घ). उपर्युक्त सभी

26 : यशोधर बाबू ने नई रीत कौन-सी अपनाई ?

क). मंदिर जाने की

ख). पान खाने की

ग). टी.वी. देखने की

घ). बाजार घूमने की

27 : यशोधर बाबू किन लोगों को देखकर 'सम हाउ इंप्रापर' कहकर अपनी भावनाएँ व्यक्त करते हैं ?

क). आधुनिक विचारधारा वाले ख). प्राचीन विचारधारा वाले

ग). परम्परागत विचारधारा वालेघ). उपरोक्त में से कोई नहीं

28 : यशोधर बाबू को बुढ़ापे में पत्नी की कौन-सी आदत बुरी लगती थी ?

क). बिना बाजू का ब्लाउज पहनना

ख). होंठों पर लिपस्टिक लगाना

ग). ऊँची हील वाली सैंडल पहनना

घ). उपर्युक्त सभी

29. किशनदा की तरह यशोधर बाबू अपने घर में क्या-क्या मनाते थे?

क) होली का उत्सव

ख) जन्यो पून्यू

ग) रामलीला

घ) उपर्युक्त सभी

30). यशोधर बाबू को अपने पर गर्व और प्रसन्नता का बोध कब होता है?

क) जब लोग उनके बच्चों की उन्नति को देखकर उनसे ईर्ष्या करते हैं।

ख) जब भूषण उन्हें सिल्वर वैडिंग का उपहार देता है।

ग) जब वह ऑफिस से मंदिर जाता है।

घ) उपर्युक्त सभी।

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर-

1) घ).(क) और (ख) दोनों

2) क). पाँच बजकर पच्चीस मिनट पर

3) ग). यशोधर बाबू द्वारा

4) घ). पच्चीस साल

5) क). अल्मोड़ा

6) ख) दिल्ली

7) क) किशनदा के

8) ग) रसोइया

9) क) यशोधर को

10) ग) बिरला मंदिर
11) घ) क और ख दोनों
12) ग) भूषण
13) ग) विज्ञापन संस्था में
14) क) डेढ़ हजार रुपए
15) ग) किशनदा का
16) ग) आधुनिक विचारधारा
17) घ) यशोधर बाबू के द्वारा
18) क) किशनदा की
19) घ) उपर्युक्त सभी
20) घ) यशोधर बाबू की पत्नी का
21) क) अहमदाबाद
22) घ) दस हज़ार रुपए का
23) ग) ऊनी ड्रैसिंग गाउन
24) घ) उपरोक्त सभी
25) घ) उपर्युक्त सभी
26) क) मंदिर जाने की
27) क) आधुनिक विचारधारा वाले
28) घ) उपर्युक्त सभी
29) घ) उपर्युक्त सभी
30) क) जब लोग उनके बच्चों की उन्नति को देखकर उनसे ईर्ष्या करते हैं।

जूझ (आनंद यादव)

यह अंश मराठी भाषा के लेखक आनंद रतन यादव का बहुचर्चित आत्मकथात्मक उपन्यास है। यह एक किशोर के देखे और भोगे हुए ग्रामीण जीवन के कठोर यथार्थ और उसके संघर्ष की विश्वसनीय जीवंत गाथा है।

'जूझ' का अर्थ होता है- संघर्ष। इस पाठ में लेखक अपनी पढ़ाई के लिए जूझता (संघर्ष करता) है।लेखक के पिता ने उसे पाठशाला जाने से रोक रखा है। उसके पिता सारा दिन गाँव में घूमते रहते और रखमा बाई के कोठे पर भी जाया करते थे। स्वयं काम न करके लेखक को खेती के काम में लगा दिया था। लेखक पढना चाहता था। उसे लगता था कि खेती से कोई लाभ नहीं ,बल्कि पढने से उसे नौकरी मिल जायेगी या कुछ व्यापार कर सकेगा। दिवाली बीत जाने पर महिना भर ईख पेरने के लिए कोल्हू चलाना क्योंकि लेखक के पिता को गुड़ की अच्छी कीमत मिल जायेगी। एक दिन लेखक ने अपनी माँ से पाठशाला जाने की इच्छा प्रकट की। माँ भी चाहती थी कि वह पाठशाला जाए ,लेकिन पिता के गुस्से के कारण वह भी चुप थी। लेखक ने एक तरीका बताया कि यदि इलाके के प्रभावशाली व्यक्ति दत्ता राव साहब पिता जी को समझाएं तो बात बन सकती है। उनके सामने लेखक जाकर और उसकी माँ ने बताई और दत्ता जी

राव साहब स्वयं समझदार व्यक्ति थे और शिक्षा प्रेमी थे। उन्होंने लेखक के पिता को डरा-धमका कर समझाया कि बेटे को पाठशाला भेजो ,यदि तुम पाठशाला भेजने में असमर्थ हो ,तो स्वयं आनंदा को पाठशाला भेजेंगे। इस प्रकार लेखक का पाठशाला में पुनः जाने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

लेखक दूसरे दिन पिता जी की कड़ी शर्तों के अनुसार विद्यालय गया। कक्षा में सभी लड़के उसके लिए नए थे। कक्षा के शरारती बच्चों ने उसका उपहास किया ,लड़कों ने उसकी धोती खोलने की कोशिश की। कक्षा में उसकी दोस्ती वसंत पाटिल नाम के होशियार बच्चे से हुई। वह गणित में तेज़ था, लेखक भी उसकी तरह पढने की कोशिश करने लगा। मास्टर उसे अनन्दा कहकर बुलाने लगे।

मराठी भाषा के अध्यापक न.वा.सौंदलगेकर से लेखक बहुत प्रभावित हुआ। पढ़ाते समय अध्यापक स्वयं रम जाते थे। सुरीले कंठ ,छंद और रसिकता के कारण लेखक उनसे प्रभावित हुआ। लेखक भी घर जाकर ,मास्टर साहब की तरह कविताएँ रचने लगा। अब लेखक का अकेलापन समाप्त हुआ। अब वह खेत में पानी लगाते हुए जानवर को चराते हुए कविता रचने लगा। वह अपने आस - पास के लोगों ,अपने गाँव ,खेतों पर तुकबंदी करने लगा। वह अपनी लिखी हुई कविता मास्टर साहब को दिखाने लगता। मास्टर साहब ने ही उसे छंद ,अलंकार ,लय का ज्ञान कराया । साथ से अन्य कवियों के काव्यसंग्रह भी दिया ,जिसे पढ़कर लेखक ने कविता की समझ विकसित की।

बहुविकल्पीय प्रश्न- दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

(1)'जूझ' कहानी के आधार पर आंनदा के चरित्र की विशेषताएँ निम्न में से नहीं है।

क)-पढ़ने की लालसा

ख)-आत्मविश्वासी एवं कर्मठ बालक

ग)- झगड़ालू

घ)- वचनबद्धता

(2) आनन्दा के पिता की भाँति आज भी अनेक गरीब व कामगार पिता अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजना चाहते क्यों? आपकी दृष्टि में इसका क्या कारण है?

क)- अशिक्षित होने के कारण

ख)- बच्चों के लड़ाई झगड़े के कारण

ग)- स्कूल अच्छा नहीं होने से

घ)- फीस ज्यादा होने के कारण

3) 'जूझ' शब्द का क्या अर्थ है ?

(क)पलायन

(ख) प्रार्थना

(ग) संघर्ष

(घ) सूझबूझ

(4) 'पाठशाला जाने के लिए मन तड़पता था।' पंक्ति में आए मुहावरे 'मन तड़पना' का क्या अर्थ है ?

(क) मन प्रसन्न होना

(ख) मन शांत होना

(ग) मन का बेचैन होना

(घ) डाँटते हुए समझाना

(5) 'जूझ' पाठ के अनुसार कविता के प्रति लगाव से पहले और उसके बाद अकेलेपन के प्रति लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया? सही विकल्प छाँटिए:

क). अकेलापन डरावना है।

ख). अकेलापन उपयोगी है|

ग). अकेलापन अनावश्यक है

घ). अकेलापन सामान्य प्रक्रिया है।

(6) 'जूझ' पाठ के अनुसार- "पढ़ाई-लिखाई के संबंध में लेखक और दत्ता जी राव का रवैया सही था।" क्योंकि: सही विकल्प छोटिए:

क). लेखक खेती-बाड़ी नहीं करना चाहता था|

ख). दत्ता जी राव जानते थे कि खेती-बाड़ी में लाभ नहीं है।

ग). लेखक का पढ़-लिख कर सफल होना बहुत आवश्यक था|

घ). लेखक का पिता नहीं चाहता था कि वह आगे की पढ़ाई करे|

(7) वसंत पाटिल कौन था?

क) कक्षा का मॉनिटर

ख) प्रधानाध्यापक

ग) मराठी भाषा का शिक्षक

घ) लेखक

(8) इनमें से 'जूझ' कहानी के पात्र नहीं है?

क) आनंद यादव

ख) सौंदलगेकर

ग) दत्ता जी राव

घ) भूषण

(9) आनंद अपने पिता को क्या कहते थे?

क) पापा

ख) दादा

ग) पिताजी

घ) बापूजी

10) जूझ पाठ के लेखक आनंद यादव को कविता लेखन के लिए प्रोत्साहित करने वाले शिक्षक का नाम था?

क) दत्ता जी राव

ख) न. वा. सौंदलगेकर

ग) बा. भ. बोरकर

घ) केशव कुमार

(11) जूझ के कथानायक के चरित्र की विशेषताएं हैं?

क) संघर्षशील व जुझारू
ख) परिश्रमी
ग) कविता के प्रति लगाव
घ) उपरोक्त सभी
(12). जूझ पाठ में बरहेला सुअर या जंगली सूअर शब्द का प्रयोग किस व्यक्ति के लिए किया गया है?
क) लेखक के पिता के लिए
ख) दत्ता जी राव के लिए
ग) बसन्त पाटिल के लिए
घ) लेखक की माँ के लिए
(13) 'जूझ' शब्द का अर्थ क्या होता है?
क) संघर्ष
ख) परिश्रम
ग) दोनों सही हैं
घ) दोनों गलत हैं
(14) बसंत पाटिल कौन थे?
क) आनन्द की कक्षा का मॉनिटर
ख) गणित के अध्यापक
ग) मराठी के अध्यापक
घ) आनंद को चिढ़ाने वाला साथी
(15) आनंद की पढ़ाई व विद्यालय भेजने में सहायता किसने की?
क) दत्ता जी राव देसाई सरकार ने
ख) आनन्द की माँ ने
ग) स्वयं आनंद ने
घ) न. वा. सौंदलगेकर ने
(16) लेखक के मराठी शिक्षक न. वा. सौंदलगेकर की विशेषताएं क्या थीं?
क) कविता की छंद, यति आरोह अवरोह का ज्ञान
ख) अभिनय के साथ पढ़ाना व उसी भाव की अन्य कवि की कविता बताना
ग) दोनों सही हैं
घ) सिर्फ क सही है।
(17). लेखक कविता लिखने के लिए किन साधनों का उपयोग करता था?
क) जेब मे कागज़ और पेंसिल रखना
ख) भैंस की पीठ पर रेखा खींचकर लिखना
ग) कंकड़ पत्थर से शिला पर लिखना
घ) उपर्युक्त सभी
(18) 'जूझ' किस साहित्यिक विधा पर आधारित है?

क) आत्मकथा
ख) यात्रा वृत्तांत
ग) संस्मरण
घ) रेखाचित्र
(19) लेखक को दीवाली के बाद क्या करना पड़ता था?
क) ईख पेरने के लिए कोल्हू चलाना पड़ता था।
ख) खेती करना पड़ता था।
ग) गोबर पाथना पड़ता था।
घ) बैल चराना पड़ता था।
(20) लेखक की पढ़ाई का विरोधी था?
क) लेखक के पिता
ख) दत्ता जी राव
ग) लेखक की माता
घ) गाँव के लोग
21) मंत्री नामक अध्यापक विद्यालय में क्या पढ़ाते थे?
क) मराठी भाषा
ख) गणित
ग) विज्ञान
घ) पर्यावरण
(22) दादा ने लेखक का स्कूल जाना किस शर्त पर स्वीकार किया?
क) सबेरे खेत बस्ता लेकर जाना पड़ेगा।
ख) सुबह से ग्यारह बजे तक खेत पर काम करना होगा।
ग) खेत मे पानी लगाना होगा।
घ) उपर्युक्त सभी
(23) 'जूझ' कहानी के कथानायक (आनंदा) के चरित्र की विशेषता है?
क) पढ़ने के इच्छुक
ख) परिश्रमी
ग) लगनशील
घ) उपर्युक्त सभी
24) लेखक के दादा ने दत्ता जी राव के सामने अपने बेटे पर क्या आरोप लगाए?
क) लेखक कंडे व चारे बेचता है।
ख) सिनेमा देखने भाग जाता है।
ग) खेलता है और खेती के काम में ध्यान नहीं देता।
घ) उपर्युक्त सभी
(25) 'जूझ' कहानी का संदेश है?

क) संघर्ष करने की सीख
ख) सहनशीलता व धैर्य
ग) परिश्रम का महत्त्व बताना
घ) उपर्युक्त सभी।
बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर-
1) ग)- झगड़ालू
2) क)- अशिक्षित होने के कारण
3) (ग) संघर्ष
4) (ग) मन का बेचैन होना
5) ख). अकेलापन उपयोगी है|
6) ग). लेखक का पढ़-लिख कर सफल होना बहुत आवश्यक था|
7) क) कक्षा का मॉनिटर
8) घ) भूषण
9) ख) दादा
10) ख) न. वा. सौंदलगेकर
11) घ) उपरोक्त सभी
12) क) लेखक के पिता के लिए
13) क) संघर्ष
14) क) आनन्द की कक्षा का मॉनिटर
15) क) दत्ता जी राव देसाई सरकार ने
16) ग) दोनों सही हैं।
17) घ) उपर्युक्त सभी
18) क) आत्मकथा
19) क) ईख पेरने के लिए कोल्हू चलाना पड़ता था।
20) क) लेखक के पिता
21) ख) गणित
22) घ) उपर्युक्त सभी
23) घ) उपर्युक्त सभी
24) घ) उपर्युक्त सभी
25) घ) उपर्युक्त सभी।

अतीत में दबे पाँव (ओम थानवी)

सारांश–यह पाठ ओम थानवी के यात्रा-वृत्तांत और रिपोर्ट का मिला-जुला रूप है| उन्होंने इस पाठ में विश्व के सबसे पुराने और नियोजित शहरों-मुअनजो-दड़ो तथा हड़प्पा का वर्णन किया है | पाकिस्तान के सिंध प्रांत में मुअनजो-दड़ो ओर पंजाब प्रांत में हड़प्पा नाम के दो नगरों को पुरातत्वविदों ने खुदाई के दौरान

खोज निकाला था| मुअनजो-दड़ो ताम्रकाल का सबसे बड़ा शहर था | मुअनजो-दड़ो अर्थात मुर्दों का टीला| यह नगर मानव निर्मित छोटे–छोटे टीलों पर बना था |मुअनजो-दड़ो में प्राचीन और बड़ा बौद्ध स्तूप है | इसकी नगर योजना अद्‌वितीय है| लेखक ने खंडहर हो चुके टीलों, स्नानागार, मृद-भांडों, कुओं–तालाबों, मकानों व मार्गों का उल्लेख किया है जिनसे शहर की सुंदर नियोजन व्यवस्था का पता चलता है| बस्ती में घरों के दरवाजे मुख्य सड़क की ओर नहीं खुलते, हर घर में जल निकासी की व्यवस्था है, सभी नालियाँ की ढकी हुई हैं, पक्की ईंटों का प्रयोग किया गया है|

नगर में चालीस फुट लम्बा ओर पच्चीस फुट चौड़ा एक महाकुंड भी है |इसकी दीवारें ओर तल पक्की ईंटों से बने हैं | कुंड के पास आठ स्नानागार हैं | कुंड में पानी की व्यवस्था के लिए कुंआ है | खुदाई में लगभग 700 कुँओं के अवशेष मिले हैं। एक विशाल कोठार भी है जिसमें अनाज रखा जाता था |उन्नत खेती के भी निशान दिखते हैं -कपास, गेहूं, जौ, सरसों, बाजरा आदि के प्रमाण मिले हैं|

सिंधु घाटी सभ्यता में न तो भव्य राजमहल मिलें हैं ओर ही भव्य मंदिर| नरेश के सर पर रखा मुकुट भी छोटा है| मुअनजो-दड़ो सिंधु घाटी का सबसे बड़ा नगर है फिर भी इसमें भव्यता व आडम्बर का अभाव रहा है| उस समय के लोगों ने कला ओर सुरुचि को महत्त्व दिया| नगर-नियोजन, धातु एवं पत्थर की मूर्तियाँ, मृद-भांड ,उन पर चित्रित मानव ओर अन्य आकृतियाँ, मुहरें, उन पर बारीकी से की गई चित्रकारी| एक पुरातत्त्ववेत्ता के मुताबिक सिंधु सभ्यता की खूबी उसका सौंदर्य-बोध है जो "राजपोषित या धर्मपोषित न होकर समाजपोषित था|"

बहुविकल्पीय प्रश्न-

(1)अतीत में दबे पाँव पाठ के लेखक का क्या नाम है ?

क) ओम थानवी

ख) मनोहर श्याम जोशी

ग) आनंद यादव

घ) महादेवी वर्मा

(2) मोहनजोदड़ो का क्या वास्तविक नाम था?

क) मुअनजो-दड़ो

ख) हड़प्पा

ग) सिंध

घ) इनमें से कोई नहीं

(3) मुअनजो-दड़ो का अर्थ है –

क) ईंटों का टीला

ख) मुर्दों का टीला

ग) नदी के ऊपर टीला

घ) उपर्युक्त सभी

(4) मुअनजो-दड़ो सभ्यता का विकास किस नदी की किनारे हुआ था?

क) सतलज

ख) गंगा

ग) सिंधु

घ) नर्मदा

(5) मुआनजोदड़ो किस काल का शहर था –

क) ताम्र काल का

ख) लौह काल का

ग) पाषाण काल का

घ) स्वर्ण काल का

(6) पूरा मुअनजो-दड़ो नगर छोटे-मोटे टीलों पर आबाद था क्यों?

क) ताकि सिंधु का पानी बाहर पसर आए तो उससे बचा जा सके।

ख) ताकि शत्रुओं से बचा जा सके।

ग) ताकि कृषि कार्य आसानी से हो सके।

घ) इनमें से कोई नहीं

(7) मुअनजो-दड़ो किसकी अनूठी मिसाल है?

क) कृषि नियोजन की

ख) नगर नियोजन की

ग) ग्रामीण नियोजन की

घ) इनमें से सभी

(8) मुअनजो-दड़ो की कमोबेश सारी सड़कें सीधी हैं या फिर आड़ी।

आज वास्तुकार इसे क्या कहते हैं ?

क) 'ग्रिड प्लान' कहते हैं।

ख) 'विराट प्लान' कहते हैं।

ग) 'स्मार्ट सिटी' प्लान कहते हैं।

घ) इनमें से सभी

(9) आधुनिक समय में कौन से शहर ग्रिड शैली के शहर हैं ?

क) दिल्ली, कानपुर और लंदन

ख) आगरा, भोपाल और शंघाई

ग) ब्रासीलिया , चंडीगढ़ और इस्लामाबाद

घ) इनमें से कोई नहीं

(10)इतिहासकार इरफ़ान हबीब के मुताबिक यहाँ के लोग कौन-सी फ़सल उगाते थे ?

क) रबी की

ख) खरीफ की

ग) मानसून की

घ) दलहन की

(11) मेसोपोटामिया के शिलालेखों में मुअनजो-दड़ो के लिए कौन-से शब्द का संभावित प्रयोग मिलता है?

क) 'मेलुहा'

ख) मेसोपोटामिया

ग) हड़प्पन

घ) जोदड़ो

(12) सिंधु सभ्यता की खुदाई में कितने कुओं के प्रमाण मिले हैं?

क) लगभग 700 कुँओं के

ख) लगभग 1000 कुँओं के

ग) लगभग 500 कुँओं के

घ) लगभग 300 कुँओं के

(13) सिंधु सभ्यता एक 'लो प्रोफाइल' सभ्यता थी क्यों?

क) हड़प्पा संस्कृति में न भव्य राजप्रसाद मिले हैं, न मंदिर,न राजाओं, महंतों की समाधियाँ

ख) यहाँ के मूर्तिशिल्प छोटे हैं और औजार भी।

ग) मुअनजो-दड़ो के 'नरेश' के सिर पर छोटा सा 'मुकुट' है, और नावें बनावट में छोटी थीं।

घ) उपर्युक्त सभी

(14) 'सिंधु-सभ्यता की खूबी उसका सौंदर्य-बोध है जो राज-पोषित या धर्म-पोषित न होकर समाज-पोषित था।' कैसे ?

क) सिंधु-सभ्यता के लोगों में कला या सुरुचि का महत्व अधिक था।

ख) यहाँ अनुशासन जरूर था, परंतु सैन्य सभ्यता का नहीं।

ग) यहाँ पर धर्मतंत्र या राजतंत्र की ताकत का प्रदर्शन करने वाली वस्तुएँ-महल, उपासना-स्थल आदि-नहीं मिलतीं।

घ) उपर्युक्त सभी

(15) सिंधु सभ्यता को जल संस्कृति कहा जा सकता है क्यों?

क) सिंधु घाटी सभ्यता संसार में पहली ज्ञात संस्कृति है जो कुएँ खोद कर खोद कर भू-जल तक पहुँची।

ख) मुअनजो-दड़ो में सात सौ के करीब कुएँ थे।

ग) नदी, कुएँ स्नानागार और बेजोड़ जल निकासी व्यवस्था को देखते हुए

घ) उपर्युक्त सभी

(16) मुअनजो-दड़ो को देखकर लेखक को राजस्थान के किस स्थान की याद आ गई ?

क) जयपुर

ख) कुलधरा

ग) अजमेर

घ) बीकानेर

(17) मुअनजो-दड़ो वर्तमान में कहाँ स्थित है?

क) पाकिस्तान के सिंध प्रांत में।

ख) पाकिस्तान के लाहौर प्रांत में।
ग) भारत के उत्तराखंड प्रांत में।
घ) भारत के महाराष्ट्र प्रांत में।
(18) जब हड़प्पा और मुअन जोदड़ो की खुदाई हुई तब भारतीय पुरातत्व विभाग के प्रमुख कौन थे?
क) सर जॉन मार्शल।
ख) राखल दास बनर्जी
ग) दयाराम साहनी
घ) पंडित जवाहर लाल नेहरू
(19) सिंधु घाटी सभ्यता का स्वरूप था ?
क) ग्रामीण
ख) नगरीय
ग) जंगली
घ) कबीलाई
(20) सिन्धु सभ्यता के घर किस से बनाये जाते थे ?
क) ईटो से
ख) पत्थर से
ग) लकड़ी से
घ) बांसों से
(21) "टूटे फूटे खंडहर, सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ-साथ धड़कती जिंदगियों के अनछुए समयों के भी दस्तावेज होते हैं।" इस कथन का भाव है?
क) ऐतिहासिक इमारतों में बीते हुए जीवन के चिन्ह महसूस होते हैं।
ख) ऐतिहासिक इमारतों, कला, खान-पान आदि सदाबहार होते हैं।
ग) ऐतिहासिक इमारतों के अध्ययन मात्र से ही इतिहास की व्याख्या संभव हो पाती है।
घ) इनमें से कोई नहीं।
(22) सिंधु घाटी सभ्यता के मकान बने थे?
क) पक्की ईंटों से
ख) घास- फूस से
ग) लकड़ी से
घ) सीमेंट से
(23) सिंधु सभ्यता में यातायात के साधन थे?
क) बैलगाड़ी
ख) घोड़ागाड़ी
ग) मोटरगाड़ी
घ) इनमें से सभी
(24) मोहन जोदड़ो के अजायब घरों में नहीं है?

क) औज़ार
ख) हथियार
ग) मिट्टी के बर्तन
घ) चौपड़ की गोटियाँ
(25) सिंधु सभ्यता थी?
क) राजपोषित
ख) धर्मपोषित
ग) समाजपोषित व स्वानुशासित
घ) इनमें से कोई नहीं।

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर-

1) क) ओम थानवी
2) क) मुअनजो-दड़ो
3) ख) मुर्दों का टीला
4) ग) सिंधु
5) क) ताम्र काल का
6) क) ताकि सिंधु का पानी बाहर पसर आए तो उससे बचा जा सके।
7) ख) नगर नियोजन की
8) क) 'ग्रिड प्लान' कहते हैं।
9) ग) ब्रासीलिया , चंडीगढ़ और इस्लामाबाद
10) क) रबी की
11) क) 'मेलुहा'
12) क) लगभग 700 कुँओं के
13) घ) उपर्युक्त सभी
14) घ) उपर्युक्त सभी
15) घ) उपर्युक्त सभी
16) ख) कुलधरा
17) क) पाकिस्तान के सिंध प्रांत में।
18) क) सर जॉन मार्शल।
19) ख) नगरीय
20) क) ईटो से
21) क) ऐतिहासिक इमारतों में बीते हुए जीवन के चिन्ह महसूस होते हैं।
22) क) पक्की ईंटों से
23) क) बैलगाड़ी
24) ख) हथियार

25) ग) समाजपोषित व स्वानुशासित

डायरी के पन्ने: ऐन फ्रैंक

पाठ का सार – 'डायरी के पन्ने' पाठ में 'द डायरी ऑफ ए यंग गर्ल' नामक ऐन फ्रैंक की डायरी के कुछ अंश दिए गए हैं| 'द डायरी ऑफ ए यंग गर्ल' ऐन फ्रैंक द्वारा दो साल अज्ञातवास में रहने के दौरान लिखी गई थी| 1933 में फ्रैंकफर्ट के नगरनिगम चुनाव में हिटलर की नाजी पार्टी जीत गई| तत्पश्चात यहूदी-विरोधी प्रदर्शन बढ़ने लगे | ऐन फ्रैंक का परिवार असुरक्षित महसूस करते हुए नीदरलैंड के एम्सटर्डम शहर में जा बसा | द्वितीय विश्वयुद्ध की शुरुआत तक(1939) तो सब ठीक था| परंतु 1940 में नीदरलैंड पर जर्मनी का कब्ज़ा हो गया ओर यहूदियों के उत्पीड़न का दौर शुरु हो गया| इन परिस्थितियों के कारण 1942 के जुलाई मास में फ्रैंक परिवार जिसमें माता-पिता,तेरह वर्ष की ऐन ,उसकी बड़ी बहन मार्गोट तथा दूसरा परिवार –वानदान परिवार और उनका बेटा पीटर तथा इनके साथ एक अन्य व्यक्ति मिस्टर डसेल दो साल तक गुप्त आवास में रहे| गुप्त आवास में इनकी सहायता उन कर्मचारियों ने की जो कभी मिस्टर फ्रैंक के दफ्तर में काम करते थे|| 'द डायरी ऑफ ए यंग गर्ल' ऐन फ्रैंक द्वारा उस दो साल अज्ञातवास के दरम्यान लिखी गई थी| अज्ञातवास उनके पिता मिस्टर ऑटो फ्रैंक का दफ्तर ही था| ऐन फ्रैंक को तेरहवें जन्मदिन पर एक डायरी उपहार में मिली थी और उसमें उसने अपनी एक गुड़िया-किट्टी को सम्बोधित किया है|

ऐन अज्ञातवास में पूरा दिन– पहेलियाँ बुझाती, अंग्रेज़ी व फ्रेंच बोलती, किताबों की समीक्षा करती, राजसी परिवारों की वंशावली देखती, सिनेमा ओर थिएटर की पत्रिका पढ़ती और उनमें से नायक-नायिकाओं के चित्र काटते बिताती थी| वह मिसेज वानदान की हर कहानी को बार-बार सुनकर बोर हो जाती थी ओर मि. डसेल भी पुरानी बातें– घोड़ों की दौड़, लीक करती नावें, चार बरस की उम्र में तैर सकने वाले बच्चे आदि सुनाते रहते|

उसने युद्ध संबंधी जानकारी भी दी है- कैबिनेट मंत्री मि. बोल्के स्टीन ने लंदन से डच प्रसारण में यह घोषणा की थी कि युद्ध के बाद युद्ध के दौरान लिखी गईं डायरियों का संग्रह किया जाएगा, वायुयानों से तेज़ गोलाबारी, हज़ार गिल्डर के नोट अवैध घोषित किए गए | हिटलर के घायल सैनिकों में हिटलर से हाथ मिलाने का जोश , अराजकता का माहौल- कार, साईकिल की चोरी, घरों की खिड़की तोड़ कर चोरी, गलियों में लगी बिजली से चलने वाली घड़ियाँ, सार्वजनिक टेलीफोन चोरी कर लिए गए|

ऐन फ्रैंक ने नारी स्वतंत्रता को महत्त्व दिया,उसने नारी को एक सिपाही के बराबर सम्मान देने की बात कही| एक तेरह वर्षीय किशोरी के मन की बेचैनी को भी व्यक्त किया- जैसे मि. डसेल की झाँट-फटकार ओर उबाऊ भाषण, दूसरों की बातें सुनकर मिसेज फ्रैंक का उसे डाँटना ओर उस पर अविश्वास करना, बड़ों के द्वारा उसके काम और केशसज्जा पर टीका-टिप्पणी करना, सिनेमा की पत्रिका खरीदने पर फिज़ूलखर्ची का आरोप लगाना, पीटर द्वारा उसके प्रेम को उजागर न करना आदि|

ऐन फ्रैंक की डायरी के द्वारा द्वितीय विश्वयुद्ध की विभीषिका, हिटलर एवं नाजियों द्वारा यहूदियों का उत्पीड़न, डर, भुखमरी, गरीबी, आतंक, मानवीय संवेदनाएँ, प्रेम, घृणा, तेरह साल की उम्र के सपने, कल्पनाएँ, बाहरी दुनिया से अलग-थलग पड़ जाने की पीड़ा, मानसिक ओर शारीरिक जरूरतें, हँसी-मज़ाक, अकेलापन आदि का जीवंत रूप देखने को मिलता है |

बहुविकल्पीय प्रश्न

1) "द डायरी ऑफ ए यंग गर्ल" किस विधा में लिखित है?

क) डायरी विधा में

ख) रिपोर्ताज विधा में

ग) रेखाचित्र विधा में

घ) नाटक विधा में

2 "द डायरी ऑफ ए यंग गर्ल" प्रथमत:/मूलतः कब प्रकाशित हुई ?

क) वर्ष 1947 में

ख) वर्ष 1939 में

ग) वर्ष 1949 में

घ) वर्ष 1955 में

3) "द डायरी ऑफ ए यंग गर्ल" मूलतः किस भाषा लिखित है?

क) डच भाषा में

ख) अंग्रेजी भाषा में

ग) हिन्दी भाषा में

घ) फ्रेंच भाषा में

4) "द डायरी ऑफ ए यंग गर्ल" किन परिस्थितियों पर लिखी गयी है?

क) प्रथम विश्व युद्ध के दौरान

ख) द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान

ग) द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के दौरान

घ) द्वितीय विश्व युद्ध के पहले के दौरान

5) ऐन फ्रैंक का जन्म कब हुआ?

क) 12 जून, 1929

ख) 8 जुलाई 1942

ग) 19 मार्च 1943

घ) 28 नवंबर 1945

6) ऐन फ्रैंक का जन्म कहाँ हुआ?

क) लंदन, इंग्लैंड में

ख) नीदरलैंड में

ग) फ्रैंकफर्ट, जर्मनी में

घ) इनमें से कोई नहीं

7) ऐन फ्रैंक की मृत्यु के समय क्या उम्र थी?

क) 15 वर्ष

ख) 13 वर्ष

ग) 17 वर्ष

घ) 19 वर्ष

8) ऐन फ़्रैंक की मृत्यु कैसे हुई?

क) नाज़ियों के यातना गृह में यातना और बीमारी से

ख) द्वितीय विश्वयुद्ध में हुए गोलीबारी से

ग) 'क' और 'ख' दोनों सही हैं।

घ) 'क' और 'ख' दोनों गलत हैं।

9) ऐन फ़्रैंक की नज़र में मि. डसेल कैसे व्यक्ति थे?

क) चुगलखोर व सनकी

ख) सहृदय व परोपकारी

ग) हँसमुख व जिंदादिल

घ) इनमें से सभी।

10) पाठ में 'बाबा आदम के ज़माने के अनुशासन मास्टर' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

क) मिस्टर वानदान के लिए

ख) पीटर के लिए

ग) ऐन के पिता ऑटो फ़्रैंक के लिए

घ) मिस्टर डसेल के लिए

11) ऐन फ़्रैंक ने अपनी डायरी किसे संबोधित करते हुए लिखी?

क) अपनी सहेली को

ख) अपनी प्यारी गुड़िया किट्टी को

ग) अपने मित्र पीटर को

घ) अपनी माँ को

12) यह डायरी ऐतिहासिक दौर का जीवंत दस्तावेज है। कैसे?

क) इसमें नाज़ियों द्वारा यहूदियों पर ढाए ज़ुल्मों का वर्णन है।

ख) द्वितीय विश्व युद्ध के भयावह समय का चित्रण है।

ग) 'क' और 'ख' दोनों सही हैं।

घ) 'क' और 'ख' दोनों गलत हैं।

13) ऐन फ़्रैंक ने अपने परिवार के साथ कितना समय अज्ञातवास में बिताया?

क) 2 साल का समय

ख) 3 साल का समय

ग) 5 साल का समय

घ) 1 साल का समय

14) "प्रकृति-प्रदत्त प्रजनन-शक्ति के उपयोग का अधिकार बच्चे पैदा करें या न करें अथवा कितने बच्चे पैदा करें-इसकी स्वतंत्रता स्त्री से छीनकर हमारी विश्व-व्यवस्था न न सिर्फ स्त्री की व्यक्तित्व-विकास के अनेक अवसरों से वंचित किया है बल्कि जनाधिक्य की समस्या भी पैदा की है।"

इस कथन में ऐन फ़्रैंक का कौन सा दृष्टिकोण उजागर होता है?
क) महिलाओं के प्रति सम्मान और स्त्री पुरुष समानता का दृष्टिकोण
ख) पुरुषों को स्त्रियों से कम महत्वपूर्ण समझने का दृष्टिकोण
ग) स्त्रियों को पुरुषों से अधिक महत्वपूर्ण समझने का दृष्टिकोण
घ) इनमें से कोई नहीं
15) ऐन को डायरी अपनी प्यारी निर्जीव गुड़िया किट्टी को संबोधित चिट्ठी की शक्ल में लिखने की ज़रूरत क्यों महसूस हुई होगी?
क) कोई उसकी भावनाओं को समझने व साझा करने वाला नहीं होगा।
ख) क्योंकि ऐन तुनकमिजाज व गुस्सैल थी।
ग) उसे परिवार में कोई पसंद नहीं करता था।
घ) इनमें से कोई नहीं।
16) "यह साथ लाख लोगों की तरफ से बोलने वाली एक आवाज़ है । एक ऐसी आवाज़ जो किसी संत या कवि की नहीं, बल्कि एक साधारण लड़की की है ।" यह कथन किसका है?
क) मिस्टर बोलके स्टीन
ख) इल्या इहरनबर्ग
ग) ओटो फ्रैंक
घ) पीटर
17) "यह साथ लाख लोगों की तरफ से बोलने वाली एक आवाज़ है । एक ऐसी आवाज़ जो किसी संत या कवि की नहीं, बल्कि एक साधारण लड़की की है ।" इस पंक्ति का सटीक भाव क्या है?
क) इसमें ऐन फ्रैंक की व्यक्तिगत भावनाओं के साथ साठ लाख यहूदियों पर ढाए गए जुल्मों को दर्शाया गया है।
ख) हिटलर के प्रति उनके सैनिकों के समर्पण भाव को प्रकट किया गया है।
ग) ऐन फ्रैंक के परिवार के अज्ञातवास के संघर्ष को दर्शाया गया है।
घ) इनमें से कोई नहीं।
18) ऐन फ्रैंक का जीवन हमें क्या प्रेरणा देता है ?
क) साहस बनाए रखते हुए जीने की।
ख) पलायन करने की ।
ग) परिवार के सदस्यों के बारे में जानकारी रखने की।
घ) वैश्विक घटनाक्रम के बारे में जानने की।
19) ऐन रविवार का समय कैसे व्यतीत करती थी?
क) फ़िल्मी कलाकारों की तस्वीरें अलग करने व देखने में।
ख) मिस्टर डसेल से वाद विवाद करने में।
ग) खिड़की से झाँककर पड़ोसियों को देखने में।
घ) इनमें से सभी।
20) ऐन फ्रैंक के लिए फ़िल्म पत्रिका कौन लाता है?

क) मिस्टर डसेल
ख) पीटर
ग) मिस्टर वानदान
घ) मिस्टर कुलगर
21) ऐन की बड़ी बहन का नाम क्या था?
क) बेप
ख) किट्टी
ग) मियेप
घ) मार्गेट
22) मिस्टर वानदान कौन थे?
क) एक यहूदी
ख) ऐन के पिता के व्यवसाय में साझीदार
ग) पीटर के पिता
घ) सभी विकल्प सही हैं।
23) ऐन फ्रैंक ने अपनी डायरी में किसे जन्मजात बहादुर कहा है?
क) चर्चिल को
ख) हिटलर को
ग) गाँधीजी को
घ) मिस्टर बोलके स्टीन को
24) पीटर का कौन सा अवगुण ऐन को अखरता था?
क) ज्यादा बोलना
ख) चुप्पी साधना व शांत रहना
ग) चुगलखोरी व गुस्सा
घ) पढ़ाई न करना
25) इल्या इहरनबुर्ग के अनुसार यहूदियों की संख्या थी?
क) 55 लाख
ख) 36 लाख
ग) 60 लाख
घ) 40 लाख
26) नाज़ी पार्टी किसकी थी?
क) हिटलर की
ख) चर्चिल की
ग) कार्ल मार्क्स की।
घ) मिस्टर बोलके स्टीन की
27) हिटलर के शासन में यहूदियों को अपनी पहचान बताने के लिए क्या करना पड़ता था?

क) लाल कैप लगानी पड़ती थी।
ख) सिर झुकाकर चलना पड़ता था।
ग) पीला सितारा पहनना पड़ता था।
घ) काला चश्मा लगाना पड़ता था।
28) ऐन के परिवार ने अज्ञातवास हेतु किस स्थान को चुना?
क) पिता के मित्र का घर
ख) पिता के ऑफिस की इमारत
ग) मिस्टर वानदान का फॉर्म हाउस
घ) पुराने रेल के डिब्बे
29) किसे अवैध घोषित कर दिया गया?
क) हजार गिल्डर के नोट
ख) पाँच सौ गिल्डर के नोट
ग) दो सौ गिल्डर के नोट
घ) सौ गिल्डर के नोट
30) ऐन को उसके पंद्रहवें जन्मदिन पर क्या उपहार मिला?
क) बीओनी फूलों का सुंदर गुलदस्ता
ख) सोने की एक ब्रेसलेट
ग) शेक्सपीयर की एक किताब
घ) 'क' और 'ख' दोनों
31) ऐन के पिता किस चीज का व्यवसाय करते थे?
क) मशीन के पुर्जों का
ख) फर्नीचर का
ग) मसालों का
घ) कपड़ों का

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर-

1) क) डायरी विधा में
2) क) वर्ष 1947 में
3) क) डच भाषा में
4) ख) द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान
5) क) 12 जून 1929
6) ग) फ्रैंकफर्ट, जर्मनी में
7) क) 15 वर्ष
8) क) नाज़ियों के यातना गृह में यातना और बीमारी से
9) क) चुगलखोर व सनकी
10) घ) मिस्टर डसेल के लिए

11) ख) अपनी प्यारी गुड़िया किट्टी को

12) ग) 'क' और 'ख' दोनों सही हैं।

13) क) 2 साल का समय

14) क) महिलाओं के प्रति सम्मान और स्त्री पुरुष समानता का दृष्टिकोण

15) क) कोई उसकी भावनाओं को समझने व साझा करने वाला नहीं होगा।

16) ख) इल्या इहरनबर्ग

17) क) इसमें ऐन फ्रैंक की व्यक्तिगत भावनाओं के साथ साठ लाख यहूदियों पर ढाए गए जुल्मों को दर्शाया गया है।

18) क) साहस बनाए रखते हुए जीने की।

19) क) फ़िल्मी कलाकारों की तस्वीरें अलग करने व देखने में।

20) घ) मिस्टर कुलगर

21) घ) मार्गेट

22) घ) सभी विकल्प सही हैं।

23) क) चर्चिल को

24) ख) चुप्पी साधना व शांत रहना

25) ग) 60 लाख

26) क) हिटलर की

27) ग) पीला सितारा पहनना पड़ता था।

28) ख) पिता के ऑफिस की इमारत

29) क) हजार गिल्डर के नोट

30) घ) 'क' और 'ख' दोनों

31) ग) मसालों का

नए और अप्रत्याशित विषय पर लेखन

दिए गए नए व अप्रत्याशित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग शब्दों में 150रचनात्मक लेखन **अंक5× प्रश्न1**

नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन एक नई अवधारणा है |जहां एक तरफ निबंध के चित परिचित विषय होते हैं और उसकी चित परिचित शैली होती है, वहीं एकदम अनूठे विषय पर मौलिक प्रयास कर लिखना विद्यार्थियों की प्रतिभा के साथ साथ उसकी कल्पना शक्ति और रचनात्मकता का भी मूल्यांकन करता है |इस प्रकार के लेखन के लिए विषयों की संख्या अपरिमित हो सकती है |जैसे आपके सामने की दीवार खड़ी, दीवार के बाहर की ओर खुलता झरोखा, सड़क से गुजरते हुए विज्ञापन का कोई होर्डिंग|

नए और अप्रत्याशित विषय पर लेखन कैसे करें? नए और अप्रत्याशित विषय पर लेखन के लिए कोई फार्मूला नहीं है, क्योंकि ऐसे विषयों पर लिखना पूरी तरह से एक मौलिक कार्य होता है| यह कुछ इस तरह से है कि खुले मैदान में व्यक्ति को दौड़ने,कूदने कुलांचे भरने की खुली छूट होती है| नए और

अप्रत्याशित विषय पर दिमाग में विचार भी क्रमबद्ध और व्यवस्थित रूप से नहीं आते हैं,फिर भी इन्हें सार्थक और सुसंगत रूप से व्यक्त किया जाए तो प्रभावी लेखन संभव है|

वास्तव में जितने व्यक्ति हैं, उनके विचारों में भी उतनी ही प्रकार की मौलिकता है| ऐसे में विद्यार्थियों को उत्तर लिखने समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि किन बातों पर वह अधिक बल दे, जिससे वह विषय अधिक स्पष्ट होगा| वह यह देखे कि किस दृष्टिकोण से लिखने पर विचार अधिक स्पष्ट और विस्तृत होंगे|

नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन के समय यह अवश्य ध्यान रखें-

1 . अप्रत्याशित विषय- जैसा नाम से ही स्पष्ट है, इसके अंतर्गत विषय असीम हैं।ये ऐसे विषय हो सकते हैं,जो पहली बार आपके सामने आए होंगे| इसमें विधागत सीमा भी नहीं रखी जाती है।आपको कहानी, कविता,आलेख, डायरी, पत्र, यात्रा, संस्मरण, जीवनी आदि किसी भी विधा के विषयों व शैली से लेखन के लिए कहा जा सकता है|

.2सामान्यतः निबंध और आलेख में' मैं' शैली के प्रयोग की मनाही होती है, लेकिन नए और अप्रत्याशित तरह के लेखन में इसका उपयोग आप कर सकते हैं |इस प्रकार के लेखन में आपके विचारों की आत्मीयता और निजी शैली की भी छाप होती है|

3. अपने मन में उठने वाले विचारों को सुसंगत ढंग से शब्दबद्ध करना होता है|आपके लेखन में एक सुव्यवस्थित क्रम व प्रवाह अवश्य होना चाहिए|

4. अलग-अलग विषयों पर निरंतर अध्ययन के क्रम में तीन बातों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए- आपकी कल्पनाशीलता,विचारों की विविधता व भाषा।विचारों की विविधता आपमें जितनी अधिक होगी, नए और भिन्न विषयों पर लेखन-कार्य आपके लिए उतना ही सुगम हो जाएगा।

.5भाषा सीखने के क्रम में अपना शब्द-भंडार अधिक से अधिक बढ़ाने का प्रयास कीजिए। आप अच्छा साहित्य पढ़ें|नए शब्दों से परिचित हों|शब्दों के यथोचित प्रयोग पर ध्यान देने से आपकी अभिव्यक्ति क्षमता का स्वतः ही विकास होता है। लेखन करते समय आप विभिन्न संदर्भों व स्थितियों के अनुकूल उचित शब्दों का प्रयोग कर पाने में सक्षम हो पाते हैं।

.6विभिन्न विषयों पर लेखन कार्य का सतत अभ्यास करना बहुत आवश्यक है।आप लिखें|पश्चात स्वयं जांचें कि आपके लेखन में क्या सुधार हो सकता है|

.6पुनरावृत्ति दोष से बचें|मौलिक चिंतन प्रस्तुत करने का प्रयास करें|

.7भाषा सहज,सरल व प्रभावी हो|

एक उदाहरण लेते हैं दीवाल घड़ी पर-:

पहला दृष्टिकोण उसे देखते ही किसी धारावाहिक का एक खूबसूरत सा दृश्य याद आता है|परीक्षा भवन में विद्यार्थी उत्तर लिख रहा है| उसके सामने प्रश्नों की एक शृंखला है|उत्तर लिखते-लिखते उसमें इतना डूब जाता है कि कलाई घड़ी की ओर भी उसका ध्यान नहीं जा रहा है। वह 3 घंटे की एक यात्रा पर निकला है |वह प्रश्नों के माध्यम से गुजरता हुआ उत्तरों की नई नई दुनिया में प्रवेश करते जाता है |अचानक घंटी बजने लगती है|दीवार पर घड़ी टंगी है| कुछ सेकंड तक संगीत में शोर गूंजता रहता है| वह सिर उठाकर दीवार पर देखता है| 2:00 बज गए हैं |अब उससे उत्तर पुस्तिका ले ली जाएगी, लेकिन इन 3 घंटों में उसने सारे सवालों के जवाब दे दिए हैं|

ऐसी कई यादें दीवाल घड़ी के साथ जुड़ी हैं|जैसे, मेरे घर में जब पहली दीवाल घड़ी खरीदी गई, वही अभी तक की आखरी भी है, तो उसे टांगने की जुगत में पूरा घर जिस तरह लगा रहा, उसकी याद आते ही बेसाख्ता हँसी छूट जाती है| हम सब उस दिन अंकल पोज़र की मुद्रा में थे| हर कोई भवन शास्त्र से लेकर सौंदर्यशास्त्र तक का विशेषज्ञ होने का दावा कर रहा था| घड़ी यहां टंगनी चाहिए, नहीं वहां टंगनी चाहिए |कील ऐसी ठोंकी जानी चाहिए,नहीं वैसी ठोंकी जानी चाहिए| दीवार पर कम से कम जगह उसे 6 टांगे जाने की कोशिश के निशान छूट चुके थे| अगली दीवाली पर गड्ढों के भरे जाने तक दीवाल घड़ी तारों के बीच चमकते धवल चांद की तरह स्थापित रही|यह चाँद ऐसा है,जो तकरीबन सभी मध्यवर्गीय परिवारों में पाया जाता है|

दूसरा दृष्टिकोण वह मेरे ठीक सामने है| एक साफसुथरी दीवार पर कील के सहारे टंगी हुई कील दिखती - नहीं| इसका मतलब यह कि कील पर उसके टंगे होने का कोई प्रत्यक्ष प्रमाण उपलब्ध नहीं है लेकिन तर्क शास्त्रियों ने तो तर्कसंगत अनुमान को भी प्रमाण की ही श्रेणी में रखा है| इसलिए इस तर्क पर आधारित यह अनुमान बिल्कुल निरापद है कि घड़ी कील के सहारे टंगी है| वह अपनी जगह बिल्कुल स्थिर है| पता नहीं कब से लेकिन चल रही है| उसके कानों में एक अनवरत चक्रीय गति है| चक्र या वृत्त की न कोई शुरुआत होती है न उसका अंत होता है| इस तरह इन कांटों की चक्रीय गति हमें बताती है कि समय अनादि अनंत है| घड़ी को दीवार के आसन पर बिठाकर मानो यही बताते रहने का जिम्मा सौंप दिया गया है कि समय लगातार बीत रहा है, पर खत्म होने के लिए नहीं| यह विरोधाभास सा लगता है नापानी गि किसी झुके हुए मर्तबान से लगातार!र रहा है,पर न पानी कम होता है, न मर्तबान खाली होता है| गौर करें तो यह विरोधाभास नहीं है|समय अनंत है|पर हम सबके अपनेअपना समय अनंत नहीं-| घड़ी के चक्र में हर थोड़ीथोड़ी दूर पर जो लकीरें हैं-, वे समय के कृत्रिम खंड ही सही, वे हमें बताती हैं कि हर इंसान का, हर चीज का और हर काम का अपना समय होता है|वह शुरू भी होता है और खत्म भी|
पहला दृष्टिकोण मुख्यतः स्मृति पर आधारित है| दूसरा नमूना दार्शनिक मिजाज़ वाला है|

तीसरा दृष्टिकोण अवलोकन पर आधारित हो सकता है| इसकी शुरुआत कुछ इस तरह हो सकती है, वह मेरे ठीक सामने है| एक साफसुथरे दीवार पर कील के सहारे टंगी हुई बिल्कुल स्थिर है अपनी जगह पर-| पता नहीं कब से लगातार चल रही है |हिंदी में टिक टिक टिक टिक और अंग्रेजी में टिक टॉक टिक टॉक| उसे अंग्रेजी या हिंदी नहीं आती है पर दोनों तरह के भाषा भाषी उसकी पदचाप को अपनेअपने - के से सतरीुनते हैं|ठीक वैसे ही जैसे कुत्तों को अंग्रेजी हिंदी नहीं आती पर अंग्रेजी समाज के लिए वह बाउभौं-बाउ करता है और हिंदी समाज के लिए भौं-| कमरे की चारों दीवारों पर कहीं भी और कुछ नहीं है|न तो कोई पेंटिंग,न कैलेंडर| ऐसे में इस गोलाकार घड़ी का वजूद सिर्फ उपयोगितावादी नहीं लगता| खूबसूरती के लिए भी है |

प्रश्न-:'कोरोना की विदाई के दौर में'विषय पर शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए 150|

उत्तर -:भारत में दुनिया का सबसे बड़ा कोरोना टीकाकरण अभियान को शुरू हुआ। देश 2021 जनवरी 16 कुमार नाम टीका दिल्ली में मनीष का का सबसे पहला सफाई कर्मी को लगाया गया। कोरोना से मुक्ति की ओर आगे कदम बढ़ाते भारत के लिए एक और राहत वाली बात है कि देश में कोविशील्ड और कोवैक्सीन; इन दोनों वैक्सीनों के आपात इस्तेमाल को मंजूरी मिल गई|सीरम इंस्टीट्यूट 'कोविशील्ड' बना रहा है और भारत बायोटेक तथा आईसीएमआर मिलकर 'कोवैक्सीन' का निर्माण कर रहे हैं।

कोरोना वायरस संकमण के लंबे दौर में हमें अत्यंत सूझबूझ, धैर्य और आत्मनियंत्रण के साथ - इस विकट स्थिति से तादात्म्य स्थापित करना पड़ा है। देश में महीनों तक चले लंबे लॉकडाउन और होता हमा उसके बाद क्रमशः अनलॉकरा भारत एक अभूतपूर्व स्थिति से गुजरा है।कोरोना संकट ने हमें अपनी क्षमता को परखने और मानसिक रूप से और मजबूत होने का अवसर भी प्रदान किया है।अब कोरोना वायरस की विदाई के दौर में भी अत्यंत सावधानी व सतर्कता बरतने की आवश्यकता है|मास्क, दो गज सुरक्षित दूरी,सेनिटाइजर, बारबार हाथ धोने और स्वच्छता के नए मानकों को जीवन भर अपना लेने - में कोई बुराई नहीं है। यह हम सबके लिए अच्छा है और ऐसा करके हम किसी भी संक्रामक रोग के खिलाफ एक सुरक्षा चक्र के निर्माण में अपना सहयोग दे रहे होते हैं।

उत्सवों और पार्टियों में कोई बुराई नहीं होती है लेकिन जब यह पिकनिक सैर सपाटा और मौजमजा सार्वजनिक शालीनता-, मर्यादित दूरी और अपनी संस्कृति; इन चीजों के अतिक्रमण को बढ़ावा देती है; तब हमारे सार्वजनिकबाने को क्षति पहुंचती है-सामाजिक ताने-|सार्वजनिक आयोजन और उत्सव इस दौर के बाद भी होंगे, लेकिन तब तक सब कुछ बदल चुका होगा और यह भी एक सकारात्मक बात होगी।

कोरोना के कारण विश्व की अरबों की आबादी अपने घरों में कैद थी।कारखानों में उत्पादन गिरा।सड़कों पर वाहन नहीं चले और इन सबका प्रभाव यह हुआ कि आकाश में दूषित हवा का स्तर गिरा ।इतना ही नहीं, सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी किरणों से हमारी धरती के ओजोन रक्षाकवच और इसमें खतरनाक ढंग से गहरे हो चले बड़े-बड़े छिद्र अब धीरे-धीरे भरने लगेंगे।इससे विशेषकर धरती का पारिस्थितिकी तंत्र बेहतर होगा और जैव विविधता की रक्षा होगी।निश्चय ही कोरोनावायरस ने हम सब को पर्यावरण के प्रति अत्यंत सचेत कर दिया है।जनजीवन पहले से अधिक सतर्क, सजग, सावधान और मानवीय हो चला है।

प्रश्न-निम्नलिखित विषयों पर -शब्दों में रचनात्मक लेखन कीजिए 150

1) झरोखे से बाहर
2) सावन की पहली झड़ी
3) इम्तिहान के दिन
4) महामारी और हम
5) आधुनिक जीवन-शैली
6) स्वास्थ्य से बड़ा कुछ भी नहीं है
7) ऑनलाइन शिक्षा
8) लॉकडाउन के मेरे अनुभव
9) कोरोना वैक्सीन :कोरोना की विदाई
10) कोरोना काल के बाद की दुनिया
11) भीड़ भरी ट्रेन का अनुभव
12) जब मेरी ट्रेन छूट गई
13) मेरा वह जन्मदिन जो मुझे आज भी याद है
14) स्कूल में मेरा पहला दिन

15) उस दिन जब मैं बहुत उदास था
16) मेरे सपनों का स्कूल
17) मेरे जीवन का लक्ष्य
18) किताबें जो मुझे बहुत प्रिय हैं
19) मेरी पसंदीदा कहानी
20) सिनेमा देखने का मेरा पहला अनुभव
21) खाना पकाना भी एक कला है
22) मैं जब बीमार पड़ा
23) जब मुझे किसी ने डांटा
24) मैंने जब सायकल चलाना सीखा
25) बाढ़ का मेरा अनुभव
26) उस दिन मूसलाधार बारिश हुई
27) हर समस्या का हल है
28) गांव और शहर का जीवन
29) नदियों का महत्त्व
30) दिया और तूफान
31) सड़क की होर्डिंग
32) मेरा प्रिय टाइमपास
33) कोरोना कोई रोड पर निकलो ना:

पत्र लेखन(औपचारिक)

औपचारिक विषय से संबंधित पत्र लेखन (विकल्प सहित) कअं5 × प्रश्न1

पत्र ;विचारों, भावों, संदेशों एवं सूचनाओं के संप्रेषण के लिए सहज, सरल तथा पारंपरिक माध्यम है । औपचारिक पत्र का अर्थ है कामकाजी सरकारी या कार्यालय स्तर पर लिखे गए पत्र।औपचारिक रुप से सरकारी कामकाज अथवा इससे संबंधित लोगों को लिखे गए पत्र औपचारिक पत्र कहलाते हैं। ऐसे पत्र प्रायः उन लोगों को लिखे जाते हैं जिनसे हमारा व्यक्तिगत संबंध नहीं होता। इन पत्रों में हम केवल काम की बात करते हैं। संबंधों में दूरी के कारण इन पत्रों में भाषा की नियमबद्धता का पालन किया जाता है। पत्र अनेक प्रकार के हो सकते हैं, पर प्रायः परीक्षाओं में शिकायती पत्र, आवेदन पत्र तथा संपादक के नाम पत्र पूछे जाते हैं । इन पत्रों को लिखते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए-:

1) औपचारिक पत्र में प्रारंभ, संबोधन, विस्तारऔर समापन नामक अंग होते हैं। (मुख्य विषय)
2) औपचारिक पत्रों में ऊपर दाईं ओर दिनांक तो होता है, लेकिन वहां पत्र भेजने वाले का पता नहीं होता।
3) औपचारिक पत्र में 'सेवा में' लिखकर पत्र प्राप्त करने वाले का पद नाम व पूरा पता लिखा जाता है।

4) इसके बाद पत्र का विषय होता है।
5) इसके बाद संबोधन और पत्र का विस्तार होता है। औपचारिक पत्र में विस्तार के अंतर्गत विषय का क्रमबद्ध उल्लेख व पत्र लेखन का प्रयोजन प्रमुख होता है।
6) पत्र की समाप्ति पर औपचारिक पत्रों में 'भवदीय' शब्द लिखा जाता है।
7) इसके बाद प्रेषक के हस्ताक्षर और उसका पूरा नाम व पता होता है।
8) औपचारिक पत्र प्रायः टंकित भेजे जाते हैं। कंप्यूटर की सुविधा के कारण पत्र का समापन भी बाईं ओर ही होता है।
9) कुछ पत्रों में विशेष रुप से छपे हुए पत्र में प्रेषक या अधिकारी का नाम तथा पता (लैटर हैड) ऊपर बाईं ओर ही छपा रहता है। ऐसे में पत्र भेजने वाले का पता नीचे देने की जरूरत नहीं होती।

विशेष सूचना थीं बोर्ड की परीक्षा में कहीं भी अपना नाम व पता न देंविद्या -:|अगर प्रश्न में किसी नाम व पते का उल्लेख है,तो केवल केवल वही नाम व पता देना होता है । जानबूझ कर अपना सही पता व नाम देना परीक्षा नियमों का उल्लंघन है ।

पत्र लेखन के उदाहरण

प्रश्न किसी समाचार पत्र के संपादक को -:'स्वच्छ विद्यालय अभियान' के समाचार को प्रकाशित करने हेतु अनुरोध पत्र लिखिए|

उत्तर -

सेवा में,
संपादक,
दैनिक.....,
अ---------नगर.स.ब.
दिनांक.....

विषय विद्यालय में आयोजित -:'स्वच्छ विद्यालय अभियान' विषयक समाचार के प्रकाशन के संबंध में।

महोदय ,

मैं आपके समाचार पत्रका नियमित पाठक हूँ । आप अपने समाचार पत्र में देश विदेश के ..... का .....1-साथ क्षेत्रीय समाचारों को भी प्रमुखता से प्रकाशित करते हैं । मैं केंद्रीय विद्यालय क्र-साथ के नेतृत्व में स्वच्छ विद्यालय अभियान चलाया ..... विद्यालय में कल प्राचार्य श्री छात्र हूँ। मेरे गया| इसमें सभी शिक्षकों एवं बच्चों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया । सभी कक्षाओं-, बरामदों , प्रयोगशालाओं व बगीचों की सफाई की गई । प्राचार्य महोदय ने अभियान का निरीक्षण भी किया व सफाई के महत्त्व

के संबंध में बच्चों को प्रेरणा दी|उन्होंने गाँधीजी का एक उद्धरण भी दिया कि "स्वच्छता में ही ईश्वर का वास होता है|"उन्होंने स्वयं भी स्वच्छता अभियान में अपनी सहभागिता दी।

महोदय,इस गतिविधि की अनेक फोटो भी इस पत्र के साथ संलग्न हैं|आपसे अनुरोध है कि इसे अपने समाचार पत्र में अवश्य प्रकाशित करें,जिससे अन्य लोगों को भी सफाई के प्रति जागरूकता का संदेश मिलेगा।

धन्यवाद|

भवदीय

कख..ग.

पनगर.ब.फ.

प्रश्न- कोरोना वायरस महामारी के इस समय में अपने इलाके में स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु अपने राज्य के स्वास्थ्य विभाग के सचिव को एक पत्र लिखिए।

उत्तर-

2021 जनवरी 20

सेवा में,

सचिव,

स्वास्थ्य विभाग

राज्य शासन..... ,

अ---------नगर.स.ब.।

विषय- स्वास्थ्य सुविधाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करवाने हेतु आवेदन ।

महोदय,

मैं ..... राज्य के नगर निगम क्षेत्र का ..... एक निवासी हूं। मैं अपने इलाके में स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता के संबंध में आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। वैसे तो स्वास्थ्य सुविधाओं की हर संभव व्यवस्था सरकार के द्वारा की गई है, किंतु मैं यह बताना चाहता हूं कि कोरोना वायरस की इस महामारी के समय में ये व्यवस्थाएं अपर्याप्त लग रही हैं।यहाँ के जिला अस्पताल स्थित कोविड सेंटर में कोरोना के बढ़ते रोगियों के कारण ऑक्सीजन सिलेंडरों व वेंटिलेटरों की कमी हो जाती है|अभी कोरोना की वैक्सीन के सभी लोगों को उपलब्ध होने में देर है|पर्याप्त दवाइयों व जाँच के अन्य उपकरणों की भी आवश्यकता है|यहाँ चिकित्सकों के अनेक पद रिक्त भी हैं|इससे कोविडसाथ -के साथ 19-न्य रोगों के उपचार में भी कठिनाई हो रही हैअ|

अतः आपसे अनुरोध है कि इस नगर में स्वास्थ्य सेवाओं की पर्याप्त उपलब्धता प्रदान करवाने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही की कृपा करें।

सधन्यवाद।

भवदीय
अ ब स
परीक्षा भवन
पनगर.ब.फ.|

अभ्यासार्थ पत्र -:
किसी दैनिक समाचारपत्र के संपादक के नाम पत्र लिखिए जिसमें वृक्षों की कटाई रोकने के लिए सरकार - का ध्यान आकर्षित किया गया हो ।
हिंसा प्रधान फिल्मों को देखकर बाल वर्ग पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का वर्णन करते हुए किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक के नाम पत्र लिखिए।
अनियमित डाक वितरण की शिकायत करते हुए पोस्टमास्टर को पत्र लिखिए।
लिपिक पद हेतु विद्यालय के प्राचार्य को आवेदन पत्र लिखें।
अपने क्षेत्र में बिजली संकट से उत्पन्न कठिनाइयों का वर्णन करते हुए अधिशासी अभियंता, विद्युत बोर्ड को पत्र लिखिए ।
भारतीय युवाओं में क्रिकेट के प्रति अत्याधिक लगाव की चर्चा करते हुए अन्य खेलों के प्रति उदासीनता पर किसी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।
दूरदर्शन केंद्र के निदेशक को प्रायोजित कार्यक्रमों के गिरते स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए पत्र लिखिए।
किसी दुर्घटना के साक्षीदर्शक उस घटना के प्रति उदासीन रहते हैं/|वे कोई सहायता नहीं करते|इस विषय पर किसी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।
महिलाओं के प्रति बढ़ रहे अपराधों के कारणों का उल्लेख करते हुए रोकथाम के उपाय सुझाते हुए किसी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।
अपने क्षेत्र की कानून व्यवस्था की बिगड़ती हालत पर खेद व्यक्त करते हुए पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर इसमें सुधार का अनुरोध कीजिए।

कविता/कहानी/नाटक की रचना प्रक्रिया
दो लघु उत्तरीय प्रश्न (विकल्प सहित) अंक3 × प्रश्न1+ अंक2 × प्रश्न1(40-50शब्दों में उत्तर लिखें)

कविता की रचना प्रक्रिया

सामान्य शब्दों में कहा जाए तो मन में उठने वाले तरह-तरह के भावों को तुकबंदी के रूप में या मुक्त छंद के रूप में व्यक्त करना ही कविता है|

कविता कैसे बनती है?

कविता भावों से जुड़ी है| कविता लिखने के लिए कोई नियम या प्रणाली नहीं सिखाई या बताई जा सकती है|

सुमित्रानंदन पंत जी ने कहा है-

"वियोगी होगा पहला कवि
आह से उपजा होगा गान
निकलकर आंखों से चुपचाप
बही होगी कविता अनजान|"

पहला उपकरण-कविता की अनजानी दुनिया का सबसे पहला उपकरण है-शब्द| शब्दों के उचित प्रयोग से ही कविता बनती है|शब्दों से खेलना व शब्दों से मेलजोल बढ़ाना| शब्दों के भीतर सदियों से छिपे अर्थ की परतों को खोलना होता है |एक शब्द अपने भीतर कई अर्थ छिपाए रहता है| वास्तव में रचनात्मकता सबके भीतर होती है|तुकबंदी के प्रयास में रचनात्मकता धीरे-धीरे आकार लेने लगती है|

जैसे घो-घो रानी कितना पानी

एक और उदाहरण है-

काले मेघा पानी दे, पानी दे गुड़धानी दे
गगरी फूटी बैल पियासा, काले मेघा पानी दे

दूसरा उपकरण -कविता की दुनिया का दूसरा उपकरण है बिंब और छंद |इसे आंतरिक लय भी कहा जाता है | बिंब और छंद, कविता को इंद्रियों से पकड़ने में सहायक होते हैं|हमारे पास दुनिया को जानने का एकमात्र सुलभ साधन इंद्रियां ही हैं| वहीं संवेदनाएं मन के स्तर पर बिंब के रूप में बदल जाती हैं |कुछ विशेष शब्दों को सुनकर अनायास मन के भीतर कुछ चित्र कौंध से जाते हैं |यह स्मृति चित्र ही शब्दों के सहारे कविता का बिंब निर्मित करते हैं|

शमशेर बहादुर सिंह की कविता से एक उदाहरण देखिए-

"प्रात नभ था बहुत नीला शंख जैसे
भोर का नभ
राख में लीपा हुआ चौका
अभी गीला पड़ा है
बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने"

इन पंक्तियों में दृश्य दृश्य बिंब हैं|दृश्य बिंब अधिक बोधगम्य भी होते हैं क्योंकि देखी हुई हर चीज हमें प्रभावित करती है| कविता की रचना करते समय शुरुआत में धीरे-धीरे दृश्य अवसरों की संभावना तलाश करनी चाहिए|

तीसरा उपकरण छंद-व आंतरिक लय|यह कविता का अनिवार्य तत्व है|यहां तक कि मुक्त छंद की कविता लिखने के लिए भी अर्थ के लय का निर्वाह जरूरी है |

उदाहरण के लिए, धूमिल की कविता मोचीराम में ऊपर से देखने पर छंद नहीं है ,लेकिन अर्थ का अपना भीतरी छंद निरंतर मौजूद है-

बाबूजी !सच कहूं -मेरी निगाह में
न कोई छोटा है
न कोई बड़ा है
मेरे लिए हर आदमी एक जोड़ी जूता है
जो मेरे सामने मरम्मत के लिए खड़ा है|

कविता के अन्य तत्व -

1.कवि की वैयक्तिक सोच, जो सामाजिकता से प्रभावित होती है |

2. कविता लिखने के लिए भाषा ,जिसके लिए प्रचलित सहज शब्दों का ज्ञान भी आवश्यक है|

3.कविता समय विशेष की उपज होती है |उसका स्वरूप समाज के साथ-साथ बदलता रहता है|अतःकिसी समय विशेष की प्रचलित प्रवृत्तियों की ठीक-ठीक जानकारी भी आवश्यक है|

4. कम शब्दों में अपनी बात कहना या कुछ शब्द अनकहे छोड़ देना भी कभी कभी-एक कवि और कविता की ताकत बन जाती है

5. नवीन दृष्टि और नए की पहचान भी कविता का एक प्रमुख घटक है|

कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न-

1 .बच्चों का कविता की दुनिया से परिचय कब होता है?

उत्तर -बच्चों का कविता की दुनिया से परिचय, खेल, गीत स्कूल जाते हुए, साथियों से सुने हुए गीतों को तोतली जुबान से दोहराने से होता है|

2 .कविता के मूल में कौन से तत्व समाहित हैं ?यह तत्व मन पर क्या असर डालते हैं ?

उत्तर -कविता के मूल्य में भाव तत्व है| संवेदना और राग तत्वों के बिना कविता नहीं लिखी जा सकती है| इसी संवेदना और राग तत्व के कारण कवि संपूर्ण सृष्टि से अपना जुड़ाव महसूस करता है| डाकू रत्नाकर महाकवि वाल्मीकि बनते हैं|

3 .एक अच्छी कविता की क्या पहचान है?

उत्तर -एक अच्छी कविता की पहचान यह है कि वह पाठकों को बार-बार पढ़ने के लिए आमंत्रित करे| पाठक उसके करीब जाए और उसके शब्दों से नए-नए अर्थ निकालने की कोशिश करे| एक अच्छी कविता हर बार एक अलग तरह का भाव बोध कराने में समर्थ होती है|

4 .कविता में भाव संपदा किस तरह बनती है?

उत्तर -कविता का भाव तत्व मनुष्य के हृदय और उसकी संवेदना से जुड़ा है| कवि की वैयक्तिक सोच, दृष्टि और दुनिया को देखने का नजरिया कविता की भाव संपदा बनती है|

5.कविता के संबंध में कवि के सामने क्या कठिनाई आती है?

उत्तरसामने यह कठिनाई आती है कि उसे भाषा के उन्हीं उपकरणों से कविता के संबंध में कवि के - काम लेकर कुछ विशेष रचना होता है,जो विभिन्न कार्यों व दैनिक जीवन का माध्यम है|कवि को सही सटीक शब्द व लय का चयन करना होता है|

अन्य प्रश्न

1) आपके मन को छूने वाली और आपको एक अलग ही भाव संसार में ले जाने वाली किसी अनुभूति
   को कविता के रूप में लिखने का प्रयास कीजिए|
2) कविता में बिंब और छंद से आप क्या समझते हैं ?
3) कविता के महत्वपूर्ण घटक कौन-कौन से हैं?
4) कविता का पहला उपकरण किसे माना गया है और क्यों?
5) कविता के जादू का मनुष्य पर क्या प्रभाव पड़ता है?
6) कविता चित्रकला से किस तरह भिन्न है?
7) कविता के संदर्भ में आतंरिक लय किसे कहते हैं?कविता में इसकी क्या महत्ता है?
8) कविता का बिंब किस तरह निर्मित होता है?
9) कविता में चित्र भाषा की आवश्यकता क्यों होती है?

कहानी की रचना प्रक्रिया

हिंदी की वरिष्ठ कथाकार कृष्णा सोबती ने लिखा है-

“कहानी किसी एक की नहीं, वह कहने वालों की है, सुनने वालों की भी| इसकी,उसकी, सबकी; सृष्टि समूचे परिवार की| नानी की मुहर इस पर है| इस लोक की प्रजा होने के कारण हर किसी की कहानी लिखी और सुनी जा सकती है|”

अगर हम कहानी को परिभाषित करें तो किसी घटना, पात्र या समस्या का क्रमबद्ध ब्योरा,जिसमें परिवेश हो, द्वंद्वात्मकता हो, कथा का क्रमिक विकास हो, चरम उत्कर्ष का बिंदु हो, उसे कहानी कहा जाता है| कहानी के प्रमुख तत्व कथानक के अंगप्रारंभ -, मध्य और अंत| कथानक का देश काल और स्थान| कथानक के पात्र| पात्रों का चरित्रचित्रण-| पात्रों के संवाद|

कथानक के अनुसार कहानी का चरमोत्कर्ष अर्थात क्लाइमैक्स का चित्रण बड़ी सावधानी से करना चाहिए|

कुछ प्रश्न

1. कथानक किसे कहते हैं?

उत्तर-कथानक कहानी का केंद्रीय बिंदु होता है | यह कहानी का वह संक्षिप्त रूप होता है जिसमें प्रारंभ से अंत तक कहानी की सभी घटनाओं और पात्रों का उल्लेख किया गया हो |

2.कहानीकार के मन में कहानी का कथानक क्यों आता है?

उत्तरकिसीरकहानीकार के मन में कहानी का कथानक किसी घटना -, जानकारी, अनुभव या कल्पना के कारण आता है|

3. कथानक में द्वंद्व का क्या महत्व है?

उत्तर–कथानक में द्वंद्व के कारण कहानी में रोचकता बनी रहती है |कहानी आगे बढ़ती है|चरित्रों का विकास होता है|

4. कहानी के पात्रों के संवाद लिखते समय क्या-क्या ध्यान रखना चाहिए?

उत्तर-पात्रों के संवाद ,उनके स्वभाव और पूरी पृष्ठभूमि के अनुकूल ही होने चाहिए| वह उनके विश्वासों, आदर्शों तथा स्थितियों के भी अनुकूल होने चाहिए|इन्हें सुनकर ही श्रोता को पता चल जाए कि कौन बोल रहा है, और उसकी पृष्ठभूमि क्या है?

5.कहानी किसे कहते हैं?

उत्तरकिसी घटना -, पात्र या समस्या का क्रमबद्ध ब्योरा,जिसमें परिवेश हो, द्वंद्वात्मकता हो, कथा का क्रमिक विकास हो, चरम उत्कर्ष का बिंदु हो, उसे कहानी कहा जाता है|

6.कहानी के चरम उत्कर्ष के चित्रण में किस बात का ध्यान रखना चाहिए?

उत्तरचरम उत्कर्ष अर्थात कहानी का सर्वाधिक महत्वपूर्ण व रोचक बिंदु-|यह पाठक को सोचने और लेखकीय निष्कर्षों की ओर तो ले जाए,लेकिन इसमें पाठक को भी यह लगना चाहिए कि उसे अर्थ ग्रहण की स्वतंत्रता दी गई है|

7.कहानी में द्वंद्व किस कारण से पैदा होता है?

उत्तरकहानी में द्वंद्व दो विरोधी तत्वों के टकराव या किसी खोज में आने वाली बाधाओं-,अंतर्द्वंद्व,आदि के कारण पैदा होता है|यह मुख्यतः पात्रों व कहानी के विकास पर निर्भर रहता है|

अन्य प्रश्न

1. स्वयं द्वारा समाज में देखी गई किसी ऐसी घटना पर कहानी लिखें, जो आप को भीतर तक प्रभावित करती है|
2. कहानी के पात्रों के संवाद क्यों महत्वपूर्ण हैं?
3. कहानी को प्रामाणिक और रोचक बनाने के लिए कहानीकार को किनकिन बातों का ध्यान रखना - पड़ता है?

नाटक की रचना प्रक्रिया

भारतीय परंपरा में नाटक को दृश्य काव्य की संज्ञा दी गई है |नाटक साहित्य की अन्य विधाओं से अलग है|साहित्य की दूसरी विधाएँ केवल पढ़ी या सुनी जाती हैं,पर नाटक, पढ़ने-सुनने के साथ-साथ देखने के तत्व को भी अपने भीतर समेटे हुए होता है|नाटक में सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है समय-का बंधन, क्योंकि पूरी कथा को एक निश्चित समय सीमा के भीतर समेटना होता है |कथानक चाहे जहां का लिया जाए, लेकिन नाटक वर्तमान काल में ही संयोजित करना होता है, इसलिए नाटक के मंच निर्देश हमेशा वर्तमान काल में लिखे जाते हैं |

समय का बंधन -नाटक में यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि चरित्र का विकास पूर्ण रूप से हो सके और इसके लिए समय का अभाव न हो| नाटक में 3 अंक होते हैं, इसलिए उसे भी समय को ध्यान में रखकर बांटने की जरूरत होती है| यदि हम भरत लिखित नाट्यशास्त्र को भी देखें तो उसमें भी नाटककारों से यह अपेक्षा की गई थी कि नाटक के हर एक अंक की अवधि कम से कम 48 मिनट की हो |

नाटक के तत्व कौन कौन से होते हैं?

शब्द नाटक का शरीर नाटक -में शब्द भी अत्यंत महत्त्व पूर्ण होते हैं| नाटक की दुनिया में शब्द अपनी एक नयी, निजी और अलग अस्तित्व ग्रहण करता है |भारतीय नाट्य शास्त्र में वाचिका अर्थात बोले जाने वाले शब्दों को नाटक का शरीर कहा जाता है|

नाटक की भाषा नाटक में अधिक से अधिक संक्षिप्त व सांकेतिक भाषा का प्रयोग किया जाता है, जो वर्णित ना हो कर क्रियात्मक अधिक होता है| अच्छा नाटक वही होता है जो लिखे अथवा बोले गए शब्दों से भी ज़्यादा वह ध्वनित करे,जो लिखा या बोला नहीं जा रहा|

कथ्य नाटक में-सर्वप्रथम कहानी के रूप को किसी शिल्प, फॉर्म या संरचना के भीतर उसे पिरोना होता है |इसके लिए नाटककार को शिल्प या संरचना की पूरी समझ,जानकारी और अनुभव होना चाहिए|

संवाद नाटक-का सबसे जरूरी और सशक्त माध्यम हैसंवाद-| नाटकों में तो संवाद के बिना काम चल ही नहीं सकता है|

नाटक के लिए **तनाव,उत्सुकता,रहस्य,रोमांच** और अंत में **उपसंहार** जैसे तत्व अनिवार्य हैं|यही कारण है कि नायक,प्रतिनायक,सूत्रधार की परिकल्पना भारतीय या पाश्चात्य नाट्यशास्त्र में आरंभ से ही की गई थी|

नाटक में **अस्वीकार की स्थिति** बराबर बनी रहती है|जिस नाटक में असंतुष्टि, छटपटाहट, प्रतिरोध और अस्वीकार जैसे नकारात्मक तत्वों की जितनी ज्यादा स्थिति होगी,वह उतना ही गहरा और सशक्त नाटक साबित होगा| जैसे हम अंधायुग, तुगलक आदि नाटकों को देख सकते हैं|

चरित्र चित्रण कथानक-में चरित्र की शक्ति का भी अपना महत्व है| नाटक में जो चरित्र किए जाएँ वे सपाट,सतही और टाइप्ड न हो| चरित्रों के विकास में इस बात का ध्यान रखा जाए कि वे स्थितियों के अनुसार अपनी क्रियाओं प्रतिक्रियाओं-को व्यक्त करते चलें|

शिल्प अभिज्ञान-नाटकों के शिल्प के कुछ उदाहरण हैं-शाकुंतलम जैसे शास्त्रीय नाटक, लोक नाटक, पारसी नाटक, यथार्थवादी नाटक, नुक्कड़ नाटक आदि| नाटककार अपना पृथक शिल्प भी विकसित कर सकता है|

प्रश्न-

1 . नाटक की कहानी बेशक भूतकाल या भविष्य काल से संबंधित हो, तब भी उसे वर्तमान काल में ही घटित होना पड़ता है| इस धारणा के पीछे क्या कारण हो सकते हैं ?

उत्तर -नाटक भले ही भूत या भविष्य काल से संबंधित हो,लेकिन उसका मंचन वर्तमान काल में ही करना पड़ता है|यह नाटकों की एक सीमा भी है और यह उसकी खूबी भी है कि हम काल की सीमा से परे कहानियों को भी वर्तमान काल में जाकर देख पाते हैं|उसे होता हुआ अनुभव कर पाते हैं|

2.साहित्य की अन्य विधाओं और नाटकों में प्रमुख अंतर बताइए|

उत्तरअन्य विधाओं जैसे कहानी या कविता को पढ़ते हुए या सुनते हुए कभी भी बीच में साहित्य की - हम इसे रोक सकते हैं और अपने समय के अनुसार उसे फिर शुरू कर सकते हैं | नाटकों में ऐसे नहीं होता|नाटक का कोई भाग देख कर शेष भाग बाद में नहीं देखा जा सकता है|

3. नाटक का शरीर किसे कहा गया है और क्यों?

उत्तरनाटक का शरीर शब्द को कहा गया है क्योंकि नाटक की दुनिया में शब्द अपनी एक नई नीति - और अलग अस्मिता के साथ आते हैं| यह शब्द कथानक का विकास करने में सक्षम होते हैं और किसी वातावरण की प्रस्तुति तक में सहायक होते हैं|

4.एक नाटककार को रचनाकार होने के साथ कुशल संपादक होना क्यों आवश्यक है?

उत्तरएक नाटककार को पहले अनेक घटनाओं , स्थितियों व दृश्य का चुनाव करने वाला होना चाहिए| फिर उसे ऐसे क्रम में रखा जाए कि कहानी का उचित विकास हो और घटनाएं आगे बढ़े, इसलिए नाटककार एक कुशल संपादक भी होता है|

अन्य प्रश्न

1.नाटक में संपूर्णता कब आती है?

उत्तर- नाटक के मंचन के समय

2.नाटक लिखते समय नाटककार को मूल रूप से किस बात का ध्यान रखना पड़ता है?

उत्तर- समय का बंधन|

3.नाटक की सफलता में संवाद की महत्ता स्पष्ट कीजिए|

उत्तर- वास्तव में नाटक को सशक्त या कमज़ोर बनाने में संवादों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है|

4.शिल्प के संबंध में नाटककार का कौन सा प्रयास असफल सिद्ध होता है?

उत्तर- नाटककार जब पहले शिल्प या संरचना को निश्चित कर लेता है और बाद में किसी कहानी या कथ्य को उसमें फिट या प्रयुक्त करना चाहता है|

5.भारतीय परंपरा में नाटक को किस काव्य की संज्ञा दी गई है?

उत्तरदृश्य काव्य-|

6.नाट्यशास्त्र में नाटक का शरीर किसे कहा गया है और क्यों?

उत्तर- नाट्यशास्त्र में नाटक का शरीर शब्द को कहा गया है |एक नाटक इसी के माध्यम से मुखर व स्पष्ट होता है|

7.नाटक की भाषा संबंधी विशेषताएँ लिखिए|

उत्तर नाटक -में अधिक से अधिक संक्षिप्त व सांकेतिक भाषा का प्रयोग किया जाता है, जो वर्णित ना हो कर क्रियात्मक अधिक होता है| अच्छा नाटक वही होता है जो लिखे अथवा बोले गए शब्दों से भी ज़्यादा वह ध्वनित करे,जो लिखा या बोला नहीं जा रहा|

प्रश्न-संग्रह-

1. रंगमंच को प्रतिरोध का सबसे सशक्त माध्यम क्यों कहा जाता है?
2. संवाद दर्शकों तक सरलता से कब संप्रेषित हो जाते हैं?
3. एक नाटककार को रचनाकार होने के साथ कुशल संपादक होना क्यों आवश्यक है?
4. नैरेटिव विधा से आप क्या समझते हैं?
5. नाटक के प्रमुख तत्व कौनहैं कौन से-?
6. एक अच्छे नाटक की कौनकौन सी विशेषताएँ होती हैं-?
7. एक सशक्त नाटक एक कमज़ोर नाटक से अलग कैसे होता है?
8. साहित्यिक विधाओं में कविता ही नाटक के निकट क्यों प्रतीत होती है?

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, रायपुर संभाग

प्रतिदर्श एवं अभ्यास प्रश्नपत्र-1 (2020-21) कक्षा:- बारहवीं

विषय:- हिंदी(आधार)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक: 80 अंक**

सामान्य निर्देश :

- **निर्देश:- (1)प्रश्नपत्र दो खंडो खंड अ और ब होगा।**

  (2) खंड अ में वस्तुपरक कुल 06 प्रश्न पूछे गए हैं जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं ।

  (3) खंड ब में कुल 08 प्रश्न पूछे गए हैं,जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं ।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न

प्रश्न 1.	निम्नलिखित में से **किसी एक गद्यांश** को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 1 अंक x 10 प्रश्न आत्मविश्वासी मनुष्य लक्ष्य केन्द्रित होता है। उसका ध्यान अर्जुन की तरह, साधना एकलव्य की तरह और निर्भीकता कर्ण की तरह होती है। मनुष्य को सदैव इस मंत्र का जाप करना चाहिए कि मैं कुछ भी कर सकता हूं। यदि हमें प्रगति करनी है तो 'आत्म दीपो भव' के सिद्धांत को स्वीकारना होगा। अर्थात अपना दीपक स्वयं बनो। 'अजगर करे न चाकरी, पंछी करे न काज' की भावना रखने वालों को जानना चाहिए कि भाग्यवादिता और आलस्य ऐसे दुर्गण हैं जो व्यक्ति को थोथा चना बना देते हैं। यह तो स्वयं हमें सोचना है कि हमें कुलदीपक बनना है। जो लोग सदैव अवसर की प्रतीक्षा करते रहते हैं, अवसर उनके पास आकर निकल भी जाता है, फिर भी वे उसकी दस्तक को नहीं पहचानते। ऐसे भाग्यवादियों से तो राम ही बचाए। साहस और मजबूत विचार शक्ति मनुष्य को सफलता दिलाती है और कायरता तथा हिचक मनुष्य को असफलता की ओर धकेल देती है। अतः उठो, अपने कर्म में रत हो जाओ, अकर्मण्यता को त्याग दो| हम अपना भविष्य बना सकते हैं। आवश्यकता है कि अपना लक्ष्य तय करके पूर्ण संयम, निष्ठा, कर्मण्यता और दृढ़ता के साथ आगे बढ़ें। हमें दृढता का संकल्प लेना होगा। उपयोगी लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अथक परिश्रम करना होगा। सुख-सुविधाओं का त्याग करना पड़ेगा। हमें सफलता प्राप्त करने से पहले युद्ध से गुजरना पड़ता है। सफलता कभी भी भाग्य और घटनाओं का विषय नहीं होती बल्कि यह सशक्त विचार शक्ति और कठिन परिश्रम पर निर्भर करती है। इसलिए हमें जीवन में लक्ष्य के प्रति आशान्वित होना चाहिए और सही निर्णय करना चाहिए। यह व्यक्ति की चारित्रिक दृढ़ता को भी दिखाता है। हमारी सोचने की शक्ति, आदत, सहनशीलता, कार्यशक्ति तथा साहस सभी कुछ हमारी कर्तव्यपरायणता से लक्षित होता है। जो अपनी इन्द्रियों को जीते उसे जितेन्द्रीय कहते हैं और जो सफलता प्राप्त करे वही विजयी होता है। निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:-	**10 अंक**

	(i)गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए (क)परिश्रम से सफलता (ख)'प्रबल भाग्य (ग) चरित्र निर्माण (घ) आत्म केंद्रित जीवन	
	(ii)'सफलता' शब्द में उपसर्ग व प्रत्यय क्रमशः क्या-क्या हैं? (क)सफ,लता (ख)स,ता (ग)सफल,ता (घ)स,फलता	
	(iii)'आत्म दीपोभव' का सिद्धांत क्या है? (क)आत्मा एक दीपक है (ख)'आत्मा के प्रकाश से जग प्रकाशित है (ग)अपने मार्गदर्शक स्वयं बनो (घ)जीवन में सुख-दुख दोनों हैं	
	(iv)भाग्यवादी सफल क्यों नहीं हो पाते हैं? (क)परिश्रम के बदले भाग्य पर निर्भर रहते हैं ख) भाग्य उनका साथ नहीं देता (ग)वे कार्य का तरीका नहीं जानते हैं (घ)वे अल्प बुद्धि होते हैं	
	(v) युद्ध से गुजरने का क्या अभिप्राय है? (क) युद्धस्थल से गुजरना (ख)मित्रों से अंतर्द्वंद्व (ग)विरोधियों से युद्ध (घ)सफलता प्राप्त करने में आने वाली बाधाएं और संघर्ष	
	(vi) अर्जुन, कर्ण और एकलव्य की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए| (क)क्रमशः ध्यान,निर्भीकता व साधना (ख)'क्रमशः निर्भीकता ,ध्यान व साधना (ग)साधना, ध्यान,निर्भीकता (घ)इनमें से कोई नहीं	

(vii)किन जीवन मूल्यों के आधार पर हम सफलता के अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं?(गद्यांश के अनुरूप सर्वाधिक सही विकल्प लिखें)

(क)परिश्रम,कर्तव्यनिष्ठा,दृढ़ता (ख)‘.सेवा

(ग)परोपकार (घ)त्याग

(viii)जितेंद्रिय किसे कहते हैं

(क)जो इंद्रियों की गुलामी करे (ख) जो इंद्रियों का मर्म जाने

(ग)जो इंद्रियों पर विजय प्राप्त करें (घ)इनमें कोई नहीं

(ix)सदैव शब्द का संधि विच्छेद है:-

(क)सदा+एव (ख)‘ स+दैव

(ग)सदा+व (घ) इनमें कोई नहीं

(x)गद्यांश का मुख्य भाव है:-

(क)उत्साह,संघर्ष व सफलता (ख)‘ निराशा

(ग)परोपकार (घ) धन प्राप्ति

<u>अथवा</u>

जहां भी दो नदियां आकर मिल जाती है उस स्थान को अपने देश में तीर्थ कहने का रिवाज है। यह केवल रिवाज की ही बात नहीं है हम सचमुच मानते हैं कि अलग-अलग नदियों में स्नान करने से जितना पुण्य प्राप्त होता है उससे कहीं अधिक पुण्य संगम स्नान में है। किंतु भारत आज जिस दौर से गुजर रहा है उस पर असली संगम वे स्थान,वे सभाएं तथा वे मंच हैं जिन पर एक से अधिक भाषाएं एकत्र होती हैं। नदियों की विशेषता यह है कि वे अपनी धाराओं में अनेक जनपदों का सौरभ, अनेक जनपदों के आंसू और उल्लास लिए चलती हैं।उनके पारस्परिक मिलन में वास्तव में नाना प्रकार के आंसू और उमंग, भाव और विचार, आशाएं और शंकाएँ समाहित होती है।

अतः जहां भाषाओं का मिलन होता है,वास्तव में वहाँ विभिन्न जनपदों के हृदय ही मिलते हैं।उनके भावों और विचारों का ही मिलन होता है। भिन्नताओं में छिपी हुई एकता वहां कुछ अधिक प्रत्यक्ष हो उठती है ।इस दृष्टि से भाषाओं के संगम सबसे बड़े तीर्थ हैं और इनमें जो भारतवासी श्रद्धा से स्नान करता है वह भारतीय एकता का सबसे बड़ा सिपाही और संत है।काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता कहा है ।हमारी भाषाएं जितना आगे बढ़ेंगी, विभिन्न प्रदेशों का पारस्परिक ज्ञान उतना ही बढ़ता जाएगा ।भारतीय भाषाएं केवल अपनी ही भाषा में प्रसिद्ध होकर न रह जाएं बल्कि भारत के अन्य भाषाओं में भी उनके नाम पहुंचे और उनकी कृतियों की चर्चा हो। भाषाओं के जागरण का आरंभ होते ही एक प्रकार का अखिल भारतीय मंच अपने आप प्रकट होने लगा है ।आज प्रत्येक भाषा के भीतर यह जानने की इच्छा हो गई है कि भारत के अन्य भाषाओं में

	क्या हो रहा है उनमें कौन कौन से लेखक हैं तथा कौन सी विचारधारा वहां प्रभुसत्ता प्राप्त कर रही है। निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:-	
	(i)लेखक ने आधुनिक संगम किसे माना है और क्यों? (क)सभाएँ तथा मंच जहाँ भाषाओं का समागम हो (ख)'नदियों का मिलन स्थल (ग) मेला (घ)इनमें से कोई नहीं	
	(ii)भाषा संगमों में भारत की किन विशेषताओं का संगम होता है? (क)भाषाओं व विचारों का समागम हो (ख)अनेकता में एकता की धारणा का मिलन स्थल (ग)हृदयों का मिलन (घ)उपरोक्त सभी	
	(iii)अलग-अलग प्रदेशों में आपसी ज्ञान किस प्रकार बढ़ सकता है? (क) श्रेष्ठ भाषा दूसरी भाषा पर प्रभाव डालती है (ख) भाषाओ के माध्यम से विचारों और ज्ञान का प्रसार और समन्वय (ग)भाषाएं संकीर्णता और क्षेत्रवाद को बढ़ाती हैं (घ) अपना काम निकालने हेतु लोगों को मजबूरी में दूसरी भाषा का ज्ञान सीखना पड़ता है	
	(iv)स्वराज प्राप्ति के बाद विभिन्न भाषाओँ के लेखकों में क्या जिज्ञासा उत्पन्न हुई? (क)विभिन्न भाषाओं के पाठक वर्ग तक पहुँच हो (ख) अपनी भाषा का वर्चस्व अन्य भाषाओं पर स्थापित करने की (ग)एकांत चिंतन की (घ)इनमें से कोई नहीं	
	(v)लेखक ने सबसे बड़ा सिपाही और संत किसे कहा है? (क)जो विभिन्न भाषाओं को सीखना न चाहे (ख) जो विभिन्न भाषाओं के संगम में स्नान करे (ग)जो युद्ध और शांति दोनों के लिए प्रवृत्त हो (घ)इनमें से कोई नहीं	

	(vi)निर्देशानुसार उत्तर दीजिए:समानार्थी शब्द बताइए-सौरभ,आकांक्षा (क)कली,इच्छा (ख)उपवन,इच्छा (ग)वृक्ष,मांगना (घ)सुगंध,इच्छा	
	(vii) एकता शब्द में प्रत्यय है: (क)ता (ख) कता (ग)एक (घ)इनमें कोई नहीं	
	(viii) नदियों के साथ मनुष्य का .....संबंध है। (क)ऐतिहासिक (ख)भावनात्मक (ग)मानवीय (घ)इनमें कोई नहीं	
	(ix) काका कालेलकर ने नदियों को कौन सी उपाधि दी है:- (क)जाह्नवी (ख) चंचला (ग)लोकमाता (घ)हिमवती	
	(x)उपर्युक्त गद्यांश का एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए| (क)भाषाओं के तीर्थ व लोक समागम (ख)नदियों के संगम (ग)नदियों का महत्व (घ)इनमें कोई नहीं	

प्रश्न 2.	निम्नलिखित में से **किसी एक पद्यांश** को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प उत्तर दीजिए – 1 अंक x5 प्रश्न =5 अंक "क्या रोकेंगे प्रलय मेघ ये ,क्या विद्युत के नर्तन मुझे न साथी रोक सकेंगे,सागर के गर्जन-तर्जन| मै अविराम पथिक अलबेला, रुके न मेरे कभी चरण, शूलों के बदले फूलों का, किया न मैंने कभी चयन| मै विपदाओं में मुस्काता नव आशा के दीप लिए, फिर मुझको क्या रोक सकेंगे, जीवन के उत्थान-पतन| मै अटका कब, कब विचलित मैं, सतत डगर मेरी संबल, रोक सकी पगले कब मुझको, यह युग की प्राचीर निबल| आँधी हो, ओले-वर्षा हो, राह सुपरिचित हो मेरी, फिर मुझको क्या डरा सकेंगे, ये जग के खंडन-मंडन| मुझे डरा पाए कब अंधड़, ज्वालामुखियों के कंपन, मुझे पथिक कब रोक सके हैं, अग्रशिखाओं के नर्तन | मैं बढ़ता अविराम निरंतर तन-मन में उन्माद लिए, फिर मुझको क्या डरा सकेंगे, ये बादल विद्युत नर्तन|"	**5 अंक**
	(i)कविता का मूल भाव क्या है? (क)पलायन (ख) समझौता (ग) आशा (घ)संघर्ष	
	(ii)इस कविता में कवि के स्वभाव की कौन सी विशेषताएँ नजर आतीं हैं? (क)संघर्ष व परिश्रम (ख) भ्रमित (ग) अंतर्विरोध से भरे (घ)क्रुद्ध	
	(iii)मेघ और विद्युत किसके प्रतीक हैं? (क)सुख समृद्धि के (ख)शक्ति के (ग) कमज़ोरी के (घ)कठिनाइयों व चुनौतियों के	
	(iv)मैं बढ़ता अविराम निरंतर तन-मन में उन्माद लिए-इस पंक्ति का आशय बताइए| (क)उनके मन में क्रोध और आक्रोश है (ख)वे बिना रुके उत्साह के साथ कर्म-पथ पर बढ़ते हैं| (ग) वे विचलित हैं (घ) इनमें कोई नहीं	

	(v)नव आशा के दीप से क्या तात्पर्य है ? (क)नई उम्मीदें (ख)नये दीपक (ग) नये स्थान (घ)इनमें कोई नहीं	
	<u>अथवा</u>	
	साँस चलती है तुझे चलना पड़ेगा ही मुसाफिर। चल रहा है तारकों का दल गगन में गीत गाता, चल रहा आकाश भी है शून्य में भ्रमता-भ्रमाता, पाँव के नीचे पड़ी अचला नहीं, यह चंचला है, एक कण भी, एक क्षण भी एक थल पर टिक न पाता, शक्तियाँ गति की तुझे सब ओर से घेरे हुए है, स्थान से अपने तुझे टलना पड़ेगा ही मुसाफिर। साँस चलती है तुझे चलना पड़ेगा ही मुसाफिर। निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सही विकल्पों का चयन कीजिए:-	
	(i)कवि ने मुसाफिर किसे कहा है ? (क)चलने वाले को (ख) मनुष्य को (ग) समाजसेवियों को (घ) इनमें से कोई नहीं	
	(ii)धरती को अचला नहीं चंचला क्यों कहा गया है? (क) यह एक क्षण भी किसी को रुकने नहीं देती,सक्रिय बनाए रखती है (ख) संपत्ति के रूप में यह लोगों के दिमाग को अहंकार से भर देती है (ग) धरती उथल पुथल से भरी है	

	(घ) इनमें कोई नहीं	
	(iii)साँस चलने से कवि का क्या आशय है? (क)जब तक मनुष्य में द्वंद्व है (ख) जब तक मनुष्य विजयी है (ग) जब तक मनुष्य में जीवन व सामर्थ्य है (घ) इनमें से कोई नहीं	
	(iv)काव्यांश का संदेश अपने शब्दों में लिखिए। (क)निष्क्रियता त्याग कर्म करें (ख)सक्रियता त्याग कर्म करें (ग) अक्रिय रहें (घ) चुपचाप चलते रहें	
	(v)काव्यांश का उपयुक्त शीर्षक है:- (क) संघर्ष का पथ (ख)भाग्य (ग) ईश्वरेच्छा (घ)सुगम पथ	
	कार्यालयी हिन्दी और रचनात्मक लेखन (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक के आधार पर)	
प्रश्न 3.	निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प उत्तर लिखिए - 1 अंक x5 प्रश्न =5 अंक (i)भारत में इंटरनेट पत्रकारिता का दूसरा दौर कब शुरू हुआ? (क)2001 से (ख) 2002 से (ग) 2003 से (घ) 2004 से	**5अंक**
	(ii)आधुनिक माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम है (क)अखबार (ख)रेडियो (ग) टेलीविज़न (घ)सिनेमा	
	(iii)नेट साउंड किस माध्यम से संबंधित है ? (क)इंटरनेट (ख)टेलीविजन (ग) रेडियो (घ)सिनेमा	
	(iv)हिंदी में नेट पत्रकारिता का आरंभ किससे हुआ? (क)भास्कर	

	(ख)जागरण (ग) वेबदुनिया (घ) प्रभासाक्षी	
	(v)समाचार लेखन के कितने ककार होते हैं ? (क) 4 (ख) 5 (ग) 6 (घ) 3	
	पाठ्य पुस्तक आरोह भाग 2 से बहु विकल्पात्मक प्रश्न	**10 अंक**
प्रश्न 4.	पठित काव्यांश पर बहुविकल्पी प्रश्न 1अंक × 5 प्रश्न	5अंक
	निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प उत्तर दीजिए -- ज़िंदगी में जो कुछ है,जो भी है सहर्ष स्वीकारा है, इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है वह तुम्हें प्यारा है। गरबीली गरीबी यह, ये गंभीर अनुभव सब यह विचार वैभव सब दृढ़ता यह, भीतर की सरिता यह अभिनव सब मौलिक है, मौलिक है इसलिए कि पल-पल में जो कुछ भी जाग्रत है अपलक है- संवेदन तुम्हारा है!!	
	(i)कवि जीवन की प्रत्येक परिस्थिति को सहर्ष क्यों स्वीकार करता है? (क) कवि को चुनौतियां स्वीकार हैं (ख) कवि आशावादी हैं (ग) कवि की सारी चीजें उनके प्रिय को पसंद है (घ) इनमें से कोई नहीं	

	(ii) गरीबी के लिए किस विशेषण का प्रयोग किया गया है? (क)प्यारा (ख)‘ गंभीर (ग) गरबीली (घ)मौलिक	
	(iii) कवि किसे मौलिक और नवीन मानता है तथा क्यों? (क)उनके विचार और अनुभव (ख)‘धन संपदा (ग) कवि का प्रेम (घ) कवि की लोकप्रियता	
	(iv) कवि अपने जीवन की उपलब्धि का श्रेय किसे देते हैं? (क)अपने आदर्शों को (ख)‘अपनी धन-संपदा को (ग) अपने पूर्वजों को (घ)अपने प्रिय को	
	(v) कविता के मूल में कौन सा स्वर है (क).त्याग (ख)‘संघर्ष व पराजय (ग) प्रेम (घ) निराशा व उपेक्षा	
प्रश्न 5.	निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प उत्तर लिखिए। 1अंक × 5 प्रश्न	5अंक
	सेवक धर्म में हनुमान जी से स्पर्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री न होकरएक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है- नाम है लछमिन अर्थात लक्ष्मी|पर जैसे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृध्दि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओ में नहीं बंध सकी |वैसे तो जीवन में प्राय: सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है; पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृध्दि-सूचक नाम किसी को बताती नहीं		
	(i) सेवक धर्म में भक्तिन की स्पर्धा हनुमान जी से क्यों है? (क)सेवा व समर्पण के कारण (ख) अपने कार्य में निपुणता के कारण (ग) स्वभाव में दृढ़ता के कारण (घ) इनमें कोई नहीं	
	(ii)भक्तिन के सन्दर्भ में हनुमान जी का उल्लेख क्यों हुआ है ? (क)हनुमान जी वीर हैं। (ख) हनुमान जी सेवा के आदर्श हैं (ग) हनुमान जी भक्त हैं (घ) इनमें कोई नहीं	

	(iii)भक्तिन के नाम और उसके जीवन में क्या विरोधाभास था? (क)वास्तविक नाम लक्ष्मी लेकिन धन से रहित (ख)लक्ष्मी के पास धन नहीं ठहरता (ग) लक्ष्मी का भक्तिन से कोई वास्ता नहीं था (घ)इनमें कोई नहीं	
	(iv)लेखिका ने भक्तिन को समझदार क्यों कहा है (क)अपना वास्तविक नाम छिपा लेती है (ख) अपना वास्तविक नाम बता देती है (ग) लक्ष्मी ने कामकाज अच्छी तरह संभाल लिया था (घ)इनमें कोई नहीं	
	(v)अनामधन्या गोपालिका कौन है? (क)लक्ष्मी का भाई (ख) लक्ष्मी के रिश्तेदार (ग) लक्ष्मी की माता (घ) लेखिका	
	पूरक पाठ्य पुस्तक वितान भाग 2 से बहु विकल्पात्मक प्रश्न	
प्रश्न 6.	निम्नलिखित प्रश्नों में निर्देशानुसार सही विकल्पों का चयन कीजिए- 1अंक ×10 प्रश्न	**10 अंक**
	(i) सिल्वर वेडिंग पाठ का मुख्य विषय है- (क)पीढ़ियों का द्वंद्व (ख) यशोधर जी की कर्तव्यपरायणता (ग) किशन दा की समाज सेवा (घ) इनमें से कोई नहीं	
	(ii)कहानी सिल्वर वेडिंग में किशन दा की मृत्यु के संदर्भ में 'जो हुआ होगा' से कहानीकार का क्या तात्पर्य रहा है? (क)लेखक मृत्यु से बहुत दुखी है (ख) लेखक को मृत्यु का कारण पता है (ग) लेखक मृत्यु के कारण से अपरिचित है (घ) लेखक को मृत्यु से कोई अंतर नहीं पड़ता है	
	(iii)किशनदा के रिटायर होने पर यशोधर बाबू उनकी सहायता नहीं कर पाए क्योंकि :- (क)यशोधर बाबू की पत्नी किशनदा से नाराज थी (ख)क्योंकि यशोधर बाबू के घर में किशन दा के लिए स्थान का अभाव था (ग) यशोधर बाबू अपना परिवार था जिसे वे नाराज नहीं करना चाहते थे (घ) किशन दा को यशोधर बाबू ने अपने घर में स्थान देना चाहा था, जिसे किशनदा ने	

	स्वीकार नहीं किया।	
	(iv) "'अतीत में दबे पांव' के अनुसार सिंधु सभ्यता की खूबी उसका सौंदर्य बोध है जो राज्य पोषित या धर्म पोषित न होकर समाज पोषित था।" ऐसा इसलिए कहा गया है क्योंकि:- (क). सिंधु घाटी सभ्यता में सौंदर्य के प्रति चेतना अधिक थी। (ख)'सिंधु घाटी सभ्यता में राजा से बड़ा स्थान लोगों के कार्यों को था (ग) सिंधु घाटी सभ्यता में धर्म का महत्व न था,अतः समाज सर्वोपरि था। (घ)सिंधु घाटी सभ्यता में अमीर-गरीब न थे,अतः समाज में समानता थी।	
	(v) " टूटे-फूटे खंडहर सभ्यता और संस्कृति के इतिहास के साथ साथ जिंदगी के अनछुए समयों के भी दस्तावेज होते हैं।" पाठ के अनुसार इस कथन का भाव हो सकता है:- (क)ऐतिहासिक इमारतों में बीते हुए जीवन के चिन्ह महसूस होते हैं। (ख)'ऐतिहासिक इमारतों,कला,खानपान इत्यादि में सदा जीवंतता होती है। (ग) पुरातन इमारतों के अध्ययन मात्र से ही इतिहास की व्याख्या संभव हो पाती है । (घ)इतिहास की समझ हेतु केवल सभ्यता और संस्कृति को जानना आवश्यक होता है।	
	(vi)जूझ पाठ के अनुसार कविता के प्रति लगाव से पहले और उसके बाद अकेलेपन के प्रति लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया? (क)अकेलापन डरावना है (ख)'अकेलापन उपयोगी है (ग) अकेलापन अनावश्यक है (घ)अकेलापन सामान्य प्रक्रिया है	
	(vii)'डायरी के पन्ने 'पाठ विश्व-इतिहास की किस महत्वपूर्ण घटना की पृष्ठभूमि पर आधारित है? (क)प्रथम विश्वयुद्ध (ख)'द्वितीय विश्वयुद्ध (ग) रूस की क्रांति (घ)जर्मनी का विभाजन	
	(viii)" काश कोई होता जो मेरी भावनाओं को गंभीरता से समझ पाता।अफ़सोस ऐसा व्यक्ति मुझे अब तक नहीं मिला....." डायरी के पन्ने पाठ की पंक्ति में इस कथन का भाव है (क)ऐन फ्रैंक किसी संवेदनशील व्यक्ति की खोज में थी (ख)'ऐन फ्रैंक अकेलेपन से त्रस्त थी थी और उसे कोई समझ नहीं पा रहा था (ग) ऐन फ्रैंक एक तहखाने में कैद थी और उसे कोई समझ नहीं पा रहा था (घ)ऐन फ्रैंक सबके मजाक की पात्र थी और उसे कोई समझ नहीं पा रहा था।	
	(ix)जूझ' पाठ के अनुसार पढ़ाई-लिखाई के संबंध में लेखक और दत्ता जी राव का रवैया सही था क्योंकि	

	(क)लेखक खेती-बाड़ी नहीं करना चाहता था (ख)दत्ता जी राव जानते थे कि खेती-बाड़ी में लाभ नहीं है (ग) लेखक का पढ़-लिख कर सफल होना बहुत आवश्यक था (घ)लेखक का पिता नहीं चाहता था कि वह आगे की पढ़ाई करे।	
	(x)आनंद को साहित्य सृजन की प्रेरणा किससे मिली? (क)गणित शिक्षक से (ख)'कक्षा शिक्षक से (ग) मराठी शिक्षक से (घ)अपने पिता से	
	खंड ब वर्णनात्मक प्रश्न	
	कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन	**20 अंक**
प्रश्न 7.	निम्नलिखित में से **किसी एक विषय** पर 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए- (i) अचानक जब हमारी मेट्रो ट्रेन रुक गई (ii) विज्ञापन होर्डिंग (iii) हर रात चांदनी रात होती तो	5अंक
प्रश्न 8.	नगरों में दिन प्रतिदिन बढ़ते हुए प्रदूषण के प्रति चिंता प्रकट करते हुए किसी दैनिक समाचार पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए | 5अंक × 1प्रश्न	5अंक
	अथवा	
	कोरोना के बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए लोगों की स्वास्थ्य रक्षा के लिए अपने कॉलोनी को नियमित सैनिटाइज करने की मांग करते हुए अपने नगर निगम के अधिकारियों को पत्र लिखिए।	
प्रश्न 9.	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 से 50 शब्दों में लिखिए। (i).कहानियों में कल्पना का मिश्रण करने से कहानीकारों को क्या-क्या लाभ होता है ? अथवा 3अंक × 1प्रश्न कविता की रचना के लिए शब्द कितना आवश्यक है? (ii) नाटक साहित्य की अन्य विधाओं से अलग कैसे है? अथवा 2अंक × 1प्रश्न कहानी की रचना में पात्रों की भूमिका स्पष्ट कीजिए।	5अंक

प्रश्न10.	(क).विशेष लेखन को उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। अथवा 3अंक × 1प्रश्न फीचर को आत्म निष्ठ लेखन कहने के कारणों को स्पष्ट कीजिए। (ख).संपादकीय लेखन क्या है? अथवा 2अंक × 1प्रश्न समाचार लेखन के छह ककार कौन से हैं?इनका क्या महत्व है?	5अंक
	पाठ्य पुस्तक आरोह भाग-2 पर आधारित	20 अंक
प्रश्न11.	निम्नलिखित में से **किन्हीं दो प्रश्नों** के उत्तर 50 से 60 शब्दों में दीजिए -- 3 x2=6 (क) 'कैमरे में बंद अपाहिज' करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है–इस पर विचार प्रकट कीजिए | (ख) कवितावली की कविताओं के आधार पर सिद्ध कीजिए कि तुलसीदास को अपने युग की आर्थिक विषमताओं की अच्छी समझ थी। (ग) 'उषा' कविता में किन उपमानों के द्वारा गाँव की सुबह का गतिशील शब्दचित्र बनाया गया है ?	6 अंक
प्रश्न12.	निम्नलिखित में से **किन्हीं दो प्रश्नों** के उत्तर लगभग 30 से 40 शब्दों में। (2x2=4 अंक) (क).शोकग्रस्त माहौल में हनुमान के अवतरण को करुण रस के बीच वीर रस का आविर्भाव क्यों कहा गया है? (ख).फिराक गोरखपुरी राखी के लच्छे को बिजली की चमक की तरह कहकर क्या भाव व्यंजित करना चाहता है? (ग).बच्चे किस बात की आशा में नीड़ों से झांक रहे होंगे? 'एक गीत' कविता के आधार पर लिखिए।	4 अंक
प्रश्न13.	निम्नलिखित में से **दो प्रश्न** लगभग 50 से 60 शब्दों में। (3x2=6 अंक) (क) लुट्टन पहलवान ने ऐसा क्यों कहा होगा कि मेरा गुरु कोई पहलवान नहीं,यही ढोल है ?तर्क दीजिए| (ख) 'नमक' कहानी में भारत और पाकिस्तान की जनता के आरोपित भेद–भावों के बीच मुहब्बत का नमकीन स्वाद घुला हुआ है , कैसे ?समझाइए| (ग) बाज़ार का जादू चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर क्या-क्या प्रभाव पड़ता है?स्पष्ट कीजिए|	6 अंक
प्रश्न14.	निम्नलिखित में से **किन्हीं दो प्रश्नों** के उत्तर लगभग 30 से 40 शब्दों में लिखिए। (2x2=4	4 अंक

	अंक) (क).जाति प्रथा को श्रम विभाजन का ही एक रूप न मानने के पीछे डॉ. आंबेडकर के क्या तर्क हैं? (ख).जीजी ने इंदरसेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया? (ग).बाजार दर्शन पाठ के आधार पर भगत जी के स्वभाव की कोई दो विशेषताएं समझाइए।	
	कुल अंक	**80 अंक**

केन्द्रीय विद्यालय संगठन रायपुर संभाग

मूल्यांकन 2020-21 कक्षा:- बारहवीं

हिंदी (आधार) कोड सं.-302

मूल्यांकन हेतु अंक योजना-1

निर्धारित समय 3 घंटे **अधिकतम अंक 80**

सामान्य निर्देश- 1.अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है|

2.खंड अ में वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। इनका मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाए| खंड अ में कुल 06 प्रश्न पूछे गए हैं जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं।

3.खंड ब में कुल 08 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं ।अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं|ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं|यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिन्दुओं से भिन्न,किंतु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएँ|

प्रश्न क्र.	संभावित उत्तर संकेत	निर्धारित अंक
प्रश्न 1.	(i) (क) परिश्रम से सफलता	1
	(ii) (ख) स,ता	1
	(iii) (ग) अपने मार्गदर्शक स्वयं बनो	1
	(iv) (क) परिश्रम के बदले भाग्य पर निर्भर रहते हैं	1
	(v) (घ) सफलता प्राप्त करने में आने वाली बाधाएं और संघर्ष	1
	(vi) (क) क्रमशः ध्यान,निर्भीकता व साधना	1
	(vii) (क) परिश्रम,कर्तव्यनिष्ठा,दृढ़ता	1

	(viii) (ग) जो इंद्रियों पर विजय प्राप्त करें	1
	(ix) (क) सदा+एव	1
	(x) (क) उत्साह,संघर्ष व सफलता	1
	अथवा	
	(i) (क) सभाएँ तथा मंच जहाँ भाषाओं का समागम हो	1
	(ii) (घ) उपरोक्त सभी	1
	(iii) (ख) भाषाओं के माध्यम से विचारों और ज्ञान का प्रसार और समन्वय	1
	(iv) (क) विभिन्न भाषाओं के पाठक वर्ग तक पहुँच हो	1
	(v) (ख) जो विभिन्न भाषाओं के संगम में स्नान करे	1
	(vi) (घ) सुगंध,इच्छा	1
	(vii) (क) ता	1
	(viii) (ख) भावनात्मक	1
	(ix) (ग) लोकमाता	1
	(x) (क) भाषाओं के तीर्थ व लोक समागम	1
प्रश्न 2	(i) (घ) संघर्ष	1
	(ii) (क) संघर्ष व परिश्रम	1
	(iii) (घ) कठिनाइयों व चुनौतियों के	1
	(iv) (ख) वे बिना रुके उत्साह के साथ कर्म-पथ पर बढ़ते हैं|	1
	(v) (क) नई उम्मीदें	1
	अथवा	
	(i) (ख) मनुष्य को	1
	(ii) (क) यह एक क्षण भी किसी को रुकने नहीं देती है और सक्रिय बनाए रखती है|	1
	(iii) (ग) जब तक मनुष्य में जीवन व सामर्थ्य है	1

	(iv) (क) निष्क्रियता त्याग कर्म करें	1
	(v) (क) संघर्ष का पथ	1
प्रश्न 3.	(i) (ग) 2003 से	1
	(ii) (क) अखबार	1
	(iii) (ख) टेलीविजन	1
	(iv) (ग) वेबदुनिया	1
	(v) (ग) 6	1
प्रश्न 4.	(i)(ग) कवि की सारी चीजें उनके प्रिय को पसंद है	1
	(ii) (ग) गरबीली	1
	(iii) (क) उनके विचार और अनुभव	1
	(iv) (घ) अपने प्रिय को	1
	(v) (ग) प्रेम	1
प्रश्न 5.	(i)(क) सेवा व समर्पण के कारण	1
	(ii) (ख) हनुमान जी सेवा के आदर्श हैं	1
	(iii) (क) वास्तविक नाम लक्ष्मी लेकिन धन से रहित	1
	(iv) (क) अपना वास्तविक नाम छिपा लेती है	1
	(v) (ग) लक्ष्मी की माता	1
प्रश्न 6.	(i) (क) पीढ़ियों का द्वंद्व	1
	(ii) (ग) लेखक मृत्यु के कारण से अपरिचित है	1
	(iii) (ग) यशोधर बाबू का अपना परिवार था जिसे वे नाराज नहीं करना चाहते थे	1

	(iv) (ख) सिंधु घाटी सभ्यता में राजा से बड़ा स्थान लोगों के कार्यों को था	1
	(v) (क) ऐतिहासिक इमारतों में बीते हुए जीवन के चिन्ह महसूस होते हैं|	1
	(vi) (ख) अकेलापन उपयोगी है	1
	(vii) (ख) द्‌वितीय विश्वयुद्ध	1
	(viii) (क) ऐन फ्रेंक किसी संवेदनशील व्यक्ति की खोज में थी	1
	(ix) (ख) दत्ता जी राव जानते थे कि खेती-बाड़ी में लाभ नहीं है	1
	(x) (ग) मराठी शिक्षक से	1
	खंड ब वर्णनात्मक प्रश्न	
	कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन	20 अंक
प्रश्न 7.	दिए गए नए व अप्रत्याशित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेखन भूमिका -1 अंक विषयवस्तु-3 अंक भाषा-1 अंक	5अंक
प्रश्न 8.	(लगभग 80 से 100 शब्द) आरंभ एवं अंत की औपचारिकतायें-1 अंक विषयवस्तु -3 अंक भाषा-1	5अंक
प्रश्न 9.	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 से 50 शब्दों में लिखिए।	5अंक
	(i)कहानियों में कल्पना का मिश्रण करने से कहानीकारों की रचनात्मकता को विस्तार मिलता है|कहानी रोचक बनती है| अथवा 3अंक × 1प्रश्न कविता की रचना के लिए शब्द आवश्यक हैं क्योंकि शब्दों में अर्थों की कई परतें होती हैं|शब्दों से ही कविता अभिव्यक्त होती है|	

	(ii) नाटक साहित्य की अन्य विधाओं से अलग है क्योंकि अन्य विधाएँ अपने लिखित रूप में ही निश्चित एवं अंतिम रूप को प्राप्त होती हैं|वहीं दृश्य रूप में मंचन से ही नाटक को संपूर्णता प्राप्त होती है| अथवा 2अंक × 1प्रश्न कहानी पात्रों के माध्यम से ही अभिव्यक्त होती है|ये कहानी के स्वरुप को स्पष्ट करने में सहायक हैं|	
प्रश्न 10.	(क).विशेष लेखन सामान्य से अलग हटकर किया जाता है|इसे तैयार करने के लिए सामान्य ख़बरों से आगे बढ़कर उस विशेष क्षेत्र या विषय के संबंध में विशद ज्ञान व बारीकी से विश्लेषण की आवश्यकता होती है|। अथवा 3अंक × 1प्रश्न फीचर को आत्म निष्ठ लेखन कहते हैं क्योंकि इस पर लेखक की वैयक्तिकता की गहरी छाप होती है|लेखक अपने विचार प्रमुखता से रखता है|	5अंक
	(क)विभिन्न घटनाओं व समाचारों पर किसी समाचार पत्र की अधिकृत राय व्यक्त करने वाले आलेख को संपादकीय लेखन कहते हैं| अथवा 2अंक × 1प्रश्न क्या,किसके(कौन),कहाँ,कब,क्यों,कैसे|समाचार के लेखन में इन ककारों के अधिकाधिक उत्तर ढूँढने की कोशिश होती है|समाचार के लेखन में इनका ध्यान रखा जाता है|	
	पाठ्य पुस्तक आरोह भाग-2 पर आधारित	20 अंक
प्रश्न 11.	निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 50 से 60 शब्दों में दीजिए -- 3 x2=6 (क) कार्यक्रम प्रस्तुतकर्ता को अपाहिज से वास्तविक सहानुभूति नहीं है|वह व्यावसायिकता के लिए अपाहिज की संवेदनाओं से खेल रहा है|वह करुणा का ढोंग कर रहा है| (ख) तुलसी को जनता की पीड़ा का ज्ञान था|वे गरीबी,बेकारी,भुखमरी तथा पेट की आग से परिचित थे|काम न मिलने की विवशता में लोग ऊँच-नीच कर्म कर रहे थे| (ग) 'उषा' कविता में राख से लीपा हुआ चौका,केसर से धोई हुई सिल,स्लेट पर लाल खड़िया चाक का मलना आदि ग्राम्य जीवन से उपमान हैं|इन उपमानों के द्वारा गाँव की सुबह का गतिशील शब्दचित्र बनाया गया है|	6 अंक

प्रश्न 12.	काव्य खंड पर आधारित तीन में से दो प्रश्न लगभग 30 से 40 शब्दों में। (2x2=4 अंक) (क).हनुमान साहसी हैं|वे स्वयं वीरता के पर्याय हैं|उन्हें कार्य पूर्ण कर आया जानकर वातावरण में करुण रस के बदले वीर रस का आविर्भाव हो गया| (ख).फिराक गोरखपुरी राखी के लच्छे को बिजली की चमक की तरह मानते हैं|बहन द्वारा भाई के हाथ में बाँधी गई राखी के लच्छे से उन दोनों के प्रेम की चमक निकल और फ़ैल रही है| (ग).चिड़ियों के शिशु घोंसलों में माता-पिता की प्रतीक्षा करते हैं|वे सुबह से शाम तक आशा एवं धैर्य के साथ स्नेह एवं भोजन की प्रतीक्षा करते हैं|	4 अंक
प्रश्न 13.	गद्य खंड पर आधारित तीन में से दो प्रश्न लगभग 50 से 60 शब्दों में। (3x2=6 अंक) (क) लुट्टन ने कुश्ती के दांव-पेंच किसी गुरु से नहीं,बल्कि ढोल की आवाज से सीखे थे। ढोल से निकली हुई ध्वनियां उसे दांव-पेच सिखाती हुई और आदेश देती हुई प्रतीत होती थी। ढोल ने एक गुरु की तरह उसका मार्गदर्शन किया| (ख) 'नमक' कहानी में भारत और पाकिस्तान की जनता के आरोपित भेद–भावों के बीच मुहब्बत का नमकीन स्वाद घुला हुआ है| वस्तुतः दोनों देशों की जनता भेदभाव नहीं चाहती है|वे आपस में प्रेम और स्नेह रखते हैं|सिख बीबी,सफ़िया,कस्टम अधिकारी सुनीलदास गुप्त आदि के आपसी व्यवहार से यह बात स्पष्ट होती है| (ग) बाजार की चमक-दमक के चुंबकीय आकर्षण को बाजार का जादू कहा गया है, यह जादू आंखों की राह कार्य करता है। बाजार के इसी आकर्षण के कारण ग्राहक सजी-धजी चीजों को आवश्यकता न होने पर भी खरीदने को विवश हो जाते हैं।इस जादू के उतरने पर उसे महसूस होता है कि उसने अनावश्यक चीजें ले ली हैं|वह स्वयं को ठगा-सा महसूस करता है|	6 अंक
प्रश्न 14.	गद्य खंड पर आधारित तीन में से दो प्रश्न लगभग 30 से 40 शब्दों में। (2x2=4 अंक) (क).जाति प्रथा को श्रम विभाजन का ही एक रूप न मानने के पीछे डॉ. आंबेडकर के ये तर्क हैं:-यह मनुष्य की रूचि पर आधारित नहीं,इसमें व्यक्ति की क्षमता की उपेक्षा की जाती है|व्यक्ति के जन्म से पहले ही उसका श्रम विभाजन होना अनुचित है| (ख).जीजी ने इंदरसेना पर पानी फेंके जाने को सही ठहराया कि यह पानी की बर्बादी नहीं है बल्कि इंद्र भगवान को अर्घ्य देना है|मनुष्य जो चीज पाना चाहता है,पहले उसे देना पड़ता है| (ग).भगत जी पर बाज़ार का जादू असर नहीं करता|वे संयमी,लोभरहित व्यक्ति हैं|जितनी आवश्यकता है,बाज़ार से उतना ही खरीदते हैं|	4 अंक
	कुल अंक	80 अंक

केन्द्रीय विद्यालय संगठन- रायपुर संभाग

प्रतिदर्श एवं अभ्यास प्रश्नपत्र-2 (2020-21)

विषय-हिन्दी कक्षा-बारहवी अवधि -3 घंटे पूर्णांक-80

निर्देश:- * इस प्रश्नपत्र के दो खंड-'अ' और 'ब 'हैं|दोनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है|

*** खंड 'अ' में वस्तुपरक (बहुविकल्पीय) प्रश्न हैं|**

*** खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं | प्रश्नों में आतंरिक विकल्प दिए गए हैं|**

खंड- 'अ'

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक को पढ़कर को पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चयन कर उत्तर लिखिए - 1x10=10

जीवात्मा संसार में आते ही भिन्नत्व को प्राप्त होता है|कोई गरीब है, कोई अमीर है| कोई झुग्गी-झोपडी में जन्म लेता है और पूरा जीवन अभाव ग्रस्त,रोग, भूख , शोक,अपमान की स्थिति में रहकर हर पल जीता हुआ संसार से कूच कर जाता है| कोई किसी संपन्न घराने में जन्म लेता है, जहाँ सब सुख-सुविधाएँ, पद-प्रतिष्ठा ,मान-सम्मान का बाहुल्य होता है । किसी को दीर्घायु प्राप्त होती है, तो कोई अकाल ही कालग्रस्त हो जाता है । इस विषमता का संसार में जीवात्मा के साथ सभी कारण जानना चाहते हैं ,जो प्रत्यक्ष या परोक्ष में दृष्टिगोचर नहीं होता। तब साधारणतया हम सब सोचने लगते हैं कि तकदीर का ही खेल है । भाग्य प्रबल होता है। ऐसा भी मानना पडता है कि आत्मा अविनाशी है और यह विषमता हमारे साथ पूर्व जन्म के कर्मों के कारण उपस्थित है ।

कोई मिट्टी में हाथ डालता है ,तो उसके पास अपार धन हो जाता है और कई बार कोई सम्पन्न्ता की उँचाई से ऐसा गिरता है कि सब कुछ मिट्टी हो जाता है । शायद इसीलिए हम लोग तकदीर का रोना रोते हैं और भाग्य पलटने की कई उल्टी-सीधी जुगतें लगाते हैं । कई लोग तो जादू-टोना ,धागा-ताबीज ,झाड़-फूँक या फिर किसी पाखंडी ज्योतिषी का सहारा लेते हैं । जब ऐसे मिथ्याचार व अंधविश्वासों से कुछ नहीं होता तो भाग्य को प्रबल मान कर बैठ जाते हैं । मनीषी कहते हैं कि पुरुषार्थी भाग्य का निर्माण स्वयं करते हैं । केवल आलसी भाग्य को कोसते हैं । पुरुषार्थी आलस्यरहित रहना ठीक समझता है । साधारणतया जिसे हम भाग्य या प्रारब्ध कहते हैं वह हमारे पूर्व-संचित कर्म ही होते हैं । श्रेष्ठ पुरुष दौड़ लगाते हैं ,आगे चलते हैं , उनके पीछे और लोग चलते हैं । जो दौड़ता है उसे लक्ष्य मिलने की सम्भावना अधिक होती है । घर के अन्दर पलंग पर पड़े-पड़े हम केवल कमरों को ही देख सकते हैं । महाराज भर्तृहरि ने मनुष्यों की तीन श्रेणियों में बाँटा अधम, मध्यम, उत्तम । अधम क्लेश के डर से कोई काम प्रारम्भ नहीं करते । मध्यम लोग कार्य प्रारम्भ तो कर देते हैं,परंतु कोई विघ्न पड़ने पर दुखी होकर बीच में छोड़ देते हैं । परंतु उत्तम लोग बार-बार विघ्न आने पर भी प्रारम्भ किये काम को नहीं छोड़ते,वरन उसे पूरा करके ही दम लेते हैं । ऐसे लोग पुरुषार्थी कहलाते हैं ।

उपनिषद कहते हैं - चरैवेति ,चरैवेति अर्थात चलते रहो ,चलते रहो।हर स्थिति और परिस्थिति में आगे बढ़ने का नाम जीवन है । गुरु नानक ने कहा था कि आयु का एक क्षण संसार के सब रत्नों को देकर भी नहीं पाया जा सकता । जो हमारा समय निकल गया उसकी चिंता छोड़ें । जो जीवन शेष बचा

है उसके बारे में विचार करें, सँभालें । गीता का सर्वप्रिय उपदेश भी यही है कि फल की चिंता किये बिना सत्कर्मों में प्रवृत्त हो जाएं और अपने इस देव-दुर्लभ जीवन को सफल बनाएं ।

(i) जीवात्मा के भिन्नत्व से तात्पर्य है-

(क) अमीरी-गरीबी (ख) दीर्घायु-अल्पायु जीवन

(ग) विनाशी-अविनाशी आत्मा (घ) 'अ' और 'ब' दोनों

(ii) सांसारिक विषमता को देखकर हम सब क्या सोचने लग जाते हैं-

(क) तकदीर का ही खेल है (ख) रिश्तों की उपेक्षा है

(ग) सम्पर्कों का प्रभाव है (घ) नैतिक पतन है

(iii) पुरुषार्थी क्या करते हैं-

(क) भाग्य का रोना रोते हैं (ख) हारकर बैठ जाते हैं

(ग) भाग्य का निर्माण स्वयं करते हैं (घ) सरकारों को कोसते हैं

(iv) प्रारब्ध क्या है-

(क) आत्मा का रूप (ख) पूर्वसंचित कर्म

(ग) भिन्न-भिन्न जीवन (घ) आदर्श व्यक्ति

(v) भर्तृहरि के अनुसार मनुष्य होते हैं-

(क) अधम (ख) मध्यम (ग) उत्तम (घ) दिये गए तीनों

(vi) मध्यम श्रेणी के लोग-

(क) कार्य प्रारम्भ नहीं करते (ख) कार्य पूर्ण करते हैं

(ग) बहस करते हैं (घ)कार्य बीच में ही छोड़ देते हैं

(vii) आलसी व्यक्ति को किस श्रेणी में रखा जा सकता है-

(क) अधम (ख) मध्यम (ग) उत्तम (घ) इनमें से कोई नहीं

(viii) 'चलते रहो,चलते रहो' किसका उपदेश है-

(क) गुरुनानक का (ख) उपनिषद

(ग) आलसी व्यक्ति का (घ) अंधविश्वासी का

(ix)गीता का उपदेश है-

(क) अवसर खोजो (ख) अंधविश्वासी बनो

(ग)कर्म करो,फल की चिंता नहीं (घ) फल की चिंता करो,कर्मों की नहीं

(x) 'अविनाशी" शब्द का अर्थ होगा-

(क) भाग्यवादी (ख) पुरुषार्थी (ग) अमर (घ) नष्ट होने वाला

अथवा

हम जिस तरह भोजन करते हैं , गाछ-बिरछ भी उसी तरह भोजन करते हैं । हमारे दाँत हैं ,कठोर चीज खा सकते हैं । नन्हे बच्चों के दाँत नहीं होते , वे केवल दूध पी सकते हैं । गाछ-बिरछ के भी दाँत नहीं होते इसलिए वे केवल तरल द्रव्य या वायु से भोजन ग्रहण करते हैं । गाछ-बिरछ जड़ के द्वारा माटी से रसपान करते हैं । चीनी में पानी डालने पर चीनी गल जाती है । माटी में पानी डालने पर उसमें

बहुत-से द्रव्य गल जाते हैं । गाछ-बिरछ वही तमाम द्रव्य सोखते हैं । जड़ों को पानी नहीं मिलने पर पेड़ का भोजन बंद हो जाता है, पेड़ मर जाता है ।

खुर्दबीन से अत्यंत सूक्ष्म पदार्थ देखे जा सकते हैं । पेड़ की डाल अथवा जड़ का इस यंत्र द्वारा परीक्षण करने पर देखा जा सकता है कि पेड़ में हजारों-हजार नल हैं । इन्हीं सब नलों के द्वारा माटी से पेड़ के शरीर में रस का संचार होता है ।

इसके अलावा गाछ के पत्ते हवा से आहार ग्रहण करते हैं । पत्तों में अनगिनत छोटे-छोटे मुँह होते हैं । खुर्दबीन के जरिये अनगिनत मुँह पर अनगिनत होंठ देखे जा सकते हैं । जब आहार ग्रहण करने की जरूरत न हो तब दोनों होंठ बंद हो जाते हैं । जब हम श्वास लेते हैं और उसे बाहर निकालते हैं तो एक प्रकार की विषाक्त वायु बाहर निकलती है उसे 'अंगारक' वायु कहते हैं । अगर यह जहरीली हवा पृथ्वी पर इकट्ठी होती रहे तो तमाम जीव जंतु कुछ ही दिनों में उसका सेवन करके नष्ट हो सकते हैं । " जरा विधाता की करुणा का चमत्कार तो देखो जो जीव-जंतुओं के लिये जहर है , गाछ-बिरछ उसी का सेवन करके उसे शुद्ध कर देते हैं।पेड़ के पत्तों पर जब सूर्य का प्रकाश पड़ता है तब पत्ते सूर्य उर्जा के सहारे 'अंगारक' वायु से अंगार नि:शेष कर डालते हैं । पेड़-पौधे प्रकाश चाहते हैं । प्रकाश न मिलने पर बच नहीं सकते ।

गाछ-बिरछ की सर्वाधिक कोशिश यही रहती है कि किसी तरह उन्हे थोड़ा-सा प्रकाश मिल जाए।यदि खिड़की के पास गमले में पौधे रखो , तब देखोगे कि सारी पत्तियाँ व डालियाँ अंधकार से बच कर प्रकाश की ओर बढ़ रही हैं।वन में जाने पर पता लगेगा कि पेड़-पौधे इस होड़ में सचेष्ट हैं कि कौन जल्दी से सर उठाकर पहले प्रकाश को झपट ले।बेल-लताएं छायामें पड़ी रहने के कारण प्रकाश के अभाव में मर जाएंगी । इसीलिए वे पेड़ों से लिपटी हुई,निरंतर उपर की ओर अग्रसर रहती हैं । अब तो समझ गये होगे कि प्रकाश ही जीवन का मूलमंत्र है ।

(i) गाछ-बिरछ से क्या तात्पर्य है-

(क) गाय-बैल (ख) कीड़े-मकोड़े (ग) पेड़-पौधे (घ) स्त्री-पुरुष

(ii) गाछ-बिरछ किस प्रकार भोजन प्राप्त करते हैं-

(क) दाँत से चबाकर (ख)जड़ों से तरल द्रव्य सोखकर

(ग) अपने फलों को खाकर (घ)अन्य पेड़ों से भोजन साझा करते हैं

(iii) निम्न में से कौन-सा कथन सही नहीं है-

(क) खुर्दबीन से अत्यंत सूक्ष्म पदार्थ देखे जा सकते हैं

(ख) पेड़ की जड़ या डाल का खुर्दबीन से सूक्ष्म परीक्षण किया जा सकता है

(ग) पेड़ में नल लगाकर हम उसका रस पी सकते हैं

(घ) पेड़ जड़ के द्वारा मिट्टी से रसपान करते हैं

(iv) जड़ों के अलावा पेड़ पत्तों से आहार ग्रहण करते हैं-

(क) सही है (ख) गलत है (ग) कह नहीं सकते (घ) अधूरी सूचना है

(v) पत्तों के विषय में निम्नलिखित में से क्या सही है-

(क) पत्तों में अनगिनत छोटे-छोटे मुँह होते हैं।

(ख) दूरबीन के द्वारा पत्तों के मुँह देखे जा सकते हैं।

(ग) पत्ते ठोस आहार के द्वारा पेड़ को भोजन देते हैं।

(घ) पत्तों के छोटे-छोटे मुँह हमेशा खुले रहते हैं।

(vi) 'अंगारक' वायु क्या है-

(क) गर्म वायु (ख) अंगों को सुकून देने वाली वायु

(ग) विषाक्त वायु (घ) पेड़ से निकलने वाली वायु

(vii) 'अंगारक' वायु से विषाक्तता पत्ते किसके सहारे दूर करते हैं-

(क) जल के सहारे (ख) अग्नि के सहारे

(ग) सूर्य के प्रकाश के सहारे (घ) मिट्टी के सहारे

(viii) गाछ-बिरछ की सर्वाधिक कोशिश रहती है-

(क) थोड़ा-सा आराम मिल जाए (ख) थोड़ी-सी सुरक्षा मिल जाए

(ग) थोड़ी-सी छाँव मिल जाए (घ) थोड़ा-सा प्रकाश मिल जाए

(ix) गद्यांश के अनुसार जीवन का मूलमंत्र है-

(क) भोजन (ख) रसपान (ग) प्रकाश (घ) खुर्दबीन

(x) 'तमाम' शब्द का अर्थ होगा-

(क) कुछ (ख) नगण्य (ग) समस्त (घ) थोड़ा

प्रश्न 2.निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-1x5=5

आज जब घर पहुंचा शाम को
तो बडी अजीब घटना हुई
मेरी ओर किसी ने भी कोई ध्यान ही न दिया।
चाय को न पूछा आके पत्नी ने
बच्चे भी दूसरे ही कमरे में बैठे रहे
नौकर भी बडे ढीठ ढंग से झाड़ू लगाता रहा
मानो मैं हूँ ही नहीं-
तो क्या मैं हूँ ही नहीं?
और तब विस्मय के साथ यह बोध मन में जगा
अरे, मेरी देह आज कहां है?
रेडियो चलाने को हुआ-हाथ गायब हैं
बोलने को हुआ-मुंह लुप्त है
दृष्टि है परन्तु हाय! आंखों का पता नहीं
सोचता हूँ- पर सिर शायद नदारद है
तो फिर-तो फिर मैं भला घर कैसे आया हूँ
और तब धीरे-धीरे ज्ञान हुआ
भूल से मैं सिर छोड आया हूँ दफ्तर में
हाथ बस में ही टंगे रह गए
आंखें जरूर फाइलों में ही उलझ गईं

मुंह टेलीफोन से ही चिपटा सटा होगा
और पैर हो न हो क्यू में रह गए हैं-
तभी तो मैं आज आया हूँ विदेह ही!
देहहीन जीवन की कल्पना तो
भारतीय संस्कृति का सार है
पर क्या उसमें यह थकान भी शामिल है
जो मुझ अंगहीन को दबोचे ही जाती है?

(i) अजीब घटना क्या घटी-

(क)कवि को प्रणाम नहीं किया गया (ख)कवि के घर के बाहर भीड़ जमा थी

(ग)कवि की ओर किसी ने ध्यान नहीं दिया (घ)कवि किसी और रास्ते पर भटक गया

(ii) घर के बदले हुए माहौल से कवि को क्या अनुभूति हुई-

(क)मानो उसका मजाक उड़ाया गया (ख)मानो वह अपने घर में ही अपरिचित है

(ग)मानो उसके घर वाले बदल गये हैं (घ) मानो वह घायल हो गया है

(iii) कविता के अनुसार निम्नलिखित में से सही युग्म छांटिए है-

(क) रेडियो चलाने को हुआ- हाथ गायब (ख) बोलने को हुआ - होंठ लुप्त

(ग) दृष्टि नहीं है - आँखें हैं (घ) सोचता हूँ - सिर मौजूद है

(iv) कवि के अनुसार देहहीन जीवन----------सार है-

(क)भारतीय कलाओं का (ख) भारतीय संगीत का

(ग)भारतीय संस्कृति का (घ) भारतीय जीवन का

(v) कविता का केन्द्रीय भाव है-

(क) बाजार की भागदौड़ (ख)ग्रामीण जीवन

(ग) कार्यालयी जीवन की थकान (घ)परिवार का स्नेह

अथवा

घनी रात, बादल रिमझिम हैं, दिशा मूक, निस्तब्ध वनंतर
व्यापक अंधकार में सिकुड़ी सोयी नर की बस्ती भयकर
है निस्तब्ध गगन, रोती-सी सरिता-धार चली गहराती,
जीवन-लीला को समाप्त कर मरण-सेज पर है कोई नर
बहुत संकुचित छोटा घर है, दीपालोकित फिर भी धुंधला,
वधू मूर्छिता, पिता अर्ध-मृत, दुखिता माता स्पंदन-हीन
घनी रात, बादल रिमझिम हैं, दिशा मूक, कवि का मन गीला
"ये सब क्षनिक, क्षनिक जीवन है, मानव जीवन है क्षण-भंगुर"।
ऐसा मत कह मेरे कवि, इस क्षण संवेदन से हो आतुर
जीवन चिंतन में निर्णय पर अकस्मात मत आ, ओ निर्मल !
इस वीभत्स प्रसंग में रहो तुम अत्यंत स्वतंत्र निराकुल
भ्रष्ट ना होने दो युग-युग की सतत साधना महाआराधना

इस क्षण-भर के दुख-भार से, रहो अविचिलित, रहो अचंचल
अंतरदीपक के प्रकाश में विणत-प्रणत आत्मस्य रहो तुम
जीवन के इस गहन अटल के लिये मृत्यु का अर्थ कहो तुम
क्षण-भंगुरता के इस क्षण में जीवन की गति, जीवन का स्वर
दो सौ वर्ष आयु होती तो क्या अधिक सुखी होता नर?
इसी अमर धारा के आगे बहने के हित ये सब नश्वर,
सृजनशील जीवन के स्वर में गाओ मरण-गीत तुम सुंदर
तुम कवि हो, यह फैल चले मृदु गीत निर्बल मानव के घर-घर
ज्योतित हों मुख नवम आशा से, जीवन की गति, जीवन का स्वर ।

(i)कविता की आरंभिक पंक्तियाँ क्या व्यंजित कर रहीं हैं-

(क) वर्षा ऋतु की अँधेरी रात (ख) जाड़ों की ढलती शाम
(ग) सूर्योदय का उषाकाल (घ) दिन का तीसरा पहर

(ii) जिस घर का वर्णन है वह-

(क) अत्यंत आलीशान है (ख) सैकड़ों वर्ष पुराना है
(ग) बहुत छोटा है (घ) खँडहर है

(iii) किस निर्णय पर अकस्मात् न आने की बात कही गयी है-

(क) जीवन की क्षणभंगुरता (ख) संसार के स्वार्थी होने का
(ग) स्वजनों की उपेक्षा का (घ) मित्रों से सम्बन्ध-विच्छेद का

(iv) क्षणभर के दुःख-भार में क्या सोच बनाये रखनी है-

(क) अस्थिर रहने की (ख) अनिश्चय में रहने की
(ग) घबराए रहने की (घ) अविचलित रहने की

(v) 'मरण-गीत' को कैसे स्वर में गाने का कवि निर्णय लेता है-

(क) सात सुरों में (ख) बेसुरी आवाज में
(ग) सृजनशील जीवन-स्वर में (घ) मरणशील जीवन-स्वर

प्रश्न 3. 'अभिव्यक्ति और माध्यम' पुस्तक से निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों से सही विकल्प लिखिए- 1x5=5

(i) जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम कौन है-

(क) सिनेमा (ख) मुद्रित माध्यम (ग) टेलीविजन (घ) इंटरनेट

(ii) मीडिया की भाषा में 'डेडलाइन' से क्या मतलब है-

(क) पत्रकारों के कार्यालय पहुँचने की आखिरी समय-सीमा
(ख) समाचार प्रकाशन-प्रसारण हेतु प्रस्तुत करने की अंतिम समय-सीमा
(ग) तुरंत घटित घटनाओं का समाचार
(घ) गम्भीर समाचार

(iii) 'ड्राई एंकर' से क्या तात्पर्य है-

(क)दृश्यों के बिना जब एंकर द्वारा खबर सुनाई जाए

(ख) तत्काल बताई जाने वाली खबर

(ग) बाढ़ एवं सूखा पड़ने की खबर

(घ) दंगों की खबर

(iv) पूर्ण-कालिक पत्रकार किसे कहेंगे-

(क) अच्छी वेश-भूषा का पत्रकार

(ख) एक ही संस्थान नियमित वेतन-भोगी पत्रकार

(ग) सम्पूर्ण जीवन का पत्रकार

(घ) अलग अलग संस्थान में मानदेय पर कार्य करने वाला पत्रकार

(v) समाचार के आरम्भिक पैराग्राफ को कहते हैं-

(क)मुखड़ा (इंट्रो) (ख) बेली (ग) मस्तक (घ) स्क्रीन

प्रश्न 4. 'आरोह-भाग 2' से निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए- 1x5=5

आँगन में ठुनक रहा है जिदयाया है
बालक तो हई चाँद पर ललचाया है
दर्पण उसे दे के कह रही है माँ
देख आईने में चाँद उतर आया है
रक्षाबंधन की सुबह रस की पुतली
छाई है घटा गगन की हल्की-हल्की
बिजली की तरह चमक रहे हैं लच्छे
भाई के है बांधती चमकती राखी|

(i) बालक की जिद के लिये 'ठुनक' शब्द का अर्थ है-

(क) नृत्य (ख) उपवास (ग) बनावटी रुलाई (घ) मधुर गायन

(ii) काव्यांश के अनुसार किसको, किसकी लालच है-

(क) माँ को पुत्र की (ख) चाँद को बालक की

(ग) कृष्ण को चाँद की (घ) बालक को चाँद की

(iii) 'रस की पुतली' से किसे सम्बोधित किया गया है-

(क) माँ को (ख) पुत्र को (ग) एक मीठे फल को (घ) बहन को

(iv) 'बिजली की चमक' उपमा किसे दी गयी है-

(क) बहन को (ख) भाई को (ग)र क्षाबंधन के धागे को (घ) पर्व की मिठाई

(v) बालक की जिद माँ किस प्रकार पूरा करती है-

(क) चित्र दिखाकर (ख) लोरी गाकर

(ग) आकाश की ओर इशारा करके (घ) दर्पण में प्रतिबिम्ब दिखाकर

प्रश्न 5. 'आरोह-भाग 2' से निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही विकल्प लिखिए- 1x5=5

किन्तु उसकी शिक्षा-दीक्षा ,सब किए-कराए पर पानी फिर गया| वृद्ध राजा स्वर्ग सिधार गये|नये राजकुमार ने विलायत से आते ही राज्य को अपने हाथ में ले लिया|राजा साहब के समय शिथिलता आ गयी थी, राजकुमार के आते ही दूर हो गयी|बहुत से परिवर्तन हुए|उन्हीं परिवर्तनों की चपेटाघात में पड़ा पहलवान भी|दंगल का स्थान घोड़े की रेस ने ले लिया|

पहलवान और दोनों भावी पहलवानों का दैनिक भोजन-व्यय सुनते ही राजकुमार ने कहा-"टेरीबुल !"

नए मैनेजर साहब ने कहा-"होरिबुल !"

पहलवान को साफ जवाब मिल गया , राज-दरबार में उसकी आवश्यकता नहीं। उसको गिड़गिड़ाने का भी मौका नहीं

दिया गया।

(i) सब किये-कराए पर पानी क्यों फिर गया-

(क) पहलवान के वृद्ध हो जाने के कारण

(ख) नए राजकुमार द्वारा राज्य अपने हाथो में लेने के कारण

(ग) वृद्ध राजा को मार देने के कारण

(घ) लुट्टन के बेटों को राज पहलवान बनने के कारण

(ii) नए राजा के आने से क्या परिवर्तन आया-

(क) शिथिलता दूर हो गई (ख) दंगल का स्थान घुड़दौड़ ने ले लिया

(ग) लुट्टन को दरबार से जाने के लिये कहा गया (घ) तीनों उत्तर सही हैं

(iii) राजकुमार और मैंनेजर को किस बात पर ऐतराज था-

(क) पहलवानों के पहनावे का (ख) आयोजित होने वाले दंगल का

(ग) पहलवानों की शिक्षा-दीक्षा का (घ) पहलवानों के दैनिक भोजन-व्यय का

(iv) निम्न में से कौन-सा कथन सही है-

(क) मैंनेजर ने सही सलाह दी

(ख) लुट्टन की नियुक्ति के समय भी मैंनेजर ने विरोध किया था

(ग) मैंनेजर नए राजकुमार का हितैषी नहीं था

(घ) 'होरिबुल' शब्द का अर्थ 'प्राकृतिक' होता है

(v) 'विलायत' शब्द से क्या तात्पर्य है-

(क) विशेष अध्ययन (ख) विदेश (ग) समुद्री यात्रा (घ) हवाई यात्रा

प्रश्न 6.'वितान' पुस्तक से निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही विकल्प लिखिए- 1x10=10

(i) यशोधर बाबू किसे अपना आदर्श मानते थे -

(क) महात्मा गाँधी को (ख) जूनियर चड्ढा को (ग) कृष्णानंद पांडे को (घ) भूषन को

(ii) यशोधर पन्त को अपने परिवार से क्या अपेक्षा रहती थी-

(क) आधुनिक बन कर रहें (ख) नाते-रिश्तेदारों की उपेक्षा करें

(ग) उनका सम्मान करे ,सलाह लें (घ) खूब हंसी-मजाक करें

(iii) 'जूझ' कहानी का लेखक किससे प्रभावित हुआ था-

(क) मराठी भाषा के शिक्षक से (ख) मंत्री नामक अध्यापक से

(ग) पिता से (घ) 'अ' और 'ब' दोनों से

(iv) "जूझ" कहानी के लेखक की पढ़ाई न कर पाने की कसक को किसने समझा-

(क) मित्र वसंत पाटिल ने (ख) खेत में साथ काम करने वाले मित्र ने

(ग) माँ ने (घ) सौदलन्गेकर शिक्षक ने

(v) मुअन्जोदारो और हड़प्पा किसलिए जाने जाते हैं-

(क) आजादी के आन्दोलन के प्रमुख नगर (ख) सिन्धु घाटी सभ्यता के नगर

(ग) कई धर्मों के तीर्थस्थल (घ) प्राचीन भारत के बंदरगाह

(vi) मुअन्जोदरो की खुदाई में किसी हथियार का न मिलना किस बात का द्योतक है-

(क) लोग कायर थे (ख) राजा या राजतन्त्र नही था

(ग) समाज-अनुशासित उच्च सभ्यता थी (घ) 'ब' और 'स' दोनों

(vii) यशोधर बाबू के मानसिक द्वन्द्व के प्रति क्या प्रतिक्रया होनी चाहिए-

(क)क्रोधित होने की (ख)सहानुभूति की (ग)उपेक्षा की (घ)कानूनी कार्यवाही की

(viii) ऐन के डायरी लिखने का क्या कारण हो सकता है-

(क) किशोर मन की जिज्ञासाएं (ख) आसपास के लोंगों की नुक्ता-चीनी

(ग) अनुभवों को साझा करने के लिए (घ) दिए गये तीनों

(ix) ऐन महिलाओं को किस कारण सम्माननीय मानती है-

(क) मजबूत शरीर के कारण (ख) अत्यंत धार्मिक होने के कारण

(ग) प्रजनन-शक्ति के कारण (घ) आर्थिक संम्पन्नता के कारण

(x) ऐन को किन चीजों का शौक था-

(क) पायलट बनने का (ख) फिल्मों का (ग) बाल सँवारने का (घ) 'ख' और 'ग' दोनों

खंड-'ब'

प्रश्न 7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए- 5

(क) अँधेरा घना था (ख) मिठाई की दुकान (ग) जीतने की इच्छा

प्रश्न 8. अपने शहर की यातायात व्यवस्था में सुधार के कुछ सुझाव देते हुए जिला परिवहन अधिकारी को पत्र लिखिए | 5

अथवा

ऑनलाइन ठगी और धोखाधड़ी की बढती घटनाओं पर रोष प्रकट करते हुए तथा उनसे बचने के उपाय सुझाते हुए किसी समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए |

प्रश्न 9.

(i) कहानी को रोचक बनाने में 'पात्रों के संवाद'की भूमिका का उल्लेख कीजिए | 3

अथवा

कविता की रचना प्रक्रिया में कल्पना का स्थान निर्धारित कीजिए ।

(ii) नाटकों में 'समय का बंधन' क्यों महत्वपूर्ण है ? 2

प्रश्न 10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये-

(i) फीचर की कोई तीन विशेषताएँ लिखिए| 3

अथवा

समाचार लेखन की प्रचलित शैली को क्या कहते हैं ? इसकी एक प्रमुख विशेषता बताएं ।

(ii) समाचार लेखन में 'बॉडी' का क्या महत्त्व है ? 2

प्रश्न 11. 'आरोह भाग-2' से निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिये- 2x3=6

(i)'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है'-की आवृत्ति से कविता की किस विशेषता का पता चलता है ?

(ii)' कविता के बहाने' पाठ के आधार पर बताइए कविता और बच्चे को समानांतर क्यों रखा गया है?

(iii)'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिये कि दिव्यांग व्यक्ति और दर्शक,दोनो एक साथ रोने लगेंगे तो उससे प्रश्नकर्ता का कौन-सा उद्देश्य पूरा होगा ?

प्रश्न 12. 'आरोह भाग-2' से निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 30-40 शब्दों में दीजिये- 2x2=4

(i)'सहर्ष स्वीकारा है'कविता के कवि को गरीबी से क्या-क्या हासिल हुआ ?

(ii) तुलसीदास ने अपने युग की बेरोजगारी को किस प्रकार व्यक्त किया है ?

प्रश्न 13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो का उत्तर 50-60 शब्दों में लिखिए- 3x2=6

(i) 'भक्तिन का दुर्भाग्य भी उससे कम हठी नहीं था'-इस पंक्ति के आलोक में भक्तिन के आरंभिक जीवन के दुःख और उसके संघर्ष को लिखिए|

(ii) नमक ले जाने के सन्दर्भ में सफिया और उसके भाई के विचारों में क्या फर्क था? आपको किसके विचार पसंद आये और क्यों?

(iii) जाति प्रथा को श्रम-विभाजन का ही एक रूप न मानने के पीछे अम्बेडकर के क्या तर्क थे?

प्रश्न 14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 30-40 शब्दों में दीजिए-2x2=4

(i) बाजार के जादू चढ़ने और उतरने का मनुष्य पर क्या असर पड़ता है?

(ii) जीजी ने इन्दर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया?

(iii) लुट्टन पहलवान ने ऐसा क्यों कहा होगा कि मेरा गुरु कोई पहलवान नहीं,यहीढोल है?

केन्द्रीय विद्यालय संगठन- रायपुर सम्भाग

2020-21 अंक योजना-2

विषय-हिन्दी कक्षा-बारहवीं अवधि -3 घंटे पूर्णांक-80

(प्रस्तुत आदर्श उत्तर केवल संकेत मात्र हैं)

निर्देश:- *प्रश्नपत्र के दो खंड-'अ' और 'ब 'हैं|

*** खंड 'अ' में वस्तुपरक (बहुविकल्पीय) प्रश्न हैं|**

*** खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं | प्रश्नों में आतंरिक विकल्प दिए गए हैं|**

खंड- 'अ'

प्रश्न 1. अपठित गद्यांश 1x10=10

(i) जीवात्मा के भिन्नत्व से तात्पर्य है- (क) अमीरी-गरीबी

(ii) सांसारिक विषमता को देखकर हम सब क्या सोचने लग जाते हैं- (क) तकदीर का ही खेल है

(iii) पुरुषार्थी क्या करते हैं-(ग) भाग्य का निर्माण स्वयं करते हैं

(iv) प्रारब्ध क्या है-(ख) पूर्वसंचित कर्म

(v) भर्तृहरि के अनुसार मनुष्य होते हैं-(घ) दिये गए तीनों

(vi) मध्यम श्रेणी के लोग-(घ)कार्य बीच में ही छोड़ देते हैं

(vii) आलसी व्यक्ति को किस श्रेणी में रखा जा सकता है-(क) अधम

(viii) 'चलते रहो,चलते रहो' किसका उपदेश है-(ख) उपनिषद

(ix)गीता का उपदेश है-(ग)कर्म करो,फल की चिंता नहीं

(x) 'अविनाशी" शब्द का अर्थ होगा-(ग) अमर

अथवा

(i) गाछ-बिरछ से क्या तात्पर्य है-(ग) पेड़-पौधे

(ii) गाछ-बिरछ किस प्रकार भोजन प्राप्त करते हैं- (ख) जड़ों से तरल द्रव्य सोखकर

(iii) निम्न में से कौन-सा कथन सही नहीं है-

(ग) पेड़ में नल लगाकर हम उसका रस पी सकते हैं

(iv) जड़ों के अलावा पेड़ पत्तों से आहार ग्रहण करते हैं-(क) सही है

(v) पत्तों के विषय में निम्नलिखित में से क्या सही है-(क)पत्तों में अनगिनत छोटे-छोटे मुँह होते हैं।

(vi) 'अंगारक' वायु क्या है-(ग) विषाक्त वायु

(vii) 'अंगारक' वायु से विषाक्तता पत्ते किसके सहारे दूर करते हैं-(ग) सूर्य के प्रकाश के सहारे

(viii) गाछ-बिरछ की सर्वाधिक कोशिश रहती है-(घ) थोड़ा-सा प्रकाश मिल जाए

(ix) गद्यांश के अनुसार जीवन का मूलमंत्र है-(ग) प्रकाश

(x) 'तमाम' शब्द का अर्थ होगा-(ग) समस्त

प्रश्न 2.अपठित काव्यांश 1x5=5

(i) अजीब घटना क्या घटी-(ग)कवि की ओर किसी ने ध्यान नहीं दिया

(ii) घर के बदले हुए माहौल से कवि को क्या अनुभूति हुई-(ख)मानो वह अपने घर में ही अपरिचित है

(iii) कविता के अनुसार निम्नलिखित में से सही युग्म छांटिए है-(क) रेडियो चलाने को हुआ-हाथ गायब

(iv) कवि के अनुसार देहहीन जीवन----------सार है-(ग)भारतीय संस्कृति का

(v) कविता का केन्द्रीय भाव है- (ग) कार्यालयी जीवन की थकान

अथवा

(i)कविता की आरंभिक पंक्तियाँ क्या व्यंजित कर रहीं हैं-(क) वर्षा ऋतु की अँधेरी रात

(ii) जिस घर का वर्णन है वह-(ग) बहुत छोटा है

(iii) किस निर्णय पर अकस्मात् न आने की बात कही गयी है-(क) जीवन की क्षणभंगुरता

(iv) क्षणभर के दुःख-भार में क्या सोच बनाये रखनी है-(घ) अविचलित रहने की

(v)'मरण-गीत' को कैसे स्वर में गाने का कवि निर्णय लेता है- (ग) सृजनशील जीवन-स्वर में

प्रश्न 3. 1x5=5

(i) जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम कौन है-(ख) मुद्रित माध्यम

(ii) मीडिया की भाषा में 'डेडलाइन' से मतलब है- (ख)समाचार प्रकाशन-प्रसारण हेतु प्रस्तुत करने की अंतिम समय-सीमा

(iii) 'ड्राई एंकर' से क्या तात्पर्य है- (क)दृश्यों के बिना जब एंकर द्वारा खबर सुनाई जाए

(iv) पूर्ण-कालिक पत्रकार किसे कहेंगे-(ख) एक ही संस्थान नियमित वेतन-भोगी पत्रकार

(v) समाचार के आरम्भिक पैराग्राफ को कहते हैं- (क) मुखड़ा (इंट्रो)

प्रश्न 4. 1x5=5

(i) बालक की जिद के लिये 'ठुनक' शब्द का अर्थ है-(ग) बनावटी रुलाई

(ii) काव्यांश के अनुसार किसको, किसकी लालच है-(घ) बालक को चाँद की

(iii) 'रस की पुतली' से किसे सम्बोधित किया गया है-(घ) बहन को

(iv) 'बिजली की चमक' उपमा किसे दी गयी है-(ग) रक्षाबंधन के धागे को

(v) बालक की जिद माँ किस प्रकार पूरा करती है-(घ) दर्पण में प्रतिबिम्ब दिखाकर

प्रश्न 5. 1x5=5

(i) सब किये-कराए पर पानी क्यों फिर गया-(ख) नए राजकुमार द्वारा राज्य अपने हाथो में लेने के कारण

(ii) नए राजा के आने से क्या परिवर्तन आया-(घ) तीनों उत्तर सही हैं

(iii) राजकुमार और मैंनेजर को किस बात पर ऐतराज था-

(घ) पहलवानों के दैनिक भोजन-व्यय का

(iv) निम्न में से कौन-सा कथन सही है- (ख) लुट्टन की नियुक्ति के समय भी मैंनेजर ने विरोध किया था

(v) 'विलायत' शब्द से क्या तात्पर्य है-(ख) विदेश

प्रश्न 6. 1 x 10 =10

(i) यशोधर बाबू किसे अपना आदर्श मानते थे -(ग) कृष्णानंद पांडे को

(ii)यशोधर पन्त को अपने परिवार से क्या अपेक्षा रहती थी- (ग) उनका सम्मान करे ,सलाह लें

(iii) 'जूझ' कहानी का लेखक किससे प्रभावित हुआ था-(घ) 'अ' और 'ब' दोनों से

(iv) "जूझ" कहानी के लेखक की पढ़ाई न कर पाने की कसक को किसने समझा- (ग) माँ ने

(v) मुअन्जोदारो और हड़प्पा किसलिए जाने जाते हैं- (ख) सिन्धु घाटी सभ्यता के नगर

(vi) मुअन्जोदरो की खुदाई में किसी हथियार का न मिलना किस बात का द्योतक है-

(ग) समाज-अनुशासित उच्च सभ्यता थी

(vii) यशोधर बाबू के मानसिक द्वन्द्व के प्रति क्या प्रतिक्रया होनी चाहिए-(ख)सहानुभूति की
(viii) ऐन के डायरी लिखने का क्या कारण हो सकता है- (क) किशोर मन की जिज्ञासाएं
(ix) ऐन महिलाओं को किस कारण सम्माननीय मानती है-(ग) प्रजनन-शक्ति के कारण
(x) ऐन को किन चीजों का शौक था-(घ) 'ख' और 'ग' दोनों

खंड-'ब'

प्रश्न 7.150 शब्दों में रचनात्मक लेख - उपयुक्त लेखन पर उचित अंक 5
प्रश्न 8. प्रारुप के अनुसार उपयुक्त औपचारिक पत्र लेखन पर उचित अंक 5
प्रश्न 9.
(i) कहानी को रोचक बनाने में 'पात्रों के संवाद' की भूमिका का उल्लेख, उपयुक्त लेखन पर उचित अंक 3

अथवा

कविता की रचना प्रक्रिया में कल्पना का स्थान निर्धारित - उपयुक्त लेखन पर उचित अंक
(ii) नाटकों में 'समय का बंधन' क्यों महत्वपूर्ण है- उपयुक्त उत्तर के अनुरुप अंक 2
प्रश्न 10. (i) फीचर की कोई तीन विशेषताए- मनोरंजक... सूचनात्मक..सजीव...उद्देश्यपूर्ण... 3

अथवा

समाचार लेखन की प्रचलित शैली- उल्टा पिरामिड शैली ..आधार ऊपर...शुरु मे इंट्रो बाडी
(ii) समाचार लेखन में 'बॉडी' का महत्त्व -उपयुक्त उत्तर पर उचित अंक ... 2
प्रश्न 11. उत्तर 50-60 शब्दों में- 2x3=6
(i) दिन जल्दी-जल्दी ढलता है'-की आवृत्ति से -लक्ष्य की ओर बढते मनुष्य को समय का पता न चलना ...निरंतर चलायमान रहने की आदत ..
(ii) कविता के बहाने' पाठ के आधार पर कविता और बच्चे को समानांतर रखा गया है..दोनो का क्षेत्र व्यापक.....भेदभाव से रहित ...निस्वार्थ...
(iii)'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के आधार पर स्दिव्यांग व्यक्ति और दर्शक,दोनो एक साथ रोने लगेंगे तो उससे कार्यक्रम की लोकप्रियता बढना ....सहानुभूति जगाना...
प्रश्न 12. दो प्रश्नों के उत्तर 30-40 शब्दों में - 2x2=4
(i)'सहर्ष स्वीकारा है'कविता के कवि को गरीबी से गर्व...आत्मविश्वास ..स्वाभिमान...हासिल हुआ
(ii) तुलसीदास युग की बेरोजगारी - किसान को खेती नही...भिखारी को भीख नही..व्यापारी का व्यापार नही.....किसी को काम नही..
प्रश्न 13. किन्हीं दो का उत्तर 50-60 शब्दों में - 3x2=6
(i) 'भक्तिन का दुर्भाग्य भी उससे कम हठी नहीं था'-इस पंक्ति के आलोक में भक्तिन के आरंभिक जीवन के दुःख और उसका संघर्ष- माता का देहांत..सौतेली माता का अत्याचार..5 साल की आयु मे विवाह .....
(ii) नमक ले जाना सफिया की नज़र मे गलत नही और उसके भाई के विचारों में यह गैरकानूनी
(iii) जाति प्रथा को श्रम-विभाजन का ही एक रूप न मानने के पीछे अम्बेडकर के तर्क - इससे

श्रमिक का भी विभाजन..मनुष्य की रुचि पर आधारित नही...पेशा बदलने की अनुमति नही

प्रश्न 14. दो प्रश्नों के उत्तर 30-40 शब्दों में - 2x2=4

(i) बाजार का जादू चढ़ने पर अनावश्यक खरीदारी....और उतरने पर समझदारी जागना...

(ii) जीजी ने इन्दर सेना पर पानी फेंके जाने को सही ठहराया क्योंकि फसल उगाने के लिए बीज बोने जैसा माना..प्रभु के चढावे...व दान से तुलना की...

(iii) लुट्टन पहलवान ने ऐसा इसलिए कहा होगा कि मेरा गुरु कोई पहलवान नहीं ,यही ढोल है..क्योकि उसी की आवाज़ से लडने का हौसला...जीने की हिम्मत...चेलो और पुत्रो को सीख देने की हिम्मत पाई|

केंद्रीय विद्यालय संगठन

प्रतिदर्श एवं अभ्यास प्रश्नपत्र-3 (2020-21)

निर्धारित समय -3 घंटे कक्षा - बारहवीं विषय- हिंदी (केन्द्रिक) अधिकतम अंक - 80

निम्नलिखित सामान्य निर्देशों का पालन कीजिए :

- **इस प्रश्न पत्र में दो खंड हैं - खंड `अ`और `ब`| खंड `अ` में वस्तुपरक तथा खंड `ब` में वर्णनात्मक प्रश्न पूंछे गए हैं | प्रश्न पत्र में कुल 14 प्रश्न हैं |**
- **खंड `अ` में 1 - 6 तक प्रश्न पूछे गए हैं जिनके उत्तर दिए गए विकल्पों में से छांटकर देना है |**
- **खंड `ब` में 7 - 14 तक प्रश्न पूछे गए हैं ये सभी प्रश्न वर्णनात्मक हैं |**
- **सभी प्रश्न करने अनिवार्य है | सभी प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सामने अंकित हैं |**
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें |**

	खंड `अ` (वस्तुपरक प्रश्न)	
प्रश्न 1 .	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए :** स्त्रियों के पास एक महान शक्ति सोई हुई पड़ी है	दुनिया की आधी से बड़ी ताकत उनके पास है	आधी से बड़ी ताकत इसलिए कि स्त्रियां आधी तो हैं ही दुनिया में , आधी बड़ी इसलिए कि बच्चे - बच्चियाँ उनकी छाया में पलते हैं और वे जैसा चाहें उन बच्चे और बच्चियों को परिवर्तित कर सकती हैं	पुरुषों के हाथ में कितनी ही ताकत हो , लेकिन पुरुष एक दिन स्त्री की गोद में होता है वहीं से वह अपनी यात्रा शुरु करता है | एक बार स्त्री की पूरी शक्ति जाग्रत हो जाये और वे निर्णय कर लें कि किस प्रेम की दुनिया को निर्मित करेंगी जहाँ युद्ध नहीं होंगे , जहाँ हिंसा नहीं होगी , जहाँ राजनीति नहीं होगी, जहाँ राजनीतिज्ञ नहीं होंगे, जहाँ जीवन में कोई बीमारियाँ नहीं होंगी | जहाँ भी प्रेम है, जहाँ भी करुणा है, जहाँ दया है वहां स्त्री मौजूद है	स्त्री के पास आधी से भी ज्यादा बड़ी ताकत है और वह पांच हजार वर्षों से बिल्कुल सोई पड़ी है	नारी की शक्ति का उपयोग नहीं हो सका है	भविष्य में वह उपयोग हो सकता है	उपयोग होने का एक सूत्र यही है कि स्त्री यह तय कर ले कि उन्हें पुरुषों जैसा नहीं हो जाना है		**10X1 =10**
(i)	इस अनुच्छेद का उचित शीर्षक दीजिए -	**1**

	(क) स्त्री - स्वभाव (ख) स्त्री - जागरण (ग) स्त्री की महत्ता (घ) स्त्री - स्वभाव का जागरण	
(ii)	स्त्रियों की शक्ति को सुप्त क्यों कहा गया है ? (क)वे अपने मूल स्वभाव को जान नहीं सकी	(ख) वे अपने मूल स्वभाव को जान कर उस पर चल नहीं सकी (ग.) वे स्वयं को पुरुष जैसा समझती हैं	(घ) वे स्वयं को पुरुष से हीन समझती हैं		**1**
(iii)	स्त्रियों में पुरुषों को बदलने की ताकत है , क्योंकि - (क.) स्त्रियाँ अधिक शक्तिशाली हैं	(ख.) सभी पुरुष स्त्रियों की गोद में पलते -बढ़ते हैं | (ग) स्त्रियों में सृजन की ताकत है	(घ) पुरुष स्त्रियों के बिना नहीं रह सकता		**1**
(iv)	स्त्री में कौन-से गुण प्रबल हैं ? (क.) संघर्ष और साहस (ख) नैतिकता और समझदारी (ग.) प्रेम और करुणा (घ.) शांति और उन्नति	**1**
(V)	"मैं सोचता हूँ , स्त्रियों के पास एक महान शक्ति सोई हुई पड़ी है	वाक्य का प्रकार बताइए - (क) सरल वाक्य (ख) मिश्र वाक्य (ग) संयुक्त वाक्य (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं		**1**
(vi)	दुनिया की आधी से बड़ी ताकत किनके पास है? (क) पुरुषों के पास (ख) स्त्रियों के पास (ग) बच्चों के पास (घ) वृद्धों के पास	**1**
(vii)	स्त्री कितने हजार वर्षों से सोई हुई है ? (क) चार हजार वर्षों से (ख) पांच हजार वर्षों से (ख) छह हजार वर्षों से (घ) सात हजार वर्षों से	**1**
(viii)	गद्यांश के आधार पर बताइए कि स्त्री की मौजूदगी कहाँ-कहाँ है ? (क) जहाँ प्रेम है (ख) जहाँ करुणा है (ग) जहाँ दया है (घ) उपरोक्त सभी	**1**
(ix)	गद्यांश के आधार पर बताइए कि किसकी शक्ति का अभी तक कोई उपयोग नहीं हो सका है? (क) पुरुष की (ख) नारी की (ग) देश की (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं	**1**
(x)	स्त्री - पुरुष में कौन सा समास है ? (क) बहुव्रीहि समास (ख) द्विगु समास (ग) द्वंद्व समास (घ) अव्ययीभाव समास	**1**
	अथवा	
	एकांत ढूंढने के कई सकारात्मक कारण है	एकांत की चाह किसी घायल मन की आह भर नहीं, जो जीवन के काँटों से बिंध कर घायल हो चुका है, एकांत सिर्फ उसके लिए शरण मात्र नहीं	यह उस इंसान की ख्वाइश भर नहीं, जिसे इस संसार में फेंक दिया गया हो और वह फेंक दिए जाने की स्थिति से भयभीत होकर एकांत ढूंढ रहा हो	हम जो एकांत में होते हैं,	

	वही वास्तव में होते हैं	एकांत हमारी चेतना की अंतर्वस्तु को पूरी तरह उघाड़ कर रख देता है | अंग्रेजी का एक शब्द - `आइसोलोफिलिया` इसका अर्थ है अकेलेपन, एकांत से गहरा प्रेम	पर इस शब्द को गौर से समझें तो इसमें अलगाव की एक परछाई भी दिखती है	एकांत प्रेमी हमेशा ही अलगाव कि अभेद दीवारों के पीछे छिपना चाह रहा हो, यह जरूरी नहीं	एकांत की अपनी एक विशेष सुरभि है और जो भीड़ के अशिष्ट प्रपंचों में फंस चुका हो , ऐसा मन कभी इसका सौंदर्य नहीं देख सकता	एकांत और अकेलेपन में थोड़ा फर्क समझना जरुरी है	एकांतजीवी में कोई दोष या मनोमालिन्य नहीं होता । वह किसी व्यक्ति या परिस्थिति से तंग आकर एकांत की शरण में नहीं जाता । न ही आतातायी नियति के विषैले बाणों से घायल होकर वह एकांत की खोज करता है । अंग्रेजी कवि लॉर्ड बायरन ऐसे एकांत की बात करते हैं । वे कहते हैं कि ऐसा नहीं कि वे इंसान से कम प्रेम करते हैं, बस प्रकृति से ज्यादा प्रेम करते हैं । बुद्ध अपने शिष्यों से कहते हैं कि वे जंगल में विचरण करते हुए गैंडे की सींग की तरह अकेले रहें । वे कहते हैं- ' प्रत्येक जीव जन्तु के प्रति हिंसा का त्याग करते हुए किसी की भी हानि की कामना न करते हुए, अकेले चलो - फिरो, वैसे ही जैसे किसी गैंडे का सींग । हक्सले ' एकांत के धर्म' या 'रिलीजन ऑफ सोलीट्यूड' की बात करते हैं । वे कहते हैं जो मन जितना ही अधिक शक्तिशाली और मौलिक होगा , एकांत के धर्म की तरफ उसका उतना ही अधिक झुकाव होगा ।	धर्म के क्षेत्र में एकांत, अंधविश्वासों, मतों और धर्मांधता के शोर से दूर ले जाने वाला होता है । इसके अलावा एकांत धर्म और विज्ञान के क्षेत्र में नई अंतर्दृष्टियों को भी जन्म देता है । ज्यां पॉल सार्त्र इस बारे में बड़ी ही खूबसूरत बात कहते हैं । उनका कहना है- ' ईश्वर एक अनुपस्थिति है । ईश्वर है इंसान का एकांत । क्या एकांत लोग इसलिए पसंद करते हैं कि वे किसी को मित्र बनाने में असमर्थ हैं ? क्या वे सामाजिक होने की अपनी असमर्थता को छिपाने के लिए एकांत को महिमामंडित करते हैं ? वास्तव में एकात एक दुधारी तलवार की तरह है । लोग क्या कहेंगे इसका डर भी हमें अक्सर एकांत में रहने से रोकता है यह बड़ी अजीब बात है , क्योंकि जब आप वास्तव में अपने साथ या अकेले होते हैं , तभी इस दुनिया और कुदरत के साथ अपने गहरे संबंध का अहसास होता है इस संसार को और अधिक गहराई और अधिक समानुभूति के साथ प्रेम करके ही हम अपने दुखदाई अकेलेपन से बाहर हो सकते हैं ।	
(i)	उपरोक्त गद्यांश किस विषय वस्तु पर आधारित है | (क.) अकेलेपन पर (ख) एकांत पर (ग) जीवन पर (घ) अध्यात्म पर	**1**
(ii)	एकांत हमारे जीवन के लिए क्यों आवश्यक है? (क.) परेशानी से भागने के लिए (ख.) आध्यात्मिक चिंतन के लिए (ग.) स्वयं को जानने के लिए (घ) अशांत मन को शांत करने के लिए	**1**
(iii)	बायरन मनुष्य से अधिक प्रकृति से प्रेम क्यों करते थे? (क) प्रकृति की सुंदरता के कारण (ख) मनुष्य से घृणा के कारण	**1**

	(ग) एकांत प्रेम के कारण (घ) अकेलेपन के कारण	
(iv)	दुखद अकेलेपन से कैसे बाहर आया जा सकता है? (क) संसार से प्रेम करके (ख) सच्चे दोस्त बनाकर (ग) संसार की वास्तविकता को समझ कर (घ) संसार से मुक्त होकर	**1**
(v)	एकांत की खुशबू को कैसे महसूस किया जा सकता है? (क) संसार से अलग होकर (ख) भीड़ में नहीं रहकर (ग) एकांत से प्रेम करके (घ) अकेले रहकर	**1**
(vi)	गैंडे के सींग की क्या विशेषता होती है? (क) वह किसी को हानि नहीं पहुंचाता (ख) वह सींग नहीं वरन सींग का अपररूप होता है । (ग) गैंडे अकेले रहते हैं इसलिए सींग भी अकेला रहता है। (घ) अपनी दुनिया में मस्त रहना	**1**
(vii)	धर्म के क्षेत्र में एकांत का क्या योगदान है? (क) समर्पण की भावना (ख) पूजा और साधना (ग) धर्मांधता से मुक्ति (घ) धर्म के वास्तविक स्वरूप की पहचान	**1**
(viii)	नई अंतर्दृष्टि से आप क्या समझते है? (क) नई खोज (ख) नया अनुसंधान (ग) नई संकल्पना (घ) नया सिद्धांत ।	**1**
(ix)	ईश्वर एक अनुपस्थिति है- कैसे? (क) ईश्वर कभी दिखाई नहीं देते (ख)ईश्वर कभी उपस्थित नहीं होता (ग) एकांत में ही ईश्वर महसूस होते हैं (घ) ईश्वर होते ही नहीं हैं	**1**
(x)	एकांत में रहने का अर्थ है? (क) दोस्त नहीं बना सकना (ख) संसार को जानने का अवसर मिलना (ग) अपने प्रिय लोगों को जानने का अवसर मिलना (घ) संसार और प्रकृति की सुंदरता को देखना	**1**
प्रश्न-2.	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प छाँटकर लिखिए:** वैराग्य छोड़ बाँहों की विभा सँभालो चट्टानों की छाती से दूध निकालो । है रुकी जहाँ भी धार, शिलाएँ तोड़ो, पियूष चंद्रमाओं को पकड़ निचोड़ो । चढ़ तुंग शैल-शिखरों पर सोम पियो रे ! योगियों नहीं, विजयी के सदृश जियो रे ! छोडो मत अपनी आन, सीस कट जाए	**1x5=5**

	मत झुको अनय पर, भले व्योम फट जाए | दो बार नहीं यमराज कंठ धरता है मरता है जो एक ही बार मरता है | नत हुए बिना जो अशनि घात सहती है स्वाधीन जगत में वही जाति रहती है |	
(i)	कवि किसे छोड़ने की बात कर रहा है ? (क) मोह- माया (ख) वैराग्य (ग) सांसारिक सुख (घ) बाँहों की शक्ति	**1**
(ii)	कवि किसके समान जीने को कहता है ? (क) योगियों के (ख) भोगियों के (ग) विजयी व्यक्तियों के (घ) राजाओं के	**1**
(iii)	'भले व्योम फट जाए' का अर्थ है - (क) कितनी ही मुसीबत आ जाए | (ख) मूसलाधार वर्षा हो जाए | (ग) आसमान दो टुकड़ों में बंट जाए | (घ) आसमान से फूलों की वर्षा हो जाए |	**1**
(iv)	जो बिना झुके मुसीबतों का सामना करते हैं, वे किसका उपभोग करते हैं ? (क) दुखों का (ख) सुखों का (ग) परतंत्रता का (घ) स्वतंत्रता का	**1**
(v)	इन पंक्तियों में कवि क्या प्रेरणा दे रहा है ? (क) आन-बान की रक्षा करने की (ख) जीवन की रक्षा करने की (ग) धन संपत्ति की रक्षा करने की (घ) उपर्युक्त सभी	**1**
	अथवा	
	विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी मरो परन्तु यों मरो याद जो करे सभी | हुई न यों सु- मृत्यु तो वृथा मरे , वृथा जिए मरा नहीं वही कि जो जिया न आप के लिए यही पशु- प्रवृति है कि आप-आप ही चरे वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे | उसी उदार की कथा सरस्वती बखानती उसी उदार से धरा कृतार्थ भाव मानती | उसी उदार कि सदा सजीव कीर्ति कूजती तथा उसी उदार को समस्त सृष्टि पूजती अखंड आत्म भाव जो असीम विश्व में भरे वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे |	

(i)	'मर्त्य' का प्रयोग कवि ने किसके लिए किया है ? (क) देवता (ख) मछली (ग) मनुष्य (घ) असुर	**1**
(ii)	'सु-मृत्यु' की प्रमुख विशेषता क्या है ? (क) मरने के बाद लोग याद करते हैं (ख) घर में मृत्यु हो (ग) युद्धभूमि में मृत्यु हो (ग) रोग से मृत्यु हो	**1**
(iii)	पशु - प्रवृत्ति क्या है ? (क) चारा खाना (ख) केवल अपना स्वार्थ साधना (ग) सबकी भलाई के बारे में सोचना (घ) जंगल में रहना	**1**
(iv)	सरस्वती किसकी कथा बखानती है ? (क) जो मानव दूसरों के लिए अपनी जान दे दे (ख) जो विजयी हो (ग) जो साहसी हो (घ) जो अपनी सुरक्षा हेतु जान दे दे	**1**
(v)	'उसी उदार की सदा सजीव कीर्ति कूजती' में कौनसा अलंकार है ? (क) मानवीकरण (ख) उत्प्रेक्षा (ग) यमक (घ) अनुप्रास	**1**
प्रश्न-3.	**निम्नलिखित प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए :**	**1x5=5**
(i)	**(i)** भारत में पहला छापाखाना कब और कहाँ पर खुला था ? (क) सन 1861 कलकत्ता में (ख) सन 1556 गोवा में (ग) सन 1556 मद्रास में (घ) सन 1526 नागपुर में	**1**
(ii)	सरकारी कामकाज पर पैनी नज़र रखते हुए गड़बड़ियों को उजागर करने वाली पत्रकारिता कहलाती है ? (क) खोजी पत्रकारिता (ख) विशेषीकृत पत्रकारिता (ग) वॉचडॉग पत्रकारिता (घ) एड्वोकेसी पत्रकारिता	**1**
(iii)	संवाददाताओं को उनकी रुचियों और ज्ञान के आधार पर कार्य का विभाजन कहलाता है ? (क) बीट (ख) लाइव (ग) पीट (घ) डेस्क	**1**
(iv)	हिंदी का पहला समाचार पत्र `उदन्त मार्तण्ड ` किस प्रकार का पत्र था ? (क) दैनिक पत्र (ख) साप्ताहिक पत्र (ग) पाक्षिक पत्र (घ) मासिक पत्र	**1**
(v)	जब तक खबर के दृश्य नहीं आते एंकर , दर्शकों को रिपोर्टर से मिली जानकारियों के आधार पर सूचना पहुँचाता है | कहलाता है ? (क) एंकर - पैकेज (ख) एंकर - बाइट (ग) ड्राई - एंकर (घ) एंकर - विजुअल	**1**
प्रश्न-4.	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प छाँटकर लिखिए:**	**1x5=5**

	उहां राम लछिमनही निहारी | बोले वचन मनुज अनुसारी | अर्ध राति गई कपि नहीं आयउ | राम उठाई अनुज उर लायउ | सकहु न दुखित देखि मोहि काऊ | बंधु सदा तव मृदुल सुभाऊ | मम हित लागि तजेहु पितु माता | सहेहु विपिन हिम आतप बाता | उतरु काह दैहँउ तेहि जाई | उठि किन मोहि सिखवनु भाई |	
(i)	'बोले वचन मनुज अनुसारी' से क्या तात्पर्य है ? (क) श्रीराम देवता की तरह विलाप कर रहे हैं (ख) श्रीराम मनुष्य की तरह विलाप कर रहे हैं | (ग) श्रीराम बच्चे की तरह विलाप कर रहे हैं | (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं |	**1**
(ii)	प्रस्तुत काव्यांश किस भाषा में लिखा गया है ? (क) ब्रज भाषा में (ख) अवधी भाषा में (ग) खड़ी बोली में (घ) मैथिलि भाषा में	**1**
(iii)	प्रस्तुत काव्यांश में श्रीराम ने लक्ष्मण के किन गुणों का वर्णन किया है ? (क) उन्होंने भाई के लिए अपने माता पिता का भी त्याग कर दिया | (ख) वे भाई के साथ वर्षा , हिम , धूप आदि कष्टों को सहन कर रहे थे | (ग) उनका स्वाभाव बहुत मृदुल है | (घ) उपरोक्त सभी	**1**
(iv)	प्रस्तुत काव्यांश के कवि कौन है ? (क) सूरदास (ख) तुलसीदास (ग) अज्ञेय (घ) फ़िराक गोरखपुरी	**1**
(v)	प्रस्तुत काव्यांश में कौनसा रस है ? (क) शृंगार रस (ख) करुण रस (ग) हास्य रस (घ) भयानक रस	**1**
प्रश्न-5.	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए :**	**1x5=5**
	बाजार में एक जादू है | वह जादू आंख की राह काम करता है | वह रूप का जादू है पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है , वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है | जेब भरी हो और मन खाली हो , ऐसी हालत में जादू का असर ख़ूब होता है | जेब खाली पर मन भरा न हो , तो भी जादू चल जाएगा | मन ख़ाली है तो बाज़ार की अनेकानेक चीजों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा | कहीं हुई उस वक्त जेब भरी , तब तो फिर वह किसकी मानने वाला है | मालूम होता है यह भी लूँ , वह भी लूँ | सभी सामान ज़रूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है | पर यह सब जादू का असर है |	
(i)	गद्यांश के अनुसार किसमें जादू है ? (क) बाजार में (ख) पुस्तकों में (ग) मैदान में (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं	**1**
(ii)	प्रस्तुत गद्यांश के रचियता कौन है ? (क) धरमवीर भारती (ख) जैनेन्द्र कुमार (ग) महादेवी वर्मा (घ) फणीश्वर नाथ रेणु	**1**
(iii)	गद्यांश के आधार पर लिखिए कि बाजार के जादू का असर कब होता है` ? (क) जेब भरी हो और मन खाली हो (ख) जेब खाली पर मन भरा न हो	**1**

	(ग) दोनों सही है (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं	
(iv)	बाजार का जादू किसकी राह काम करता है ? (क) कान की राह (ख) आंख की राह (ग) नाक की राह (घ) उपरोक्त सभी	1
(v)	बाजार का जादू जब चढ़ता है तो मनुष्य के मन की कैसी दशा होती है ? (क) तब वह किसी की नहीं मानता | (ख) वह सब कुछ खरीद लेना चाहता है | (ग) तब उसे सभी सामान ज़रूरी और आराम को बढ़ाने वाला लगता है (घ) उपर्युक्त सभी	1
प्रश्न-6.	**निम्नलिखित प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए |**	**1x10=10**
(i)	सिल्वर वैडिंग कहानी का मुख्य पात्र कौन है ? (क) किशनदा (ख) यशोधर पंत (ग) भूषण (घ) इनमें से कोई नहीं	1
(ii)	यशोधर बाबू के बच्चों की कौनसी बात प्रशंसनीय नहीं है ? (क)महत्वाकांक्षी और प्रगतिशील होना (ख) मानवीय संबंधों की गरिमा और संस्कारों में रूचि न लेना (ग) जीवन में उन्नति करना (घ) सामर्थ्य के अनुसार घर में आधुनिक सुविधाएँ जुटाना	1
(iii)	यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं ऐसा क्यों ? सटीक विकल्प का चुनाव कीजिए - (क) पीढ़ी के अन्तराल के कारण | (ख) पत्नी बच्चों से अधिक प्रेम करती थी | (ग) किशनदा उन्हें भड़काते थे | (घ) वे परिवर्तन को सहजता से स्वीकार नहीं कर पाते थे |	1
(iv)	कविता के लगाव के बाद जूझ कहानी के मुख्य पात्र आनंद की धारणा में क्या बदलाव आया ? (क) उसे अकेलापन भी अच्छा लगने लगा (ख) आशावादी एवं आत्मविश्वासी बन गया (ग) कविता सृजन में विघ्न स्वीकार्य नहीं (घ) उपरोक्त सभी	1
(v)	दिए गए विकल्पों में से मास्टर सौंदलगेकर की विशेषता नहीं है ? (क) कुशल अध्यापक | (ख) मराठी के ज्ञाता व कवि | (ग) सुरीले ढंग से स्वयं कवितायेँ गाते थे | (घ) बच्चों की पिटाई करते थे |	1
(vi)	सिन्धु घटी सभ्यता से संबंधित कौन सा विकल्प सही नहीं है ? (क) सिन्धु सभ्यता में साधन सम्पन्नता एवं भव्यता का आडम्बर था | (ख) वह सभ्यता राजपोषित न होकर - समाज- पोषित थी | (ग) वह एक जल संस्कृति सभ्यता थी | (घ) वह ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी |	1
(vii)	मोहनजोदड़ो की गृह - निर्माण योजना से संबंधित कौनसा विकल्प सही है ? (क) वहां के सभी घरों के दरवाजे मुख्य सड़क की तरफ खुलते थे | (ख) सभी घरों के लिए उचित जल निकासी व्यवस्था थी |	1

	(ग) घर पक्की ईंटों से नहीं बने थे | (घ) घर में घुसने के लिए मुख्य सड़क से गलियों में नहीं जाना पड़ता |	
(viii)	क्या सिन्धु सभ्यता के बारे में कहा जा सकता है कि वह एक जल - संस्कृति सभ्यता थी ? (क) सिन्धु सभ्यता सिन्धु नदी के किनारे बसी थी | (ख) उस सभ्यता में लगभग सात सौ कुएँ मिले | (ग) घरों के गंदे पानी को बाहर निकालने के लिए नालियाँ बनी थी | (घ) उपरोक्त सभी	1
(ix)	"काश कोई तो होता जो मेरी भावनाओं को गंभीरता से समझ पाता | अफ़सोस ऐसा व्यक्ति मुझे अब तक नहीं मिला ...| डायरी के पन्ने पाठ के आधार पर सही विकल्प का चुनाव कीजिए - (क) ऐन फ्रैंक सबके मजाक की पात्र थी और उसे कोई समझ नहीं पा रहा था | (ख) ऐन फ्रैंक भूमिगत थी और कोई उसे समझ नहीं पा रहा था | (ग) ऐन फ्रैंक किसी सवेंदनशील व्यक्ति की खोज में थी | (घ) ऐन फ्रैंक अकेलेपन से त्रस्त थी |	1
(x)	'किट्टी' कौन थी डायरी के पन्ने पाठ के आधार पर बताइए | (क) ऐन की बहन (ख) ऐन की माँ (ग) ऐन की डायरी (घ) गुड़िया	1
	<u>खंड ' ब ' (वर्णनात्मक प्रश्न)</u>	
प्रश्न-7.	**निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :** **(क)** मेरे शहर का खेल मैदान (ख) कोरोना एक वैश्विक महामारी (ग) जहाँ न पहुंचे रवि वहाँ पहुंचे कवि (घ) यातायात (ट्रैफिक) जाम में फंस जाना	**5**
प्रश्न 8.	कोरोना के बढ़ते मामलों को ध्यान में रखते हुए आप के शहर के अस्पताल के प्रबंधन पर असंतोष व्यक्त करते हुए अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक को पत्र लिखिए | **अथवा** किसी राष्ट्रीय दैनिक समाचार - पत्र के संपादक के नाम एक पत्र लिखिए , जिसमें महामारी के काल में बढ़ती महंगाई से जूझते लोगों की कठिनाइयों का वर्णन हो |	5
प्रश्न-9.	**9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 - 50 शब्दों में लिखिए :-** **(क)** आप के द्वारा पढ़ी हुई किसी एक कहानी का कथानक लिखिए | **अथवा** कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय किन महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए ? लिखिए | **(ख)** नाटक साहित्य की अन्य विधाओं से अलग कैसे है ?	3 2

	अथवा नाटक के पात्र एवं भाषा शैली उसके प्राण तत्त्व हैं	स्पष्ट कीजिए	
प्रश्न- 10	**. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 - 50 शब्दों में लिखिए :-** **(क)** 'फास्ट फूड के दुष्प्रभाव' पर एक फीचर लेखन लिखिए| **अथवा** 'युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृति' विषय पर एक आलेख लिखिए | (ख) इंटरनेट पत्रकारिता के दो लाभ लिखिए | अथवा संपादकीय लेखन क्या है ?	3 2
प्रश्न.11	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 - 60 शब्दों में लिखिए :-** **(क)** ' कैमरे में बंद अपाहिज ' कविता का केंद्रीय भाव क्या है ? अपने शब्दों में लिखिए | **(ख)** दिन जल्दी - जल्दी ढलता है कविता हमें क्या सन्देश देती है ? अपने शब्दों में लिखिए | **(ग)** बहलाती सहलाती आत्मीयता बरदाश्त नहीं होती है - और कविता के शीर्षक सहर्ष स्वीकारा है में आप कैसे अंतर्विरोध पाते है | अपने शब्दों में लिखिए |	**3x2 =6**
प्रश्न.12	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 -40 शब्दों में लिखिए :-** **(क)** 'उड़ने' और 'खिलने' का कविता से क्या संबंध बनता है ? **(ख)** 'उषा' कविता गाँव की सुबह का गतिशील चित्रण है | कैसे ? **(ग)** बालक द्वारा चाँद मांगने की ज़िद पर माँ क्या करती है ? रुबाइयाँ के आधार पर अपने शब्दों में उत्तर दीजिए |	**2x2 =4**
प्रश्न.13	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 - 60 शब्दों में लिखिए :-** **(क)** 'लक्ष्मी' के 'भक्तिन' बनने की प्रक्रिया मर्मस्पर्शी क्यों है? अपने शब्दों में उत्तर दीजिए **(ख)** इंदर सेना पर पानी फेंकने , न फेंकने के बारे में जीजी और लेखक के विचारों कि तुलना कीजिए | **(ग)** 'नमक' कहानी भारत - पाक के विभाजन के बावजूद मानवीय भावनाओं की समानता की कथा है | टिप्पणी कीजिए |	**3x2 =6**
प्रश्न.14	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 -40 शब्दों में लिखिए :-** **(क)** लुट्टन पहलवान ने ऐसा क्यों कहा होगा कि मेरा गुरु कोई पहलवान नहीं , यही ढोल है ? **(ख)** डॉ आंबेडकर के आदर्श समाज की दो विशेषताओं को लिखिए | **(ग)** बाज़ार का जादू चढ़ने और उतरने पर मनुष्य पर क्या - क्या असर पड़ता है ?	**2x2 =4**

केंद्रीय विद्यालय संगठन

2020-21

निर्धारित समय -3 घंटे कक्षा - बारहवीं विषय- हिंदी (केन्द्रिक) अधिकतम अंक - 80

अंक योजना-3

प्र.सं	सामान्य निर्देश :- • अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक बनाना है । • यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न , किन्तु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएँ ।	अंक
	खंड `अ` (वस्तुपरक प्रश्न)	
1.	**अपठित गद्यांश :-** (i) (घ) स्त्री - स्वभाव का जागरण (ii) (ख) वे अपने मूल स्वभाव को जान कर उस पर चल नहीं सकी (iii) (ख) सभी पुरुष स्त्रियों की गोद में पलते - बढ़ते हैं । (iv) (ग) प्रेम और करुणा (v) (ख) मिश्र वाक्य (vi) (ख) स्त्रियों के पास (vii) (ख) पांच हजार वर्षों से (viii) (घ) जहाँ करुणा है (ix) (ख) नारी की (x) (ग) द्वंद्व समास **अथवा** (i) (ख) एकांत पर (ii) (ग) स्वयं को जानने के लिए (iii) (ग) एकांत प्रेम के कारण (iv) (क) संसार से प्रेम करके (v) (ग) एकांत से प्रेम करके (vi) (क) वह किसी को हानि नहीं पहुंचाता (vii) (घ) धर्म के वास्तविक स्वरूप की पहचानपहचान (viii) (ग) नई संकल्पना (ix) (ग) एकांत में ही ईश्वर महसूस होते हैं (x) (घ) संसार और प्रकृति की सुंदरता को देखना	**1x10 =10**
2.	**अपठित काव्यांश :-** (i) (ख) वैराग्य (ii) (ग) विजयी व्यक्तियों के	**1x5 =5**

	(iii) (क) कितनी ही मुसीबत आ जाए | (iv) (क) दुखों का (v) (क) आन-बान की रक्षा करने की **अथवा** (i) (ग) मनुष्य (ii) (क) मरने के बाद लोग याद करते हैं (iii) (ख) केवल अपना स्वार्थ साधना (iv) (क) जो मानव दूसरों के लिए अपनी जान दे दे (v) (घ) अनुप्रास	
3.	**अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक से :-** (i) (ख) सन 1556 गोवा में (ii) (ग) वॉचडॉग पत्रकारिता (iii) (क) बीट (iv) (ख) साप्ताहिक पत्र (v) (ग) ड्राई - एंकर	**1x5 =5**
4.	**पठित काव्यांश :-** (i) (ख) श्रीराम मनुष्य की तरह विलाप कर रहे हैं (ii) (ख) अवधी भाषा में (iii) (घ) उपरोक्त सभी (iv) (ख) तुलसीदास (v) (ख) करुण रस	**1x5 =5**
5.	**पठित गद्यांश :-** (i) (क) बाजार में (ii) (ख) जैनेन्द्र कुमार (iii) (ग) दोनों सही है (iv) (ख) आंख की राह (v) (घ) उपरोक्त सभी	**1x5 =5**
6.	**वितान पुस्तक के पठित पाठों से :-** (i) (ख) यशोधर पंत (ii) (ख) मानवीय संबंधों की गरिमा और संस्कारों में रूचि न लेना (iii) (घ) वे परिवर्तन को सहजता से स्वीकार नहीं कर पाते थे (iv) (घ) उपरोक्त सभी (v) (घ) बच्चों की पिटाई करते थे (vi) (क) सिन्धु सभ्यता में साधन सम्पन्नता एवं भव्यता का आडम्बर था	**1x10= 10**

	(vii) (ख) सभी घरों के लिए उचित जल निकासी व्यवस्था थी (viii) (घ) उपरोक्त सभी (ix) (ग) ऐन फ्रैंक किसी सवेंदनशील व्यक्ति की खोज में थी (x) (घ) गुड़िया	
	<u>खंड ' ब ' (वर्णनात्मक प्रश्न)</u>	
	**नोट:- उत्तर योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं	ये सुझावात्मक तथा सांकेतिक हैं	यदि विद्यार्थी ने इनसे भिन्न , किन्तु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उपयुक्त अंक दिए जाएँ	**	
7.	**किसी एक विषय पर लेख अपेक्षित** विषय - वस्तु 3 भाषा 1 कल्पनाशीलता 1	**5x1=5**
8.	**पत्र लेखन** आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ 1 विषय वस्तु 3 भाषा 1	**5x1=5**
9.	**(क) उपयुक्त कथानक लिखने पर अंक दिए जाएँ	3** कहानी से नाटक बनाते हुए मूल कथावस्तु, भाषा - शैली, संवाद, मंच सज्जा, ध्वनि प्रकाश, चरित्र -चित्रण, पात्रों की भाव **अथवा** -भंगिमा , दृश्यात्मकता आदि का ध्यान रखना चाहिए | **(ख)** नाटक दृश्य - काव्य भी कहा जाता है	अन्य विधाएँ केवल लिखित रूप में ही पूर्णता को प्राप्त करती हैं जबकि नाटक अपने लिखित रूप से अलग चरण (मंचन) तक अधूरा रहता है | **अथवा** नाटक के संचालन की प्रक्रिया पात्रों द्वारा ही होती है	नाटक को प्रभावी बनाने के लिए पात्रानुरूप ही संवाद लिखे जाते हैं	नाटक को प्रभावी बनाने के लिए सरल भाषा शैली अत्यंत आवश्यक है | 2	**3+2=5**
10.	**(क) फ़ीचर लेखन** विषय वस्तु 2 भाषा व प्रस्तुति 1 **अथवा** **आलेख लेखन** विषय वस्तु 2	**3+2=5**

	भाषा व प्रस्तुति 1 **(ख)** (i) इंटरनेट पत्रकारिता द्वारा सूचनाओं को बहुत शीघ्रता से लोगों तक पहुँचाया जा सकता है	 **अथवा** संकेत बिन्दु:- घटना, समस्या या मुद्दे से संबंधित, समाचार-पत्र की आवाज़ स्वयं के नाम से नहीं छापा जाता, इसके लेखक, संपादक एवं उप-संपादक होते हैं	 (ii) इंटरनेट पत्रकारिता के द्वारा कुछ ही क्षणों में समाचार को संशोधित किया जा सकता है	2	
11.	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :-** (क) * दूरदर्शन पर एक अपाहिज का साक्षात्कार , व्यावसायिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए दिखाया जाता है | • दूरदर्शन पर एक अपाहिज व्यक्ति को प्रदर्शन की वस्तु मान कर उसके मन की पीड़ा को कुरेदा जाता है , उसे खुलेआम भुनाया जाता है | • दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले इस प्रकार के अधिकांश कार्यक्रम केवल संवेदनशीलता का दिखावा करते हैं | (ख) दिन जल्दी - जल्दी ढ़लने अर्थात समय के तेजी से निकलने की आशंका से व्यक्ति सजग हो जाता है और अपनी मंजिल को प्राप्त करने के लिए प्रयास तेज कर देता है ताकि प्रत्येक कार्य समय रहते शीघ्र पूरा किया जा सके | (ग) इन दोनों में गहरा अंतर्विरोध है	एक और तो कवि सब कुछ सहर्ष स्वीकार करता है , तो वहीँ दूसरी ओर उसको बहलाती , सहलाती, आत्मीयता बर्दाश्त भी नहीं होती	शायद अत्यधिक आत्मीयता के कारण कवि अपनी क्षमताओं एवं संभावनाओं का पूर्ण विकास नहीं कर पा रहा	इसलिए वह अपने स्वतंत्र अस्तित्व के लिए छटपटा रहा है और इस छटपटाहट में वह गहन अंधकार को भी स्वीकार करने को तैयार है , इसी सन्दर्भ में कवि ने ' सहर्ष स्वीकारा है'	**2x3=6**
12.	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :-** (क) कविता के संबंध में उड़ने का अर्थ है - कल्पना की उड़ान , सोच की उड़ान तथा विचारों की उड़ान	खिलने शब्द को कविता के अर्थ में विकास से जोड़ा गया है	अतः जहाँ 'उडने' का संबंध कल्पना एवं विचारों की ऊँची उड़ान से है, वहीँ 'खिलने' का संबंध अपने परिवेश को सुगन्धित बनाने से है | (ख) उषा कविता में कवि ने ग्रामीण उपमानों का प्रयोग कर गाँव की सुबह के गतिशील शब्द चित्र जैसे - आकाश को राख से लीपा हुआ चौका, काली सिल, केसर, लाल खड़िया, आदि प्रतिमानों के माध्यम से ग्रामीण जन जीवन की गतिशीलता को स्पस्ट किया है | (ग) बालक मचलते हुए चाँद रूपी खिलौने की माँग करता है	माँ घर के अन्दर से	**2x2=4**

	आईना लाकर उसमें चाँद को दिखाकर कहती है कि देख अब चाँद धरती पर उतर आया है ।	
13.	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :-** (क) लक्ष्मी का जीवन दुखों से भरा रहा । बचपन में माँ की मृत्यु, जवानी में पति की मृत्यु, बड़े दामाद जिसे घर जमाई रखा था परन्तु असामयिक उसकी भी मृत्यु, तीतर बाज दामाद को न चाहते हुए अपनाने की विवशता, रोजी-रोटी के लिए शहर आना और लेखिका से मुलाकात । वेशभूषा देखकर लेखिका ने भक्तिन नाम रखा । इस प्रकार लक्ष्मी के भक्तिन बनने की प्रक्रिया अत्यंत मर्मस्पर्शी है । (ख) जीजी के अनुसार, इंदर सेना पर पानी डालना जल की बर्बादी नहीं थी , बल्कि यह त्याग की भावना थी । जबकि लेखक को यह सब कुछ अंधविश्वास लगता था और जल की बर्बादी भी लगाती थी । (ग) भारत - पाक विभाजन के बावजूद 'नमक' कहानी यथार्थ में मानवीय भावनाओं की समानता की कथा है । कहानी से स्पष्ट होता है कि राजनीतिक सीमा एवं सत्ता लोलुपता व मजहबी दुराग्रहों में बंटे होने के बावजूद भारत एवं पाकिस्तान के लोगों के दिलों की धड़कन एक जैसी है । सिख बीबी लाहौर को अपना वतन मानती है , पाकिस्तान कस्टम अधिकारी दिल्ली को, साफिया के मित्र उनका तहेदिल से स्वागत - सत्कार करते हैं आदि ।	**2x3=6**
14.	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :-** (क) लुट्टन ने कुश्ती के दांवपेंच ढ़ोलक आवाज से ही सीखे । ढोलक की आवाज उसके शरीर में उमंग व स्फूर्ति भर देती थी । वह अखाड़े में उतरने से पहले ढ़ोल को प्रणाम करता था, क्योंकि उसने गुरु का स्थान ढोल को दे दिया था । (ख) i. आदर्श समाज बहुविध हितों की धारणा होनी चाहिए एवं उसमें गतिशीलता का समावेश होना चाहिए । ii . हर वर्ग को पर्याप्त साधन तथा अवसर मिलने चाहिए । (ग) बाज़ार का जादू जब चढ़ता है तो व्यक्ति उसकी और आकर्षित होता है । वह सब कुछ ख़रीद लेना चाहता है । बाज़ार का जादू जब उतरता है तब उसे बेवजह पैसा बर्बाद करने का पछतावा होता है ।	**2x2=4**

केन्द्रीय विद्यालय संगठन , रायपुर संभाग

प्रतिदर्श एवं अभ्यास प्रश्नपत्र -4 2020 -21

विषय - हिंदी (आधार)

निर्धारित समय - 3 घंटे **अधिकतम अंक -80**

सामान्य निर्देश :-

*** इस प्रश्न - पत्र में दो खंड हैं - खंड 'अ' और 'ब' | खंड 'अ' में वस्तुपरक तथा खंड 'ब' में वर्णनात्मक पूछे गए हैं |**

*** खंड 'अ' में कुल 6 प्रश्न पूछे गए है, जिनके कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं | दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए उत्तर दीजिए |**

*** खंड 'ब' में कुल 8 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं | दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए उत्तर दीजिए |**

खंड -अ वस्तुपरक प्रश्न

प्रश्न 1 निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 1X10=10

समस्त ग्रंथों, अनुभवीजनों का कहना है कि जीवन एक कर्मक्षेत्र है | हमें कर्म के लिए जीवन मिला है | कठिनाइयाँ एवं दुख और कष्ट हमारे शत्रु हैं | जिनका हमें सामना करना है और उनके विरुद्ध संघर्ष करके हमें विजयी बनना है | अंग्रेजी के यशस्वी नाटककार शेक्सपीयर ने ठीक ही कहा है कि "कायर अपनी मृत्यु से पूर्व अनेक बार मृत्यु का अनुभव कर चुके होते हैं किंतु वीर एक से अधिक बार कभी नहीं मरते हैं |

विश्व के प्राय: समस्त महापुरुषों के जीवन वृत्त, अमेरिका के निर्माता जॉर्ज वाशिंगटन और राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन से लेकर भारत के राष्ट्रपति महात्मा गांधी और भारत के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन - चरित्र हमें यह शिक्षा देते हैं कि महानता का रहस्य संघर्षशीलता, अपराजेय व्यक्तित्व है | इन महापुरुषों को जीवन में अनेक संकटों का सामना करना पड़ा परन्तु वे घबराए नहीं, संघर्ष करते रहे और अंत में सफल हुए | संघर्ष के मार्ग पर अकेला चलना अकेले चलना पड़ता है | कोई बाहरी शक्ति आपकी सहायता नहीं करती है | परिश्रम,दृढ़ इच्छा शक्ति व लगन आदि व्यक्ति को संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं |

समस्याएँ वस्तुतः जीवन का पर्याय है यदि समस्याएं न हों, तो आदमी प्राय: अपने को निष्क्रिय समझने लगेगा| यह समस्याएँ वस्तुतः जीवन की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करते हैं| समस्या को समझाते समय, उसका समाधान करते समय व्यक्ति का श्रेष्ठतम तत्व उभर कर आता है | धर्म, दर्शन, ज्ञान, मनोविज्ञान इन्हीं प्रयत्नों की देन है |पुराणों में अनेक कथाएँ यह शिक्षा देते हैं कि मनुष्य जीवन की हर स्थिति में जीना सीखें व समस्या उत्पन्न होने पर

उसके समाधान का उपाय सोचें | जो व्यक्ति जितना उत्तरदायित्व पूर्ण कार्य करेगा, उतना ही उसके समक्ष समस्याएं आएँगी और उसके परिप्रेक्ष्य में ही उसकी महानता का निर्धारण किया जाएगा

दो महत्वपूर्ण तथ्य स्मरणीय है -प्रत्येक समस्या अपने साथ संघर्ष लेकर आती है | प्रत्येक संघर्ष के गर्भ में विजय निहित रहती है | एक प्राचार्य ने विद्यालय छोड़ने वाले अपने छात्रों को यह संदेश दिया था - "तुम्हें जीवन में सफल होने के लिए समस्याओं से संघर्ष करने का अभ्यास करना होगा |" हम कोई भी कार्य करें सर्वोच्च शिखर पर पहुँचने का संकल्प लेकर चलें | सफलता हमें कभी निराश नहीं करेगी | समस्त ग्रंथों और महापुरुषों के अनुभवों का निष्कर्ष यह है कि संघर्ष से डरना अथवा उससे विमुख होना लौकिक एवं पारलौकिक सभी दृष्टि से अहितकर है | मानव धर्म के प्रतिकूल है और अपने विकास को अनावश्यक रूप से बाधित करना है आप जागिए,उठिए, दृढ़ संकल्प और उत्साह एवं साहस के साथ संघर्ष रुपी विजय रथ पर चढ़ जाएँ और अपने जीवन के विकास की बाधाओं रूपी शत्रुओं पर विजय प्राप्त कीजिए |

1. मनुष्य के जीवन में सबसे जरूरी क्या है ?

(क) कठिनाइयाँ एवं दु:ख

(ख) सफलता

(ग) कर्मशीलता

(घ) यश

2. महापुरूषों का जीवन क्या संदेश देता है ?

(क) संघर्षशीलता

(ख) अपराजेयता

(ग) संकटों का सामना करने का

(घ) उपर्युक्त सभी

3. जीवन का पर्याय किसे कहा गया है ?

(क) प्रगति को

(ख) समस्याओं को

(ग) सीखने को

(घ) सक्रियता

4. मनुष्य का विकास कब रूक जाता है ?

(क) लक्ष्य प्राप्ति के बाद

(ख) सफलता न मिलने पर

(ग) समस्याओं से पलायन करने पर

(घ) सर्वोच्य शिखर पर पहुँचने पर

5. 'विजय रथ' को किसका रूप माना है

(क) दृढ़ संकल्प

(ख) उत्साह एवं साहस

(ग) सकारात्मक मानसिकता

(घ) उपर्युक्त सभी

6. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा ?

(क) समस्याएँ

(ख) संघर्ष ही जीवन है

(ग) मानव धर्म

(घ) महापुरूषों का जीवन

7. समस्याएँ अपने साथ क्या लाती है ?

(क) दृढ़ इच्छा शक्ति

(ख) साहस

(ग) संघर्ष

(घ) सफलता

8. संघर्ष के मार्ग पर किसकी सहायता मिलती है ?

(क) बाहरी शक्ति से

(ख) मित्रों से

(ग) स्वयं से

(घ) महान लोगों से

9. समस्त ग्रन्थों एवं महापुरूषों के अनुभवों का निष्कर्ष क्या है ?

(क) संघर्ष से डरना एवं उससे विमुख न होना

(ख) जीवन एक कर्मक्षेत्र है

(ग) हमें कर्म के लिए जीवन मिला है

(घ) उपर्युक्त सभी

10. 'यशस्वी' का समानार्थी होगा ?

(क) प्रसिद्ध

(ख) परिश्रमी

(ग) श्रेष्ठ

(घ) उपर्युक्त सभी

अथवा

दुनिया शायद अभी तक के सबसे बड़े संकट से जूझ रही है । मौजूदा दौर की महामारी ने हर किसी के जीवन में हलचल मचा दी है । इस पर महामारी ने जीवन की सहजता को पूरी तरह बाधित कर दिया है । भारत में इतनी अधिक आबादी है कि इसमें किसी नियम कायदे को पूरी तरह से अमल में लाना अपने आप में एक बड़ी चुनौती है ।इसमें महामारी के संक्रमण को रोकने के मकसद से पूर्णबंदी लागू की गई और ऐसे कमोबेश कामयाबी के साथ अमल में भी लाया गया । लेकिन यह सच है कि जिस महामारी से हम जूझ रहे है, उससे लड़ने में मुख्य रूप से हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता की ही बड़ी भूमिका है । लेकिन असली चिंता बच्चों और बुजुर्गो की हो आती है

इस मामले में ज्यादातर नागरिकों ने जागरूकता और सहजबोध की बजह से जरुरी सावधानी बरती है । लेकिन इसके समानान्तर दूसरी कई समस्याएँ खड़ी हुई है । मसलन आर्थिक गतिविधियाँ जिस बुरी तरह प्रभावित हुई है, उसने बहुत सारे लोगों के सामने संकट और ऊहापोह की स्तिथि पैदा कर दी है । एक तरफ नौकरी और उसकी तनख्वाह पर निर्भर लोगों की लाचारी यह है कि उसके सामने यह आश्वासन था कि नौकरी से नहीं निकला जाएगा, वेतन नहीं रोका जाएगा, वही उनके साथ हुआ उल्टा । नौकरी गई, कई जगहों पर तनख्वाह नहीं मिली या कटौती की गई और किराए के घर तक छोड़ने की नौबत आ गई । इस महामारी का दूसरा असर शिक्षा जगत पर पड़ा है, उसका तार्किक समाधान कैसे होगा । यह लोगों के लिए समझना मुश्किल हो रहा है । खासतौर पर स्कूली शिक्षा पूरी तरह से बाधित होती दिख रही है । यों इसमे किए गए वैकल्पिक इंतजामों की वजह से स्कूल भले बंद हों, लेकिन शिक्षा को जारी रखने की कोशिश की गई है । स्कूल बंद होने पर बहुत सारे शिक्षकों को वेतन की चिन्ता प्राथमिक नहीं थी, बच्चों के भविष्य की चिन्ता उन्हें सता रही है । हालाँकि एक ख़ासी तादाद उन बच्चों की है, जो लेपटॉप या स्मार्ट फोन के साथ जीते है, लेकिन दूसरी और बहुत सारे शिक्षक ऐसे भी है, जिन्हें कंप्यूटर चलाना नहीं आता । उन सबके सामने चुनौती है ऑनलाइन कक्षाएँ लेने की । सबने हार नहीं मानी और तकनीक को खुले दिल से सीखा । इस तरह फ़िलहाल जो सीमा है, उसमें पढाई-लिखाई को जारी रखने की पूरी कोशिश की जा रही है ।

1. उपरोक्त गद्यांश किस विषयवस्तु पर आधारित है ?

    अ) बेरोजगारी

    आ) शिक्षा की समस्या

इ) आर्थिक संकट

ई) महामारी का प्रभाव

2. पूर्णबन्दी लागू क्यों की गई ?

अ) संक्रमण को रोकने के लिए

आ) लोगों की आवाजाही रोकने के लिए

इ) नियम लागू करने के लिए

ई) लोगों द्वारा नियम नहीं मानने के कारण

3. हमें बच्चों और बुजुर्गों की चिन्ता क्यों है ?

अ) कमजोर और अक्षम होने के कारण

आ) प्रतिरोध क्षमता के अभाव के कारण

इ) अधिक बीमार रहने के कारण

ई) बीमारी का अधिक प्रभाव पड़ने के कारण

4. स्कूली शिक्षा को जारी रखने की कोशिश क्यों की जा रही है?

अ) प्राइवेट स्कूल के दबाव के कारण

आ) शिक्षा जारी रखने के कारण

इ) बच्चों की चिन्ता के कारण

ई) शिक्षकों के वेतन के लिए

5. ऑनलाइन शिक्षा एक चुनौती कैसे है ?

अ) शिक्षक की अकुशलता के कारण

आ) तकनीकी रूप से योग्य नहीं होना

इ) साधन नहीं होने के कारण

ई) अभिभावकों की रूचि नहीं होने के कारण

6. शिक्षकों ने तकनीक को खुले दिल से क्यों सीखा?

अ) ऑनलाइन पढ़ने की मज़बूरी के कारण

आ) अपनी सैलरी के कारण

इ) बच्चों की चिन्ता के कारण

ई) अभिभावकों के भय से

7. महामारी के समय में भी शिक्षकों ने शिक्षक होने का बोध कराया है- कैसे?

अ) बच्चों की शिक्षा की चिन्ता द्वारा

आ) अपनी नौकरी की चिन्ता द्वारा

इ) अपनी सैलरी की चिन्ता द्वारा

ई) तकनीक सीखने की हिम्मत द्वारा

8. जीवन की सहजता के बाधित होने से आप क्या समझते है ?

अ) जीवन में कठिनाई उत्पन्न हो जाना

आ) जीवन में संकट उत्पन्न हो जाना

इ) जीवन में संघर्ष का बढ़ जाना

ई) जीवन में आराम नहीं होना

9. भारत में नियम-कानून लागू करना चुनौती क्यों है?

अ) लोग अधिक होने से

आ) अनपढ़ होने से

इ) नियम नहीं मानने से

ई) नियम कानून की समझ नहीं होने से

10. लोगों के जीवन में ऊहापोह की स्थिति कैसे आ गई?

अ) महामारी आ जाने से

आ) आर्थिक गतिविधियाँ ठप हो जाने से

इ) नौकरी चले जाने से

ई) तनख्वाह नहीं मिलने से

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 1X5=5

मैं हूं उनके साथ खड़ी
जो सीधी रखते अपनी रीढ़
कभी नहीं जो तज सकते हैं
अपना न्यायोचित अधिकार
कभी नहीं जो सह सकते हैं
शीश नवाकर अत्याचार,
एक अकेले हो या उनके
साथ खड़ी हो भारी भीड़,
मैं हूं उनके साथ खड़ी
जो सीधी रखते अपनी रीढ़|
नहीं झुका करते जो दुनिया से
करने को समझौता,
ऊंचे से ऊंचे सपनों को देते रहते हैं जो न्यौता

दूर देखती जिनकी पैनी
आंख भविष्यत का तम चीर
मैं हूं उनके साथ खड़ी
जो सीधी रखते अपनी रीढ़ |
जो अपने कंधों से पर्वत से
बढ़ टक्कर लेते हैं,
पथ की बाधाओं को जिनके
पांव चुनौती देते हैं,
जिनको बांध नहीं सकती हैं
लोहे की बेड़ी जंजीर
मैं हूं उनके साथ खड़ी
जो सीधी रखते अपनी रीढ़ |
निर्भय होकर घोषित करते
जो अपने उद्‌गार विचार
जिनकी जिह्‌वा पर होता है
उनके अंतर का अंगार
नहीं जिन्हें चुप कर सकती है
आततायियों की शमशीर
मैं हूं उनके साथ खड़ी
जो सीधी रखते अपनी रीढ़ |

1. ' मैं हूँ उनके साथ खड़ी' यहाँ 'मैं' शब्द प्रयुक्त हुआ है -

(क) किस्मत के लिए (ख) भाग्य के लिए

(ग) सफलता के लिए (घ) जीत के लिए

2. 'नहीं जिन्हें चुप कर सकती है आततायियों की शमशीर' उक्त पंक्ति से क्या आशय है ?

(क) आतंकवादियों की धमकियों से चुप नहीं रह सकते

(ख) अत्याचारियों की तलवारों के भय से वे डरते नहीं हैं

(ग) आततायी जिनसे डरकर चुप हो जाते हैं

(घ) उपर्युक्त सभी

3. ' आँख भविष्यत का तम चीर' से क्या तात्पर्य है ?

(क) वीर पुरूष की आंखें अंधकार को चीर देती है

(ख) दूरदर्शी व्यक्ति आगत के अंधकार में भी अपना लक्ष्य स्पष्ट देख लेते हैं

(ग) पैनी आँखें भविष्य के अंधकार में भी देख सकती हैं

(घ) भविष्यत का तम चीर पैनी आँखें होती हैं |

4. 'अत्याचार' शब्द में उपसर्ग होगा ?

(क) अत् (ख) अत्या

(ग) अति (घ) अ

5. काव्यांश का उचित शीर्षक होगा -

(क) आत्मनिर्भरता (ख) भाग्यवाद (ग) मैं हूँ उनके साथ खड़ी (घ) तकदीर

अथवा

तुमको नया गौरव दे रही है !

यह तुम्हारे कर्म का ही प्रस्फुटन है।

नागरिक जय प्रजा - जन, जय !

राष्ट्र के सच्चे विधायक, जय !

हम आलोक मंजूषा समर्पित कर रहे हैं,

और मंजूषा तुम्हारी है ।

और यह आलोक,

तुम्हारे ही अडिग विश्वास का आलोक है ।

किंतु रूपाकार यह केवल प्रतिज्ञा है,

उत्तरोत्तर लोक का कल्याण ही है साध्य,

अनुशासन उसी के हेतु है ।

यह प्रतिज्ञा ही हमारा दाय है लंबे युगों की,

साधना का, जिसे हमने धर्म जाना ।

स्वयं अपनी अस्थियां देकर हमीं ने असत पर,

सत की विजय का मर्म जाना ।

संपुटित कर हाथ , जिसने गोलियां निज वक्ष पर,

झेली , शमन कर ज्वार हिंसा का-

उसी के नत- शीश धीरज को हमारे स्तिमित चिर - संस्कार,

ने सच्चा कृति का कर्म जाना ।

साधना रुकती नहीं,

आलोक जैसे नहीं बंधता ।

यह सुघर मंजूष भी
झर गिरा सुंदर फूल है पथ- कूल का ।
मांग पथ की इसी से चूकती नहीं ।
फिर भी बीन लो यह फूल ,
स्मरण कर लो इसी पथ पर गिरे सेनानी जयी को,
बढ़ चलो फिर शोध में अपने उसी
धुंधले युगों के स्वप्न की,
जिसे हम आलोक - मंजूषा समर्पित कर रहे हैं।
आज हम अपने युगों के स्वप्न को ,
यह नई आलोक- मंजूषा समर्पित कर रहे हैं ।

1. कवि ने किस प्रकार की गति से आगे बढ़ने का व्रत धारण किया है ?

(क) बिना थके हुए

(ख) ध्रुव के समक्ष अटल होकर

(ग) बिना पथ में रूके

(घ) उपर्युक्त सभी

2. कवि ने देश के नागरिकों को कौन सी आलोक मंजूषा समर्पित की है ?

(क) गणतंत्रता की

(ख) सुंदर फूलों की

(ग) सपनों की

(घ) कर्म की

3. असत पर सत की विजय प्राप्ति किस प्रकार की गई ?

(क) भक्ति द्वारा

(ख) अनुशासन से

(ग) अस्थियों को समर्पित करके

(घ) कठिन प्रतिजज्ञा द्वारा

4. पथ से क्या बीनने की प्रेरणा दी गई है?

(क) सुंदर फूल

(ख) उच्च आदर्श एवं जीवन मूल्य

(ग) मंजूषा

(घ) पद चिन्ह

5. 'मंजूषा' शब्द का अर्थ होगा :-

(क) देशभक्ति

(ख) पिटारा

(ग) प्रकाश

(घ) अच्छे कर्म

प्रश्न 3. निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए - 1X5=5

(1) जनसंचार माध्यमों में प्रकाशित या प्रसारित होने वाली सामग्री को नियंत्रण और निर्धारित कौन करता है ?

(क) द्वारपाल

(ख) सम्पादक

(ग) संवाददाता

(घ) एंकर

2. भारत में पत्रकारिता की शुरुआत कब हुई ?

(क) 1786

(ख) 1780

(ग) 1756

(घ)1556

3. किसी खास उद्देश्य या मुद्दे के पक्ष में जनमत बनाने के लिए अभियान चलाने वाली पत्रकारिता क्या कहलाती है ?

(क) खोजी पत्रकारिता

(ख) विशेषीकृत पत्रकारिता

(ग) एडवोकेसी पत्रकारिता

(घ) वॉचडॉग पत्रकारिता

4. समाचार लेखन में कितने ककार होते है ?

(क) चार

(ख) पांच

(ग) छह

(घ) तीन

5. फ्रीलांसर पत्रकार होते हैं -

(क) नियमित वेतनभोगी पत्रकार

(ख) किसी समाचार संगठन के लिए निश्चित मानदेय पर काम करने वाले पत्रकार

(ग) स्वतंत्र पत्रकार जो भुगतान के आधार पर अलग-अलग अखबारों के लिए लिखते हैं

(घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न 4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- 1X5=5

सोचिए

बताइए

आपको अपाहिज होकर कैसा लगता है

कैसा

यानि कैसा लगता है

(हम खुद इशारे से बताएँगे कि क्या ऐसा ?)

सोचिए

बताइए थोड़ी कोशिश करिए

(यह अवसर खो देंगे ?)

आप जानते है कि कार्यक्रम रोचक बनाने के वास्ते

हम पूछ - पूछकर उसको रूला देंगे

इंतजार करते हैं आप भी उसके रो पड़ने का

करते हैं ?

(यह प्रश्न पूछा नहीं जाएगा)

1. दूरदर्शन पर अपाहिज को किसलिए रूला दिया जाता है ?

(क) अपाहिज के प्रति लोगों को सहानुभूति दिखाने के लिए

(ख) कार्यक्रम की रोचकता के लिए

(ग) अपाहिज को परदे के माध्यम से प्रसिद्धि दिलाने हेतु

(घ) उपर्युक्त सभी

2. अपाहिज को कौनसा प्रश्न नहीं पूछा जाएगा ?

(क) कि आप अपाहिज क्यों हैं ?

(ख) कि क्या आप अपाहिज हैं ?

(ग) कि क्या दर्शक भी उनके रोने का इंतजार करते हैं ?

(घ) कि आपको अपाहिज होकर कैसा लगता है ?

3. 'यह अवसर खो देंगे ?' में निहित भाव है -

(क) अपाहिज के लिए प्रसिद्ध होने का अवसर है |

(ख) उसे अपनी पीड़ा जाहिर करने का अवसर मिला है |

(ग) दूरदर्शन पर आकर लोगों से संवाद करने का अवसर मिला है |

(घ) दूरदर्शन पर अवसर खोने का भय दिखाकर उसकी आत्मा को दर्शकों के सामने खोलने का प्रयास किया जाता है |

4. काव्यांश में दूरदर्शन के कार्यक्रम संचालकों पर कौन सा व्यंग्य नहीं किया है ?

(क) संचालकों का संवेदनारहित व्यवहार

(ख) कार्यक्रमों को व्यावसायिक बनाना

(ग) संचालकों का स्वयं को शक्तिशाली मानना |

(घ) संचालकों का संवेदनशील होना

5. काव्यांश के कवि कौन है?

(क) कुँवर नारायण

(ख) रघुवीर सहाय

(ग) गजानन माधव मुक्तिबोध

(घ) शमशेर बहादुर सिंह

प्रश्न 5. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- 1X5=5

लुट्टन के माता-पिता उसे नौ वर्ष की उम्र में ही अनाथ बनाकर चल बसे थे | सौभाग्यवश शादी हो चुकी थी, वरना वह भी माँ- बाप का अनुसरण करता | विधवा सास ने पाल - पोस कर बड़ा किया | बचपन में वह गाय चराता , धारोष्ण दूध पीता और कसरत किया करता था | गाँव के लोग उसकी सास को तरह-तरह की तकलीफ दिया करते थे ; लुट्टन के सिर पर कसरत की धुन लोगों से बदला लेने के लिए ही सवार हुई थी | नियमित कसरत ने किशोरावस्था में ही उसके सीने और बाहों को सुडौल और मांसल बना दिया था | जवानी में कदम रखते ही वह गाँव में सबसे अच्छा पहलवान समझा जाने लगा | लोग उससे डरने लगे और वह दोनों हाथों को दोनों ओर पैंतालीस डिग्री की दूरी पर फैलाकर पहलवानों की भांति चलने लगा | वह कुश्ती भी लड़ता था |

1. लुट्टन ने पहलवानी क्यों शुरू की ?

(क) शारीरिक रूप से स्वस्थ होने के लिए

(ख) चाँद सिंह पहलवान को हराने के लिए

(ग) उसकी सास को तकलीफ देने वालों से बदला लेने के लिए

(घ) गाँव में अपना दबदबा बनाने के लिए

2. 'वरना वह भी माँ - बाप का अनुसरण करता ' से तात्पर्य है -

(क) माँ - बाप की तरह प्रसिद्ध होता

(ख) माँ -बाप की तरह मृत्यु को प्राप्त होता

(ग) माँ - बाप की तरह सुखमय जीवन व्यतीत करता

(घ) उपर्युक्त सभी

3. किस अवस्था में पहलवान का सीना और बाँहें सुडोल व माँसल हो गई थी ?

(क) बाल्यावस्था

(ख) प्रौढ़ावस्था

(ग) युवावस्था

(घ) किशोरावस्था

4. लोग लुट्टन से क्यों डरने लगे?

(क) वह सबसे अच्छा पहलवान था |

(ख) वह बेवजह झगड़ा करता था |

(ग) वह पैंतालीस डिग्री की दूरी पर हाथ फैलाकर चलता था |

(घ) वह लोगों को डराता था |

5. गद्यांश के लेखक कौन है ?

(क) धर्मवीर भारती

(ख) फणीश्वर नाथ रेणु

(ग) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(घ) जैनेन्द्र कुमार

प्रश्न 6 निम्नलिखित प्रश्नों में निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए -(पूरक पाठ्यपुस्तक) 1X10=10

1. 'सिल्वर वैडिंग' रचना की मूल संवेदना की दृष्टि से कौन सा कथन सही है ?

(क) भौतकवादी दृष्टिकोण

(ख) पाश्चात्य संस्कृति का अन्धानुकरण

(ग) आधुनिकता की अंधी प्रतिस्पर्धा

(घ) पीढ़ी अंतरालजन्य सांमजस्यहीनता

2. अतीत में दबे पाँव रचना के आधार पर मुअनजोदड़ों की सभ्यता के अद्‌वितीय सौन्दर्यबोध का श्रेय किसे दिया जाना चाहिए ?

(क) धनाढ्य वर्ग

(ख) तात्कालीन समाज को

(ग) राजसत्ता को

(घ) धर्माचार्यों को

3. ..... मेरे लिए पोशाकों की तुलना में ज्यादा मायने रखती है |

(क) पुस्तकों का

(ख) डायरी का

(ग) जूतों का

(घ) स्मृतियों का

4. 'जूझ' कहानी के अनुसार -"पढाई - लिखाई के संबंध में लेखक और दत्ता जी राव का रवैया सही था" क्योंकि : -

(क) लेखक खेती - बाड़ी नहीं करना चाहता था |

(ख) दत्ता जी राव जानते थे कि खेती - बाड़ी में लाभ नहीं है |

(ग) लेखक का पढ़-लिखकर सफल होना बहुत आवश्यक था |

(घ) लेखक का पिता नहीं चाहता कि वह आगे की पढ़ाई करे |

5. 'लेकिन उन अधूरे पायदानों पर खड़े होकर अनुभव किया जा सकता है कि आप दुनिया की छत पर हैं , वहां से आप ..... झांक रहे है |

(क) अतीत में

(ख) इतिहास के पार

(ग) अपने भीतर

(घ) दुनिया में

6. यशोधर बाबू अपने बच्चों की तरक्की होने पर ज्यादा खुश क्यों नहीं थे ?

(क) उनके बच्चे आधुनिक रहन-सहन में रहने लगे थे |

(ख) पैसा होने पर वे सभी जीवन मूल्य भूल चुके थे |

(ग) वे सदा अपने गरीब रिश्तेदारों की उपेक्षा करते थे |

(घ) उपर्युक्त सभी

7. 'डायरी के पन्ने' रचना के अनुसार मानव जाति की निरंतरता को बनाए रखने का श्रेय किसे है ?

(क) ईश्वर को

(ख) प्रकृति को

(ग) स्त्री जाति को

(घ)पुरुष जाति को

8 जूझ पाठ के अनुसार कविता के प्रति लगाव से पहले और उसके बाद अकेलेपन के प्रति लेखक की धारणा में क्या बदलाव आया ?

(क) अकेलापन डरावना है

(ख) अकेलापन उपयोगी है

(ग) अकेलापन अनावश्यक है

(घ) अकेलापन सामान्य प्रक्रिया है

9 'कवि भी अपने जैसा हाड़ - माँस का ; क्रोध - लोभ का मनुष्य ही होता है | मैं भी कविता लिख सकता हूँ' -लेखक को ऐसा कब लगा ?

(क) जब न.वा.सौन्दलगेकर मास्टर से पहली बार कविता सुनी |

(ख) जब स्वयं कविता रचने लगा |

(ग) जब न. वा. सौन्दलगेकर मास्टर ने कवियों के चरित्र एवं उनके संस्मरण बताए |

(घ) उपर्युक्त सभी

10. मुअनजोदड़ो को जल संस्कृति का नाम क्यों दिया जाता है ?

(क) अत्यधिक बाढ़ आने के कारण

(ख) सिन्धु नदी के किनारे बसे होने के कारण

(ग) जल- प्रबंधन अच्छे व सुव्यवस्थित ढंग से होने के कारणक

(घ) अधिक संख्या में कुँए होने के कारण

खंड 'ब' वर्णनात्मक प्रश्न

प्रश्न 7. निम्न लिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :- 5

(क) बचपन की मधुर स्मृतियाँ

(ख) सुखद घटना जिसने मुझे नई सीख दी

(ग) नर हो ..... न निराश करो मन को

प्रश्न 8 खाद्य पदार्थों में मिलावट की बढती प्रवृति पर चिंता व्यक्त करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए | **5**

अथवा

आप किसी स्थान विशेष की यात्रा करना चाहते हैं | उस स्थान की जानकारी प्राप्त करने की लिए पर्यटन विभाग के अधिकारी को पत्र लिखिए **|**

प्रश्न 9 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में दीजिए :- 5

(क) कविता लेखन हेतु आवश्यक प्रमुख घटकों पर प्रकाश डालिए | 3

अथवा

कहानी में द्वंद्व के महत्त्व पर प्रकाश डालिए |

(ख) नाटक के संवाद एवं भाषा शैली उसके प्राणतत्व हैं - स्पष्ट कीजिए 2

अथवा

कहानी लेखन हेतु पात्र एवं चरित्र - चित्रण अत्यंत महत्वपूर्ण तत्व है |" स्पष्ट कीजिए |

प्रश्न 10 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में दीजिए :- 5

(क) विशेष लेखन की भाषा और शैली का समाचार -पत्रों में विशेष महत्त्व है | भाषा और शैली किसप्रकार की होनी चाहिए ?

3

अथवा

उल्टा पिरामिड शैली को स्पष्ट कीजिए |

(ख) संपादकीय लेखन क्या है?

2

अथवा

समाचार कैसे लिखा जाता है ?

प्रश्न 11 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए :- 3+3=6

(क) कविता के किन उपमानों को देखकर यह कहा जा सकता है कि 'उषा' कविता गाँव की सुबह का गतिशील शब्द-चित्र है ?

(ख)'बहलाती सहलाती आत्मीयता बर्दाश्त नहीं होती है' और कविता के शीर्षक 'सहर्ष स्वीकार है' में आप कैसा अंतर्विरोध पाते हैं ?

(ग) कवितावली के दिए गए छंदों के आधार पर स्पष्ट करें कि तुलसीदास को अपने युग की आर्थिक विषमता की अच्छी समझ थी ?

प्रश्न 12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में दीजिए :- 2+2=4

(क) 'दिन जल्दी -जल्दी ढलता है' कविता का मूलभाव स्पष्ट कीजिए |

(ख) 'कविता के बहाने' कविता में 'बिना मुरझाए महकने के माने' से क्या तात्पर्य है ?

(ग) फिराख की रूबाइयों में उभरे जीवन के बिम्बों का सौन्दर्य 'रुबाइयाँ' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए |

प्रश्न 13 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए :- 3+3=6

(क) "लाहौर अभी तक उनका वतन है और देहली मेरा" या "मेरा वतन ढाका है" जैसे उद्‌गार किस सामाजिक यथार्थ की ओर संकेत कर रहे हैं ? नमक कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए |

(ख) 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ में डॉ अम्बेडकर अपनी कल्पना का समाज कैसे देखते हैं ?

(ग) बाजार में भगत जी के व्यक्तित्व का कौन- सा पहलू उभरकर आता है ? क्या आपकी नजर में उनका आचरण समाज में शान्ति स्थापित करने में मददगार हो सकता है?

प्रश्न 14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40शब्दों में दीजिए :- 2+2=4

(क) भक्तिन द्‌वारा शास्त्र के प्रश्न को सुविधा से सुलझा लेने का क्या उदाहरण लेखिका ने दिया है ?

(ख) जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंके जाने को किस तरह सही ठहराया ?

(ग) पहलवान की ढोलक की आवाज का पूरे गाँव में क्या असर होता था ?

केन्द्रीय विद्‌यालय संगठन , रायपुर संभाग

प्रतिदर्श एवं अभ्यास प्रश्नपत्र-4

विषय - हिंदी (आधार)

अंक योजना

निर्धारित समय - 3 घंटे अधिकतम अंक - 80

सामान्य निर्देश -

- **अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है |**
- **खंड - अ में दिए गए वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तरों का मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाए |**
- **खंड-ब में वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर - बिंदु अंतिम नहीं हैं | ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं|**
- **यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिन्दुओं से भिन्न , किन्तु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएं |**

- **मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक - योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए |**

खंड - अ वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 1 (1) क - कठिनाइयाँ एवं दु:ख 1

(2) घ - उपर्युक्त सभी 1

(3) ख - समस्याओं को 1

(4) ग - समस्याओं से पलायन करने पर 1

(5) घ - उपर्युक्त सभी 1

(6) ख - संघर्ष ही जीवन है 1

(7) ग - संघर्ष 1

(8) ग -स्वयं से 1

(9) घ - उपर्युक्त सभी 1

(10) क - प्रसिद्ध 1

अथवा

(1) घ- महामारी का प्रभाव 1

(2) क - संक्रमण को रोकने के लिए 1

(3) ख - प्रतिरोध क्षमता के अभाव के कारण 1

(4) ग - बच्चों की चिंता के कारण 1

(5) क -शिक्षक की अकुशलता 1

(6) ग - बच्चों की चिंता के कारण 1

(7) क - बच्चों की शिक्षा की चिंता के द्वारा 1

(8) ग - जीवन में संघर्ष का बढ़ जाना 1

(9) क - लोग अधिक होने से 1

(10) ख - आर्थिक गतिविधियां ठप हो जाने से 1

प्रश्न 2 (1) ग - सफलता के लिए 1

(2) ख - अत्याचारियों की तलवारों के भय से वे डरते नहीं है 1

(3) ख - दूरदर्शी व्यक्ति आगत के अन्धकार में भी अपना लक्ष्य स्पष्ट देख सकता है 1

(4) ग - अति 1

(5) ग - मैं हूँ उनके साथ खड़ी 1

अथवा

(1) घ - उपर्युक्त सभी 1

(2) क- गणतंत्रता की 1

(3) ग -अस्थियों को समर्पित करके 1

(4) ख- उच्च आदर्श एवं जीवन मूल्य 1

(5) ख- पिटारा 1

प्रश्न 3 (1) क - द्वारपाल 1

(2) ख - 1780 1

(3) ग - एडवोकेसी पत्रकारिता 1

(4) ग - छह 1

(5) ग -स्वतंत्र पत्रकार जो भुगतान के आधार पर अलग-अलग अखबारों के लिए लिखते हैं 1

प्रश्न 4 (1) ख - कार्यक्रम की रोचकता के लिए 1

(2) ग - कि क्या आप दर्शक भी उनके रोने का इंतजार करते हैं ? 1

(3) घ - दूरदर्शन पर अवसर खोने का भय दिखाकर उसकी आत्मा को दर्शकों के सामने खोलने का प्रयास किया जाता है 1

(4) घ - अपाहिज के प्रति सहानुभूति दिखाना 1

(5) ख- रघुवीर सहाय 1

प्रश्न 5 (1) ग- उसकी सास को तकलीफ देने वालों से बदला लेने के लिए 1

(2) ख - माँ - बाप की तरह मृत्यु को प्राप्त होता 1

(3) घ - किशोरावस्था 1

(4) क - वह सबसे अच्छा पहलवान था 1

(5) ख- फणीश्वर नाथ रेणु 1

प्रश्न 6 (1) घ - पीढ़ी अन्तरालजन्य सामंजस्यहीनता 1

(2) ख - तात्कालीन समाज को 1

(3) घ- स्मृतियों का 1

(4) ख - दत्ता जी राव जानते थे कि खेती - बाड़ी में लाभ नहीं है 1

(5) ख - इतिहास के पार 1

(6) घ - उपर्युक्त सभी 1

(7) ग - स्त्री जाति का 1

(8) ख - अकेलापन उपयोगी है 1

(9) ग - जब न.वा.सौन्दलगेकर मास्टर ने कवियों के चरित्र एवं उनके संस्मरण बताए | 1

(10) ग - जल प्रबंधन अच्छे व सुव्यवस्थित ढंग से होने के कारण 1

प्रश्न 7. किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :- 5x1=5

भूमिका - 1 अंक

विषयवस्तु - 3 अंक

भाषा - 1 अंक

प्रश्न 8. दो में से किसी एक विषय पर पत्र (लगभग 80 -100 शब्द सीमा) 5x1=5

आरंभ और अंत की औपचारिकताएं - 1 अंक

विषयवस्तु - 3 अंक

भाषा - 1 अंक

प्रश्न 9. प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए :- 3+2=5

(1) 1 भाषा - कविता लिखने के लिए भाषा का सम्यक ज्ञान होना आवश्यक है | 3

2 शब्द विन्यास - भाषा शब्दों से बनती है | कविता लिखने के लिए शब्दों के विन्यास का ध्यान रखना चाहिए|

3. काव्य शैलियों का ज्ञान - वाक्य गठन की विशिष्ट प्रणाली को शैली कहा जाता है | कविता लिखते समय विभिन्न काव्य शैलियों का ज्ञान होना चाहिए

अथवा

कहानी में द्वंद्व के तत्व का होना आवश्यक है द्वंद्व कथानक को आगे बढाता है तथा कहानी में रोचकता बनाए रखता है द्वंद्व दो विरोधी तत्वों का टकराव या किसी की खोज में आने वाली बाधाओं , अंतर्द्वंद्व के कारण पैदा होता है | कहानी की यह शर्त है कि वह नाटकीय ढंग से अपने उद्देश्य को पूर्ण करते हुए समाप्त हो जाए, यह द्वद्व के कारण पूर्ण होता है | कहानीकार अपने कथानक में द्वंद्व के बिन्दुओं को स्पष्ट रखेगा, कहानी भी उतनी ही सफलता से आगे बढ़ेगी|

(2) नाटक का सबसे महत्वपूर्ण तत्व एवं सशक्त माध्यम उसके संवाद हैं | संवाद ही वह तत्व है जो 2 एक सशक्त नाटक को अन्य कमजोर नाटकों से अलग करता है | संवाद जितने सहज, स्वाभाविक एवं जीवंत होंगे, उतना ही वह पाठक के मर्म को छुएंगे | साथ ही भाषा भी नाटक का प्राण तत्व है | एक अच्छा नाटककार अत्यंत संक्षिप्त तथा सांकेतिक भाषा का प्रयोग करता है | नाटक वर्णित न होकर क्रियात्मक अधिक होना चाहिए| भाषा नाटक को क्रियात्मक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है | भाषा की सजीवता के कारण नाटक जीवंत हो उठता है |

अथवा

कहानी का संचालन उसके पात्रों के द्वारा ही होता है | पात्रों के गुण - दोष को उनका चरित्र - चित्रण कहा जाता है | प्रत्येक पात्र का अपना स्वरूप जितना स्पष्ट होगा, उतनी ही आसानी से पात्रों का चरित्र -

चित्रण करने और उसके संवाद लिखने में होगी | पात्रों का चरित्र - चित्रण कहानीकार द्वारा पात्रों के गुणों का बखान तथा दूसरे पात्रों के संवाद के माध्यम से किया जा सकता है |

प्रश्न 10 प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए :- 3+2=5

(क) इस शैली के द्वारा समाचार पत्रों की उपयोगिता बढ़ जाती है | उनके पाठकों की संख्या बढती है |

3 विशेष लेखन की भाषा और शैली निम्न प्रकार की होनी चाहिए -

(I) भाषा - शैली सरल, साधारण और सहज होनी चाहिए

(II) जटिल शब्दावली का प्रयोग नहीं करना चाहिए

(IV) इसमें प्रासंगिक लेखन से जुड़ी भाषा शैली को अपना चाहिए

अथवा

समाचार लेखन की इस शैली के अंतर्गत लिखे गए समाचारों को सुविधा की दृष्टि से तीन भागों में विभाजित किया जाता है -

(I) इंट्रो या मुखड़ा - समाचार अथवा खबरें एक विशेष शैली में लिखी जाती है, जिसके अंतर्गत सबसे महत्वपूर्ण तथ्यों, सूचनाओं को सबसे पहले लिखा जाता है |

(II) बॉडी या कलेवर - समाचार के दूसरे भाग में कम महत्वपूर्ण जानकारी या सूचना दी जाती है |

(III) समापन - समाचार का समापन करते हुए यह ध्यान रखा है कि न केवल उस समाचार के प्रमुख तथ्य आ गए हैं, बल्कि समाचार के मुखड़े और समापन के बीच एक तारतम्यता भी होनी चाहिए |

(ख) * सम्पादकीय लेखन समाचार- पत्र की अपनी आवाज होती है |

2

* सम्पादकीय के द्वारा किसी घटना, समस्या या मुद्दे के प्रति अपने विचार प्रकट करते हैं|
* बिना किसी के नाम के भी छापा जाता है |
* सम्पादकीय समाचार - पत्र के सम्पादक और उनके सहयोगियों के द्वारा लिखा जाता है |

अथवा

- समाचार संवाददाता अथवा रिपोर्टर द्वारा लिखा जाता है |
- उल्टा पिरामिड शैली में लिखा जाता है |
- छह ककारों का ध्यान रखा जाता है |

प्रश्न 11. प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए :-

3+3=6

(क) बहुत सुबह पूर्व दिशा में सूर्य दिखाने देने से पहले वह नीले शंख के समान प्रतीत होता है | उसका रंग ऐसा लग रहा था जैसे किसी गाँव की महिला ने चूल्हा जलाने से पहले राख से चौका पोत दिया था | कुछ देर बाद हल्की - सी लाली दिखाई दी , जिसे देखकर ऐसा लगा जैसे काली सिल पर जरा - सा लाल केसर डाला हो और उसे धो दिया हो या किसी ने स्लेट पर लाल खड़िया चाक मल

दी हो | आकाश के नीलपन में सूर्य ऐसे प्रकट हुआ जैसे नीले जल में किसी का गौर सुन्दर शरीर झिलमिलाता हुआ प्रकट हो रहा हो |

(ख) शिक्षक उचित उत्तर के आधार पर अंक प्रदान करें |

(ग) * पहले छंद में उन्होंने दिखलाया है कि संसार के अच्छे - बुरे समस्त लीला प्रपंचों का आधार पेट की आग का दारुण व गहन यथार्थ है | श्रम के अलग-अलग रूप है पर सबका लक्ष्य एक मात्र पेट की भूख है |

* दूसरे छंद में प्रकृति और शासन की विषमता से उपजी बेकारी व गरीबी की पीड़ा का यथार्थपरक चित्रण करते हुए उसे दशानन (रावण) से उपमित करते है | गरीबी रूपी रावण ने सबको दुखी कर रखा है|

प्रश्न 12. प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए :- 2+2=4

(क) 'दिन जल्दी - जल्दी ढलता है' गीत में कवि ने प्रकृति की दैनिक परिवर्तनशीलता के सन्दर्भ में प्राणी के धड़कते हृदय की भावनाओं को सुनने का प्रयास किया है | समय चिर परिवर्तनशील है | किसी प्रिय के आलंबन या विषय से भावी साक्षात्कार का आश्वासन ही हमारे प्रयास के चरणों की गति में और अधिक गतिशीलता एवं साहस भर देता है |

(ख) कविता के माध्यम से कवि के मधुर भाव व्यक्त होते हैं जो अपने समय और समाज को सुगंध प्रदान करते हैं | उन भावों का प्रभाव क्षणिक नहीं होता, वे चिरस्थायी होते हैं | वे युग-युगांतर तक मानव सभ्यता को प्रभावित करते हैं | कविता में छिपे हुए श्रेष्ठ भाव और मूल्य तो बिना मुरझाए सदा महकते रहते हैं | अतीत से वे वर्तमान को प्राप्त हुए और वर्तमान से आने वाली पीढ़ियों को प्राप्त होंगे |

(ग) फ़िराक की रूबाइयों में चाँद का टुकड़ा, गोदभरी व बच्चे को हवा में लोका देती माँ , स्नान - जल , कंघी, वस्त्र, चीनी के बड़े खिलौने , पुते -सजे घर , घरौंदे , दिये, दर्पण, बादल, बिजली , राखी जैसे दृश्य बिम्बों की अधिकता है | जबकि आवश्यकता पड़ने पर खिलखिलाते बच्चे की हंसी जैसे बिम्ब का प्रयोग बड़ी सहजता के साथ किया गया है |

प्रश्न 13. प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए :- 3+3=6

(क) मनुष्य एक सामजिक प्राणी है | उसका जिस मिट्टी, स्थान या देश में जन्म होता है, जहाँ वह खेल-कूदकर बड़ा होता है, उसके साथ वह आजीवन बंधा रहता है | कहा गया है कि 'जननी जन्मभूमि स्वर्गादपि गरीयसी अर्थात जननी और जन्मभूमि तो स्वर्ग से भी बढकर होती है | मनुष्य चाहकर भी नहीं भूल सकता | यह स्वाभाविक सत्य है की मनुष्य अपनी जन्मभूमि के साथ अनेक स्वप्न संजोए रखता है

(ख) *जिसमें स्वतंत्रता, समता और भाईचारे का भाव मिले |

- समाज में परिवर्तन का लाभ सभी को प्राप्त हो |
- समाज में सभी हितों में सबकी सहभागिता हो |
- समाज के हित के लिए सभी सजग रहें
- सभी को सामान साधन और अवसर प्राप्त हो |

(ग) बाज़ार में भगत जी का स्वाभिमानी, निश्चेष्ट, आत्मसंयमी, मितव्ययी, दृढ निश्चयी आदि विशेषताओं से परिपूर्ण व्यक्तित्व उभरकर सामने आता है | भगत जी को बाज़ार का आकर्षण, सौन्दर्य, चहल-पहल अपनी आकर्षित नहीं कर सकती हैं | धन की कमी न होने के कारण भी वे बाज़ार में फिज़ूलखर्ची पर विश्वास नहीं करते | केवल उतनी ही वस्तुएं खरीदते हैं जीतनी उनकी आवश्यकता है | वास्तव में उनका आचरण समाज में शान्ति स्थापित करने में मददगार हो सकता है | जिस प्रकार भगत जी को बाज़ार का आकर्षण मोहित नहीं कर सकता है, उसी प्रकार यदि उपभोक्तावाद और बाजारवाद के समाज में यदि प्रत्येक मनुष्य स्वाभिमान, संयम , मितव्ययी और दृढ निश्चय से अपनी आवश्यकता के अनुसार वस्तुएं ख़रीदे और बाज़ार के आकर्षण में फंसकर अनुपयोगी वस्तुओं को न लें तो उनका मन अशांत नहीं होगा |यदि समाज में सभी लोग ऐसा करेंगे तो निश्चय ही शान्ति स्थापित होगी |

प्रश्न 14. प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में दीजिए :-

2+2=4

(क) स्त्रियों का सिर घुटाना लेखिका को अच्छा नहीं लगता | अत: लेखिका ने भक्तिन को रोका तो उसने अकुंठित भाव से उत्तर दिया कि शास्त्र में लिखा है | कुतुहलवश लेखिका ने पूछा - 'क्या लिखा ?'तुरंत उत्तर मिला -'तीरथ गए मुंडाए सिद्ध' | कौन से शास्त्र का यह रहस्यमय सूत्र है, यह जान लेना लेखिका के लिए संभव नहीं था | अत: लेखिका हारकर मौन रही और भक्तिन का चूड़ाकर्म हर बृहस्पतिवार को एक दरिद्र नापित के गंगाजल से धुले उस्तरे द्वारा यथाविधि निष्पन होता रहा |"

(ख) यह पानी का अर्घ्य चढ़ाया जाता है जो चीज मनुष्य पाना चाहता है उसे पहले देना पड़ता है , इसीलिए ऋषि- मुनियों ने दान को सबसे ऊँचा स्थान दिया है |

(ग) ढोलक की आवाज गाँव वालों में धैर्य, साहस और स्फूर्ति प्रदान करती थी; रात्रि की विभीषिका तथा सन्नाटे को ललकार कर चुनौती पैदा करती थी | जब पूरा गाँव महामारी के कारण मलेरिया और हैजे से त्रस्त होकर अधमरा, निर्बल और निस्तेज हो गया था 'तब इस भयंकर वातावरण में ढोलक की आवाज लोगों को संजीवनी प्रदान किया करती थी |

केन्द्रीय विद्यालय संगठन , रायपुर संभाग

प्रतिदर्श एवं अभ्यास प्रश्नपत्र -5 2020 -21

विषय - हिंदी (आधार)

निर्धारित समय - 3 घंटे **अधिकतम अंक -80**

सामान्य निर्देश :-

*** इस प्रश्न - पत्र में दो खंड हैं - खंड 'अ' और 'ब' | खंड 'अ' में वस्तुपरक तथा खंड 'ब' में वर्णनात्मक पूछे गए हैं |**

*** खंड 'अ' में कुल 6 प्रश्न पूछे गए है, जिनके कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं | दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए उत्तर दीजिए |**

*** खंड 'ब' में कुल 8 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं | दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए उत्तर दीजिए |**

खंड -अ वस्तुपरक प्रश्न

अपठित गद्यांश **अंक(10)**

निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए-

हर व्यक्ति के जीवन में एक बार तो ऐसा समय आता ही है ।जब उसे लगने लगता है कि सारी चीजें विरोध में हैं। वह किसी के लिए कितना भी अच्छा सोचे सामने वाले को गलत ही लगेगा। वह कितनी भी मेहनत कर ले उसे असफलता ही मिलेगी। ऐसे समय में उसके मस्तिष्क में नकारात्मक विचार ही घुमड़ते रहते हैं। जो निरंतर अविश्वास की बारिश करते हैं तथा निराशा में डुबो देते हैं। इस परिस्थिति में मनुष्य को सरल मार्ग दिखाई देता है आत्महत्या का. किन्तु आत्महत्या कर जीवन को विराम देना कोई समाधान नहीं है। यदि ऐसी स्थिति में कोई आगे बढ़कर हाथ थाम ले, कोई सहारा दे तो हो सकता है कि जीवन से निराश व्यक्ति का जीवन भी प्रकाशित हो जाए और ऐसा व्यक्ति अवसाद से मुक्त हो इतना बड़ा कार्य करे कि इतिहास ही रच दे, और लोग दाँतों तले अँगुली दबा लें। कहने का तात्पर्य है कि यदि हम किसी हताश-निराश व्यक्ति को प्रेरित करते हैं तो उसका मनोबल बढ़ता है। उसका आत्मविश्वास जाग जाता है और यहीं से आरम्भ होता है असंभव को संभव कर दिखाना।

देखा जाए तो हर व्यक्ति की अपनी क्षमताएँ एवं सीमाएं होती हैं, किन्तु विपरीत परिस्थिति होने पर उसे अपनी ही शक्ति पर अविश्वास सा होने लगता है। ऐसे में उसका मनोबल डगमगाने लगता है, इस स्थिति में थोड़ी सी प्रेरणा ही उसे उत्साहित कर देती है।इस बात को हम ऐसे भी समझ सकते हैं कि जब सबको पता लग चुका था कि सीता जी को लंका का राजा रावण अपहरण कर समुद्र पार कर लंका ले गया है ।तब भी लंका जाकर सीता जी को ढूंढने का कार्य अथाह समुद्र को पार कौन करे, किसमे है इतना साहस. यह विकट समस्या थी। इस विकट समस्या का समाधान

जामवंत ने ढूँढ़ निकाला।उन्होंने हनुमानजी को यह कार्य करे हेतु प्रेरित किया एवं उनमे सोई हुई शक्ति का अहसास दिलाया। हनुमानजी को भी अपने पर भरोसा हुआ और उन्होंने राम-नाम लेते हुए समस्त कार्य पूर्ण कर डाले। हताशा, निराशा और असफलता जैसे शब्द हमारे जीवन के शब्दकोष में नहीं होने चाहिए। बल्कि महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेनी व देनी चाहिए। हमें अपने अच्छे कर्मों को यादकर स्वयं उत्साहित हो पुनः ऊर्जा प्राप्त कर हर असंभव को संभव बनाने का प्रयास करना चाहिए, क्योंकि कोशिश करने वाले कभी हारते नहीं हैं.।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए।

1. व्यक्ति के मन में नकारात्मक विचार कब आते हैं।

क) जब सारी चीजें विरोध में होती है।

ख).जब सामने वाले के लिए हमेशा गलत साबित होंना।

ग) हमेशा असफलता ही प्राप्त होना।

घ) उपर्युक्त सभी

2.नकारात्मक विचार आने पर व्यक्ति को कौन सा मार्ग दिखाई देता है?

क) आत्महत्या का

ख). पलायन का

ग) सन्यास का

घ) कोई नहीं

3. निराशा को व्यक्ति कैसे दूर कर सकता है?

क). स्वयं पर विश्वास कर

ख) अपना आत्मविश्वास बढ़ा कर

ग)महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर

घ)उपर्युक्त सभी

4.निम्नलिखित शब्द असफलता में उपसर्ग और प्रत्यय बताइये

क)असफल और ता

ख)अस और लता

ग)अ और ता

घ).कोई नही

5. गद्यांश का उचित शीर्षक बताएं।

क) आत्मविश्वास काबल

ख). आत्महत्या

ग) हताशा

घ)निराशा

6.गद्यांश में इस पौराणिक घटना का वर्णन किया गया है?

क) रामायण

ख).महाभारत

ग) गीता

घ).विष्णु पुराण

7.विकट समस्या का समाधान किसने ढूंढ निकाला ?

क).हनुमान

ख)नल

ग).नील

घ)जामवंत

8.हनुमान जी को प्रेरणा किसने दी ?

क) राम-लक्ष्मण

ख).जामवंत

ग).नील

घ)नल

9 .हमारे शब्दकोश में क्या नहीं होना चाहिए?

क). हताशा

ख) निराशा

ग). असफलता

घ).उपर्युक्त सभी

10. मनुष्य को किस से प्रेरणा लेनी चाहिए और ऊर्जा प्राप्त करनी चाहिए?

क) महापुरुषों के जीवन से

ख). महापुरुषों के ज्ञान से

ग)महापुरुषों के उपलब्धि से

घ)महापुरुषों के लक्ष्य से

अथवा

मनुष्य के जीवन में लक्ष्य का होना बहुत आवश्यक है. लक्ष्य के बिना जीवन दिशाहीन तथा व्यर्थ ही है। एक बार एक दिशाहीन युवा आगे बढ़े जा रहा था, राह में महात्मा जी की कुटिया देख रूककर महात्मा जी से पूछने लगा कि यह रास्ता कहाँ जाता है।महात्मा जी ने पूछा " तुम कहाँ जाना चाहते हो ". युवक ने कहा " मैं नहीं जानता मुझे कहाँ जाना है ". महात्मा जी ने कहा "जब तुम्हें पता ही नहीं है कि तुम्हें कहाँ जाना है, तो यह रास्ता कहीं भी जाए, इससे तुम्हें क्या फर्क पड़ेगा ". कहने का मतलब है कि बिना लक्ष्य के जीवन में इधर-उधर भटकते रहिये कुछ भी प्राप्त नहीं कर पाओगे।यदि कुछ करना चाहते तो पहले अपना एक लक्ष्य बनाओ और उस पर कार्य करो।अपनी राह स्वयं बनाओ।वास्तव में जीवन उसी का सार्थक है जिसमें परिस्थितियों को बदलने का साहस है।

गांधीजी कहते थे कुछ न करने से अच्छा है। कुछ करना. जो कुछ करता है वही सफल-असफल होता है।हमारा लक्ष्य कुछ भी हो सकता है, क्योंकि हर इंसान की अपनी-अपनी क्षमता होती है और उसी के अनुसार वह लक्ष्य निर्धारित करता है।जैसे विद्यार्थी का लक्ष्य है सर्वाधिक अंक प्राप्त करना तो नौकरी करने वालों का लक्ष्य होगा पदोन्नति प्राप्त करना। इसी तरह किसी महिला का लक्ष्य आत्मनिर्भर होना हो सकता है।ऐसा मानना है कि हर मनुष्य को बड़ा लक्ष्य बनाना चाहिए किन्तु बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए छोटे-छोटे लक्ष्य बनाने चाहिए. जब हम छोटे लक्ष्य प्राप्त कर लेते हैं तो बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का हममें आत्मविश्वास आ जाता है।

स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि जीवन में एक ही लक्ष्य बनाओ और दिन-रात उसी के बारे में सोचो. स्वप्न में भी तुम्हें वही लक्ष्य दिखाई देना चाहिए, उसे पूरा करने की एक धुन सवार हो जानी चाहिए. बस सफलता आपको मिली ही समझो। सच तो यह है कि जब आप कोई काम करते हैं तो यह जरुरी नहीं कि सफलता मिले ही लेकिन असफलता से भी घबराना नहीं चाहिए। इस बारे में स्वामी विवेकानंद जी कहते हैं कि हजार बार प्रयास करने के बाद भी यदि आप हार कर गिर पड़ें तो एक बार पुनः उठें और प्रयास करें. हमें लक्ष्य प्राप्ति तक स्वयं पर विश्वास रखना चाहिए।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिये।

1.युवक कहां जा रहा था?

क)दिशाहीन

ख). उत्तर दिशा

ग) दक्षिण दिशा

घ). पूर्व दिशा

2. युवक को रास्ते में कौन मिला?

क). महात्मा

ख) साधु

ग). संत

घ).ब्राम्हण

3. युवक ने महात्मा जी से क्या पूछा?

क). यह रास्ता कहां जाता है

ख) यह रास्ता किस गांव जाता है

ग) यह रास्ता कब खत्म होगा

घ) यह रास्ता कितना लंबा है

4. विद्यार्थी एवं किसी महिला का लक्ष्य क्या हो सकता है ?

क).पढ़ना और खाना बनाना

ख). सर्वाधिक अंक और आत्मनिर्भर

ग)कमाना और घर संभालना

घ) अनुशासित होना और सुसंस्कृत होना

5. मनुष्य का लक्ष्य कैसे होना चाहिए?

क)बड़े

ख)छोटे

ग)महान

घ).सामान्य

6.लक्ष्य प्राप्ति के बारे में विवेकानंद जी ने क्या कहा ?

क).बार-बार गिरने पर पुनः उठे और प्रयास करें।

ख) बार-बार गिरने पर प्रयास ना करें

ग)बार-बार गिरने पर आप असफल होते हैं

घ) बार-बार गिरने पर आत्महत्या करें

7.उपयुक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

क) जीवन में लक्ष्य का महत्व

ख). जीवन में प्रयास का महत्व

ग). जीवन में हार का महत्व

घ) जीवन में जीत का महत्व

8. लक्ष्य पूरा करने के लिए मनुष्य में क्या होना चाहिए।

क)हिम्मत होनी चाहिए ।

ख).धुन सवार होना चाहिए।

ग)मेहनत करनी चाहिए

घ) पैसे होने चाहिए

9.लक्ष्य के बिना जीवन कैसा है ?

क).दिशाहीन तथा व्यर्थ है

ख) सार्थक है

ग) निरर्थक है

घ)कोई नहीं

10. उपर्युक्त गद्यांश में किस महात्मा के विषय में बताया गया हैं।

क). महात्मा गांधी

ख) स्वामी परमहंस

ग). स्वामी विवेकानंद

घ) कोई नहीं

अपठित पद्यांश

2. निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए।। 1x5=5

आज जीत की रात
पहरुए सावधान रहना
खुले देश के द्वार
अचल दीपक समान रहना
प्रथम चरण है नए स्वर्ग का
है मंजिल का छोर
इस जन- मंथन से उठ आई
पहली रतन हिलोर
अभी शेष है पूरी होना
जीवन मुक्ता डोर
क्योंकि नहीं मिट पाई दुख की
विगत सांवली कोर
ले युग की पतवार
बने अम्बुधि महान रहना

पहरुए, सावधान रहना
ऊंची हुई मशाल हमारी
आगे कठिन डगर है
शत्रु हट गया, लेकिन उसकी
छायाओं का डर है
शोषण से मृत है समाज
कमजोर हमारा घर है
किंतु आ रही जिंदगी
यह विश्वास अमर है।

निम्नलिखित में से निर्देश अनुसार विकल्पों का चयन कीजिए।

1. आज की रात प्रतीक है।

क). जीत की

ख) हार की

ग). संग्राम की

घ) संधि की

2.शत्रु हट गया से कवि का तात्पर्य है ।

क)अंग्रेज देश से चले गए

ख) भारत चीन युद्ध का संकट टल गया।

ग) भारत पाक के युद्ध की आशंका समाप्त हो गई

घ)भ्रष्टाचार रूपी शत्रु समाप्त हो गया

3. कभी पहरेदार उसे किस तरह की तत्परता जाता है ?

क).दीपक की तरह

ख). सागर की तरह

ग).रात्रि की तरह

घ). क और ख दोनों की तरह

4.समाज के मृत होने की वजह है।

क) पहरुओं का सावधान रहना

ख)दीपक का बुझ जाना

ग). घरों की दीवारों का कमजोर होना

घ).समाज में शोषण व्याप्त होना

5. प्रस्तुत पद्यांश का प्रकार है

क).आशावादी

ख) प्रेरणा वादी

ग) यथार्थवादी

घ). निराशावादी

अथवा

पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें-

उसके बाद सर्दियां आ जाएंगी।
और मैंने देखा कि सर्दियाँ जब भी आती हैं
तो मां थोड़ा और झुक जाती है
अपनी परछाई की तरफ
ऊन के बारे में उसके विचार
बहुत सख्त हैं
मृत्यु के बारे में बेहद कोमल
पक्षियों के बारे में
वह कभी कुछ नहीं कहती।
हालांकि नींद में
जब वह बहुत ज्यादा थक जाती है
तो उठा लेती है सुई और धागा
मैंने देखा है जब सब सो जाते हैं
तो सुई चलाने वाले उसके हाथ
देर रात तक
समय को धीरे धीरे सिलते हैं
जैसे वह मेरा फटा हुआ कुर्ता हो
पिछले साठ वर्षों से
एक सुई और धागा के बीच
दबी हुई है मां
हालांकि वह खुद एक करधा है

जिस पर साठ बरस बुने गए हैं

धीरे-धीरे तह पर तह

खूब मोटे, गझिन और खुरदरे

साठ बरस

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए

1.धीरे-धीरे में अलंकार है ।

क)यमक

ख). श्लेष

ग).अनुप्रास

घ). पुनरुक्ति

2. जब सर्दी आती है तो मां -

क).थक जाती है

ख)खाना बनाती है

ग)आराम करती है

घ). थोड़ा झुक जाती है

3. मां किसकी तरफ झुक जाती है

क).परछाई की तरह

ख). पेड़ की तरह

ग)सूर्य की तरह

घ). बांस की तरह

4.माँ के विचार किसके बारे में सख्त हैं?

क) मृत्यु के बारे में

ख)ऊन के बारे में

ग).पक्षियों के बारे में

घ).परछाई के बारे में

5. कवि मां के किस वैशिष्ट्य का स्मरण करता है?

क). मां के वात्सल्य और गाम्भीर्य का

ख) मां के सौंदर्य और बुढ़ापे का

ग) मां के गझिन और खुरदर हाथों का

घ) मां के कार्य व्यस्तता का

कार्यालय हिंदी और रचनात्मक लेखन

प्रश्न 3. निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए । 1x5=5

1.प्रश्न रचनात्मक लेखन का उद्देश्य है-

क)लिखित अभिव्यक्ति की क्षमता को विकसित करना

ख)स्मृति पर आधारित बुद्धि का परीक्षण करना

ग) ज्ञान का परीक्षण करना

घ) हस्तलिपि में सुधार लाना

2.औपचारिक पत्र होते हैं-

क) कार्यालय पत्र

ख) प्रार्थना पत्र

ग).व्यवसायिक पत्र

घ) उपर्युक्त सभी

3.व्यक्तिगत पत्र किस शैली में लिखे जाते हैं ?

क)औपचारिक शैली में

ख) अनौपचारिक शैली में

ग) कार्यालय शैली में

घ).सूचनात्मक शैली में

4. नाटक का अंग है

क). समय

ख).रचनाकार

ग). मंच

घ).वातावरण

5.कहानी का केंद्रीय बिंदु होता है।

क). मंच

ख)पात्र

ग). कथानक

घ).लेखक

पाठ्य पुस्तक 'आरोह' स

4.निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए। 5

दिन जल्दी- जल्दी ढलता है

हो जाए ना पथ में रात कहीं

मंजिल भी तो है दूर नहीं

यह सोच थका दिन का पंथी भी

जल्दी-जल्दी चलता है ।

बच्चे प्रत्याशा में होंगे

यह ध्यान परों में चिड़िया के भरता कितनी चंचलता है दिन जल्दी जल्दी ढलता है

1. निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए

1.जल्दी-जल्दी क्या चल रहा है?

क) दिन

ख).रात

ग) शाम

घ) सुबह

2. दूर क्या नहीं है ?

क) .मंजिल

ख)घोंसला

ग) बच्चे

घ). चिड़िया

3. चिड़िया की गति के तेजी का कारण है?

क). घर को लौट ना

ख). बच्चों से मिलना

ग). भूख प्यास से व्याकुलता

घ). इनमें से कोई नहीं

4.प्रस्तुत पद्यांश के कवि हैं ?

क).हरिवंश राय बच्चन

ख).सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

ग) तुलसीदास

घ). फिराक गोरखपुरी

5.प्रस्तुत पद्यांश का शीर्षक है ।

क)दिन का पंथी

ख) पथ में रात

ग) दिन जल्दी जल्दी ढलता है

घ).थका पंथी

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए -

दोनों ही लड़के राज दरबार के भावी पहलवान घोषित हो चुके थे। अतः दोनों का भरण पोषण दरबार से ही हो रहा था। प्रतिदिन प्रात काल पहलवान स्वयं ढोलक बजा बजाकर दोनों से कसरत करवाता ।दोपहर में लेटे-लेटे दोनों को संसारी ज्ञान की भी शिक्षा देता -"समझे ।ढोलक की आवाज़ पर पूरा ध्यान देना। हां, मेरा गुरु कोई पहलवान नहीं, है ढोल है समझे।ढ़ोल की आवाज के प्रताप से ही मैं पहलवान हुआ। दंगल में उतरकर सबसे पहले दोनों को प्रणाम करना, समझे। "ऐसी ही बहुत सी बातें वह कहा करता। फिर मालिक को कैसे खुश रखा जाता है, कब कैसे व्यवहार करना चाहिए ,आदि की शिक्षा नित्य दिया करता था।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए- 5

1. कितने लड़के राज दरबार के भावी पहलवान घोषित किए गए थे ?

क)दो

ख) .तीन

ग). चार

घ) पांच

2. इन लड़कों को सांसारिक ज्ञान की शिक्षा कब दी जाती थी ?

क).प्रातःकाल,

ख) दोपहर

ग) शाम

घ) .रात्रि

3.दंगल में उतरकर सबसे पहले प्रणाम करना ।

क)मिट्टी को

ख). गुरु को

ग) ढोलक को

घ)मंचासीन पदधिकारी को

4. इन लड़कों का भरण पोषण हो रहा था।

क)गांव से

ख) मालिकों से

ग) राज-दरबार से

घ).दंगलो से

5.पहलवान इन दोनों से क्या बजाकर कसरत करवाता ?

क) ढोलक

ख) तबला

ग).बाँसुरी

घ) पटाखा।

पाठ्यपुस्तक 'वितान' से

6. निम्नलिखित प्रश्नों में निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए ।। 10

1.भूषण काम करता था।

क) विज्ञापन एजेंसी में

ख). पेपर के दफ्तर में

ग) टेलीफोन के दफ्तर में

घ) शिक्षा कार्यालय में

2. मां के मर जाने के उपरांत यशोधर पंत किसके पास रहते थे ?

क) चाची

ख)बुआ

ग)भाभी

घ) दादी

3.चंद्र दत्त तिवारी कौन थे?

क). यशोधर पंत का भतीजा

ख) यशोधर पंत का मित्र

ग). यशोधर पंत का ममेरा भाई

घ). यशोधर पंत का अधीनस्थ कर्मचारी

4. जूझ कहानी में बरहेला सूअर की तरह गुर्राना का प्रयोग किसके लिए हुआ है।

क)आनंद की मां के लिए

खआनंद के पिता के लिए

ग) आनंद के शिक्षक के लिए

घ) आनंद के मित्रों के लिए

5.ऐन पक्षधर थी-

क) स्त्री शिक्षा की

ख) पुरूष शिक्षा की

ग) पुरुष प्रधान समाज की

घ) स्त्री प्रधान समाज की

6.इल्या इहरनबुर्ग के अनुसार यहूदियों की संख्या थी ।

क).55 लाख

ख).60 लाख

ग). 36 लाख

घ).40 लाख

7. नाजी पार्टी किसकी थी ?

क)हिटलर की

ख). चर्चिल की

ग) गांधी की

घ)इनमें से किसी की नहीं

8.ऐन ने अपनी डायरी में चर्चिल को किस की संज्ञा दी ।

क)जन्मजात भूखे

ख). रोबिन्हुड

ग) जन्मजात बहादुर

घ). अली बाबा

9. घर में दूध लाने की जिम्मेदारी किसकी थी ?

क) भूषण

ख)बेटी पर

ग)पत्नी

घ)यशोधर

10. ऐन की डायरी का नाम क्या था?

क).गुड़िया,

ख).किट्टी

ग).बेबी

घ)सोनू

खण्ड-'ब'(वर्णात्मक प्रश्न)

7.निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेखन करें- 5

क).वृक्ष

ख)काश में उड़ पाती

ग).चांदनी रात और मैं

8 .आपके क्षेत्र में सड़क को चौड़ा करने के बहाने आवश्यकता से अधिक पेड़ काटे गए हैं। इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए वन और पर्यावरण विभाग को लगभग 150 शब्दों में एक पत्र लिखिए। 5

अथवा।

किसी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखकर सीमा पर देश की रक्षा करते हुए अपना बलिदान देने वाले भारतीय सेना के जवानों के शौर्य एवं वीरता को रेखांकित कीजिए ।

9.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए।

क). वर्तमान समाज में हिंदी नाटक कारों के पास शिल्प के कई विकल्प हैं स्पष्ट कीजिए। 3

अथवा

कहानी में तत्वों को स्पष्ट करें।। 2

ख) कहानी में पात्रों का चरित्र चित्रण किस प्रकार प्रभाव प्रभावी बनाया जा सकता है? 2

अथवा

छंद कितने प्रकार के होते हैं?

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए।

क) महंगाई की समस्या पर फीचर लेखन कीजिए । 3

अथवा

शिक्षा की आवश्यकता विषय पर आलेख लेखन कीजिए

ख).उल्टा पिरामिड शैली किसे कहते हैं।। 2

अथवा

इंट्रो या मुखड़ा किस कहते है।

पाठ्यपुस्तक'आरोह' से

(पद्य)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 -60 शब्दों में लिखिए । 6

क) राम भक्ति के संदर्भ में कवि का क्या कहना है ? 3

ख) सूर्योदय से पहले आकाश में क्या क्या परिवर्तन होते हैं ? 3

ग) कभी फिराक गोरखपुरी भाग्यवादी हैं या कर्म वादी ,स्पष्ट करें? 3

12.निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए 4

क)कवि अपने दिल की तुलना किससे करता है? 'सहर्ष स्वीकारा है' कविता के आधार पर बताइए । 2

ख) दिवाली पर मां बच्चे को खुश करने के लिए क्या करती है? 2

ग). 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में संचालक के मुस्कुराने की वजह के बारे में बताइये? 2

13.निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए।। 6

क). भक्तिन के स्वभाव की ऐसी दो विशेषताओं का उल्लेख करें जिसके कारण उसने लेखिका को अपने अनुसार ढाल लिया? 3

ख). लेखक ने क्यों कहा कि 'मन खाली हो ,तब बाजार ना जाओ'।। 3

ग). कहानी के किस- किस मोड़ पर लुट्टन के जीवन में क्या-क्या परिवर्तन आए? 3

14.निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 -40 शब्दों में लिखिए - 4

क) जातिवाद का समर्थन किन आधारों पर किया जाता है? 2

ख) नमक का लाना- ले जाना प्रतिबंधित होते हुए भी कस्टम अधिकारी ने अनुमति क्यों दे दी? स्पष्ट करें।। 2

ग) 'आखिर कब बदलेगी यह स्थिति' वाक्यांश में निहित भाव को स्पष्ट कीजिए। 2

केन्द्रीय विद्यालय संगठन रायपुर संभाग

प्रतिदर्श एवं अभ्यास प्रश्न पत्र -5 (2020-2021)

अंक योजना हिन्दी (केन्द्रिक)

कक्षा-बारहवीं

प्रश्न सं. उत्तर-संकेत/ बिंदु /निर्धारित अंक विभाजन

खंड-अ

वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर

1-1- घ) उपर्युक्त सभी

2 क) आत्महत्या

3-घ) उपर्युक्त सभी

4- ग) .अ और ता

5-क) आत्मविश्वास का बल

6-क)रामायण

7घ).जामवंत

8-क) जामवंत

9-घ) उपर्युक्त सभी

10,क).महापुरुषों के जीवन से

अथवा

1 -क) दिशाहीन

2 -क) महात्मा

3-ग)यह रास्ता कहां जाता हैं

4-ख).सर्वाधिक अंक और आत्मनिर्भर

5-क).बड़े

6-क) बार बार गिरने पर पुनः उठे और प्रयास करें।

7-क)जीवन मे लक्ष्य का महत्त्व

8 ख).धुन सवार होनी चाहिए

9-क) .दिशाहीन तथा व्यर्थ

10.-ग) स्वामी विवेकानंद

2 1-क)जीत की

2-क)अंग्रेज देश से चले गए

3-क) दीपक की तरह

4-घ). समाज में शोषण व्याप्त होना

5-क)आशावादी

अथवा

1-घ).पुनरुक्ति

2-घ)थोड़ा झुक जाती है

3-क) परछाई की तरह

4-ख)ऊन बारे में

5-क).मां के वात्सल्य और गंभीर का

3. 1-क) लिखित अभिव्यक्ति की क्षमता को

2-घ) उपर्युक्त सभी

3-ख)अनौपचारिक शैली में

4-क) समय

5-ग).कथानक

4- 1-क) दिन

2-क) मंजिल

3-ख)बच्चों से मिलना है

4-क)हरिवंशराय बच्चन

5-ग) दिन जल्दी जल्दी ढलता है

5 1-क)दो

2-क) प्रातकाल

3-ग) ढोलक

4-ग) राज दरबार

5-क) ढोलक

6 1 -क) विज्ञापन एजेंसी में

2-ख) बुआ

3-ग) यशोधर बंद का ममेरा भाई

4-ख)आनंद के पिता के लिए

5-ग) स्त्री शिक्षा की

6-ख) साठ लाख

7-क).हिटलर की

8-ग).जन्मजात बहादुर

9-घ).यशोधर

10-ख). किट्टी

7. वर्णात्मक प्रश्नों के उत्तर

क).विषय वस्तु -2अंक

ख).भाषा शैली -1 अंक

ग).रचनात्मकता -2अंक

8.क)आरम्भ और अंत की औपचारिकता- 1अंक

ख)विषय वस्तु -2 अंक

ग)भाषा शैली -1अंक

9.क) वर्तमान समय में शास्त्रीय ,लोकनाट्य, पारसी रंगमंच, यथार्थवादी नाटक, विसंगत नाटक ,नुक्कड़ नाटक, आदि कई प्रकार के शिल्पों के विकल्प मौजूद हैं, जिसका वह चुनाव कर सकता है अथवा अलग-अलग विकल्पों के मिश्रण से एक ने शिल्प का निर्माण कर सकता है।

अथवा

कहानी में रोचकता ,प्रभाव तथा वक्ता एवं श्रोता या कहानीकार एवं पाठक के बीच यथोचित सम्बद्धता बनाए रखने के लिए कहानी के निम्नलिखित तत्व महत्वपूर्ण माने गए हैं

क).कथावस्तु अथवा कथानक

ख). भाव बता चरित्र चित्रण

ग)कठोपकथन अथवा संवाद

घ).भाषा शैली

उद्देश्य

ख). किसी भी कहानी के कथानक को उसके पात्रों के चरित्र चित्रण द्वारा ही अंगीकार बनाया जाता है। पात्रों का चरित्र चित्रण उनके क्रियाकलापों ,संवादों तथा दूसरे लोगों द्वारा बोले गए संवादों के माध्यम से प्रभावशाली बनता है ना कि कहानीकार द्वारा किए गए गुणों के बखान से ।

अथवा

छंद दो प्रकार के होते है।

दो प्रकार के होते हैं मात्रिक छंद, वर्णिक छंद

10.क)-क) विषय वस्तु-2अंक

ख)भाषा एवं प्रस्तुति- 1अंक

ख) उल्टा पिरामिड शैली में सबसे पहले समाचार का महत्वपूर्ण तथ्य लिखा जाता है। उसके बाद घटते हुए अन्य तथ्यों और सूचनाओं को लिखा जाता है ।इस शैली में कहानियां खबर का क्लाइमैक्स अंत में ना देकर सबसे पहले दिया जाता है।

अथवा

आमुख को ही इंट्रो या मुखड़ा कहा जाता है ।इसी लीड भी कहते हैं। यह उल्टा पिरामिड शैली में समाचार का पहला अनुच्छेद होता है ।आमुख में घटना क्या है अथवा विशिष्ट कथन क्या था, बताया जाता है।

11-क) राम भक्ति के संदर्भ में कभी का कहना है कि वेद पुराण ही यह कहते हैं कि जिस पर भी संकट आया है, उसकी रक्षा राम ने ही की है। अर्थात राम भक्ति एक औषधि है।

ख) सूर्योदय से पहले आसमान शंख की तरह हुआ फिर आकाश राख से लिपे जैसा हो गया ,उसके बाद लगा जैसे कालीसिल पर लाल के सर से धुलाई हुई हो, उसके बाद स्लेट पर खड़िया चाक मल दिया गया हो। अंत में जैसे कोई स्वच्छ नीले जल में गौर वर्ण वाली युवती की देह झिलमिला रही हो इत्यादि परिवर्तन सूर्योदय से पहले आकाश में होते हैं।

ग) कवि फिराक गोरखपुरी भाग्यवादी ना होकर कर्मवादी है बे किस्मत पर भरोसा नहीं करते वह कहते हैं कि मेरी किस्मत मुझ पर रोती है और मैं किस्मत पर ।इस तरह हम दोनों एक दूसरे पर होते हैं अर्थात दोनों परस्पर विरोधी हैं कवि को कर्म में विश्वास है इसलिए कर्मवादी हैं।

12 -क) कवि अपने दिल की तुलना मीठे पानी के झरने से करता है क्योंकि वह जिसे जितना भी प्रेम रूपी जल उडलेता है उतना ही भर जाता है। इस तरह कवि का दिल मीठे पानी के पानी के झरने सदृश्य हैं।

ख). दीपावली पर मां बच्चे को खुश करने के लिए चीनी के बने खिलौने बाजार से खरीद कर लाती है और उसके छोटे से घर में दिया जलाती है। इस तरह मां अपने बच्चे को दिवाली पर खुश करती है और बच्चा भी खुशी से झूम उठता है।

ग) कविता में संचालक कार्यक्रम के सफल होने पर मुस्कुराता है इसमें पीड़ित के प्रति सहानुभूति नहीं वरन व्यवसायिक सफलता छिपी होती है।

13-क) देहाती खाना-पीना बनाना भक्तिन जानती थी खाने की रुचि ना होते हुए भी लेखिका को भक्ति इनके बनाए खाने को खाना पड़ता था। भक्तिन ने कुछ ही दिनों में लेखिका को अपनी बोलचाल, खानपान के अनुरूप ढाल लिया लेकिन स्वयं को लेखिका के अनुरूप नहीं डाल पाई।

ख) खाली मन का तात्पर्य - मन का भटकाव चीजें होते हुए भी कुछ खरीद लेने की इच्छा अर्थात मन की अस्थिरता । भरी जेब का अर्थ है- खूब पैसा होना ,परचेसिंग पावर ,का होना। बाजार खाली मन को अपने जादू से जगाता है और कुछ खरीदने के लिए मन को प्रेरित करता है।

ग). लुट्टन के बचपन में ही उसके माता पिता की मृत्यु के पश्चात उसकी सास ने उसका लालन-पालन किया।लुट्टन अपने गांव वालों से अपनी सास को तकलीफ का बदला लेने के लिए कसरत करनी शुरू की थी। कसरत के बल पर उसने चांदसिंह को हराकर पहलवान की उपाधि प्राप्त की। 15 साल तक राज पहलवान रहने के पश्चात राजा की मृत्यु के बाद ने दरबार से निष्कासित कर दिया गया ।पेट भरने के लिए उनके बेटों को मजदूरी करनी पडी। महामारी की चपेट में आने पर लुट्टन और उसके पुत्र काल का ग्रास बन गए ।

14-क).जातिवाद के समर्थन का आधार यह है कि जातिवाद श्रमिकों का स्वाभाविक विभाजन करने के साथ-साथ उन्हें एक दूसरे की तुलना में ऊंचा नीचा भी करार देता है।

ख) जब सफिया सच्चाई का परिचय देते हुए हिंदुस्तान नमक ले जाने के बाद कहती है तो कस्टम अधिकारी का दिल पसीज जाता है और नमक की पुड़िया चुपके से बैग में रख ले जाने की अनुमति दे देता है।

ग). आज देश की हालत यह है कि अरबों खरबों की राशि ना जाने कहां गुम हो रही है ?योजनाएं तो बनती है पैसे की व्यवस्था भी की जाती है, पर भ्रष्टाचार सारी राशि को निकल जाता है ।गांव की हालत वही की वही रह जाती है। क्या इस स्थिति में कोई कभी कोई परिवर्तन आएगा या नहीं लेखक यही चिंता है।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन , रायपुर संभाग

प्रतिदर्श एवं अभ्यास प्रश्नपत्र-6

विषय - हिंदी (आधार)

निर्धारित समय - 3 घंटे **अधिकतम अंक - 80**

सामान्य निर्देश -

- **अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है |**
- **खंड - अ में दिए गए वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तरों का मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाए |**
- **खंड-ब में वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर - बिंदु अंतिम नहीं हैं | ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं|**
- **यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिन्दुओं से भिन्न , किन्तु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएं |**
- **मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक - योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए |**

अपठित गद्यांश 10

1.निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए

डॉक्टर कलाम को मिसाइल मैन कहा जाता है। जब यह छठी कक्षा में पढ़ते थे तभी समाचार पत्र में दूसरे महायुद्ध के प्रसिद्ध बमवर्षक विमान सप्तफ़ायर मंत्र बाण के विषय में पढ़कर इन्होंने वैज्ञानिक की के क्षेत्र में कुछ कर गुजरने का निश्चय कर लिया था यही नहीं, वैमानिकी की हर बार कि इन्होंने अपने छात्र जीवन में ही भली प्रकार जान ली थी। डॉक्टर कलाम के शब्दों में -विज्ञान वैदिक साहित्य की तरह है, सरस और संवेदनशील '।1958 में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन से जुड़ गए और 1980 तक के लंबे सेवाकाल में देश को अंतरिक्ष की बुलंदी तक पहुंचाया। इस श्रृंखला में 1967 में रोहिणी- 75 से पांच रॉकेट छोड़ा गया,1980 में भारत का पहला उपग्रह प्रक्षेपण यान एस. एल. बी-3 कभी श्रीहरिकोटा से प्रक्षेपित किया गया। इतना ही नहीं 1982 में डी. आर.जी.ओ.निदेशक के रूप में

मिसाइल परियोजना के तहत पांच प्रमुख मिसाइल कार्यक्रमों पर अनुसंधान किए । 1983 में आई जी एच डी पी का प्रक्षेपण किया एवं 1984 में प्रथम स्वदेशी जड़त्व निर्देशित प्रणाली के लिए मिसाइल का परीक्षण किया।1985 में रिसर्च सेंटर की आधारशिला रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आप किका मूल मंत्र है -विज्ञान मिशन और गोल। आपने अपने जीवन का एक लंबे समय अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में गुजारा लगभग 20 वर्ष अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में गुजारा। लगभग 20 अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन में रॉकेट निर्माण की नींव रखने के बाद डॉक्टर कलाम ने 20 वर्ष अनुसंधान के लिए विकास प्रयोगशाला में विविध श्रेणी के प्रक्षेपास्त्र बनाने में व्यतीत किए। इन्होंने पृथ्वी, आकाश ,त्रिशूल, नाग, अग्नि मिसाइल का सफल परीक्षण किया, आज भी विकसित और विकासशील है इनके इस क्षेत्र में अमूल्य योगदान के कारण आज इनकी गणना विश्व के 10 सर्वश्रेष्ठ मिसाइल वैज्ञानिकों में की जाती है।

शून्य से चलकर शिखर पर पहुंचने वाले डॉक्टर कालम एक संवेदनशील रचनाकार भी थे। वे प्रतिदिन डायरी लिखते थे । जिसमें मन के उदगार कम बुद्धि के निष्कर्ष अधिक होते।आप भारतीयता की साक्षात मूर्ति है ।आपने भारतीय संस्कृति के आदर्श गुण कूट-कूट कर भरे हैं। डॉ कलाम धर्मनिरपेक्षता की जीती जागती मिसाल है ।आज की युवा पीढ़ी इन्हें अपना आदर्श मानती हैं ।आपकी वीणा वादन और कर्नाटक संगीत में विशेष रूचि थी। भौतिक सुखों में आपकी रूचि नहीं थी। गीता का नियमित पाठ करने वाले कलाम सच्चे कर्म योगी थे ।भाग्य में इनकी निष्ठा नहीं थी। उनकी मान्यता थी कि पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती है जिससे रात और दिन होते हैं और सूर्य के चारों ओर उसकी परिक्रमा पूरी होने से वर्ष बनता है। जब तक यह दोनों खगोलीय घटनाएं होती रहेंगी तब तक हर घड़ी मेरे लिए शुभ है।

निम्नलिखित में से निर्देश अनुसार विकल्पों का चयन कीजिए-

1 - मिसाइल मैन किसे कहा जाता है?

क. डॉक्टर कलाम

ख.अटल बिहारी बाजपेई

ग.डॉक्टर सी वी रमन

घ.डॉक्टर नरेंद्र मोदी

2- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन से डॉक्टर कलाम कब जुड़े?

क.1995 ई.

ख.2003 ई.

ग. 1958 ई.

घ.1996 ई.

3. भारत का पहला उपग्रह प्रक्षेपण यान का प्रक्षेपण किया गया -

क.. श्रीहरिकोटा में

ख. राजस्थान में

ग.चंडीगढ़ में

घ..पटना में

4.कलाम नियमित पाठ करते थे-

क.रामायण का

ख.गीता का

ग. भागवत का

घ. इनमें तीनों का

5.इनका मूल मंत्र था?

क.विजन और गोल

ख .मिशन और गोल

ग.विज्ञान मिशन और गोल

घ .इनमें से कोई नहीं

6.इनकी निष्ठा नहीं थी?

क. विज्ञान के सदुपयोग में

ख.ईश्वर में

ग. भाग्य में

घ.वैज्ञानिकों में

7.इनकी विशेष रूचि थी?

क.. वीणा वादन में

ख.. तबला वादन में

ग.गायन के क्षेत्र में

घ .नृत्य के क्षेत्र में

8. इनके द्वारा परीक्षित मिसाइल है?

क .पृथ्वी

ख.आकाश

ग.त्रिशूल

घ .उपर्युक्त तीनों

9.इन्होंने आई .जी. एच. डी. पी. का प्रक्षेपण किया

क. 1983 में

ख.1985

ग.1975

घ.2003

10.डॉ कलाम के अनुसार विज्ञान साहित्य की तरह है -

क .सरल

ख.वैदिक

ग.आदर्श

घ .इनमे से कोई नही

अथवा

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें-

शिक्षा में परिवर्तन की आवश्यकता पर आज से 100 वर्ष पहले मोहनदास करमचंद गांधी ने पूरी समग्रता से मंथन किया था ।उन्होंने शिक्षक को केवल स्कूल, किताब तथा परीक्षा तक सीमित रखकर विश्लेशित नहीं किया था, बल्कि शिक्षा को भारत की दशा पर विचार करने सभ्यता, प्रगति ,आजादी को परखने का माध्यम बनाया था ।उनके हर विचार से सहमति ना तब थी और ना अब है ,परंतु विचारों की ईमानदारी ,प्रखरता, समग्रता तथा भविष्य दृष्टि पर सभी एकमत रहे हैं ।भारत के अनेक शिक्षाविद् तथा नीति निर्धारक गांधी के हिंद स्वराज में दिए विचारों तथा बाद में बुनियादी शिक्षा और नई तालीम पर उनके विचारों से मुंह चुराते हैं ,तथा यह स्पष्ट हो जाता है कि वे गांधी जी के विचारों की गतिशीलता को या तो समझ नहीं पा रहे हैं या समझना नहीं चाहते ।'हिंद स्वराज 'में लिखी गई 1905 में लिखी गयी। 1888 ई.में पहली बार महात्मा गांधी विदेश के लिए रवाना हुए थे।1888 से 1914 के बीच वह भरत में केवल 4 वर्ष ही रहे।

'हिंद स्वराज 'गोपाल कृष्ण गोखले की उस सलाह से पहले लिखी गई थी जिसमें उन्होंने गांधीजी को भारत भ्रमण कर देश को समझने को कहा था नवंबर 1905 में गांधीजी ने दक्षिण अफ्रीका में शिक्षा पर एक लेख लिखा था ।जिसमें उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के भारतीयों को भारत में हो रहे परिवर्तनों से सबक लेने को कहा था। गांधी तब अंग्रेजी तथा गुजराती में 'इंडियन ओपिनियन 'अखबार निकालते थे। भारत में जो हो रहा था ।उससे वह परिचित थे। शिक्षा पर उनके विचार अंकुरित हो चुके थे ।इस लेख में उन्होंने कहा था कि अच्छी स्थिति में पहुंच चुके भारतीयों का कर्तव्य है कि वे शिक्षा के प्रसार के लाभों को जाने और यदि दक्षिण अफ्रीकी सरकार आगे नहीं आती है तो वह स्वयं आगे बढ़कर भारतीय बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था करें ।अरबपतियों की सूची में शामिल कितने भारतीय हैं जो इस वाक्य से परिचित हैं ।कितनों ने आदिवासी, वनवासी ,पहाड़ी तथा दुर्गम क्षेत्रों में प्रारंभिक स्कूल खोले हैं ? सभी ने देखा है कि सरकार तो संविधान के प्रावधानों के अनुसार 14 वर्ष तक की आयु के हर बच्चे को अनिवार्य तथा निशुल्क शिक्षा भी नहीं दे पाई है।1993 ईसवी में उन्नीकृष्णन निर्णय में सर्वोत्तम न्यायालय ने शिक्षा के मूलभूत अधिकार

का अधिनियम बनाया। यानी उन्नीकृष्णन निर्णय के बाद भी 16 साल लग गए अर्थात 2002 में 86 वां संविधान संशोधन हुआ ।अभी भी कितना विश्वास जागृत हुआ है, कितनी तैयारी है इरादे कितने सुदृढ़ है यह सब क्या पाना मुश्किल है।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए ।

1शिक्षा में परिवर्तन की आवश्यकता पर समग्रता से मंथन किसने किया ?

क.मोहनदास करमचंद गांधी ने

ख.इंदिरा गांधी ने

ग.राजीव गांधी ने

घ .सुभाष चंद्र बोस ने

2-'हिंद स्वराज 'कब लिखी गई ।

क.1908 ई में

ख.1909 ई में

ग.1970 ई में

घ.1905 ई में

3. महात्मा गांधी विदेश के लिए कब रवाना हुए।

क.1 888 में

ख.1907 ई में

ग.1905 ई में

घ.1919 ई में

4.हिंद स्वराज्य किसकी सलाह से लिखी गई थी ।

क लोकमान्य तिलक के

ख.. भगत सिंह के

ग. गोपाल कृष्ण गोखले के

घ.. रविंद्र नाथ टैगोर के

5. 'इंडियन ओपिनियन' अखबार किस भाषा में निकलता था?

क. अंग्रेजी

ख..गुजराती

ग. हिंदी

घ..क और ख दोनों

6. संविधान का 86 संशोधन कब हुआ ।

क .1998 ई

ख..2002 ई

ग..2010 ई

घ..2005ई

7.संविधान के अनुच्छेद 21 का अंश संबंध है।

क.स्वराज से

ख. रोजगार से

ग वेतन से

घ.शिक्षा की मूलभूत अधिकार से

8. शिक्षा के मूलभूत अधिकार का अधिनियम बना।

क..2008 ई

ख. 2009 ई

ग. 2011 ई

घ.1993 ई

9. नवंबर 1905 में गांधी जी ने शिक्षा पर लेख कहां लिखा था?

क.भारत में

ख.कराची में

ग.दक्षिण अफ्रीका में

घ. चंपारण में

10. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है?

क. गांधी और उनके विचार

ख..भारतीय संविधान

ग. दक्षिण अफ्रीका में गांधी जी

घ.निशुल्क शिक्षा

अपठित पद्यांश

2-निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए ।। 1x5=5

दो टूक कलेजे के करता, पछताता

पथ पर आता

पेट-पीट दोनों मिलकर हैं एक
चल रहा लकुटिया टेक ,
मुट्ठी भर दाने को भूख मिटाने को ,
मुंह फटी पुरानी झोली का फैलाता
दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता ।
साथ दो बच्चे भी हैं सदा हाथ फैलाए
बाय से वे मलते हुए पेट को चलते,
और दाहिना दया दृष्टि पानी की ओर बढ़ाएं
भूख से सुख ओंठ जब जाते
दाता भाग्य विधाता से क्या पाते ?
घूँट- आंसुओं के पी कर रह जाते।
चाट रहे जूठी पत्तल वे सभी सड़क पर खड़े हुए
और झपट लेने को उसमें कुत्ते भी हैं अड़े हुए।

निम्नलिखित में से निर्देश अनुसार विकल्पों का चयन कीजिए ।

1-प्रस्तुत कविता में किसका चित्रण है।

क. लोगों की सोच का

ख.. मनुष्य के भाग्य का

ग.भाग्य विधाता की सोच का

घ.भारतीय सामाजिक विषमता का

2-पथ पर कौन आ रहा है ।

क..कुत्ता

ख..बच्चे

ग.भिखारी

घ.रिक्शावाला

3.भिखारी साथ कितने बच्चे हैं।

क.दो

ख.तीन

ग.चार

घ.पांच

4."आंसुओं के घूंट पीकर रह जाना 'का तात्पर्य है क.विवशता में अपमान सहना

ख .स्नेह के कारण आंसू पी लेना

ग.स्नेह की पराकाष्ठा जिससे कोई देखे नहीं

घ .. भूख मिटाना

5. प्रस्तुत कविता का सार्थक शिक्षक हो सकता है।

क..आँसुओ का घूंट पीना

ख. भिक्षुक

ग .भाग्य विधाता

घ..दया दृष्टि की आकांक्षा

अथवा

गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें-

जैसे नदी में

सिर्फ पानी नहीं बहता

फूल पत्ते, लकड़ी ,नावे

दीप और

मुर्दे तक बहते हैं

इसी तरह मन में सिर्फ

विचार नहीं रहते

सुगंध और प्रकाश

विश्वास और उदासी

सब रहते हैं एक साथ

वहां बहाव का आधार पानी है

यहां प्राण और वाणी है

पानी कहीं थम न जाए

धारा सूखने ना पाए

वाणी चुकने ना पाए

तो सब ठिकाने लग जाते हैं

फूल पत्ते लकड़ी

नावें दीप और शरीर

सुगंध और प्रकाश

विश्वास और

इक्छाएं अधीर ।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए ।

1.कविता में नदी की तुलना किससे की गई है ?

क.फूल से

ख..दीप से

ग .नाव से

घ.. मन से

2.नदी का अस्तित्व बना रहता है ।

क.पानी के बहते रहने से

ख. कीचड़ के रहने से

ग. मछलियों के होने से

घ.कमल खिलने से

3. शरीर में वाणी के रहने पर किसका अस्तित्व होता है।

क..मन का

ख. शरीर का

ग. मनुष्य का

घ .क और ख दोनों का

4.सुगंध और प्रकाश से कवि का आशय है

क. व्यक्ति के सद्गुणों से

ख..व्यक्ति के दुर्गुणों से

ग.व्यक्ति के अभिमान से

घ..व्यक्ति के विचार से

5.नदी में बहते हैं

क..फूल- पत्ते

ख.लकड़ी -नावे

ग.दीप -मुर्दा

घ.. उपर्युक्त सभी

कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन

3-निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए ।। 1x5=1

1-इंटरनेट की बढ़ती लोकप्रियता की क्या वजह है ?

क.तकनीक के साथ सामंजस्य

ख.तत्काल अपडेशन की सुविधा

ग. पत्रकारिता का तीव्र गामी माध्यम

घ.उपर्युक्त सभी

2- समेकित माध्यम किसे कहते हैं ?

क.इंटरनेट

ख.टेलीविजन

ग.वीडियो

घ. समाचार पत्र

3.समाचार के प्रारंभिक अंश को क्या करते हैं?

क- इंट्रो

ख-बॉडी

ग-ककार

घ-उपर्युक्त सभी

4. समाचार पत्र की आत्मा किसे कहते हैं ?

क.खेल पृष्ठ

ख.स्थानीय पृष्ठ

ग.संपादकीय पृष्ठ

घ.राजनीतिक पृष्ठ

5.इनमें भारत का पहला समाचार पत्र है ?

क.उदंत मार्तंड

ख. हिंदुस्तान

ग.पंजाब केसरी

घ.अमर उजाला

पाठ्यपुस्तक 'आरोह' से

4-निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़ें 1x5=5

प्रातः नभ था बहुत नीला शंख जैसे

भोर का नभ

राख से लीपा चौका

(अभी गिला पड़ा है)

बहुत कालीसिल जरा से लाल केसर से

कि जैसे धूल गई हो

स्लेट पर या लाल खड़िया चाक

मल दी हो किसी ने

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए -

1प्रातः कालीन आकाश कैसा प्रतीत होता है?

क.नील शंख जैसा

ख. राख से लीपा चौका जैसे

ग.लाल खड़िया चाक जैसा

घ. उपर्युक्त सभी

2- प्रातः कालीन नभ के लिए कवि ने कितने उपनामों प्रयोग किया है

क .चार

ख..तीन

ग.दो

घ.एक

3.' अभी गिला पड़ा है 'से क्या अभिप्राय है।

क.वर्षा हो रही है

खओस की नमी है

ग.प्रदूषण फैला है

घ. इनमें से कोई नहीं

4. बहुत नीला शंख जैसे में अलंकार है

क.उपमा

ख.उत्प्रेक्षा

ग रूपक

घ.श्लेष

5. उपयुक्त काव्यांश के रचयिता हैं

क.गजानन माधव मुक्तिबोध

ख. रघुवीर सहाय

ग शमशेर बहादुर सिंह

घ. सुमित्रानंदन पंत

5 -निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए - 5

विजयी लुट्टन कूदता -सबसे पहले बाजे वालों की ओर दौड़ा और दोनों को श्रद्धा पूर्वक प्रणाम किया ।फिर दौड़ कर उसने राजा साहब को गोद में उठा लिया ।राजा साहब की कीमती कपड़े मिट्टी में सन गए । मैनेजर साहब ने आपत्ति की हे-है ---अरे -रे ! किंतु राजा साहब ने मैं स्वम् उसे छाती से लगाकर गदगद होकर कहा-" जीते रहो बहादुर!" तुमने मिट्टी की लाज रख ली।" राजा ने उसे पुरस्कृत किया और राज पहलवान बनाकर दरबार में रख लिया ।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए।

1. सबसे पहले बाजे वालों की ओर कौन दौड़ा ?

क .राजा साहब

ख. चांद सिंह

ग. विजय

घ.लुट्टन

2. लुट्टन ने राजा साहब को क्या दिया?

क .प्रणाम

ख .तिलक

ग. गले लगाया

घ..गोद में उठा लिया

3.किसने मिट्टी की लाज रख ली ,?

क .लुट्टन

ख. बाजेवाला

ग. मैनेजर साहब

घ. चांद सिंह

4. बहादुर शब्द का प्रयोग किसने किया?

क. राजा साहब ने

ख. मैनेजर ने

ग.लुट्टन ने

घ इनमें से कोई नहीं

5.लुट्टन ने विजयी होने पर सबसे पहले किसे प्रणाम किया।

क .राजा को

ख. अपनी सास को

ग. ढोल को

घ .भगवान को

पूरक पाठ्यपुस्तक 'वितान' से 10

6.निम्नलिखित प्रश्नों में से निर्देश अनुसार विकल्पों का चयन कीजिए-

1 शादी की 25वीं सालगिरह किसकी थी ।

क .किशन दा

ख. चड्ढा

ग. यशोधर बाबू

घ. भूषण

2.यशोधर बाबू बार-बार कहा करते थे ?

क.ओके

ख.गुड बाय

ग. सम हाउस इन प्रॉपर

घ .यू कैन गो

3. दत्ताजीराव देसाई किस गांव के प्रभावशाली व्यक्ति थे ।

क.रामपुर

ख. शीतलपुर

ग. देसाई गांव

घ.फतेहपुर

4.यशोधर बाबू को कितनी बेटी थी ?

क.एक

ख .दो

ग.तीन

घ. चार

5.विठोबा अन्ना कौन था ?

क.शिक्षक

ख.गांव का एक प्रतिष्ठित व्यक्ति

ग. आनंद के चाचा

घ.गणित का अध्यापक

6.मोहनजोदड़ो का सभा भवन कितने खंभों पर आधारित है ?

क.20

ख.25 ,

ग. 30

घ .40

7. सिंधु घाटी सभ्यता के मकान बने थे ?

क .पक्की ईंटों से

ख .घास फूस से

ग.खरपतवार से

घ .उपर्युक्त सभी से

8. ऐन की चांद देखने की इच्छा हुई।

क. 11:30 बजे

ख. 10:00 बजे

ग.12:00 बजे

घ.9:00 बजे

9.द्वितीय विश्व युद्ध के समय ऐन की उम्र थी ।

क10 वर्ष

ख13 वर्ष

ग. 15 वर्ष

घ.18 वर्ष

10.पीटर का कौन सा अवगुण ऐन को अखरता करता था ।

क .ज्यादा बोलना

ख. चुप्पी साधना

ग .चुगल खोरी

घ.नहीं पढ़ना

खंड - 'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न)

कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन। 20

7- निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए ।। 5

क.पड़ोसी देश

ख.विकास के पथ पर भारत

ग. मदर टेरेसा

8. छात्र परिषद के अध्यक्ष के रूप में नगर निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को पत्र लिखकर विद्यालय के सामने अव्यवस्थित पार्क की सफाई और देखभाल की जिम्मेदारी लेने का प्रस्ताव रखिए।। 5

अथवा

दूरदर्शन केंद्र के निदेशक को नवीन साहित्यिक रचनाओं पर कार्यक्रम प्रसारित करने का आग्रह करते हुए लगभग 150 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

9.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए ।

क .कविता का आंतरिक स्वरूप स्पष्ट करें।

अथवा 3

कहानी में संवाद क्यों महत्वपूर्ण होता है ?

ख.कहानी के मौखिक रूप के लोकप्रिय होने का क्या कारण है ?

अथवा। 2

कविता के सौंदर्य तत्व कौन कौन से है।

10.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40- 50 शब्दों में लिखिए ।

क.गांवों में फैलता फैशन विषय पर आलेख लेखन कीजिए ।

अथवा 3

बाल श्रमिक विषय पर फीचर लेखन करें ।

ख.आलेख के कौन-कौन से अंग होते हैं ?

अथवा। 2

उल्टा पिरामिड शैली में समाचार का ढांचा कैसा होता है ?

पाठ्य पुस्तकें' आरोह' से

पद्य

11.निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 शब्दों में लिखिए।। 6

क फिराक की ग़ज़ल में प्रकृति को किस तरह चित्रित किया गया है?

ख रात्रि शोक में विह्वल राम की दशा को चित्रित करें ?

ग. कैमरे में बंद अपाहिज कविता कुछ लोगों की संवेदनहीनता प्रकट करती है, कैसे?

12.निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30- 40 शब्दों में लिखिए।। 4

क. कैमरे में बंद अपाहिज कविता में संचालक किस बात पर मुस्कुराता है/

ख. दिन जल्दी जल्दी ढलता है की आवृत्ति से कविता की किस विशेषता का पता चलता है/

ग.' अभी गीला पड़ा है' से कवि का क्या अभिप्राय है?

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 -60 शब्दों में लिखिए- 6

क. सफिया के भाई ने नमक की पुड़िया ले जाने से क्यों मना किया ?

ख.महादेवी वर्मा और भक्तिन के संबंधों की तीन विशिष्टाओं का उल्लेख करें ?

ग.आदर्श समाज की स्थापना में डॉ अंबेडकर के विचारों की सार्थकता पर अपने विचार लिखिये।

14 -निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 39-40 शब्दों में लिखिए ।। 4

क.जाति प्रथा के पोषक लोग क्या स्वीकार करने को तैयार हैं?

ख सफिया अपने भाई को क्या जवाब देती है?

ग. रात्रि की विभीषिका किसे कहा गया है? ढोलक उसको किस प्रकार चुनौती देती थी?

केन्द्रीय विद्यालय संगठन रायपुर संभाग

प्रतिदर्श एवं अभ्यास प्रश्न पत्र -6 (2020-2021)

अंक योजना हिन्दी (केन्द्रिक)

कक्षा-बारहवीं

प्रश्न सं. उत्तर-संकेत/ बिंदु /निर्धारित अंक विभाजन

खंड "अ'

वस्तुपरक प्रश्नों जे उत्तर

1 -1.क)डॉ कलाम

2. ग).1958

3.ख)श्रीहरिकोटा में

4.ख). गीता का

5-ग).विज्ञान मिशन और गोल

6-ग)भाग्य में

7.क).वीणा वादन में

8.घ) उपर्युक्त तीनों

9.क).1983

10.घ). इनमें से कोई नहीं

अथवा

1-क).मोहनदास करमचंद गांधी ने

2.घ)1905 ईसवी में

3 क)1888 ई में

4 .ग)गोपाल कृष्ण गोखले के

5.घ) के और ख दोनों

6-ख). 2002 ईसवी में

7 घ).शिक्षा के मूलभूत अधिकार से

8-घ).1993 ईसवी में

9- ग) दक्षिण अफ्रीका में

10-क).गांधी और उनके विचार

2 -1.घ)भारतीय सामाजिक विषमता का

2-ग(.भिखारी

3-क) दो

4-क).व्यवस्था में अपमान सहना

5-ख). भिक्षुक

अथवा

1घ) मन से

2-क).पानी के बहते रहने से

3-घ). क और ख दोनों का

4 -क).व्यक्ति के सद्गुणों से

5-घ).उपर्युक्त सभी

3-1.घ)उपर्युक्त सभी

2-क)इंटरनेट

3-क).इंट्रो

4-ग).संपादकीय पृष्ठ

5-क) उदंत मार्तंड

4-1-घ). उपर्युक्त सभी

2-क)चार

3-ख)ओस की नमी है

4- क).उपमा

5-ग). शमशेर बहादुर सिंह

5 -1-ख).लुट्टन

2-घ).गोद में उठा लिया

3-क)लुट्टन

4-क).राजा साहब ने

5-ख).ढोल को

6 -1-ग(यशोधर बाबू

2-ग) सम हाउ इम्प्रोपर

3-ग)देसाई गांव

4-क).एक

5-ख).गांव एक प्रतिष्ठित व्यक्ति

6-ख) पच्चीस

7- क).पक्की ईंटों से

8-क) 11:30 बजे

9-ख) 13 वर्ष

10-ख).चुप्पी साधना

7-क)विषयवस्तु-2 अंक

ख)भाषा शैली-1अंक

ग).रचनात्मकता -2 अंक

8.क)-आरम्भ व अंत की औपचारिकता-1अंक

ख)विषयवस्तु -2अंक

ग)भाषा शैली -2अंक

9-क). अनुभूति की तीव्रता के कारण ही कविता का संबंध ह्रदय माना जाता है ।जीवन के सुख-दुख के प्रति कवि की प्रतिक्रिया ही कविता के रूप में दिखाई देती है ।यह प्रतिक्रिया अनुभूति की व्यापकता लिए होती है कवि अपनी कल्पना शक्ति के आधार पर उसमें विचित्रता और सर्वव्यापकता उत्पन्न करता है, फिर उसमें रस का संचार कर उसे जीवंत बनाता है।

अथवा

संवाद कहानी का महत्वपूर्ण अंग है। संवाद ही कहानी को, पात्र के चरित्र को विकसित करते हैं तथा कहानी को गति प्रदान करते हैं। अतः कहानी लेखन को सदा ही यह प्रयास रहता है कि कहानी के संवाद स्वाभाविक हो और पाठकों तक वे दिलचस्प और आकर्षक रूप में पहुंचे ।

संवाद लिखते समय लेखक नहीं, पात्र संवाद बोलता है ।पाठक लेखक से नहीं पात्र से, चरित्र से जुड़ता है। अतः संवादों के माध्यम से ही यह स्पष्ट होता है कि कौन बोल रहा है, किस स्तर का व्यक्ति बोल रहा है, उसकी पृष्ठभूमि क्या है ,उसका व्यवसाय या कार्य क्या है? जो घटना या प्रतिक्रिया कहानीकार घटित होते नहीं दिखा सकता, उसे संवादों के माध्यम से ही सामने लाने में समर्थ होता है ।अतः कहानी में संवादों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

ख) . प्राचीन काल से ही कहानी का मौखिक रूप लोकप्रिय रहा है, क्योंकि इससे बड़ा संसार का कोई माध्यम नहीं है धर्म प्रचारकों ने भी अपने सिद्धांतों एवं विचारों को लोगों तक पहुंचाने के लिए कहानी के मौखिक रूप का सहारा लिया। धीरे-धीरे कहानी सुनने सुनाने की कला का विकास होता गया।

अथवा

कविता के सौंदर्य तत्व हैं

क). भाव सौंदर्य

ख)विचार सौंदर्य

ग) नाद सौंदर्य

घ)अप्रस्तुत योजना का सौंदर्य ।

10.क).विषय वस्तु-2 अंक

ख)भाषा एवं प्रस्तुति -1अंक

ख)- आने के मुख्य अंग हैं भूमिका विषय का प्रतिपादन तुलनात्मक चर्चा एवं निष्कर्ष शीर्षक के अनुकूल भूमिका लिखी जाती है इसके बाद विषय का क्रमबद्ध एवं तारतम्य रूप से प्रतिपादन करते हैं तथा विषय वस्तु का तुलनात्मक विश्लेषण कर निष्कर्ष प्रस्तुत किया जाता है अथवा उल्टा पिरामिड शैली में समाचार का ढांचा इंट्रो या मुखड़ा बॉडी समापन।

11-क) फिराक की गजल के प्रथम दो शेर प्रकृति वर्णन को ही समर्पित हैं। प्रथम शेर में कलियों के खिलने की प्रक्रिया का भावपूर्ण वर्णन है। कवि इस शेर को नव रसों से आरंभ करता है। हर कोमल गाँठ के खुल जाने में कलियों का खिलना और दूसरा प्रतीकात्मक अर्थ भी है कि सब बंधनों से मुक्त हो जाना, संबंध सुधर जाना। इसके बाद कवि कलियों के खिलने से रंगों और सुगंध के फैल जाने की बात करता है। पाठक के समक्ष एक बिंब उभरता है। वह सौंदर्य और सुगंध दोनों को

ख). लक्ष्मण की मूर्छा से व्याकुल होते ही श्री राम विलाप करते हुए कहते हैं- अब तो ही भ्रातृ ! मेरा निष्ठुर और कठोर ह्रदय अवश्य अपयश और तुम्हारे शोक दोनों की को ही सहन करेगा तुम अपनी माता के 1 पुत्र और उसके प्राण आधार हो। उन्होंने सब प्रकार से सुख देने वाला परम हितकारी जानकारी तुम्हें हाथ पकड़ कर मुझे सौंपा था। अब जाकर में उन्हें क्या उत्तर दूंगा?हे भाई !तुम उठ कर मुझे समझाते क्यों नहीं इस तरह वे करुण विलाप करते हैं।

ग).कैमरे में बंद अपाहिज' कविता कुछ लोगों की संवेदनहीनता इसलिए प्रकट करती है क्योंकि ऐसे लोग धन कमाने एवं अपने कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के लिए दूसरों की भावनाओं को ठेस पहुँचाते हैं और किसी की करुणा बेचकर अपनी आय बढ़ाना चाहते हैं। ऐसे लोग अपाहिजों से सहानुभूति नहीं रखते बल्कि वे अपने कार्यक्रम को रोचक बनाने के लिए उलटे-सीधे प्रश्न पूछते हैं।

12-क).संचालक कार्यक्रम खत्म होने पर मुस्कराता है। उसे अपने कार्यक्रम के सफल होने की खुशी है। उसे अपाहिज की पीड़ा से कुछ लेना-देना नहीं। इस मुस्कराहट में मीडिया की संवेदनहीनता छिपी है। इसमें पीड़ित के प्रति सहानुभूति नहीं, बल्कि अपने व्यापार की सफलता छिपी है।

ख).दिन जल्दी-जल्दी ढलता है'-की आवृत्ति से यह प्रकट होता है कि लक्ष्य की तरफ बढ़ते मनुष्य को समय बीतने का पता नहीं चलता। पथिक लक्ष्य तक पहुँचने के लिए आतुर होता है। इस पंक्ति की आवृत्ति समय के निरंतर चलायमान प्रवृत्ति को भी बताती है। समय किसी की प्रतीक्षा नहीं करता। अत: समय के साथ स्वयं को समायोजित करना प्राणियों के लिए आवश्यक है।

ग)इसका अर्थ यह है कि प्रात:काल में ओस की नमी होती है। गीले चौके में भी नमी होती है। अत: नीले नभ को गीला बताया गया है।

13-क).सफ़िया का भाई एक बहुत बड़ा पुलिस अफ़सर था। वह कानून-कायदों से भली-भाँति परिचित था। वह जानता था कि लाहौरी नमक ले जाना सर्वथा गैरकानूनी है। यदि कोई व्यक्ति दूसरे देश में इसे ले जाए तो यह कानून के खिलाफ किया हुआ कार्य बन जाता है। इसलिए उसने अपनी सफ़िया को नमक की पुड़िया ले जाने से मना कर दिया। वह नहीं चाहता था कि उसकी बहन कस्टम कार्यों की जाँच में पकड़ी जाए।

ख).महादेवी वर्मा और भक्तिन के संबंधों की तीन विशिष्टताएँ निम्नलिखित हैं –

परिश्रमी – परिश्रमी भक्तिन कर्मठ महिला है। ससुराल में वह बहुत मेहनत करती है। वह घर, खेत, पशुओं आदि का सारा कार्य अकेले करती है। लेखिका के घर में भी वह उसके सारे कामकाज को पूरी कर्मठता से करती है। वह लेखिका के हर कार्य में सहायता करती है।

स्वाभिमानिनी – भक्तिन बेहद स्वाभिमानिनी थी। पिता की मृत्यु पर विमाता के कठोर व्यवहार से उसने मायके जाना छोड़ दिया। पति की मृत्यु के बाद उसने किसी का पल्ला नहीं थामा तथा स्वयं मेहनत करके घर चलाया। जमींदार द्वारा अपमानित किए जाने पर वह गाँव छोड़कर शहर आ गई।

महान सेविका – भक्तिन में सच्ची सेविका के सभी गुण थे। लेखिका ने उसे हनुमान जी से स्पर्धा करने वाली बताया है। वह छाया की तरह लेखिका के साथ रहती है तथा उसका गुणगान करती है। वह उसके साथ जेल जाने के लिए भी तैयार है। वह युद्ध, यात्रा आदि में हर समय उसके साथ रहना चाहती है।

ग).अंबेडकर का आदर्श समाज स्वतंत्रता, समता व भाईचारे पर आधारित होगा। सभी को विकास के समान अवसर मिलेंगे तथा जातिगत भेदभाव का नामोनिशान नहीं होगा। समाज में कार्य करने वाले को सम्मान मिलेगा।

14-क).लेखक के अनुसार, जाति-प्रथा के समर्थक जीवन, शारीरिक सुरक्षा व संपत्ति के अधिकार को देने के लिए राजी हो सकते हैं, किंतु मनुष्य के सक्षम व प्रभावशाली प्रयोग की स्वतंत्रता देने के लिए तैयार नहीं हैं।

ख).सफ़िया भाई को कहती है कि वह इंसानियत को जानती है। अगर सभी इंसानों का दिमाग साहित्यकारों की तरह भावना को समझ पाता तो संसार का रूप ही अलग होता।

ग). महामारी की विभीषिका की चर्चा की गई है। ढोलक की आवाज मन में उत्साह पैदा करती थी जिससे मनुष्य महामारी से निपटने को तैयार होता था।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन रायपुर संभाग

प्रतिदर्श एवं अभ्यास प्रश्न पत्र -7 2020-21

विषय हिंदी

कक्षा 12 वीं

समय 3 घंटे पूर्णांक 80

सामान्य निर्देश-

*** इस प्रश्न पत्र में 2 खंड हैं खंड अ और खंड ब। खंड अ में वस्तुपरक तथा खंड ब में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं।**

*** खंड अ में कुल छह प्रश्न हैं , खंड ब में कुल आठ प्रश्न है।**

*** सभी प्रश्नों का निर्देशानुसार ही उत्तर दें।**

खंड अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़ते हुए उत्तर दें।

(10)

19वीं शताब्दी में यह राष्ट्रीय जागरण संपूर्ण भारत में किसी न किसी रूप में अभिव्यक्त हो रहा था ,जिसमें भारतीयता के साथ आधुनिकता का संगम था। स्वामी विवेकानंद ने तो अमेरिका, इंग्लैंड आदि देशों से भारत लौटकर पूर्व और पश्चिम के श्रेष्ठ तत्वों के सम्मिलन से भारत को आधुनिक बनाने का सपना देखा था। उन्होंने माना कि भारत और पश्चिम की मूल गति एवं उद्देश्य भिन्न है, परंतु भारत को जागना होगा , कुसंस्कारों एवं जातीय विद्वेष को त्यागना होगा , शिक्षित होकर देश की अशिक्षित गरीब जनता को ही दरिद्रनारायण मानकर उनकी सेवा करनी होगी ,उनका उत्थान करना होगा।

विवेकानंद का मत था कि भारत में जो जितना दरिद्र है , वह उतना ही साधु है। यहां गरीबी अपराध एवं पाप नहीं है । यहां दरिद्रों की अपेक्षा धनिकों को अधिक प्रकाश की जरूरत है । वे चाहते थे कि हम नीच, अज्ञानी , दरिद्र - सभी को भाई माने और गर्व से कहें - हम सब भाई भारतवासी हैं। मनुष्य को मानव बनाना ,आदमी को इंसान बनाना आवश्यक है। हमें ऐसी शिक्षा चाहिए , जो हमें संस्कारी मानव, हमदर्द इंसान बना सके। विचारों में विवेकानंद गांधी जी से अधिक दूर नहीं थे और ऐसे ही विचारकों का चिंतन 19वीं सदी में भारत को उद्वेलित कर रहा था।

1) राष्ट्रीय जागरण कब अभिव्यक्त हो रहा था?1

क) 18 वीं शताब्दी में

ख) 19वीं शताब्दी में

ग) बीसवीं शताब्दी में

घ) उपरोक्त में कोई नहीं

2) विवेकानंद का विचार किन से मिलता था?1

क) गोखले से

ख) कृष्ण से

ग) महात्मा से

घ) महात्मा गांधी से

3) स्वामी विवेकानंद के अनुसार भारत-1

क) जागृत था

ख) धनी था

ग) सोया हुआ था

घ) शिक्षित था

4) दरिद्र नारायण किसे मानना होगा?1

क) अशिक्षित को

ख) गरीब जनता को

ग) उपरोक्त दोनों को

घ) किसी को भी नहीं

5) अभिव्यक्त में उपसर्ग है-1

क) अभी

ख) अभि

ग) अभ

घ) अव

6) आधुनिकता में ता क्या है?1

क) प्रत्यय

ख) उपसर्ग

ग) एक शब्द

घ) संज्ञा

7) मनुष्य को मानव बनाने का तात्पर्य है-1

क) मनुष्य की कमियों को दूर करना

ख) मनुष्य को मानवीय गुणों से युक्त करना

ग) उपरोक्त दोनों

घ) मनुष्य को अमानवीय बनाना

8) स्वामी विवेकानंद किस की दशा सुधारने की बात करते हैं?1

क) देश की गरीब जनता की

ख) देश की शिक्षकों की

ग) किसानों की

घ) उपरोक्त में कोई नहीं

9) विवेकानंद एक महान चिंतक व समाज सुधारक थे।1

क) अमेरिका वासियों के

ख) ब्रिटेन में रहने वाले लोगों के

ग) अमेरिका में रहने वाले भारतीयों के

घ) समाज के

10) कुसंस्कार का विपरीतार्थक होगा-1

क) संस्कार

ख) असंस्कार

ग) सुसंस्कार

घ) सूसंस्कार

अथवा

राह पर खड़ा है, सदा से ठूँठ नहीं है। दिन थे जब वह हरा भरा था और उस जनसंकुल चौराहे पर अपनी छतनार डालियों से बटोहियों की थकान अनजाने दूर करता था। पर मैंने उसे सदा ठूँठ ही देखा है। पत्रहीन, शाखाहीन, निरवलंब, जैसे पृथ्वी रूपी आकाश से सहसा निकलकर अधर में ही टंग गया हो। रात में वह काले भूत-सा लगता है, दिन में उसकी छाया इतनी गहरी नहीं हो पाती जितना काला उसका जिस्म है और अगर चितेरे को छायाचित्र बनाना हो तो शायद उसका-सा 'अभिप्राय' और न मिलेगा। प्रचंड धूप में भी उसका सूखा शरीर उतनी ही गहरी छाया ज़मीन पर डालता जैसे रात की उजियारी चांदनी में।जब से होश संभाला है, जब से आंख खोली है, देखने का अभ्यास किया है, तब से बराबर मुझे उसका निस्पंद, नीरस, अर्थहीन शरीर ही दिख पड़ा है।

पर पिछली पीढ़ी के जानकार कहते हैं कि एक जमाना था जब पीपल और बरगद भी उसके सामने शरमाते थे और उसके पत्तों से, उसकी टहनियों और डालों से टकराती हवा की सरसराहट दूर तक सुनाई पड़ती थी। पर आज वह नीरव है, उस चौराहे का जवाब जिस पर उत्तर-दक्षिण, पूरब-पश्चिम चारों और की राहें मिलती हैं और जिनके सहारे जीवन अविरल बहता है। जिसने कभी जल को जीवन की संज्ञा दी, उसने निश्चय जाना होगा की प्राणवान जीवन भी जल की ही भांति विकल, अविरल बहता है। सो प्राणवान जीवन, मानव संस्कृति का उल्लास उपहार लिए उन चारों राहों की संधि पर मिलता था जिसके एक कोण में उस प्रवाह से मिल एकांत शुष्क आज वह ठूँठ खड़ा है। उसके अभाग्यों परंपरा में संभवतः एक ही सुखद अपवाद है – उसके अंदर का स्नेह रस सूख जाने से संज्ञा का लोप हो जाना। संज्ञा लुप्त हो जाने से कष्ट की अनुभूति कम हो जाती है।

प्रश्न-

1. जनसंकुल का क्या आशय है?

क) जनसंपर्क

ख) भीड़भरा

ग) समारोह

घ) जनजीवन

2. आम की छतनार डालियों के कारण क्या होता था?

क) यात्रियों को ठंडक मिलती थी

ख) यात्रियों को विश्राम मिलता था
ग) यात्रियों की थकान मिटती थी
घ) यात्रियों को हवा मिलती थी
3. शाखाहीन, रसहीन, शुष्क वृक्ष को क्या कहा जाता है?
क) नीरस वृक्ष
ख) जड़ वृक्ष
ग) ठूँठ वृक्ष
घ) हीन वृक्ष
4. आम के वृक्ष के सामने पीपल और बरगद के शरमाने का क्या कारण था?
क) उसका अधिक हरा-भरा और सघन होना
ख) हवा की आवाज सुनाई देना
ग) अधिक फल फूल लगना
घ) अधिक ऊँचा होना
5. आम के अभागेपन में संभवतः एक ही सुखद अपवाद था –
क) उसका नीरस हो जाना
ख) संज्ञा लुप्त हो जाना
ग) सूख कर ठूँठ हो जाना
घ) अनुभूति कम हो जाना
6. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा?
क)आम का अभागा पन
ख)पीपल का पेड़
ग)बरगद का पेड़
घ)केले का पेड़
7. 'बटोही' शब्द का अर्थ है?
क)यात्री
ख)सैनिक
ग)पंडित
घ)मजदूर
8. प्राणवान में प्रत्यय है?
क)प्राण
ख)प्र
ग)वान
घ)न
9. उत्तर-दक्षिण में समास है?
क)द्विगु समास

ख)द्वंद्व समास
ग)तत्पुरुष समास
घ)कर्मधारय समास
10. उपहार में उपसर्ग होगा?
क) उप
ख) हार
ग) आहार
घ) र
प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उत्तर दीजिए। 5x1=5
क्या करोगे अब ?
समय का
जब प्यार नहीं रहा
सर्वसहा पृथ्वी का
आधार नहीं रहा
न वाणी साथ है
न पानी साथ है
न कही प्रकाश है स्वच्छ
जब सब कुछ मैला है आसमान
गंदगी बरसाने वाले
एक अछोर थैला है
कही चले जाओ
विनती नहीं है
वायु प्राणप्रद
आदमकद आदमी
सब जग से गायब है
1. कवि ने धरती के बारे में क्या कहा है …?
क. रत्नगर्भा
ख. आधारशिला
ग. सर्वसहा
घ. माँ
2. 'आदमकद आदमी' से क्या तात्पर्य है?
क. मानवीयता से भरपूर आदमी
ख. छोटे कद का आदमी
ग. सम्पूर्ण मनुष्य
घ. सामान्य आदमी

3. आसमान की तुलना किससे से की गयी है…?

क. समुद्र से

ख. नीली झील से

ग. पतंग से

घ. गंदगी बरसाने वाले थैले से

4. प्राणप्रद का तात्पर्य है?

क. प्राणों को पूर्ण करने वाला

ख. प्राण प्रदान करने वाला

ग. प्राणों को प्रणाम करने वाला

घ. प्राणों को छीन लेने वाला

5. कवि समय से कब और क्यों कतराना चाहते हैं?

क. किसी के पास बात करने का समय नहीं

ख. किसी को दो क्षण बैठने का समय नहीं

ग. किसी को प्यार करने का समय नही

घ. किसी को गप मारने का समय नहीं है।

अथवा

जब जब बांहें झुकी मेघ की धरती का तन-मन ललका है,
जब-जब मैं गुजरा पनघट से, पनिहारिन का घट छलका है।
सुन बांसुरिया सदा-सदा से हर बेसुध राधा बहकी है,
मेघदूत को देख यक्ष की सुधियों में केसर महकी है।
क्या अपराध किसी का है फिर, क्या कमजोरी कहूं किसी की,
जब-जब रंग जमा महफिल में, जोश रूका कब पायल का है।
जब-जब मन में भाव उमड़ते, प्रणव श्लोक अवतीर्ण हुए हैं,
जब-जब प्यास लगी पत्थर में निर्झर स्रोत विकीर्ण हुए हैं।

1) मेघों के झुकने से का क्या अर्थ है? 1

क) बारिश होना

ख) फसल लगना

ग) रंग जमना

घ) उपरोक्त में कोई नहीं

2) किसे नवजीवन का प्रतीक माना गया है? 1

क) राधा को

ख) कृष्ण को

ग) बादल को

घ) उपरोक्त में कोई नहीं

3) काव्यांश में किसका जोश कभी नहीं रुका। 1

क) महफिल का

ख) रंगों का

ग) पायल का

घ) उपरोक्त में कोई नहीं

4) निर्झर स्रोत विकीर्ण हुए हैं। इसका अर्थ है-1

क) झरना सूख जाना

ख) झरना फूट पड़ना

ग) झरना लाल हो जाना

घ) उपरोक्त में कोई नहीं

5) बेसुध किसे कहा गया है?1

क) मेघ को

ख) झरना को

ग) पत्थर को

घ) राधा को

प्रश्न 3. निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्प का चयन कीजिए:- 5x1=5

1) जनसंचार का निम्नलिखित में से कौन सा कार्य नहीं है। 1

क) सूचना देना

ख).शिक्षित करना

ग) लोगों को रोजगार प्रदान करना

घ) निगरानी करना

2) भारत में ऑल इंडिया रेडियो की स्थापना कब हुई?1

क) 1935 में

ख) 1936 में

ग) 1937 में

घ) 1938 में

3) वह पत्रकारिता जो सरकार के कामकाज पर निगाह रखती है तथा गड़बड़ियों का पर्दाफाश करती है- उसे -1

क) पेज थ्री पत्रकारिता कहते हैं

ख) वैकल्पिक पत्रकारिता कहते हैं

ग) आर्थिक पत्रकारिता कहते हैं

घ) वॉच डॉग पत्रकारिता कहते हैं

4) समाचार लेखन के कितने ककार हैं ? 1

क) चार

ख) पांच

ग) छह

घ) सात

5) समाचार माध्यमों में किसी समाचार को प्रकाशित या प्रसारित होने के लिए पहुंचने की आखिरी समय सीमा को कहा जाता है-1

क) ऑफ लाइन

ख) ऑन लाइन

ग) डेथ लाइन

घ) डेड लाइन

प्रश्न 4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं पूछे गए प्रश्नों का सही विकल्प लिखिए। 1x5=5

कविता एक खिलना है फूलों के बहाने
कविता का खिलना भला फूल क्या जाने!
बाहर भीतर
इस घर, उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने
फूल क्या जाने?
कविता एक खेल है बच्चों के बहाने
बाहर भीतर
यह घर , वह घर
सब घर एक कर देने के माने
बच्चा ही जाने।

1) कविता और फूल में क्या समानता है? 1

क) फूल स्वयं खिलता है, कविता भी स्वत: बनती है।

ख) दोनों की खुशबू हमेशा बनी रहती है।

ग) दोनों में असामान्य रूप से विकास होता है

घ) दोनों में कोई समानता नहीं है।

2) बिना मुरझाए कौन महकती है?1

क) फूल

ख) कली

ग) धरती

घ) कविता

3) बच्चों के बहाने कविता क्या है?1

क) कविता लेखन आसान है

ख) कविता लेखन मुश्किल है

ग) बच्चों की तरह कविता भी सभी प्रकार के भेदभाव से रहित होती है

घ) उपरोक्त में कोई नहीं

4) बिना मुरझाए महकना का आशय है-1

क) कविता प्रभावहीन हो जाती है

ख) कविता का प्रभाव कभी कम नहीं होता

ग) उपरोक्त दोनों

घ) उपरोक्त में कोई नहीं

5) अपने और पराए में भेद कौन नहीं करता?1

क) बच्चा

ख) पढ़ा लिखा इंसान

ग) समझदार व्यक्ति

घ) उपरोक्त में कोई नहीं

प्रश्न 5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं दिए विकल्पों में सही उत्तर का चयन कीजिए। 5x1

किंतु उसकी शिक्षा - दीक्षा सब किए किराए पर एक दिन पानी फिर गया । वृद्ध राजा स्वर्ग सिधार गए। नए राजकुमार ने विलायत से आते ही राज्य को अपने हाथ में ले लिया। राजा साहब के समय है शिथिलता आ गई थी , राजकुमार के आते ही दूर हो गई ।बहुत से परिवर्तन हुए। उन्हीं परिवर्तनों की चपेटाघात में पड़ा पहलवान भी । दंगल का स्थान घोड़े की रेस ने ले लिया।

पहलवान तथा दोनों भावी पहलवानों का दैनिक भोजन- व्यय सुनते ही राजकुमार ने कहा - टैरीबुल ।नए मैनेजर साहब ने कहा - होरीबुल।

पहलवान को साफ जवाब मिल गया, राज दरबार में उसकी आवश्यकता नहीं। उसको गिड़गिड़ाने का भी मौका नहीं दिया गया।

1) पहलवान के किए- किराए पर पानी किसने फेरा? 1

क) राजा साहब ने

ख) नए राजकुमार ने

ग) उपरोक्त दोनों ने

घ) उपरोक्त में से किसी ने नहीं

2) सत्ता परिवर्तन का क्या अर्थ है? 1

क) सत्ता का हस्तांतरण

ख) शासक बदल जाना

ग) उपरोक्त दोनों

घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

3) पहलवान को राजाश्रय क्यों नहीं मिला?1

क) राजा ने उसे निकाल दिया

ख) मैनेजर ने उसे निकाल दिया

ग) पहलवान का दैनिक खर्च अधिक था।

घ) उपरोक्त में कोई नहीं

4) दंगल का स्थान किसने ले लिया? - 1

क) शतरंज ने

ख) घोड़े की रेस ने

ग) उपरोक्त दोनों

घ) उपरोक्त में कोई नहीं

5) गिड़गिड़ाने का मौका किसको नहीं दिया गया?1

क) नए मैनेजर को

ख) पुराने मैनेजर को

ग) उपरोक्त दोनों को

घ) पहलवान को

प्रश्न 6. निम्नलिखित प्रश्नों में निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिए:- 10 (1x10)

1) यशोधर पंत-

क) नए विचारों से ओतप्रोत थे

ख) परंपरावादी थे

ग) उपरोक्त दोनों

घ) उपरोक्त में कोई नहीं

2) यशोधर किशनदा के यहाँ क्या बनकर रहे ?

क). चौकीदार

ख). माली

ग). रसोइया

घ). धोबी

3) "मूर्ख लोग घर बनाते हैं सयाने उसमें रहते हैं|" यह कथन किसका है ?

क). यशोधर बाबू का

ख). भूषण का

ग). किशनदा का

घ). उपरोक्त में से कोई नहीं

4) यशोधर बाबू को बुढ़ापे में पत्नी की कौन-सी आदत बुरी लगती थी ?

क). बिना बाजू का ब्लाउज पहनना

ख). होंठों पर लिपस्टिक लगाना

ग). ऊँची हील वाली सैंडल पहनना

घ). उपरोक्त सभी

5) जूझ पाठ के लेखक आनंद यादव को कविता लेखन के लिए प्रोत्साहित करने वाले शिक्षक का नाम था?

क) दत्ता जी राव

ख) न. वा. सौंदलगेकर

ग) बा. भ. बोरकर

घ) केशव कुमार

6) जूझ के कथानायक के चरित्र की विशेषताएं हैं?

क) संघर्षशील व जुझारू

ख) परिश्रमी

ग) कविता के प्रति लगाव

घ) उपरोक्त सभी

7) किन आधारों पर हम कह सकते हैं कि सिंधु सभ्यता ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी?

क) वहां हथियार बहुत मिले

ख) सिंधु सभ्यता में औजार तो मिले हैं पर हथियार नहीं मिले

ग) उपरोक्त दोनों

घ) उपरोक्त कोई नहीं

8) निम्नलिखित में जो विकल्प गलत है उसका चयन करें।

क) ऐन फ्रैंक की डायरी डच भाषा में 1947 में प्रकाशित हुई थी।

ख) ऐन फ्रैंक की डायरी यहूदियों पर ढाए गए जुल्मों का एक जीवंत दस्तावेज है।

ग) ऐन ने निर्जीव गुड़िया किट्टी को संबोधित कर यह डायरी लिखी।

घ) मिस्टर डसेल ऐन और सभी बच्चों को बहुत प्यार व देखभाल करते थे।

9) ऐन फ्रैंक की डायरी में 'बाबा आदम के ज़माने के अनुशासन मास्टर' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

क) मिस्टर वानदान के लिए

ख) मिस्टर डसेल के लिए

ग) पीटर के लिए

घ) ऐन के पिता के लिए।

10) मुअन जोदड़ो को देखकर लेखक को राजस्थान के किस जगह की याद आ गई?

क) कुलधरा

ख) अजमेर

घ) जयपुर

घ) बीकानेर

खंड- ब (20अंक)

प्रश्न 7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए:-5

क) कोविड 19 (कोरोना काल) में मेरी दिनचर्या

ख) बूढ़ा पीपल

ग) मेरे बचपन का अविस्मरणीय पल

प्रश्न 8. अपने नगर में दिन-प्रतिदिन बढ़ते प्रदूषण की समस्या पर चिंता व्यक्त करते हुए नगर निगम आयुक्त को पत्र लिखिए। 5

अथवा

आपदा की स्थिति में खाद्य पदार्थों की बढ़ती हुई कीमतों से उत्पन्न होने वाली समस्या के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए किसी दैनिक समाचार पत्र के संपादक के नाम पत्र लिखिए। 5

प्रश्न 9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 से 50 शब्दों में लिखिए। 5

(क) कहानी की भाषा शैली कैसी होनी चाहिए? 3 अंक

अथवा

नाटक में संवाद का क्या महत्व होता है?

(ख) कविता लेखन में बिंब का क्या महत्व होता है? 2

अथवा

कहानी के प्रमुख तत्व कौन कौन से हैं?

प्रश्न 10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 50 शब्दों में लिखिए: 5

(क) विशेष लेखन करते समय किन - किन बातों को ध्यान रखना चाहिए? 3

अथवा

संपादकीय किसे कहते हैं? संपादकीय में लेखक का नाम क्यों नहीं लिखा जाता?

(ख) स्ट्रिंगर किसे कहते हैं? (2)

अथवा

समाचार लेखन में उल्टा पिरामिड शैली के छः ककार कौन कौन से हैं?

प्रश्न 11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 50 -60 शब्दों में लिखिए: (6 अंक)

क) कैमरे में बंद अपाहिज करुणा के मुखोटे में छिपी क्रूरता की कविता है ! कैसे?

ख) उषा कविता के आधार पर प्रातः कालीन सौंदर्य पर प्रकाश डालिए।

ग) 'कविता के बहाने ' कविता का केंद्रीय भाव क्या है?

प्रश्न 12. लिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 30 से 40 शब्दों में लिखिए।(4 अंक)

क) जथा पंख बिनु खग अति दीना ।

मनि बिनु फनि करिबर कर हीना ।इसका भावार्थ लिखें।

ख) मुसकाता चांद ज्यों धरती पर रात भर

मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता वह चेहरा है।

इसमें निहित शिल्प सौंदर्य स्पष्ट करें। (2)

ग) उषा का जादू कब टूटता है और कैसे? 'उषा 'के आधार पर उत्तर लिखें ।(2)

प्रश्न 13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए: (6 अंक)

क) पहलवान ने ऐसा क्यों कहा होगा कि मेरा गुरु कोई पहलवान नहीं यही ढोल है? 3

ख) काले मेघा पानी दे में लेखक ने समाज की एक ऐसी समस्या का वर्णन किया है , जो आज भारत की भयंकर समस्या है। उसे समस्या के बारे में आप अपना तर्क उत्तर लिखें। (3)

ग) भक्तिन और लेखिका के बीच कैसा संबंध था ? भक्तिन पाठ के आधार पर अपना उत्तर लिखें ।3

प्रश्न 14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 से 40 शब्दों में लिखिए।(4 अंक)

(क) बाजार के जादू को रूप का जादू क्यों कहा गया है? (2)

(ख) सफिया सिख बीवी को देखकर क्यों आश्चर्यचकित हो गई? (2)

(ग)" किसका वतन कहां है"- वह जो कस्टम के इस तरफ है या उस तरफ? आशय स्पष्ट कीजिए। (2)

केन्द्रीय विद्यालय संगठन रायपुर संभाग

प्रतिदर्श एवं अभ्यास प्रश्न पत्र -7 (2020-2021)

अंक योजना हिन्दी (केन्द्रिक)

कक्षा-बारहवीं

प्रश्न सं. उत्तर-संकेत/ बिंदु /निर्धारित अंक विभाजन

खंड-अ

खंड अ- वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न1 अपठित गद्यांश (10x1)

1 ख) 19वीं शताब्दी में

2) घ) महात्मा गांधी से

3) ग) सोया हुआ था

4) ग) उपरोक्त दोनों को

5) ख) अभि

6) क) प्रत्यय

7) ख) मनुष्य को मानवीय गुणों से युक्त करना

8) क) देश की गरीब जनता की

9) घ) समाज के

10) ग) सुसंस्कार

अथवा

1) क) जनसंपर्क
2) ग) यात्रियों की थकान मिटती थी
3) ग) ठूँठ वृक्ष
4) क) उसका अधिक हरा-भरा और सघन होना
5) ख) संज्ञा लुप्त हो जाना
6) क)आम का अभागा पन
7) क) यात्री
8) ग)वान
9) ख)द्वंद्व समास
10) क) उप

प्रश्न 2 **अपठित काव्यांश (5x1)**

1) ग)सर्वसहा
2) क) मानवीयता से भरपूर आदमी
3) घ)गंदगी बरसाने वाले थैले से
4) ख) प्राण प्रदान करने वाला
5) ग) किसी को प्यार करने का समय नही

अथवा

1) क) बारिश होना
2) ग) बादल को
3) ग) पायल का
4) ख) झरना फूट पड़ना
5) घ) राधा को

प्रश्न 3 अभिव्यक्ति और माध्यम (5x1)

1) ग) लोगों को रोजगार प्रदान करना
2) ख) 1936 में
3) घ) वॉच डॉग पत्रकारिता कहते हैं
4) ग) छह
5) घ) डेड लाइन

प्रश्न-4 (5x1)

1) क) फूल स्वयं खिलता है, कविता भी स्वत: बनती है।
2) घ) कविता
3) ग) बच्चों की तरह कविता भी सभी प्रकार के भेदभाव से रहित होती है
4) ख) कविता का प्रभाव कभी कम नहीं होता
5) क) बच्चा

प्रश्न-5 (5x1)

1) ख) नए राजकुमार ने
2) ग) उपरोक्त दोनों
3) ग) पहलवान का दैनिक खर्च अधिक था।
4) ख) घोड़े की रेस ने
5) घ) पहलवान को

प्रश्न-6 पूरक पाठ्य पुस्तक वितान से (10x1)

1) ख) परंपरावादी थे
2) ग). रसोइया
3) ग). किशनदा का
4) घ). उपरोक्त सभी
5) ख) न. वा. सौंदलगेकर

6) घ) उपरोक्त सभी

7) ख) सिंधु सभ्यता में औजार तो मिले हैं पर हथियार नहीं मिले

8) घ) मिस्टर डसेल ऐन और सभी बच्चों को बहुत प्यार व देखभाल करते थे।

9) ख) मिस्टर डसेल के लिए

10) क) कुलधरा

खंड ब

प्रश्न-7 रचनात्मक लेखन (5 अंक)

विषयवस्तु 3 अंक

भाषा शैली 1 अंक

सृजनात्मकता 1 अंक

प्रश्न-8 पत्र लेखन (5 अंक)

आरंभ और अंत की औपचारिकतायें 1 अंक

विषयवस्तु 3 अंक

भाषा 1 अंक

प्रश्न-9 (3+2)

क) कहानी की भाषा शैली रोचक व आकर्षक होनी चाहिए। भाषा पात्रानुकूल व भावानुकूल होनी चाहिए। इसकी भाषा पाठकों को आनंदमग्न करने व जिज्ञासा बरकरार रखने वाली होनी चाहिए।

अथवा

नाटक का सबसे ज़रूरी और सशक्त माध्यम है- संवाद। संवाद ही नाटक की आत्मा है। संवादों के माध्यम से कथानक अग्रसर होती है तथा दर्शकों में उत्सुकता का संचार होता है।

ख)बिंब कविता को पाठकों की इंद्रियों से जोड़ते हैं। हमारी बाह्य संवेदनाएं मन के स्तर पर बिंब में बदल जाती है। कुछ विशेष शब्दों को पढ़कर या सुनकर अनायास हमारे मन के भीतर कुछ चित्र कौंध जाते हैं, ये स्मृति चित्र ही शब्दों के सहारे कविता का बिंब निर्मित करते हैं।

अथवा

कहानी के प्रमुख तत्व हैं- कथानक या कथावस्तु, पात्र व चरित्र चित्रण, कथोपकथन या संवाद, देशकाल और वातावरण, भाषा शैली व उद्देश्य।

प्रश्न-10

क) विशेष लेखन चूंकि किसी खास विषय पर सामान्य लेखन से हटकर किया गया लेखन है, इसलिए विशेष क्षेत्र जिस पर लेखन किया जाना है, जैसे अपराध, खेल, फ़िल्म आदि उस क्षेत्र विशेष की लेखक को विशेषज्ञता होनी चाहिए।

अथवा

संपादक द्वारा किसी समसामयिक अथवा ज्वलंत विषय पर लिखे गए विचारपरक लेख को सम्पादकीय कहते हैं। सम्पादकीय किसी व्यक्ति विशेष का विचार नहीं होता, बल्कि उस समाचार पत्र की विचारधारा को प्रकट करता है, इसलिए सम्पादकीय में संपादक का नाम नहीं दिया जाता।

ख) स्ट्रिंगर अंशकालिक पत्रकार को कहते हैं। ये किसी समाचार संगठन में अस्थायी रूप से निश्चित मानदेय पर कार्य करते हैं।

अथवा

समाचार लेखन की उल्टा पिरामिड शैली में छः ककार होते हैं- क्या, कौन, कहाँ, कब, क्यों और कैसे।

प्रश्न-11

क)एक अपाहिज व्यक्ति के साथ झूठी सहानुभूति जताकर उसकी करुणा का सौदा करना चाहते हैं। एक अपाहिज की करुणा को पैसे के लिए टी.वी. पर दर्शाना वास्तव में क्रूरता की चरमसीमा है।

ख) कवि को सुबह का आकाश ऐसा लगता है कि मानो चौका राख से लीपा गया हो तथा वह अभी गीला हो। जिस तरह गीला चौका स्वच्छ होता है, उसी प्रकार सुबह का आकाश भी स्वच्छ होता है, उसमें प्रदूषण नहीं होता।

ग) आज के समय में कविता के अस्तित्व के बारे में संशय हो रहा है। यह आशंका जताई जा रही है कि यांत्रिकता के दबाव से कविता का अस्तित्व नहीं रहेगा। ऐसे में यह कविता-कविता की अपार संभावनाओं को टटोलने का एक अवसर देती है।

प्रश्न 12

क) राम लक्ष्मण की मूर्छा से विलाप करते हुए कहा रह हैं कि जिस प्रकार पंख के बिना पक्षी, मणि के बिना नाग, और सूंड के बिना हाथी का जीवन व्यर्थ या अपूर्ण है, ठीक उसी प्रकार लक्ष्मण के बिना मेरा जीवन।

ख) कवि अपने संबोध्य को कह रहे हैं कि जिस प्रकार चाँद धरती को रात भर अपने उज्ज्वल प्रकाश से आलोकित करता है, ठीक उसी प्रकार कवि का जीवन उनकी प्रिया द्वारा आलोकित है।

ग) कवि ने नए-नए उपमानों के द्वारा सूर्योदय का सुंदर वर्णन किया है। ये उपमान सूर्य के उदय होने में सहायक हैं। कवि ने इनका प्रयोग प्रगतिशीलता के लिए किया है। सूर्योदय होते ही यह जादू टूट जाता है।

प्रश्न 13

क) लुट्टन ने कुश्ती के दाँव-पेंच किसी गुरु से नहीं बल्कि ढोल की आवाज से सीखे थे। ढोल से निकली हुई ध्वनियाँ उसे दाँव-पेच सिखाती हुई और आदेश देती हुई प्रतीत होती थी। जब ढोल पर थाप पड़ती थी तो पहलवान की नसें उत्तेजित हो जाती थी वह लड़ने के लिए मचलने लगता था।

ख) काले मेघा पानी दे पाठ में लेखक ने भ्रष्टाचार की समस्या का वर्णन किया है, जो आज भी हमारे देश की सबसे बड़ी समस्या है। विकास योजनाएं इसकी भेंट चढ़ जाती हैं।

ग) भक्तिन और लेखिका के बीच सेवक स्वामी के संबंध से बड़ा संबंध था। भक्तिन लेखिका की सखी, शुभचिंतक सब कुछ थी।

प्रश्न 14

क) क्योंकि बाजार की चकाचौंध में वो आकर्षण है, जिसके जादू भरे सौंदर्य से लोग खींचे चले आते हैं।

ख) क्योंकि सिख बीबी हूबहू उनकी माँ से मिल रही थी।

ग) इसका आशय यह है कि सरहद या सीमा का बंटवारा लोगों के दिलों को नहीं बांट सकता। प्रेम, मोहब्बत, इंसानियत सरहद से बढ़कर हैं।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, रायपुर संभाग

प्रतिदर्श एवं अभ्यास प्रश्न पत्र-8 2020-21

विषय- हिन्दी (केन्द्रिक-302)

कक्षा-12वीं

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक - 80**

सामान्य निर्देश :-

(i) इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं। प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं - अ, ब । प्रश्न-पत्र के खंड 'अ' में प्रश्न संख्या 1 से 6 तक वस्तुपरक प्रश्न हैं एवं खंड 'ब' में प्रश्न संख्या 7 से 14 तक वर्णनात्मक प्रत्र हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सामने अंकित हैं।

(ii) कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खंड 'अ' (वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए पत्रों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए: 1x10-10

सुचारित्र्य के दो सशक्त स्तम्भ हैं –- प्रथम- सुसंस्कार और द्वितीय - सत्संगति l सुसंस्कार भी पूर्व जीवन की सत्संगति व सत्कर्मों की अर्जित संपत्ति है और सत्संगति वर्तमान जीवन की दुर्लभ विभूति है l जिस प्रकार कुधातु की कठोरता और कालिख पारस के स्पर्श से कोमलता और कमनीयता में बदल जाती है, ठीक उसी प्रकार कुमार्गी का कालुष्य सत्संगति से स्वर्णिम आभा में परिवर्तित हो जाता है| सतत सत्संगति से विचारों को नई दिशा मिलाती है और अच्छे विचार मनुष्य को अच्छे कर्मों के लिए प्रेरित करते हैं| परिणामतः सुचरित्र का निर्माण होता है| आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ने लिखा है- " महाकवि टैगोर के पास बैठने मात्र से ऐसा प्रतीत होता था मानो भीतर का देवता जाग गया हो|"

वस्तुतः चरित्र से ही जीवन की सार्थकता है | चरित्रवान व्यक्ति ही समाज की शोभा है,शक्ति है | सुचारित्र्य से व्यक्ति ही नहीं ,समाज भी सुवासित होता है और इस सुवास से राष्ट्र यशस्वी बनता है| विदुर जी की उक्ति अक्षरश: सत्य है कि सुचरित्र के बीज हमें भले ही परंपरा से प्राप्त हो सकते हैं पर चरित्र निर्माण व्यक्ति के अपने बलबूते पर निर्भर है | आनुवांशिक परंपरा,परिवेश और परिस्थिति उसे केवल प्रेरणा दे सकते हैं पर उसका अर्जन नहीं कर सकते; वह व्यक्ति को उत्तराधिकार में प्राप्त नहीं होता|व्यक्ति विशेष के शिथिल चरित्र होने से पूरे राष्ट्र पर चरित्र संकट उपस्थित हो जाता है क्योंकि व्यक्ति पूरे राष्ट्र का एक घटक है|अनेक व्यक्तियों से मिलकर एक परिवार,अनेक परिवारों से एक कुल,अनेक कुलों से एक जाति या समाज और अनेकानेक जातियों और समाज-समुदायों से मिलकर ही एक राष्ट्र बनता है|आज जब लोग राष्ट्रीय चरित्र निर्माण की बात करते हैं; तब वे स्वयं उस राष्ट्र के आचरक घटक हैं- इस बात को विस्मृत कर देते हैं|

(1) सुचारित्र्य के सशक्त स्तम्भ हैं-

(क) सुसंस्कार (ख) संपत्ति (ग) सत्संगति (घ) सुसंस्कार और सत्संगति

(2) सुसंस्कार पूर्व जीवन की कैसी संपत्ति है ?

(क) उपार्जित (ख) अनुभव संपन्न (ग) अर्जित (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

(3) सत्संगति कुमार्गी को कैसे सुधारती है ?

(क) समझाकर (ख) स्वर्णिम आभा से उसे बदल कर (ग) अनुभव करा कर (घ)उपरोक्त में से कोई नहीं

(4) सतत संगति का मनुष्य पर क्या प्रभाव नहीं पड़ता है –

(क) विचारों को नई दिशा मिलाती है| (ख) मनुष्य अच्छे कर्मों के लिए प्रेरित होता है|

(ग) व्यक्ति विद्वान् बन जाता है| (घ) सुचरित्र का निर्माण होता है|

(5) जीवन की सार्थकता किससे है?

(क) व्यवहार से (ख) वाक्पटुता से (ग) धन से (घ) चरित्र से

(6) चरित्रवान व्यक्ति ही समाज के लिए हैं –

(क) सहारा (ख) आदर्श (ग) शक्ति (घ) परिवर्तक

(7)विदुर जी की उक्ति के सन्दर्भ में क्या सत्य नहीं है –

(क) चरित्र निर्माण व्यक्ति के स्वयं पर निर्भर है| (ख) सुचरित्र के बीज परंपरा से प्राप्त हो सकते हैं|

(ग) चरित्र निर्माण संगति से होता है| (घ) परिस्थिति उसे केवल प्रेरणा दे सकती है

(8) उत्तराधिकार में क्या प्राप्त नहीं होता ?

(क) धन (ख)संस्कार (ग)चरित्र (घ)आदत

(9) शिथिल चरित्र समूचे राष्ट्र को कैसे प्रभावित करता है?

(क) राष्ट्र का विकास रुक जाता है| (ख)राष्ट्र पर संकट उपस्थित हो जाता है|

(ग) राष्ट्र शिथिल हो जाता है| (घ)उपरोक्त में से कोई नहीं|

(10) 'राष्ट्रीय'-मूल शब्द व प्रत्यय का सही विकल्प है :

(क) राष्ट्र+इय (ख) राष्ट+इय (ग) राष्ट्र+ई (घ) राष्ट्र+ईय

अथवा

मनुष्य सामाजिक प्राणी है। वह समाज में रहकर अपनी सेवाओं के आदान-प्रदान से सभी इच्छाओं की पूर्ति करता है। यह भावना मित्रता को जन्म देती है। मित्रता का अर्थ है, सहायक या दोस्त जो हर सुख-दुख में हमारा साथ निभाता है। अत: जीवन में मित्रता का महत्त्व सभी लोग स्वीकार करते हैं। सच्ची मित्रता सुख का सार है। सच्ची मित्रता उन बाँहों के समान सहारा देने वाली होती है जो हर मुसीबत में साथ देकर संकट को दूर भगाती है। मित्र बनाते समय हमें सावधानी भी रखनी चाहिए कि अच्छे व्यक्ति को ही अपना मित्र बनाएँ। तड़क-भड़क, शान-शौकत तथा फैशन करने वाले, हँसमुख, मनभावनी चाल देखकर ही किसी को मित्र नहीं बनाना चाहिए। अच्छे मित्र का मिलना परम सौभाग्य की बात मानी जाती है। वह व्यक्ति माता के समान धैर्य तथा कोमलता रखता है। औषधि के समान कड़वी बात कहकर भी हमारी कमियों को दूर भगाता है तथा हमारा सुधार करता है। जैसे विपत्ति में खजाना काम आ जाता है, विपत्ति से बचा लेता है उसी प्रकार एक अच्छा मित्र हरदम हमारा कल्याण चाहता रहता है। मित्र के नाम पर बुरे लोग भी समाज में मिल जाते हैं। वे हमसे नहीं; हमारे पैसे से प्रेम करते हैं। वे हमारी नैतिकता का पतन कराते हैं। अत: हमें उनसे बचकर ही रहना चाहिए। यह सोचकर मित्रता का हाथ बढ़ाना चाहिए कि वह आगामी जीवन में कितना उपयोगी सिद्ध होगा। मित्रता से अनेक लाभ हैं। सच्चा मित्र सुख, दुख में साथ देता है। हमारी सवृत्तियों को बढ़ाता है। जीवन का मार्ग आसान होता जाता है। अत: मित्रता के लाभ का महत्त्व स्वतः स्पष्ट हो जाता है।

(1) मित्रता को जन्म देती है:

(क) मूर्खता की भावना (ख) सरलता की भावना (ग) सामाजिकता की भावना (घ) असामाजिकता की भावना

(2) हमारी नैतिकता का पतन कराते हैं :

(क) हमसे प्रेम करने वाले (ख) हमारे पैसे से प्रेम करने वाले (ग) हमारे सच्चे मित्र (घ)उपर्युक्त सभी

(3) हरदम हमारा कल्याण चाहता है:

(क) सहपाठी (ख) पड़ोसी (ग) अच्छा मित्र (घ) उपर्युक्त तीनों नहीं

(4) निम्न में से सच्चे मित्र की विशेषता नहीं है-

(क) मुसीबत में साथ देकर संकट को दूर भगाता है। (ख) हमें हमारी कमियाँ नहीं बताता है

(ग) कड़वी बात कहकर भी हमारी कमियों को दूर भगाता है| (घ) हमारी सवृत्तियों को बढ़ाता है

(5)हमें ऐसे व्यक्ति से मित्रता नहीं करनी चाहिए जो-

(क) हमें कमियाँ बताता है। (ख) मुसीबत में साथ नहीं देता है।

(ग) सुख-दुख में साथ देता है। (घ)कोई नहीं

(6) मित्रता का लाभ नहीं है-

(क) सुख-दुख में साथ (ख) अच्छाइयों का विकास

(ग) जीवन का मार्ग आसान बनता है (घ) हर समय प्रशंसा मिलती है

(7) हमें मित्र बनाना चाहिए-

(क)हँसमुख व्यक्ति को (ख)तड़क-भड़क वाले को (ग)फैशन करने वाले को (घ)अच्छे व्यक्ति को

(8) मित्रता' शब्द व्याकरण के अनुसार है:

(क) विशेषण (ख)संज्ञा (ग) प्रविशेषण (घ) सर्वनाम

(9) 'सामाजिक-मूल शब्द व प्रत्यय का सही विकल्प है :

(क) सामाज + इक (ख) समाज + ईक (ग) समाज + इक (घ)सामा + जिक

(10) वह व्यक्ति माता के समान धैर्य तथा कोमलता रखता है। -रचना के आधार पर वाक्य भेद है-

(क) सरल (ख) संयुक्त (ग)मिश्र। (घ)इनमें से कोई नहीं

2.निम्न काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1x5=5

नीलांबर परिधान हरित पट पर सुन्दर है.
सूर्य-चन्द्र युग मुकुट, मेखला रवाकर है,
नदियाँ प्रेम प्रवाह, फूल तारे मंडल हैं,
बंदीजन खग-वृंद शेषफन सिंहासन है,
करते अभिषेक पयोद हैं, बलिहारी इस वेष की,
हे मातृभूमि तू सत्य ही, सगुण मूर्ति सर्वेश की।
जिसकी रज में लोट-लोट कर बड़े हुए हैं,
घुटनों के बल सरक-सरक कर खड़े हुए हैं,
परमहंस सम बाल्यकाल में सब सुख पाए,
जिसके कारण धूल भरे हीरे कहलाए,
हम खेले कूदे हर्षयुत, जिसकी प्यारी गोद में।

हे मातृभूमि तुझको निरख, मन क्यों न हो मोद में?

(1) कवि किसके बारे में वर्णन कर रहा है?

(क)मातृभूमि (ख) ईश्वर (ग) देवभूमि। (घ) नीलांबर

(2)कवि ने पृथ्वी का परिधान किसको बताया है ?

(क) रत्नाकरको (ख) नीलांबर को (ग) चन्द्र को (घ) नदियों को

(3)धूलभरे हीरे किसे कहा गया है?

(क) मातृभूमि की अमूल्य संतान को। (ख) धूल मिट्टी उड़ाने वाले। (ग) धूल से भरे हीरे। (घ) इनमें से कोई नहीं

(4) परमहंस सम बाल्यकाल' पंक्ति में अलंकार है-

(क) यमक (ख) उपमा (ग) उत्प्रेक्षा (घ) रुपक

(5) समुद्र' का पर्यायवाची शब्द है:

(क) नीलांबर (ख) रत्नाकर (ग) बंदीजन (घ) सिंहासन

अथवा

ब्रह्मा से कुछ लिखा भाग्य में
मनुज नहीं लाया है,
अपना सुख उसने अपने
भुजबल से ही पाया है।
प्रकृति नहीं डरकर झुकती है
कभी भाग्य के बल से,
सदा हारती वह मनुष्य के
उद्यम से थम-जल से।
ब्रह्मा का अभिलेख पढ़ा
करते निरुद्यमी प्राणी,
धोते वीर कु-अंक भाल के
बहा भ्रुवों के पानी।
भाग्यवाद आवरण पाप का,
और शस्त्र शोषण का;
जिससे रखता दबा एक जन
भाग दूसरे जन का।

(1) 'शोषण का शस्त्र किसे कहा गया है?

(क) परिश्रम को (ख) भुजबल को (ग) भाग्यवाद को (घ) पाप के आवरण को

(2) प्रकृति मनुष्य के आगे झुकती है :

(क) भाग्य से (ख) स्वयं से (ग) परिश्रम से (घ) उपर्युक्त तीनों से

(3) मनुष्य ने सुख पाया है :

(क) भाग्य के बल से (ख) दूसरों के बल से (ग) भुजबल से (घ) उपर्युक्त तीनों से

(4)इस काव्यांश से क्या प्रेरणा मिलती है?

(क)शोषण करने की (ख) भाग्य के भरोसे बैठने की (ग)उद्यमी प्राणी बनने की (घ)निरुद्यमी प्राणी बनने की।

(5) भाग्य का लेख कैसे लोग पडते हैं?

(क) उद्यमी (ख)निरुद्यमी (ग)परिश्रमी (घ)उपर्युक्त तीनों

3. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए:1x5-5

(1) ऑल इंडिया रेडियो की स्थापना कब हुई?

(क) 1850 में (ख) 1900 में (ग) 1936 में (घ) 2010 में

(2)घटना के बारे में प्रत्यक्षदर्शियों या संबंधित व्यक्तियों का कथन दिखा और सुनाकर खबर की पुष्टि करना कहलाता है-

(क) ड्राई एंकर (ख) लाइव (ग) एंकर बाइट (घ) एंकर विजुअल

(3)हिन्दी के पहले साप्ताहिक पत्र का संपादन किया गया-

(क) पं. जुगल क्रिशोर शुक्ल द्वारा (ख) पं. राम मनोहर द्वारा (ग) बालमुकुंद गुप्त द्वारा(घ) इनमें से कोई नहीं

(4) समेकित माध्यम है-

(क) टी. वी. (ख) इंटरनेट (ग) अखबार (घ) रेडियो

(5) निम्न में से पत्रकार का प्रकार है-

(क) पूर्णकालिक (ख) फ्रीलांसर (ग) अंशकालिक (घ) सभी

4. निम्न काव्यांश को पड़कर पूछे गए प्रन्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1x5-5

मुझसे मिलने को कौन विकल?

मैं होऊँ किसके हित चंचल?

यह प्रश्न शिथिल करता पद को,

भरता उर में विहवलता है!

दिन जल्दी-जल्दी ढलता है!

(1)प्रस्तुत काव्य पंक्तियाँ किस कविता से ली गई है?

(क) एक गीत (ख) कविता के बहाने (ग) कैमरे में बंद अपाहिज (घ) सहर्ष स्वीकारा है

(2) प्रस्तुत काव्य पंक्तियाँ निम्न में से किस कवि द्वारा रचित है?

(क) कुँवर नारायण (ख) हरिवंशराय बच्चन(ग) रघुवीर सहाय (घ) शमशेर बहादुर सिंह

(3) प्रस्तुत काव्यांश के भाव के सन्दर्भ में कौनसी पंक्ति सही है?

(क) जीवन के अकेलेपन की पीड़ा की अभिव्यक्ति (ख) गति के लिए प्रेम ही प्रेरक होता है

(ग) अकेलेपन का बोध लौटते कदमों को शिथिल एवं मन को विहवल करता है (घ) उपर्युक्त सभी

(4) कवि के पद शिथिल और उर में विह्वलता क्यों है?

(क) घर में प्रतीक्षा करने वाले परिजन के न होने के कारण (ख) अकेलेपन के अनुभव के कारण

(ग) उपर्युक्त दोनों कारण (घ) उपर्युक्त दोनों नहीं

(5) दिन जल्दी-जल्दी ढलता है में अलंकार है-

(क) यमक (ख) रूपक (ग) पुनरूत्तिप्रकाश (घ) मानवीकरण

5. निम्न गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1x5-5

सेवक धर्म में हनुमान जी से स्पर्धा करने वाली भक्तिन किसी अंजना की पुत्री न होकर एक अनामधन्या गोपालिका की कन्या है- नाम है लछमिन अर्थात् लक्ष्मी। पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्बह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के

कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी। वैसे तो जीवन में प्राय: सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है; पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धिसूचक नाम किसी को बताती नही।

(1) प्रस्तुत गद्यांश के लेखक है-

(क) जैनेन्द्र कुमार (ख) महादेवी वर्मा (ग) भक्तिन (घ) धर्मवीर भारती

(2) भक्तिन के सन्दर्भ में हुनुमान जी का उल्लेख हुआ है-

(क) समझदारी के लिए (ख) स्पर्द्धा के लिए (ग) सेवा भाव के लिए (घ) शक्ति के लिए

(3) इस गद्यांश में लक्ष्मी किसका वास्तविक नाम है?

(क) लेखिका (ख) भक्तिन (ग) अंजना (घ) अंजना की पुत्री

(4) वह अपना समृद्धिसूचक नाम किसी को बताती नहीं। यहाँ किस नाम को समृद्धिसूचक कहा है?

(क) भक्तिन (ख) लक्ष्मी (ग) समृद्धि (घ) इनमें से कोई नहीं

(5) पर जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्बह है

- इस पंत्ति में मेरे से आशय है-

(क) भक्तिन (ख) लक्ष्मी (ग) लेखिका (घ) अंजना

6. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए। 1x10-10

(1) सिल्वर वैडिंग साहित्य की कौनसी विधा है?

(क) निबंध (ख) कहानी (ग) आत्मकथा (घ) यात्रावृत्त

(2) यशोधर बाबू ने किशनदा से निन्न में से किन जीवन मूल्यों को पाया था?

(क) अनुशासन (ख) कार्यनिष्ठा (ग) सिध्दांतप्रियता (घ) उपर्युक्त सभी

(3)यशोधर बाबू के चरित्र की विशेषता नहीं है-

(क) समय के पाबंद (ख) आधुनिक (ग) मानवीय मूल्यों में विश्वास (घ)परंपरावादी

(4) सिल्वर वैडिंग कहानी के सन्दर्भ में असंगत है-

(क) यशोधर वाबू अनिर्णय की स्थिति में हैं। (ख) जो हुआ होगा में ज्यों का त्यों स्वीकार कर लेने का भाव है।

(ग) सिल्वर वैडिंग के आयोजन में यशोधर बाबू की सहमति थी। (घ) किशनदा के व्यक्तित्व का यशोधर बाबू पर बहुत ज्यादा प्रभाव था।

(5) किशन दा और यशोधर बाबू के संबंधों के बारे में असंगत है-

(क) दोनों के संबंध स्नेहपूर्ण, प्रगाढ़ व असीम (ख) यशोधर दूर होने के बाद किशनदा को धीरे-धीरे भूल गए

(ग) किशन दा यशोधर बाबू के आदर्श (घ) यशोधर बाबू द्वारा किशन दा की जीवन शैली को ज्यों का त्यों अपना लेना

(6) कविता के प्रति लगाव के बाद जूझ के लेखक की धारणा में क्या बदलाव आाया?

(क) आशावादी एवं आत्मविश्वासी बन गया (ख) उसे अकेलापन भी अच्छा लगने लगा

(ग) कविता सृजन में विघ्न स्वीकार्य नहीं (घ) उपर्युक्त सभी

(7) जूझ पाठ के आधार पर बताइए कि पढ़ाई -लिखाई के संबंध में किसका रवैया सही नहीं था?

(क) लेखक का (ख) दत्ताजी राव का (ग) लेखक के पिता का (घ) लेखक की माता का

(8) जूझ के लेखक के जीवन संचर्ष के सन्दर्भ में असंगत है-

(क) पाठशाला जाने के लिए संधर्ष (ख) कक्षा में स्थान बनाने के लिए संघर्ष

(ग) आदर्श पारिवारिक परिस्थितियों के लिए संघर्ष (घ) कोई नहीं

(9) जूझ पाठ के कथानायक की कौनसी चारित्रिक विशेषता नहीं है?

(क) काव्य प्रेमी (ख) परिश्रमी (ग) असंवेदनशील (घ) जुझारू

(10) जूझ पाठ है-

(क) आत्मकथात्मक उपन्यास (ख) कहानी (ग) जीवनी (घ) यात्रावृत्त

खंड 'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न)

7. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए: 5

(क) जब अचानक रास्ते में आपकी ट्रेन रुक गई

(ख) मेरे विद्यालय का खेल का मैदान

(ग) मेरे मुहल्ले का चौराहा

8. कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण सार्वजनिक स्थानों पर साफ-सफाई के नियमों का कड़ाई से पालन करवाने का निवेदन करते हुए नगरपालिका अध्यक्ष को पत्र लिखिए। 5

अथवा

कोरोना संकट के कारण बाहर आपको पुस्तकें नहीं मिल रही हैं। विद्यालय पुस्तकालय से पुस्तक दिलवाने की आग्रह करते हुए प्राचार्य महोदय को एक पत्र लिखिए।

9. (क) कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय किन महत्त्वपूर्ण बातों का ध्यान रखना चाहिए? लिखिए। 3

अथवा

आपके द्वारा पढ़ी हुई किसी कहानी का कथानक लिखिए।

(ख) नाटक में पात्रों के संवादों का क्या महत्त्व है? लिखिए। 2

10. (क) फीचर किसे कहते हैं? फीचर की भाषा शैली कैसी होनी चाहिए? 3

अथवा

विशेष लेखन किसे कहते हैं? इसके प्रमुख क्षेत्र कौन- कौन से हैं?

(ख) उलटा पिरामिड शैली से आप क्या समझते हैं? 2

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के लगभग 50-60 शब्दों में उत्तर लिखिए: 3x2=6

(क) कैमरे में बंद अपाहिज' करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है? इस कथन पर अपने विचार व्यक्त कीज़िए।

(ख) 'कविता के बहाने कवि ने किन-किन से कविता का संबंध जोड़ा है और कैसे?

(ग) कविता के किन उपमानों को देखकर यह कहा जा सकता है कि उषा कविता गांव की सुबह का गतिशील शब्दचित्र है?

12. निम्नसिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के लगभग 30-40 शब्दों में उत्तर लिखिए:

2x2=4

(क) शोकग्रस्त माहौल में हनुमान के अवतरण को करुण रस के बीच वीर रस का आविर्भाव क्यों कहा गया है ?

(ख) शायर राखी के लच्छे को बिजली की चमक की तरह कहकर क्या भाव व्यंजित करना चाहता है ?

(ग) जीवन की प्रत्येक परिस्थिति को कवि क्यों सहर्ष स्वीकारता है?' सहर्ष स्वीकारा है' के आधार पर बताइए।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के लगभग 50-60 शब्दों में उत्तर लिखिए:

3x2=6

(क) पहलवान की ढोलक का गाँव वालों पर क्या प्रभाव होता था?

(ख) मेंढक-मंडली से लेखक का क्या तात्पर्य है? वह उन पर पानी डालने को क्यों व्यर्थ मानता था?

(ग) बाज़ार के जादू से क्या आशय है? इस जादू से कैसे बचा जा सकता है?

14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के लगभग 30-40 शब्दों में उत्तर लिखिए:

2x2=4

(क) इंद्र सेना किसे कहा गया है और क्यों? 'काले मेघा पानी दे के आधार पर बताइए।

(ख) नमक की पुड़िया ले जाने के संबंध में सफिया के मन में क्या द्वंद्व था ?

(ग) अंबेडकर जी के मत से 'दासता' की व्यापक परिभाषा क्या है ?

केन्द्रीय विद्यालय संगठन रायपुर संभाग

प्रतिदर्श एवं अभ्यास प्रश्न पत्र -8 2020-2021

अंक योजना हिन्दी (केन्द्रिक)

कक्षा-बारहवीं

प्रश्न सं. उत्तर-संकेत/ बिंदु /निर्धारित अंक विभाजन

खंड-अ

1. अपठित गद्यांश पर आधारित –

(1) घ (2) ग (3) ख (4) क (5) घ (6) ग (7) ग (8) ग (9) ख (10) घ

अथवा

(1) ग (2) ख (3) ग (4) ख (5) ख(6) घ (7) घ (8) ख(9) ग (10) क

1 X10=10

2.अपठित काव्यांश आधारित -

(1) क (2) ख (3) क (4) ख (5) ख

अथवा

(1) ग (2) ग (3) ग (4) ग (5) ख

3.अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक आधारित प्रश्न – 1x5 =5

(1) ग (2) ग (3) क (4) ख (5) घ

4पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न - 1x5 =5

(1) क (2) ख (3) घ (4) ग (5) ग

5 पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न - 1x5 =5

(1) ख (2) ग (3) ख (4) ख (5) ग

6 वितान भाग –2 के पाठों पर आधारित प्रश्न - 1x10 =10

(1) ख (2) घ (3) ख (4) ग (5) ख (6) घ (7) ग (8) घ (9) ग (10) क

खंड- ब

नोट :- उत्तर योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं है। ये सुझावात्मक तथा सांकेतिक हैं। यदि विद्यार्थी ने इनसे भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं तो उपयुक्त अंक दिए जाएँ।

7 रचनात्मक लेख पर आधारित प्रश्न -

विषय-वस्तु - 3

भाषा - 1

कल्पनाशीलता - 1

8 पत्र-लेखन -

आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ- 1

विषयवस्तु - 3

भाषा - 1

9 रचनात्मक लेख पर आधारित प्रश्न -

(क) कहानी मे नाटक बनाते हुए संवाद, मूल कथावस्तु, भाषा-शैली, मंच सज्जा, ध्वनि, प्रकाश, चरित्र-चित्रण, पात्रों की भाव भंगिमा, दृश्यात्मकता आदि का ध्यान रखना चाहिए। -3 अंक

अथवा

उपयुक्त कथानक लिखने पर अंक दिए जाएं।

(ख) संवादों से पात्र की कल्पना; संवाद नाटक का आधार हैं। संवाद पात्र को स्थापित, विकसित करते हैं और कहानी को गति देते हैं, आगे बढ़ाते हैं। जो घटना या प्रतिक्रियाएं संवादों के माध्यम से ही सामने आती है। 2 अंक

3+2=5

10 किन्ही दो प्रश्नों के सटीक व अपेक्षित उत्तर लिखने पर पूरे अंक दिए जाएं |

(क) फीचर लेखन- फीचर एक आत्मनिष्ठ, सुव्यवस्थित व सृजनात्मक लेखन है। इसमें लेखक किसी विषय पर रोचक शैली में विषय का वर्णन करता है। फीचर की भाषा सरल, सहज व प्रभावी होती है। शैली आकर्षक व रोचक होती है। (3 अंक)

अथवा

विशेष लेखन- सामान्य विषय से हटकर किसी विशेष विषय पर किया गया लेखन विशेष लेखन कहलाता है। इसके क्षेत्र हैं- अपराध, राजनीति, व्यापार-व्यवसाय, फैशन व फ़िल्म, क्रीड़ा जगत आदि।

(ख) समाचार लेखन की लोकप्रिय, उपयोगी और बुनियादी शैली। कथा लेखन शैली उलटी, महत्त्वपूर्ण तथ्य, सूचना या जानकारी शुरू में कम महत्त्वपूर्ण सूचना या तथ्य बाद में; इंट्रो या मुखड़ा, बॉडी, समापन। -2 अंक

11 काव्य खंड पर आधारित प्रश्न-

(क) चैनलों/दूरदर्शन द्वारा अपाहिज व्यक्तियों की बेबसी को दिखाकर करूणा पैदा करने के पीछे क्रूरतापूर्वक व्यावसायिक उद्देश्यों का संचालन (विद्यार्थियों के अन्य तर्कसंगत विचार भी स्वीकार्य)।

(ख)चिड़िया, फूल और बच्चे: चिड़िया की उड़ान, फूल का खिलना और बच्चों का खेल; चिड़िया की उड़ान की सीमा, फूल के खिलने की सीमा किंतु बच्चों के सपने असीमित।

(ग) राख से लीपा हुआ चौका, काली सिल पर लाल केसर तथा स्लेट पर लाल खड़िया चाक आदि उपमानों को देखकर। 3x2 =6

12 काव्य खंड पर आधारित प्रश्न-

(क) हनुमान के आने से राम का विलाप बंद हो गया। निराशा में आशा और उत्साह का संचार हो गया, वातावरण वीरता और उत्साह की भावना से से भर गया।

(ख) राखी रंग- बिरंगी होती है। कलाई में बधी हुई राखी बिजली की तरह चमकीली प्रतीत होती है।

(ग) प्रिय की देन; प्रिय की स्मृतियों जुड़ी होने, कवि की हर परिस्थिति में प्रिय का साथ होने के कारण।

2x2 =4

13 गद्य खंड पर आधारित प्रश्न-

(क) चुनौतियों का सामने करने का साहसः धैर्य, साहस और स्फूर्ति की भावना, बीमार लोगों के लिए संजीवनी का कार्य, मृत्यु को हँसकर स्वीकार करना।

(ख) उछल-कूद, शोर-शराबा करती, कीचड़ में लोटती, गंगा मैया का जयकारा लगाती ,ग्रामीण बालकों की टोली। उम्र दस-बारह से लेकर सोलह-अठारह वर्ष, साँवला नग्न शरीर, इंद्र देवता से वर्षा हेतु प्रार्थना करते बालक, सूखे की समस्या, चारों ओर पानी की कमी, ऐसे में मेंडक मंडली पर पानी डालना व्यर्थ।

(ग) बाज़ार का आकर्षण, मानसिक संतुष्टि, आवश्यकतानुसार सामान की खरीददारी; क्रय शक्ति के प्रदर्शन से बचाव।

3x2 =6

14 गद्य खंड पर आधारित प्रश्न-

(क) लड़कों की टोली को; जो अकाल की विभीषिका से बचाने के लिए वर्षा के देवता इंद्र के प्रति भक्तिभाव के साथ घूम-घूम कर मेघों से पानी देने की गुहार लगाती हैं।

(ख) नमक की पुड़िया चोरी छुपे ले जाए या कस्टम अधिकारियों को दिखाकर।

(ग) जहां कुछ व्यक्तियों को दूसरे के द्वारा निर्धारित व्यवहार तथा कर्तव्य का पालन करने के लिए विवश होना पड़ता है। 2x2 =4